THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 313 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) फाल्गुन कृ.7, 2082 रविवार, 8 फरवरी-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

पप्पू यादव को नहीं मिली जमानत

पटना, 7 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार की पूर्णिया लोकसभा सीट से निर्दलीय लोकसभा सांसद पप्पू यादव को आधी रात में गिरफ्तार किया गया था। अब कोर्ट ने उन्हें दो दिनों की न्यायिक हिरासत पर भेज दिया है। उनकी जमानत पर अब सोमवार को सुनवाई होगी। पप्पू यादव को पटना पुलिस ने 31 साल पुराने मामले में गिरफ्तार किया था।

कांग्रेस से जुड़े सांसद पप्पू यादव फिलहाल इलाज के लिए पटना मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में भर्ती रहेंगे। एमपी/एमएलए कोर्ट में सुनवाई के दौरान न्यायालय ने उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया गया है। अब इस मामले में सोमवार को एक बार फिर सुनवाई होगी।

अमेरिका ने खोले दरवाजे

> विकसित भारत की ओर बड़ी छलांग

'500 अरब डॉलर की इकोनॉमी में सीधी एंट्री'

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। भारत और अमेरिका के बीच 500 अरब डॉलर (करीब 45,29,069.80 रुपये) के व्यापार समझौते के लिए एक अंतरिम ढांचे पर सहमति बन गई है। यह समझौता न केवल दोनों देशों के आर्थिक रिश्तों में एक नया अध्याय है, बल्कि भारतीय निर्यातकों के लिए अमेरिकी बाजार में पैठ बढ़ाने का एक बड़ा मौका भी है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को अमेरिका के साथ हुई इस डील पर सरकार का पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि देश को विकसित बनाने की दिशा में यह समझौता अहम साबित होगा।

गोयल ने कहा कि हमारे निर्यातकों के लिए 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था मोस्ट प्रीफर्ड ड्यूटी के साथ खुलती है। कल देर रात जो भारत-अमेरिका के बीच संयुक्त बयान तय हुआ, दुनिया के सामने रखा गया, इसका हर तरफ स्वागत हुआ है। गोयल ने कहा कि आज का दिन भारत के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाएगा। पूरे देश में खुशी की लहर है। यह दिन विकसित भारत के

लिए अहम माना जाएगा। पीयूष गोयल ने कहा कि आज का दिन विकसित भारत 2047 की राह में एक महत्वपूर्ण दिन है, और उन्होंने अंतरिम व्यापार समझौते को भारत की अर्थव्यवस्था के लिए एक ऐतिहासिक कदम बताया।भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक वार्ता फरवरी 2025 में शुरू हुई थी, जिसका लक्ष्य प्रति वर्ष 500 अरब डॉलर का निर्यात कारोबार हासिल करना था। गोयल ने समझौते की घोषणा के बाद देशभर में फैली खुशी और आशावाद की भावना पर प्रकाश डाला। उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करते हुए एक भव्य, दूरदर्शी दृष्टिकोण प्रस्तुत करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व की प्रशंसा की।

द्विपक्षीय समझौते की चर्चा करते हुए हुए गोयल ने कहा कि यह दोनों देशों के बीच व्यापार को बढ़ावा देने और सहयोग को गहरा करने पर केंद्रित रही है। इस समझौते से भारतीय निर्यातकों, विशेष रूप से लघु एवं मध्यम उद्यमों, किसानों और मछुआरों के लिए अवसरों में वृद्धि होने की उम्मीद है। गोयल ने इस दिन को भारत-अमेरिका व्यापार इतिहास में सुनहरे अक्षरों में लिखे जाने वाला दिन" बताया।

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मीडिया को भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते की रूपरेखा से अवगत कराते हुए इसे भारत के आर्थिक विकास के लिए एक ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने निर्यातकों, लघु व मध्यम उद्यमों, किसानों और मछुआरों के लिए संभावित लाभों पर प्रकाश डालते हुए, गोयल ने समझौते को भारत की विकसित भारत 2047 की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया, जिसमें रोजगार सृजन, मजबूत व्यापार संबंध और नवाचार और निवेश के अवसरों पर जोर दिया गया। रत्न और फार्मा कंपनियों पर कोई शुल्क नहीं लगेगा। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि नए भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के तहत, कई प्रमुख वस्तुओं के अमेरिका को निर्यात पर कोई शुल्क नहीं लगेगा। >14

मोदी को रिसीव करने पहुंचे पीएम इब्राहिम

ये उनका भारतीयों के लिए प्रेम : पीएम मोदी

यहां जल्द यूपीआई लॉन्च करेंगे

कुआलालंपुर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को 8 साल बाद दो दिन के मलेशिया दौरे पर पहुंचे। उन्हें मलेशिया के पीएम अनवर इब्राहिम ने एयरपोर्ट पर अपनी कार से रिसीव किया। इसके बाद पीएम मोदी कुआलालंपुर में भारतीय समुदाय को संबोधित किया। इस दौरान पीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम खुद एयरपोर्ट पर मेरा स्वागत करने आए।

वे मुझे अपनी कार से यहां लाए। इतना ही नहीं, उन्होंने मुझे अपनी सीट पर भी बैठाया। उन्होंने कहा, यह खास सम्मान भारत और भारतीय समुदाय के प्रति उनके प्यार और सम्मान को दिखाता है। भारत जल्द यहां अपना पमेंट सिस्टम यूपीआई लॉन्च करेगा। मोदी ने कहा-पिछले साल मैं आसियान शिखर सम्मेलन के लिए मलेशिया नहीं आ सका था, लेकिन मैंने अपने दोस्त से वादा किया था कि मैं जल्द मलेशिया

आऊंगा। आज मैं अपना वादा निभाने आया हूं। साल 2026 में यह मेरी पहली विदेश यात्रा है।

पीएम मोदी बोले-भारतीयों ने रोटी चनाई को मलाबार परोट्टा से जोड़ा पीएम मोदी ने भारतीय समुदाय के लोगों से कहा कि आपने रोटी चनाई को मलाबार परोट्टा से जोड़ा है। नारियल, मसाले और चाय भी हमारे रिश्ते को जोड़ते हैं।

चाहे कुआलालंपुर हो या कोच्चि, स्वाद एक जैसे लगते हैं। हम एक-दूसरे को अच्छी तरह समझते हैं, शायद इसलिए क्योंकि हमारी भाषाओं और मलय भाषा में कई शब्द समान हैं। मोदी ने कहा-मैंने सुना है कि मलेशिया में भारतीय संगीत और फिल्में काफी लोकप्रिय हैं। प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम बहुत अच्छा गाते हैं, लेकिन भारत में बहुत से लोगों को यह बात पहले नहीं पता थी। उनके पिछले भारत दौरे के दौरान जब उन्होंने एक पुराना हिंदी गीत गाया, तो उसके वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए। भारतीय पीएम ने कहा कि यह जानकर खुशी होती है कि प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम को महान अभिनेता और नेता एमजीआर के तमिल गीत बहुत पसंद हैं। >14

अमेरिका ने पीओके-अक्साई चिन को भारत का हिस्सा बताया

वॉशिंगटन, 7 फरवरी (एजेंसियां)। भारत और अमेरिका ने शुक्रवार को एक अंतरिम व्यापार समझौते का फ्रेमवर्क घोषित किया। इस घोषणा के साथ अमेरिकी ट्रेड ऑफिस (यूएसटीआर) ने इंडियन मैप शेयर किया।

इस मैप में पूरा जम्मू-कश्मीर क्षेत्र, जिसमें पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) और अक्साई चिन (चीन के कब्जे वाला इलाका) हैं, उन्हें भारत का हिस्सा दिखाया गया है। यह नक्शा सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। अमेरिका पहले के नक्शों में पीओके को अलग से दिखाता था। अंतरराष्ट्रीय मंचों और पश्चिमी देशों के सरकारी नक्शों में भी विवादित हिस्सों को अलग रंग या 'डॉटेड लाइन्स' से दिखाया जाता है।

इस बार ट्रम्प प्रशासन ने जानबूझकर या अनजाने में एक ऐसा नक्शा शेयर किया जो भारत की सीमाओं को पूरी तरह मान्यता देता है। भारत हमेशा से जम्मू-कश्मीर को अपना अभिन्न अंग मानता आया है।

पीओके को लेकर भारत-पाकिस्तान के बीच लंबे समय से विवाद

भारत और पाकिस्तान के बीच पीओके विवाद जम्मू-कश्मीर क्षेत्र से जुड़ा सबसे पुराना विवाद है। यह 1947 से चला आ रहा है और दोनों देशों के बीच युद्ध, तनाव और कूटनीतिक लड़ाई का कारण बना हुआ है।

'आपके शब्दों में थी नैतिक शक्ति'

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद के ऊपरी सदन में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के नामांकित सांसद सी. सदानंदन मास्टर के पहले भाषण की तारीफ करते हुए कहा कि यह उनकी 'नैतिक ताकत और दृढ़ विश्वास' को दिखाता है।

सांसद को लिखे एक पत्र में मोदी ने सदानंदन के हाल में दिए भाषण के दौरान अपनी बातों को 'शांत और आत्मविश्वासी तरीके' से प्रस्तुत करने की भी तारीफ की। प्रधानमंत्री ने कहा कि सदानंदन भले ही संसद में नए हों, 'लेकिन आप अपने साथ देश प्रथम की विचारधारा के प्रति जीवन भर की सेवा और प्रतिबद्धता लेकर आए हैं।'

'मेरी एक छोटी सी गलती से इतना विवाद खड़ा हो गया'

कर्नल सोफिया कुरैशी पर टिप्पणी करने वाले मंत्री विजय शाह ने फिर मांगी माफी

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय सेना की अधिकारी सोफिया कुरैशी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी को लेकर कानूनी जांच का सामना कर रहे बीजेपी के मंत्री विजय शाह ने अपने बयान के लिए माफी मांगी है। उन्होंने कहा कि मेरा भारतीय सेना या समाज के किसी भी वर्ग का अपमान करने का कोई भी इरादा नहीं था।

वरिष्ठ भारतीय जनता पार्टी नेता और मध्य प्रदेश के जनजातीय मामलों के मंत्री विजय शाह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'मैंने पहले भी कई बार कहा है और आज भी एक बार दोहरा रहा हूं कि मेरा किसी भी महिला अधिकारी, भारतीय सेना या समाज के किसी भी वर्ग का अपमान हो। मेरे शब्द मेरी भावनाओं के अनुरूप नहीं थे। देशभक्ति के उत्साह और आवेश में निकल गए। गलती के पीछे की भावनाओं को अवश्य देखा जाना चाहिए।' विजय शाह ने कहा, 'आप सब जानते हैं कि मेरी कोई भी दुर्भावना नहीं थी। मैंने कई बार क्षमा याचना की है और आज फिर एक बार कर रहा हूं।

मेरे लिए अत्यंत पीड़ादायक है कि मेरी एक छोटी सी गलती से इतना विवाद खड़ा हो गया। मुझे विश्वास है कि मेरी भावनाओं को सही संदर्भ में देखा जाएगा। भारतीय सेना के प्रति मेरे मन में सदैव सम्मान रहा है और हमेशा रहेगा।'

मैं सभी लोगों से माफी मांगता हूं- विजय शाह

बीजेपी के वरिष्ठ नेता ने आगे कहा, 'सार्वजनिक जीवन में शब्दों की शालीनता और संवेदनशीलता अत्यंत महत्वपूर्ण है। मैंने इस घटना पर विचार किया है, इससे सबक लिया है और इसकी जिम्मेदारी लेता हूं। भविष्य में मैं अपने शब्दों के प्रति अधिक सावधान रहूंगा और ऐसी गलती दोबारा नहीं दोहराऊंगा।

सूरजकुंड मेले में बड़ा हादसा झूला गिरने से कई लोग घायल

फरीदाबाद, 7 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली से सटे हरियाणा के फरीदाबाद में चल रहे 39वें सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेले में बड़ी अनहोनी हुई है। मेले में एक झूला टूटकर गिर गया। इसमें कई लोगों के घायल होने की खबर है। मौके पर राहत और बचाव का काम चल रहा है। सभी घायलों को नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह मेला 31 जनवरी से शुरू हुआ है जो कि 15 फरवरी तक चलेगा। इसमें भारत और 50 से अधिक देशों के शिल्पकार, कारीगर और कलाकार भाग ले रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, शनिवार को सूरजकुंड मेले में सबसे पहले लोहे का गेट गिर गया। इससे मची अफरातफरी कम भी नहीं हुई थी कि एक झूला टूटकर गिर गया। इसमें आठ लोगों के घायल होने की खबर है। हादसे के फौरन बाद फरीदाबाद के डीसी मौके पर पहुंचे और राहत और बचाव का जायजा लिया। इस दौरान मीडिया को घटनास्थल से दूर रखा जा रहा है।

सरकार के 45 मामले वाली याचिका पर सुनवाई के लिए तैयार सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने हिमाचल प्रदेश सरकार की उस याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति दे दी है, जिसमें राज्य सरकार ने हाईकोर्ट के एक आदेश को चुनौती दी है। यह आदेश विधायकों और सांसदों से जुड़े 45 आपराधिक मामलों को वापस लेने से रोकने से जुड़ा है। इन मामलों में वे केस भी शामिल हैं, जो कोरोना काल के दौरान रैलियां करने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं के खिलाफ पिछली भाजपा सरकार के समय दर्ज किए गए थे। मामले में सुप्रीम कोर्ट ने नोटिस जारी कर दिया है और अगली सुनवाई की तारीख 16 मार्च तय की है।

यूएस ट्रेड डील के बाद भी रूस से तेल खरीदता रहेगा भारत?

> भारत की एनर्जी सिक्योरिटी सरकार की प्राथमिकता है

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। भारत और अमेरिका ने शनिवार को अंतरिम व्यापार समझौते के लिए एक रूपरेखा पर पहुंचने की घोषणा की। इस बीच, विदेश मंत्रालय ने रूसी तेल के इंपोर्ट पर अपने रुख को दोहराया। विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट कहा कि भारत की एनर्जी सिक्योरिटी सरकार की टॉप प्रायोरिटी है। एक बयान में, विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत के एनर्जी सोर्स को डाइवर्सिफाई करना हमारी स्ट्रेटेजी का मुख्य हिस्सा है।

एनर्जी सिक्योरिटी सरकार की प्राथमिकता

विदेश मंत्रालय ने कहा कि जहां तक भारत की एनर्जी सोर्सिंग का सवाल है, सरकार ने कई मौकों पर सार्वजनिक रूप से कहा है कि 1.4 अरब भारतीयों की एनर्जी सिक्योरिटी सुनिश्चित करना सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता है। इसमें कहा गया है कि बाजार की वास्तविक स्थितियों और बदलते अंतरराष्ट्रीय समीकरणों के हिसाब से अपने एनर्जी सोर्स में विविधता लाना यह सुनिश्चित करने की हमारी रणनीति का मुख्य हिस्सा है। भारत के सभी कदम इसी बात को ध्यान में रखकर उठाए गए हैं और आगे भी उठाए जाएंगे। विदेश मंत्रालय की तरफ से यह प्रतिक्रिया ऐसे समय में आई है जब नई दिल्ली और वॉशिंगटन ने हाल ही में घोषित ट्रेड पैक्ट की डिटेल्स बताते हुए एक जॉइंट स्टेटमेंट जारी किया है। इसके तहत अमेरिका में आने वाले भारतीय प्रोडक्ट्स पर टैरिफ 50% से घटकर 18% हो जाएगा। यह डेवलपमेंट फरवरी 2025 में शुरू हुई महीनों की बातचीत के बाद हुआ है। दिन में बाद में एक प्रेस ब्रीफिंग में, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने भरोसा दिलाया कि भारत-यूएस ट्रेड डील फ्रेमवर्क से भारतीय किसानों, एमएसएमईएस, कारीगरों या शिल्पकारों को कोई नुकसान नहीं होगा।

सबरीमाला सोना चोरी मामले में एक्शन

एसआईटी ने यूडीएफ नेता अदूर प्रकाश से घंटों की पूछताछ

तिरुवनंतपुरम, 7 फरवरी (एजेंसियां)। सबरीमाला मंदिर से जुड़े सोना गुमशुदगी मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने शनिवार को यूडीएफ संयोजक और कांग्रेस सांसद अदूर प्रकाश से पूछताछ की। पुलिस अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की।

नोटिस मिलने के बाद अदूर प्रकाश शनिवार सुबह क्राइम ब्रांच मुख्यालय पहुंचे। एसआईटी ने उनसे करीब ढाई घंटे तक पूछताछ की, जिसके बाद वह दोपहर करीब 1 बजे कार्यालय से बाहर निकले। इस मामले में मुख्य आरोपी उन्नीकृष्णन पोट्टी, जिन्हें हाल ही में वैधानिक जमानत मिली है, से भी एसआईटी ने अलग से पूछताछ की। मीडिया से बातचीत में अदूर प्रकाश ने कहा कि वह शुक्रवार को कासरगोड से लौटे थे, तभी एसआईटी ने उनसे कुछ मामलों में स्पष्टीकरण मांगा।

'सेमीकंडक्टर क्षेत्र में प्रगति कर रहा देश तैयार किया जा रहा पारिस्थितिकी तंत्र'

बंगलूरू, 7 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि भारत सेमीकंडक्टर क्षेत्र में बड़ी प्रगति कर रहा है। देश में पूरा सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकीतंत्र (इकोसिस्टम) तैयार किया जा रहा है। उन्होंने कहा, मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि आज क्वालकॉम (अमेरिकी बहुराष्ट्रीय सेमीकंडक्टर और दूरसंचार उपकरण कंपनी) में दो नैनोमीटर वेफर और दो नैनोमीटर चिप पेश की गई है। इससे पहले एएमडी भी ऐसा कर चुकी है।

'कंपनियां भारत में कर रही उत्पाद का डिजाइन'

वैष्णव ने कहा, अब कंपनियां भारत में पूरा एंड-टू-एंड उत्पाद खुद डिजाइन कर रही हैं। पहले ज्यादातर काम सहायक का होता था। अब पूरी प्रक्रिया भारत में हो रही है, इसमें ग्राहक की जरूरत तय करने से लेकर चिप की अंतिम जांच शामिल है। यह हमारे देश और उद्योग के लिए बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने क्वालकॉम की पूरी टीम को बधाई दी।

सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 को लेकर वैष्णव ने क्या कहा?

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि जल्द ही सेमीकॉन मिशन 2.0 शुरू किया जाएगा।

इसकी घोषणा बजट में की गई थी। उन्होंने कहा, हम सबसे पहले डिजाइन को प्राथमिकता देंगे। उसके बाद उपकरण और सामग्री पर काम करेंगे। मंत्री ने कहा कि प्रतिभाओं को अगले स्तर पर ले जाना हमारा अगला लक्ष्य होगा, जहां एक छात्र पूरे प्रणाली को डिजाइन करने की गहरी क्षमता विकसित कर सके। उन्होंने बताया कि अधिक फैक्ट्रियां और पैकेजिंग इकाइयां लाना भी काम का हिस्सा होगा। उन्होंने बताया कि अभी भारत 28 नैनोमीटर तकनीक पर है। सेमीकॉन मिशन 2.0 के अगले संस्करण के हिस्से में सात नैनोमीटर तक पहुंचने का लक्ष्य है। इसे हम अगले कुछ महीनों में अंतिम रूप दे पाएंगे। यह यात्रा का एक और शानदार अध्याय होगा। वैष्णव ने कहा कि यह एक लंबी, कई दशकों की यात्रा है। प्रधानमंत्री ने कहा है कि देश के लिए 20 साल का रोडमैप तैयार किया जाना चाहिए, ताकि इस उद्योग में देश लंबे समय तक विकास करता रहे।

सिलिकॉन वेफर को लेकर क्या बताया?

सिलिकॉन की पतली चकती (वेफर) दिखाते हुए मंत्री ने कहा, यह वह वेफर है, जिसमें हर हिसके हर हिस्से में 20 से 30 अरब ट्रांजिस्टर होते हैं। हर छोटा चौकोर हिस्सा एक अलग इकाई होता है। इसी घनत्व से चिप का डिजाइन किया जाता है। यह मूल रूप से एक एकल (सिंगल) चिप है, जिसमें जीपीयू (ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट) और सीपीयू (सेंट्रल प्रोसेसिंग यूनिट) दोनो हैं। इससे जो अंतिम उत्पाद बनता है, वह इस तरह का एक मॉड्यूल होता है, जिससे एक व्यक्ति का डेस्कटॉप आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) वाला कंप्यूटर बन जाता है। यह कैमरा, राउटर और मशीनों में भी लगाया जासकता है। कार, ट्रेन और हवाई जहाज में भी इसका इस्तेमाल हो सकता है।

ट्रक में मौत का जखीरा!

प्याज की बोरियों के नीचे छिपा रखे थे भारी विस्फोटक, पुलिस ने बड़ी साजिश को किया नाकाम

तिरुवनंतपुरम, 7 फरवरी (एजेंसियां)। केरल के मलप्पुरम जिले में पुलिस ने एक बड़ी साजिश को नाकाम किया है। शनिवार को यहां चेम्माद इलाके में प्याज से भरे एक ट्रक से भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद किया गया। पुलिस ने 10,500 से ज्यादा जिलेटिन स्टिक और डेटोनेटर जब्त किए हैं। इस मामले में ट्रक की मालकिन एक महिला को भी हिरासत में लिया गया है।

पुलिस ने बताया कि यह ट्रक एक ईंट बनाने वाली यूनिट में खड़ा था और शुक्रवार देर रात यहां पहुंचा था। पुलिस को एक खुफिया जानकारी मिली, जिसके आधार पर यह कार्रवाई की गई। जब पुलिस की टीम मौके पर पहुंची, तो ट्रक से सामान उतार रहे लोग वहां से भाग गए। इसके बाद पुलिस ने ट्रक की तलाशी ली। शनिवार सुबह जब पुलिस ने ट्रक से सामान उतरवाया तो वे हैरान रह गए। ट्रक में प्याज के बोरों के बीच 245 बक्से छिपाकर रखे गए थे। इन बक्सों को खोलने पर उनमें 10,500 से ज्यादा जिलेटिन स्टिक, डेटोनेटर और तार भरे हुए मिले।

पुलिस ने पूरे सामान को जब्त कर लिया। पुलिस ने इस मामले में ट्रक की मालकिन एक महिला को हिरासत में लिया है। जांच में पता चला है कि महिला एक खदान भी चलाती है। पुलिस को शक है कि इन विस्फोटकों का इस्तेमाल अवैध खनन की गतिविधियों के लिए किया जाना था। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि विस्फोटकों की इतनी बड़ी खेप केरल के बाहर किस जगह से लाई गई थी। बता दें कि यह पहली बार नहीं है जब केरल में इस तरह विस्फोटक पकड़े गए हैं। इससे पहले 4 फरवरी को भी पलक्कड़ के कदमकोड में पुलिस ने एक पिकअप वैन से भारी मात्रा में विस्फोटक जब्त किए थे।

'दिल्ली को दहलाएंगे, आगरा को आग लगाएंगे'; पाकिस्तान से लश्कर आतंकी की गीदड़भभकी

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। लश्कर-ए-तैयबा के शीर्ष आतंकी सैयद अब्दुल रहमान नकवी ने दिल्ली-आगरा और ढक्कन समेत भारत के दूसरे बड़े शहरों पर हमले की खुली धमकी दी है। लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी द्वारा हमले की यह धमकी उसकी बौखलाहट को दर्शाता है। दरअसल, तथाकथित 'कश्मीर सॉलिडैरिटी डे' पर जैश-ए-मुहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों ने पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर में सार्वजनिक रैलियां की। इस दौरान उसने भारत को लेकर भड़काऊ बयान दिया और भारत के बड़े शहरों में हमले की धमकी दी। क्या बोला आतंकी सैयद अब्दुल ने भारत को लेकर विवादित बयान देते हुए कहा, कश्मीर को आजाद कराने का आपका, यानी मरकजी मुस्लिम लीग का होगा, जिनकी तारीख गवाह है कुर्बानियों की और इंशाअल्लाह अपने बुजुर्गों की वसीयतें भी याद हैं। जिन्होंने कहा था, हम अखंड भारत को खंड खंड कर देंगे।

'सारे आरोप बेबुनियाद' नागरिकता विवाद पर सोनिया गांधी ने दिया जवाब

एफआईआर वाली याचिका खारिज करने की मांग

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी की नागरिकता से जुड़ा मामला एक बार फिर चर्चा में आ गया है। सोनिया गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग को लेकर दायर याचिका पर उन्होंने राउज एवेन्यू सेशंस कोर्ट में अपना जवाब दाखिल किया है। अपने जवाब में सोनिया गांधी ने उनके खिलाफ दायर याचिका का कड़ा विरोध करते हुए इसे पूरी तरह निराधार बताया है और कोर्ट से याचिका खारिज करने की मांग की है।

सोनिया गांधी ने जवाब में क्या कहा?

अब इसी आदेश को चुनौती देते हुए राउज एवेन्यू सेशंस कोर्ट में याचिका दाखिल की गई है। इस पर सोनिया गांधी की ओर से जवाब दाखिल कर दिया गया है। सोनिया गांधी की तरफ से कहा गया है कि याचिका में लगाए गए आरोपों का कोई ठोस आधार नहीं है और यह सिर्फ बेबुनियाद आरोपों पर आधारित है। इसलिए कोर्ट को यह याचिका खारिज कर देनी चाहिए। याचिका में आरोप लगाया गया है कि सोनिया गांधी ने वर्ष 1983 में भारतीय नागरिकता प्राप्त की थी, लेकिन उससे करीब तीन साल पहले ही उन्होंने कथित तौर पर फर्जी दस्तावेजों के जरिए भारत की वोटर लिस्ट में अपना नाम शामिल करवा लिया था। शिकायतकर्ता विकास त्रिपाठी का दावा है कि सोनिया गांधी का नाम नई दिल्ली लोकसभा सीट की मतदाता सूची में सबसे पहले वर्ष 1980 में जोड़ा गया था। शिकायत के मुताबिक, इसके बाद 1982 में उनका नाम मतदाता सूची से हटा दिया गया और फिर 1983 में दोबारा वोटर लिस्ट में शामिल किया गया। विकास त्रिपाठी का आरोप है कि यह सब उस समय किया गया, जब सोनिया गांधी भारतीय नागरिक नहीं थीं और उन्होंने फर्जी दस्तावेजों का सहारा लिया।

क्या है पूरा मामला?

यह मामला उस याचिका से जुड़ा है, जिसमें सोनिया गांधी पर फर्जी दस्तावेजों के जरिए वोटर लिस्ट में नाम शामिल करवाने का आरोप लगाया गया है। इस याचिका में मजिस्ट्रेट कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी गई है, जिसमें पिछले साल 11 सितंबर को विकास त्रिपाठी नामक व्यक्ति की शिकायत को खारिज कर दिया गया था। विकास त्रिपाठी ने अपनी शिकायत में सोनिया गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की थी, जिसे मजिस्ट्रेट कोर्ट ने सुनवाई के बाद खारिज कर दिया था।

मजिस्ट्रेट कोर्ट ने क्यों खारिज की थी याचिका?

हालांकि, मजिस्ट्रेट कोर्ट ने पिछले साल 11 सितंबर को इस शिकायत को खारिज करते हुए कहा था कि आरोपों को साबित करने के लिए पर्याप्त आधार नहीं हैं और न ही एफआईआर दर्ज करने का कोई औचित्य बनता है। इसी आदेश के खिलाफ अब सेशंस कोर्ट में चुनौती दी गई है। इस मामले में राउज एवेन्यू सेशंस कोर्ट में अगली सुनवाई 21 फरवरी को तय की गई है। अब अदालत यह तय करेगी कि मजिस्ट्रेट कोर्ट के आदेश में हस्तक्षेप किया जाए या नहीं और क्या सोनिया गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग पर दोबारा विचार किया जाना चाहिए। इस मामले पर सभी की नजरें कोर्ट की अगली सुनवाई पर टिकी हुई हैं।

7 साल बाद पाकिस्तान से लौटा युवक, किसी से नहीं कर रहा ज्यादा बात, स्वागत कर रहे विधायक

बालाघाट, 7 फरवरी (एजेंसियां)। बालाघाट के रहने वाले प्रसन्नजीत पाकिस्तानी जेल से रिहा होकर 7 साल बाद अपने घर लौटे हैं। हालांकि, वह किसी से ज्यादा बातचीत नहीं कर रहे, लेकिन उनके लौटने से परिजन बेहद खुश हैं। खासकर उनकी बहन को ज्यादा खुशी है, जिन्होंने अपने भाई की वापसी के लिए लगातार संघर्ष किया। पाकिस्तान की जेल से रिहा होकर प्रसन्नजीत रंगारी शुक्रवार शाम अपने गांव खैरलांजी पहुंचे। जिला प्रशासन की ओर से प्रसन्नजीत को अमृतसर से लाने की व्यवस्था बनायी गई थी। प्रसन्नजीत को लाने के लिए एक चार पहिया वाहन में उसके जीजा के साथ एक सचिव, रोजगार सहायक, पुलिस व राजस्व का 1-1 अमला को अमृतसर भेजा गया था। जो 5 फरवरी को ही बालाघाट आने के लिये निकल गए थे। 7 साल बाद प्रसन्नजीत अपने घर लौट आया है। कटंगी पहुंचने पर विधायक गौरव पारधी, एसडीएम तहसीलदार सहित स्थानीय लोगों ने स्वागत किया।

अमृतसर में पाकिस्तान से आया गुब्बारों से बंधा संदिग्ध बैनर

कोड वर्ड के जरिए सूचना भेजने की आशंका

अमृतसर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। पंजाब के अमृतसर जिले के जंडियाला गुरु क्षेत्र में उस समय हड़कंप मच गया, जब पाकिस्तान की ओर से उड़कर आया गुब्बारों से बंधा एक संदिग्ध बैनर एक रिहायशी मकान की छत पर आ गिरा। बैनर पर उर्दू भाषा में लिखे शब्दों को लेकर आशंका जताई जा रही है कि इसके माध्यम से भारत में किसी को कोड वर्ड के जरिए गुप्त सूचना भेजने की कोशिश की गई हो सकती है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यह बैनर कई गुब्बारों के सहारे हवा में उड़ता हुआ पाकिस्तान की दिशा से भारतीय सीमा में दाखिल हुआ और जंडियाला गुरु के एक रिहायशी इलाके में जाकर एक घर की छत पर जा गिरा। शुरुआत में बच्चों ने इसे खिलौना समझकर गुब्बारों से खेलना शुरू कर दिया, लेकिन जब बैनर पर लिखी भाषा और संदिग्ध सामग्री पर ग्रामीणों की नजर पड़ी तो उन्हें शक हुआ। इसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने बच्चों के हाथों से गुब्बारों से बंधे बैनर को कब्जे में लेकर सुरक्षित स्थान पर रखवा दिया। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि बैनर पर लाल, नीले और काले रंग से उर्दू भाषा में लिखा गया है। बताया जा रहा है कि बैनर पर "यहां शादी और अन्य खुशी के मौके मनाए जाते हैं" जैसे शब्द लिखे हैं,

साथ ही एक मोबाइल फोन नंबर भी अंकित है। सुरक्षा एजेंसियों को आशंका है कि यह तरीका सीमा पार से सक्रिय तस्कर नेटवर्क द्वारा अपनाया गया हो सकता है, ताकि किसी भारतीय तस्कर या संपर्क व्यक्ति तक फोन नंबर या संदेश पहुंचाया जा सके। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले को सुरक्षा के दृष्टिकोण से गंभीरता से लिया जा रहा है। बैनर कहां से भेजा गया, इसे किस उद्देश्य से उड़ाया गया और इसमें लिखे संदेश का वास्तविक मतलब क्या है, इन सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है।

'दोस्त-दोस्त ना रहा...',

भारत- यूएस ट्रेड डील पर कांग्रेस ने साधा निशाना, जयराम रमेश ने कहा - भारी पड़ा नमस्ते ट्रंप

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)।

भारत और अमेरिका के बीच घोषित अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर देश की राजनीति गरमा गई है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने इस डील पर तीखी प्रतिक्रिया दी है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दोनों पर निशाना साधा है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए कहा कि अमेरिका-भारत संयुक्त बयान में कई अहम बातें अब भी स्पष्ट नहीं हैं, लेकिन जो जानकारियां सामने आई हैं। वे भारत के हितों को लेकर चिंता पैदा करती हैं। जयराम रमेश के अनुसार, इस समझौते के बाद भारत अब रूस से तेल आयात नहीं करेगा। उन्होंने यह भी दावा किया कि अमेरिका ने साफ कर दिया है कि यदि भारत प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रूस से तेल खरीदता है, तो उस पर 25 प्रतिशत का दंडात्मक शुल्क फिर से लगाया जा सकता है।

किसानों के हितों को लेकर चिंता

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि इस डील के तहत भारतीय किसानों की कीमत पर अमेरिकी किसानों को फायदा पहुंचाया जाएगा। उनके मुताबिक, भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों के आयात पर शुल्कों में बड़ी कटौती करेगा, जिससे घरेलू किसानों को नुकसान हो सकता है। जयराम रमेश ने इसे कृषि क्षेत्र के लिए एक संवेदनशील मुद्दा बताया।

जयराम रमेश का कहना है कि इस समझौते के बाद अमेरिका से भारत का वार्षिक आयात लगभग तीन गुना तक बढ़ सकता है। इससे वस्तुओं के व्यापार में भारत का लंबे समय से बना आ रहा सरप्लस खत्म हो जाएगा। उन्होंने इसे भारत की अर्थव्यवस्था के लिए एक नकारात्मक संकेत बताया।

कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि अमेरिका में भारत के आईटी और अन्य सेवा निर्यात को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। उनके अनुसार, इस डील में सेवा क्षेत्र को लेकर कोई ठोस गारंटी नजर नहीं आती, जिससे भारतीय आईटी कंपनियों और पेशेवरों के भविष्य पर सवाल बने हुए हैं।

जयराम रमेश ने दावा किया कि भारत के वस्तु निर्यात को अब अमेरिका में पहले की तुलना में ज्यादा शुल्कों का सामना करना पड़ेगा। उनका कहना है कि इससे भारतीय निर्यातकों की प्रतिस्पर्धा क्षमता कमजोर हो सकती है।

राजनीतिक तंज और तीखी टिप्पणी

अपने पोस्ट के अंत में जयराम रमेश ने इस पूरे घटनाक्रम पर कटाक्ष करते हुए कहा कि इतनी झप्पियों और फोटो-ऑप्स का कोई खास नतीजा नहीं निकला। उन्होंने लिखा कि नमस्ते ट्रंप पर हाउडी मोदी भारी पड़ गया और दोस्त, दोस्त न रहा। कांग्रेस नेता की इस टिप्पणी को सरकार की अमेरिका नीति पर सीधा राजनीतिक हमला माना जा रहा है।

पीर बाबा मजार से हटा अवैध अतिक्रमण, भारी पुलिस बल की मौजूदगी में चला बुलडोजर

उज्जैन, 7 फरवरी (एजेंसियां)। आगर रोड स्थित नगर निगम कार्यालय के पीछे स्थित पांच पीर बाबा की मजार के आसपास पिछले कई वर्षों से कुछ लोगों ने अवैध अतिक्रमण कर लिया था। इस अतिक्रमण को लेकर नगर निगम द्वारा नोटिस जारी कर इसे हटाने की हिदायत दी गई थी। लेकिन जब इस अतिक्रमण को नहीं हटाया गया तो आज नगर निगम की गैंग घटनास्थल पर पहुंची। वहां प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस की मौजूदगी में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। नगर निगम के भवन अधिकारी राजकुमार राठौर ने बताया- पूरा मामला नगर निगम परिसर में स्थित पीर मजार से जुड़ा है, जहां कुछ विशेष वर्ग के लोगों द्वारा मजार के आसपास लंबे समय से अतिक्रमण कर रखा गया था। इस संबंध में नगर निगम द्वारा पूर्व में नोटिस जारी कर अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए थे। लेकिन तय समय-सीमा में अतिक्रमण नहीं हटाया गया। नियमों के अनुसार अतिक्रमण न हटाए जाने पर आज नगर निगम ने सख्त कदम उठाते हुए कार्रवाई शुरू की। इस कार्रवाई के दौरान तीन जेसीबी मशीनें, कई डंपर, नगर निगम के अधिकारी सहित करीब 50 पुलिसकर्मियों का बल मोके पर मौजूद रहा।

हमीदिया अस्पताल में डॉक्टर बनकर ठगी, मरीजों के परिजनों से वसूले हजारों रुपये, आरोपी गिरफ्तार

भोपाल, 7 फरवरी (एजेंसियां)। राजधानी भोपाल की शासकीय हमीदिया अस्पताल में भर्ती मरीजों के परिजनों से एक जालसाज ने डॉक्टर बनकर ठगी की है। जालसाज को हमीदिया में भर्ती मरीजों का डाटा अस्पताल के कर्मचारियों, आउससोर्स कर्मचारियों द्वारा पहुंचाए जाने की आशंका है। जालसाज हमीदिया में भर्ती करीब 10 से अधिक मरीजों के परिजनों को डॉक्टर बनकर फोन किया और बेहतर इलाज, इमरजेंसी में महंगी जांच और सुरक्षित ऑपरेशन का झांसा देकर पांच से दस हजार तक की राशि ऑनलाइन अपने और कुछ अन्य बैंक खातों में ट्रांसफर करा ली। राशि ट्रांसफर करने के बाद परिजनों ने जब अपने मरीज के बेहतर इलाज के संबंध में उक्त नंबर पर बात करना चाहा तो नंबर बंद आने लगा।

मुंबई में पहली बार बीजेपी की मेयर, शिंदे गुट के संजय शंकर होंगे उपमहापौर

मुंबई, 7 फरवरी (एजेंसियां)।

मुंबई वालों को आखिरकार अपना नया मेयर मिल गया है। भारतीय जनता पार्टी की तरफ से वरिष्ठ नेता और कॉर्पोरेटर रितु तावड़े को मुंबई मेयर पद का उम्मीदवार घोषित किया है। इसकी औपचारिक घोषणा बीजेपी मुंबई अध्यक्ष अमित साटम की तरफ से की गई है। वहीं उपमहापौर पद शिवसेना के खाते में गया है। शिवसेना ने संजय शंकर घाड़ी को उपमहापौर उम्मीदवार बनाया है। रितु तावड़े बीजेपी की सीनियर कॉर्पोरेटर मानी जाती हैं।

पार्टी और संगठन में उनके लंबे अनुभव को देखते हुए उन्हें पहले से ही मेयर पद की मजबूत दावेदार माना जा रहा था। यही वजह है कि पार्टी ने उन्हें महापौर पद के लिए चुना है।

रितु तावड़े का राजनीतिक सफर

रितु तावड़े ने साल 2012 में वार्ड नंबर 127 से जीत दर्ज कर नगर राजनीति में कदम रखा था। इसके बाद साल 2017 में वह पहली बार घाटकोपर के वार्ड नंबर 121 से निर्वाचित हुईं थीं। हाल ही में हुए 2025 के चुनाव में उन्होंने वार्ड नंबर 132 से एक बार फिर जीत हासिल की है। नगर निगम में अपने कार्यकाल के दौरान रितु तावड़े मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की एजुकेशन कमिटी की चेयरमैन भी रह चुकी हैं। शिक्षा से जुड़े मुद्दों पर उनके काम को खासा अहम माना जाता है। बीजेपी नेतृत्व का मानना है कि रितु तावड़े के अनुभव और संगठनात्मक क्षमता से मुंबई को मजबूत और प्रभावी नेतृत्व मिलेगा। यही वजह है कि उनका नाम मेयर पद के लिए आगे बढ़ाया गया है।

शिवसेना को मिला डिप्टी मेयर पद

मुंबई में शिवसेना को डिप्टी मेयर का पद मिला है। इसके साथ ही शिवसेना ने संजय शंकर घाड़ी को उपमहापौर पद का उम्मीदवार बनाया है। संगठन में उनके लंबे अनुभव और नगर राजनीति की समझ को देखते हुए उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। 57 साल के संजय शंकर घाड़ी मुंबई के रहने वाले हैं। वह दहिसर में वार्ड नंबर 5 के कॉर्पोरेटर हैं। उन्होंने शुरुआती शिक्षा मुंबई महानगरपालिका स्कूल से प्राप्त की है। इसके बाद छबिलदास हाई स्कूल, दादर से माध्यमिक शिक्षा पूरी की। उन्होंने सिद्धार्थ कॉलेज, फोर्ट से बी।कॉम। की डिग्री हासिल की है।

मुंबई में बीजेपी का पहली बार मेयर बनने जा रहा है। बीजेपी और शिवसेना ने मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन का चुनाव गठबंधन के तौर पर लड़ा था। महायुति के कुल 118 कॉर्पोरेटर्स चुने गए थे। इनमें से 89 बीजेपी के और 29 एकनाथ शिंदे की शिवसेना के थे।

पंजाब के गिद्दड़बाड़ा में दो गुटों के बीच हिंसक संघर्ष दो लोगों की मौत

चंडीगढ, 7 फरवरी (एजेंसियां)। पंजाब के मुक्तसर में शुक्रवार देर रात दो गुटों में हुए हिंसक संघर्ष में दो लोगों की मौत हो गई। इस घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मचा हुआ है। जानकारी के मुताबिक गिद्दड़बाड़ा में गांव कोटभाई के कोठे दशमेश नगर में खाल बनाने को लेकर एक पुराना विवाद चल रहा था। इसी विवाद को लेकर दो गुटों में झड़प के दौरान दो लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी गई। मृतकों की पहचान बलजीत सिंह और निर्मल सिंह के रूप में हुई। दोनों को गंभीर हालात में पास के प्राइवेट अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बताया जाता है कि जमीन में पक्का खाल बनाने को लेकर लंबे अर्से से दो गुटों में विवाद चल रहा था। पहले से ही घरों के सामने एक पक्का खाल था लेकिन उसकी जगह नई खाल बनाने की कोशिश का एक पक्ष की ओर से विरोध किया जा रहा था।

कार की सनरूफ पर बैठकर जमा रहे थे रौला

वीडियो वायरल होते ही पुलिस ने निकाल दी सारी हेड़ी

संबलपुर (ओडिशा), 7 फरवरी (एजेंसियां)। कार की सनरूफ पर बैठकर सिगरेट पीते और रौला जमाते कुछ युवकों का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने इनकी पहचान कर सारी हेकड़ी निकाल दी। हीराकुड बांध के डाइक रोड पर चलती कारों की सनरूफ और छत पर बैठकर खतरनाक स्टंट करने वाले 7 युवकों को संबलपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मामला बुर्ला पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत हीराकुड बांध के डाइक रोड का है जहां सार्वजनिक सड़क पर खतरनाक तरीके से कार स्टंट करना न सिर्फ गैरकानूनी काम है बल्कि इससे आम लोगों की जान को भी खतरा पैदा हो सकता है।

जानकारी के अनुसार, कुछ युवक चलती कारों में बेहद खतरनाक हरकतें कर रहे थे। कुछ युवक कार की छत पर बैठकर सफर कर रहे थे, तो कुछ फिल्मी अंदाज़ में पोज़ देते नजर आए। वीडियो में यह भी देखा गया कि चलती गाड़ियों के अंदर और ऊपर बैठे युवक सिगरेट पीते हुए स्टंट कर रहे थे। यह सब खुलेआम सार्वजनिक सड़क पर किया जा रहा था, जहां रोज़ाना बड़ी संख्या में वाहन चलते हैं। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि कारें कभी सीधी रफ्तार में तो कभी ज़िगज़ैग तरीके से चलाई जा रही थीं। इससे सड़क पर चल रहे अन्य वाहन चालकों में अफरा-तफरी और डर का माहौल बन गया। इस लापरवाह ड्राइविंग के कारण ट्रैफिक की सामान्य आवाजाही बाधित हुई और जान-माल को गंभीर खतरा पैदा हो गया।

इन खतरनाक स्टंट्स के वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गए, जिसके बाद आम लोगों ने तीखी प्रतिक्रिया दी और कार्रवाई की मांग की। वायरल वीडियो के आधार पर पुलिस ने तुरंत जांच शुरू की, वाहनों की पहचान की और कार्रवाई करते हुए दो कारों को जब्त कर लिया।

पथरोटा नहर में गिरी कार भीड़ वीडियो बनाती रही और 3 लोग डूब गए, दरवाजा पीटा, छटपटाते रह गए

इटारसी, 7 फरवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के इटारसी में रात दर्दनाक हादसे में तीन युवकों की मौत हो गई। ये तीनों युवक कार में सवार थे। इनकी कार एक नहर में गिर गई। पानी के कारण समय रहते कार का दरवाजा नहीं खुला और दम घुटने से तीनों की मौत हो गई। एक व्यक्ति ने नदी में कूदकर उन्हें बचाने की भी कोशिश की, लेकिन उसके कुछ करने से पहले ही कार पानी में समा गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि पथरोटा की बड़ी नहर में देर रात दर्दनाक हादसा हुआ। केसला से आ रही एक कार रेलिंग तोड़कर नहर में जा गिरी। कार में सवार तीन युवकों की मौत हो गई। सूचना मिलते ही इटारसी और पथरोटा पुलिस मौके पर पहुंची। नर्मदापुरम से एसडीआरएफ की टीम बुलाकर करीब ढाई घंटे तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। लोगों और जेसीबी की मदद से कार को नहर से बाहर निकाला गया। कार के अंदर तीनों युवक मृत अवस्था में मिले। एक युवक की जेब से पैन कार्ड मिला है, नाम लक्की पटेल बताया जा रहा है,

मालेगांव में इस्लाम पार्टी की नसरीन बनीं मेयर, शिवसेना को झटका; वोटिंग से दूर रही बीजेपी - एमआईएम

मुंबई, 7 फरवरी (एजेंसियां)।

महाराष्ट्र निकाय चुनावों के नतीजे कुछ दिन पहले ही सामने आ चुके थे। इसके बाद मेयर पद के लिए लॉटरी सिस्टम के जरिए तय किया गया था कि पुरुष और महिला में से कौन मेयर बनेगा। इसी कड़ी में मुंबई में महिला मेयर चुना गया। वहीं मालेगांव नगर निगम की बात की जाएं तो यहां से इस्लाम पार्टी का मेयर चुना गया है। नसरीन बानो ने शिवसेना की उम्मीदवार लता घोडके को 25 मतों के बड़े अंतर से हराया है।

मेयर चुनाव से पहले यहां बीजेपी और कांग्रेस ने गठबंधन किया था। यही वजह है कि मालेगांव की चर्चा हर तरफ हो रही है। मालेगांव नगर निगम के महापौर पद पर इस्लाम पार्टी जो एक स्थानीय राजनीतिक पार्टी है। इसकी उम्मीदवार नसरीन बानो शेख निर्वाचित हो गई हैं। उन्होंने शिवसेना की उम्मीदवार लता घोडके को 25 मतों के बड़े अंतर से हरा कर मेयर पद पर कब्जा कर लिया है। नसरीन बानो शेख के पक्ष में कुल 43 नगरसेवकों ने मतदान किया, जबकि शिवसेना की लता घोडके को 18 मत मिले। इस्लाम पार्टी के 35, समाजवादी पार्टी के 5 और कांग्रेस के 3 नगरसेवकों ने नसरीन बानो शेख को समर्थन दिया।

लता घोडके

नसरीन बानो शेख

शिवसेना की करारी हार

शिवसेना के 18 नगरसेवकों ने लता घोडके के पक्ष में मतदान किया। इस चुनाव में एमआईएम और भाजपा के नगरसेवक तटस्थ रहे। महापौर पद के लिए कुल तीन उम्मीदवारों ने पांच नामांकन पत्र दाखिल किए थे। नसरीन बानो शेख के महापौर चुने जाने के बाद सभागार में सेक्युलर फ्रंट के नगरसेवकों ने जश्न मनाया।। मालेगांव नगरपालिका जीतने के लिए इस्लाम पार्टी और समाजवादी पार्टी ने धर्मनिरपेक्ष कोष के नाम से गठबंधन किया था।

कैसा रहा मालेगांव चुनाव का नतीजा

मालेगांव नगर निगम में कुल 84 सदस्य हैं, लेकिन बीते जनवरी में हुए चुनाव में जनता ने किसी भी पार्टी को पूर्ण बहुमत नहीं मिला था। इस्लाम पार्टी सामने आई, जिसके पास 35 सीटें है। एआईएमआईएम के पास 21 सीटें, एकनाथ शिंदे गुट की शिवसेना के पास 18 सीटें, समाजवादी पार्टी के पास 5 सीटें, कांग्रेस के पास 3 सीटें और बीजेपी के पास 2 सीटें मिली थीं। इस्लाम पार्टी को समर्थन देने के लिए कांग्रेस और बीजेपी साथ आईं थीं।

मालेगांव नगरपालिका की इतनी चर्चा क्यों?

चुनाव नतीजों के बाद मालेगांव में अलग ही राजनीति देखने को मिली थी। यहां बीजेपी और कांग्रेस ने हाथ मिला लिया था। ताकि शिवसेना का मेयर न चुना जा सके। हालांकि बाद में विवाद बढ़ता देख यह फैसला वापस ले लिया गया था। इसके साथ ही पार्टी ने आने कार्यकर्ताओं पर कार्रवाई भी की थी।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
मेरा हैदराबाद
रविवार, 8 फरवरी - 2026

वि चा र: जिंदगी आपकी तभी रौशन होगी, जब आप उसमें खुद ही जलोगे

छात्रों को एनसीसी में भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करें : जिष्णु देव वर्मा

राज्यपाल ने एनसीसी अधिकारियों और कैडेटों का सम्मान किया

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के माननीय राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने शनिवार को लोक भवन में आयोजित एक विशेष समारोह में गणतंत्र दिवस परेड 2026 में भाग लेने वाले अधिकारियों और कैडेटों का सम्मान किया। ये प्रतिनिधि हाल ही में नई दिल्ली में तेलंगाना का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। राज्यपाल ने नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) की युवा मनोवृत्ति को संवारने में भूमिका की सराहना की और इसके माध्यम से अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना युवाओं में विकसित होने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि एनसीसी प्रशिक्षण शिविर कैडेटों को जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए आवश्यक गुण प्रदान करते हैं। कैडेटों को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि एनसीसी नेतृत्व, साहस, आत्मविश्वास और अनुशासन विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने शैक्षणिक संस्थानों से अपील की कि वे छात्रों को एनसीसी में भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करें। समारोह के दौरान, राज्यपाल ने वरिष्ठ एनसीसी अधिकारियों और परेड दल के सदस्यों को उपलब्धियों की सराहना में स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर एन. सैलानी, उप महानिदेशक, एनसीसी तेलंगाना एवं आंध्र प्रदेश, वरिष्ठ एनसीसी अधिकारी और लोक भवन के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

प्रत्येक श्रमिक का विवरण दर्ज करना आवश्यक : एसीपी

निर्माण श्रमिकों की सुरक्षा पर जागरूकता सम्मेलन

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। निर्माण क्षेत्र में काम कर रहे असंघटित श्रमिकों की सुरक्षा और कल्याण को ध्यान में रखते हुए कोल्लूर पुलिस स्टेशन की पहल पर आज एक जागरूकता सम्मेलन आयोजित किया गया। इस अवसर पर नारसिंगी एसीपी रमण गौड़ ने कहा कि निर्माण स्थलों पर काम करने वाले प्रत्येक श्रमिक का विवरण अनिवार्य रूप से दर्ज करना आवश्यक है। उन्होंने निर्माण स्थलों पर कानूनी प्रावधानों और सुरक्षा मानकों का पालन करने पर जोर दिया। इसके साथ ही श्रमिकों को सरकार द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे कल्याणकारी योजनाओं और उनके अधिकारों की जानकारी भी दी। कोल्लूर के एसएचओ गणेश पटेल ने कहा कि प्रत्येक श्रमिक को सुरक्षित कार्य वातावरण उपलब्ध कराना ठेकेदारों की जिम्मेदारी है।

कांग्रेस को हराने के लिए बनाया 'फेविकोल बंधन' : रेवंत रेड्डी

सीएम का अगले आठ वर्ष तक सत्ता में रहने का दावा

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शनिवार को आरोप लगाया कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने मिलकर कांग्रेस पार्टी के विरुद्ध 'फेविकोल बंधन' बनाया है और गुप्त सौदे किए हैं ताकि कांग्रेस को हारने के लिए साथ आएँ।

उन्होंने यह आरोप विकाराबाद जनसभा में लगाया और कहा कि भाजपा तथा बीआरएस का यह गठजोड़ चुनावों में कांग्रेस को नुकसान पहुँचाने का प्रयास है। रेवंत रेड्डी ने कहा कि यह उनकी जिम्मेदारी है कि बीआरएस के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) की दुष्प्रचार, भ्रष्टाचार और झूठे वादों से भरी विरासत को जनता कभी नहीं भूले। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस अगले आठ वर्षों तक सत्ता में रहेगी।

उन्होंने कहा कि जनता ने पिछले शासन के दौरान हुई गलतियों और धोखाधड़ी को याद रखा है और आगे कांग्रेस को समर्थन देगा। मुख्यमंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि बीजेपी और बीआरएस के बीच एक गुप्त चुनावी समझौता है, जिसमें बीआरएस , बीजेपी उम्मीदवारों का समर्थन कर रही है ताकि कांग्रेस को हराया जा सके। उन्होंने कहा कि इससे स्पष्ट होता है कि दोनों दल जनता के लाभ की बजाय राजनीतिक गठजोड़ में लगे हैं। रेवंत रेड्डी ने पहले की सरकारों पर भ्रष्टाचार, फर्जी वादों और लोक कल्याण योजनाओं में असफलता के आरोप लगाए और कहा कि कांग्रेस सरकार विकास कार्य जारी रखेगी।

उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस सरकार ने विकास और कल्याण योजनाओं के बावजूद वित्तीय कठिनाइयों का सामना किया है और जनता के लिए काम कर रही है। इस अवसर पर उन्होंने विपक्षी नेताओं को चुनौती भी दी कि वे उनकी सरकार के प्रदर्शन पर खुलकर चर्चा करें और भरोसा जताया कि कांग्रेस जनता का समर्थन पाकर अगला चुनाव भी जीतेगी।

बालानगर पुलिस स्टेशन में 'स्ट्रोक' जागरूकता सेमिनार

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। लगातार जनता की सेवा में जुटे पुलिस कर्मियों के लिए स्वास्थ्य जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। इसी कड़ी में आज बालानगर पुलिस स्टेशन परिसर में 'स्ट्रोक (पक्षाघात) – रोकथाम के उपाय' पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। आरएनसी हॉस्पिटल के वरिष्ठ न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. सी. रमेश ने पुलिसकर्मियों को चेतावनी दी कि मानसिक और शारीरिक दबाव के कारण उन्हें स्ट्रोक का खतरा हो सकता है। उन्होंने स्ट्रोक आने से पहले दिखने वाले प्राथमिक लक्षणों की पहचान करने और समय रहते इलाज कराने पर जोर दिया। डॉ. रमेश ने बताया कि शुरुआती कुछ घंटे बेहद महत्वपूर्ण होते हैं, और सही समय पर चिकित्सा मिलने से जान बचाई जा सकती है। डॉ. रमेश ने पुलिसकर्मियों को आहार, नियमित व्यायाम और पर्याप्त विश्राम के माध्यम से स्ट्रोक के जोखिम को कम करने के उपाय भी बताए। बालानगर के सीनियर इंस्पेक्टर नरसिंह राजू ने कहा कि ऐसे जागरूकता सत्र पुलिसकर्मियों की फिटनेस और स्वास्थ्य पर गहरा असर डालते हैं। इस अवसर पर एएसआई सरिता रेड्डी, हाजी मिया, विनोद कुमार, जीनोवा बायोफार्म के प्रतिनिधि नवीन और प्रशांत, आरएनसी हॉस्पिटल की टीम और अन्य पुलिसकर्मी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। बालानगर पुलिस ने इस पहल के माध्यम से यह संदेश दिया कि लगातार सेवा में लगे पुलिसकर्मी भी अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें।

मल्लन्ना सागर कॉलोनी में हरिश राव के अभियान के दौरान तनाव

कांग्रेस और बीआरएस के बीच तकरार, पुलिस ने बल प्रयोग किया

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मल्लन्ना सागर विस्थापित कॉलोनी, गजवेल शहर में शनिवार को चुनावी गतिविधियों के दौरान तनावपूर्ण माहौल देखा गया। यह स्थिति तब उत्पन्न हुई जब पूर्व मंत्री हरिश राव आगामी नगरपालिका चुनावों के प्रचार अभियान के तहत कॉलोनी का दौरा कर रहे थे।

हरिश राव के आगमन पर कांग्रेस और बीआरएस के नेताओं द्वारा संयुक्त विरोध प्रदर्शन किया गया। यह विरोध जल्द ही उग्र रूप ले गया, जिसमें दोनों पक्षों के कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी की और कुछ ने एक-दूसरे पर चप्पलें फेंककर तनाव बढ़ाया। विरोध प्रदर्शन में विस्थापित लोग भी शामिल थे, जिन्होंने हरिश राव पर अपने साथ अन्याय करने का आरोप लगाते हुए उनकी कॉलोनी में प्रवेश रोकने की मांग की। स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए पुलिस ने संयमित लाठी चार्ज का सहारा लिया और व्यवस्था बहाल की। इसके बाद हरिश राव ने गजवेल विधानसभा क्षेत्र कार्यालय में रहकर रणनीति पर पुनर्विचार किया। सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कॉलोनी के आसपास भारी पुलिस तैनाती की गई है।

सरकार का मुख्य उद्देश्य किसानों की भलाई : तुम्मला

तेल पाम फैक्ट्री का निरीक्षण करने पहुंचे मंत्री

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि मंत्री तुंम्मला नागेश्वर राव ने शनिवार को सिद्धिपेट जिले के नांगनूर मंडल स्थित नर्मेट्टा गांव में तेल पाम फैक्ट्री का दौरा किया। इस दौरे का उद्देश्य फैक्ट्री के संचालन और कार्यक्षमता का जायजा लेना था, जो क्षेत्र के कृषि विकास में एक महत्वपूर्ण पहल का प्रतिनिधित्व करती है।

मंत्री ने फैक्ट्री के विभिन्न विभागों का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने ताजा फल के गुच्छों के रिसीविंग और प्रोसेसिंग प्रक्रियाओं, फैक्ट्री की तेल उत्पादन क्षमता, भंडारण सुविधाओं, मशीनरी के प्रदर्शन और गुणवत्ता मानकों के पालन का मूल्यांकन किया।

निरीक्षण के दौरान मंत्री ने फैक्ट्री अधिकारियों के साथ कच्चे माल के परिवहन, वजन प्रक्रिया और किसानों को समय पर भुगतान सुनिश्चित करने जैसे महत्वपूर्ण लॉजिस्टिक मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान उन्होंने संचालन की दक्षता बढ़ाने और स्थानीय कृषि समुदाय का समर्थन करने पर जोर दिया।

फैक्ट्री दौरे के बाद मंत्री ने पास के तेल पाम किसानों से सीधे मुलाकात की और उनके सामने आने वाली समस्याओं और चुनौतियों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने किसानों की प्रतिक्रिया को ध्यानपूर्वक सुना और अधिकारियों को निर्देश दिए कि समय पर क्रय प्रक्रिया, पारदर्शी भुगतान प्रणाली और तकनीकी सहायता सुनिश्चित की जाए, ताकि किसानों को किसी भी तरह की असुविधा न हो। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी द्वारा फैक्ट्री के उद्घाटन के मद्देनजर, मंत्री नागेश्वर राव ने समारोह के लिए किए जा रहे सभी व्यवस्थाओं, सुरक्षा और लॉजिस्टिक तैयारी का भी विस्तृत निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी तैयारियों को प्रभावी ढंग से संपन्न किया जाए ताकि उद्घाटन समारोह सफलतापूर्वक संपन्न हो। मंत्री ने कहा कि सरकार का मुख्य उद्देश्य किसानों की भलाई और कृषि विकास को बढ़ावा देना है।

नशीली दवाओं की अवैध बिक्री और लेबल से छेड़छाड़ का खुलासा

डीसीए की दो जिलों में कार्रवाई

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना ड्रग्स कंट्रोल प्रशासन (डीसीए) ने महबूबाबाद और भद्राद्री–कोठागुडेम जिलों में दो गंभीर मामलों का खुलासा किया है।निदेशक जनरल, ड्रग्स कंट्रोल प्रशासन, तेलंगाना, शाहनवाज क़ासिम ने बताया कि महाबूबाबाद में नशीली दवाओं की अवैध बिक्री की जा रही थी। बीते 6 फरवरी को मारिपेडा गांव स्थित श्री लक्ष्मी गणपति मेडिकल और जनरल स्टोर्स में छापेमारी के दौरान अधिकारीयों ने पाया कि दुकान संचालक उपेंद्र मलोठ नशीली दवाएं जैसे ट्रामाडोल इंजेक्शन, ट्रामाडोल टैबलेट और अल्प्राज़ोलम टैबलेट अवैध रूप से बेच रहे थे।

जांच में यह भी सामने आया कि उन्होंने दवाओं की बिक्री में प्रिस्क्रिप्शन का पालन नहीं किया, बिक्री बिल और दवा रजिस्टर नहीं रखे, और ड्रग्स नियमों के अन्य उल्लंघन किए। रिकार्ड और दस्तावेज जब्त किए गए। ड्रग्स इंस्पेक्टर एस. उमरानी, महाबूबाबाद की अगुवाई में और सहायक निदेशक एम. अरविंद कुमार, खम्मम के पर्यवेक्षण में पुलिस अधिकारियों के सहयोग से यह कार्रवाई की गई।

विशेषज्ञों का कहना है कि ट्रामाडोल और अल्प्राज़ोलम जैसी नशीली दवाओं का गलत इस्तेमाल गंभीर शारीरिक और मानसिक नतीजों, जैसे साँस लेने में दिक्कत, दौरे, कोमा और मृत्यु तक का कारण बन सकता है। अवैध बिक्री पर ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट के तहत दो साल तक की सजा हो सकती है। इसी क्रम में भद्राद्री–कोत्तागुडेम में लेबल छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। डीसीए ने पलवनचा स्थित श्री लक्ष्मी श्रीनिवास मेडिकल और जनरल स्टोर्स में निरीक्षण के दौरान थायरोनॉर्म सौ एमसीजी टैबलेट्स के लेबल में छेड़छाड़ पाई।

यह बैच फार इंस्टीच्यूशन सप्लाई ओनली के लेबल को हटाकर आम बिक्री के लिए उपलब्ध कराया गया था। छापेमारी के दौरान यह स्टॉक जब्त कर लिया गया। भद्राद्री–कोत्तागुडेम के ड्रग्स इंस्पेक्टर जी. असवानी ने कार्रवाई को अंजाम दिया। विशेषज्ञों के अनुसार, संस्थागत आपूर्ति के लिए रखी दवाओं का आम बिक्री के लिए उपयोग और लेबल में छेड़छाड़ कानूनन अपराध है और इसके लिए दो साल तक की जेल हो सकती है।

टीजी पॉलीसेट 2026 की परीक्षा 13 मई को

आवेदन की अंतिम तिथि 20 अप्रैल

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य तकनीकी शिक्षा एवं प्रशिक्षण बोर्ड ने पॉलिटेक्निक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए तेलंगाना पॉलिटेक्निक कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (टीजी पॉलीसेट) 2026 की तिथि घोषित कर दी है। यह प्रवेश परीक्षा 13 मई 2026 को आयोजित की जाएगी, जबकि परिणाम परीक्षा के 12 दिन बाद घोषित किए जाएंगे। टीजी पॉलीसेट 2026 के लिए पंजीकरण प्रक्रिया फिलहाल जारी है। ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 20 अप्रैल निर्धारित की गई है। पंजीकरण शुल्क अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिए 250 रुपये तथा अन्य वर्गों के लिए 500 रुपये रखा गया है। विलंब शुल्क के साथ आवेदन करने की अंतिम तिथि 21 अप्रैल है, जिसके लिए 100 रुपये अतिरिक्त शुल्क देना होगा। वहीं, तत्काल आवेदन 300 रुपये के अतिरिक्त शुल्क के साथ 22 अप्रैल तक स्वीकार किए जाएंगे। बोर्ड के अनुसार, पिछले वर्ष कुल 1,06,716 छात्रों ने पंजीकरण कराया था, जिनमें से 98,858 छात्र परीक्षा में शामिल हुए।

मजबूत यात्री सहायता तंत्र लागू किया जाए : संजय श्रीवास्तव

महाप्रबंधक ने सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव, शनिवार को सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास कार्यों का विस्तृत निरीक्षण किया। उनके साथ एम. रणदीप रेड्डी, सीएओ/कंस्ट्रक्शन, एससीआर, डॉ. गोपालकृष्णन आर, डिविजनल रेलवे मैनेजर, सिकंदराबाद डिवीजन और अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारी भी उपस्थित थे।

महाप्रबंधक ने स्टेशन पर चल रहे पुनर्विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने प्लेटफॉर्म नंबर 1 और प्लेटफॉर्म नंबर 10 के दोनों किनारों पर चल रहे उन्नयन कार्यों की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने फुट ओवर ब्रिज, एस्केलेटर, प्रतीक्षालय और प्लेटफॉर्म आदि पर चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया। साथ ही, उन्होंने आगामी स्टेशन बुकिंग, पार्किंग और परिवहन क्षेत्रों में चल रहे कार्यों का भी अवलोकन किया।

अधिकारियों द्वारा महाप्रबंधक को कार्यों की योजना और प्रगति की जानकारी दी गई। उन्होंने अधिकारियों को परियोजना को समय पर पूरा करने और यात्री सुविधाओं को सुनिश्चित करने के लिए कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया। सिकंदराबाद डिवीजन के अधिकारियों ने यात्रियों की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने और सुरक्षा बनाए रखने के लिए किए गए व्यापक उपायों की भी जानकारी दी। संजय कुमार श्रीवास्तव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बड़े बुनियादी ढांचा परिवर्तन वाले पुनर्विकास कार्यों के दौरान यात्रियों की असुविधा को न्यूनतम करने के लिए प्रभावी भीड़ प्रबंधन, उन्नत सुरक्षा उपाय और मजबूत यात्री सहायता तंत्र लागू किया जाए।

तेलंगाना लॉसेट और पीजीएलसीईटी 2026 की अधिसूचना जारी, 10 फरवरी से आवेदन

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। उस्मानिया विश्वविद्यालय ने शनिवार को तेलंगाना विधि सामान्य प्रवेश परीक्षा (टीजी लॉसेट) और पीजी विधि सामान्य प्रवेश परीक्षा (टीजी पीजीएलसीईटी) 2026 की अधिसूचना जारी कर दी। इसके तहत योग्य अभ्यर्थियों से 10 फरवरी से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। अभ्यर्थी 1 अप्रैल तक बिना विलंब शुल्क के आवेदन कर सकते हैं, जबकि 13 मई तक विभिन्न विलंब शुल्क के साथ आवेदन की सुविधा दी गई है। टीजी लॉसेट के लिए आवेदन शुल्क 900 रुपये निर्धारित किया गया है, जबकि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए यह शुल्क 600 रुपये है। वहीं, टीजी पीजीएलसीईटी के लिए आवेदन शुल्क 1,100 रुपये और आरक्षित वर्ग व दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए 900 रुपये तय किया गया है। आवेदन जमा करने के बाद अभ्यर्थियों को 3 मई से 8 मई के बीच आवेदन पत्र में दर्ज विवरणों में सुधार करने का अवसर मिलेगा। परीक्षा के लिए हॉल टिकट 12 मई से डाउनलोड किए जा सकेंगे। टीजी लॉसेट और टीजी पीजीएलसीईटी की परीक्षाएं 18 मई को आयोजित की जाएंगी।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, No.14650271F, Hav, Ashok Kumar Singh, R/o, Dist: Ghazipur, Uttar Pradesh changed my Father's name from Ramji Singh Yadav to Ramji Yadav, vide Affidavit No.284554 dt. 06.02.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 14650271F, Hav, Ashok Kumar Singh, R/o, Dist: Ghazipur, Uttar Pradesh, changed my Daughter's name from Neha Kumari to Neha Yadav, vide Affidavit No.284556 dt. 06.02.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 14650271F, Hav, Ashok Kumar Singh, R/o, Dist: Ghazipur, Uttar Pradesh, changed my Daughter's name from Nidhi Kumari to Nidhi Yadav vide Affidavit No. 284558 dt. 06.02.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

संगारेड्डी में एकीकृत बाजार परियोजना अधूरी

संगारेड्डी, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस के सत्ता में आने के दो साल से अधिक समय बीत जाने के बावजूद संगारेड्डी शहर में प्रस्तावित एकीकृत बाजार परियोजना अब तक पूरी नहीं हो सकी है।

संगारेड्डी के विधायक चिंथा प्रभाकर के अनुरोध पर बीआरएस सरकार ने इस परियोजना के लिए 11.50 करोड़ रुपये स्वीकृत किए थे और तत्कालीन नगर प्रशासन मंत्री केटी रामाराव ने दिसंबर 2021 में इसकी आधारशिला रखी थी। परियोजना का करीब 25 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका था, लेकिन कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद निर्माण कार्य रुक गया। कांग्रेस नेता टी. जग्गा रेड्डी और उनकी पत्नी, टीजीआईआईसी अध्यक्ष निर्मला द्वारा संगारेड्डी नगरपालिका के लिए भारी धनराशि सुरक्षित करने के दावों के बावजूद शेष कार्यों को नजरअंदाज किए जाने का आरोप लगाया जा रहा है।

वैज्ञानिकों को फफूंद संक्रमण रोकने को लेकर बड़ी सफलता

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के आनुवंशिक वैज्ञानिकों ने यह समझने में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है कि मनुष्यों में गंभीर फफूंद संक्रमण फैलाने वाले कवक कैसे खतरनाक रूप धारण करते हैं और उन्हें किस तरह रोका जा सकता है।

यह शोध भविष्य में नई और अधिक प्रभावी एंटीफंगल उपचार रणनीतियों का रास्ता खोल सकता है। हैदराबाद स्थित सेंटर फॉर सेलुलर एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी (सीसीएमबी) में डॉ. श्रीराम वरहान की प्रयोगशाला के वैज्ञानिकों ने अपने अध्ययन में सुझाव दिया है कि कवक को हानिकारक बनने से रोकने के लिए उनके ऊर्जा और पोषक तत्वों के स्रोत को निशाना बनाया जाना चाहिए।

यह अध्ययन विशेष रूप से कवक के चयापचय पर केंद्रित है। वैज्ञानिकों ने कैंडिडा एल्बिकेंस नामक कवक के एक स्ट्रेन पर शोध किया, जो दुनियाभर में फफूंद संक्रमण का एक प्रमुख कारण माना जाता है। अध्ययन में पाया गया कि कवक का शर्करा चयापचय उसकी संक्रमण फैलाने की क्षमता को नियंत्रित करता है। डॉ. वरहान के अनुसार, कवक में शर्करा के तेजी से टूटने की प्रक्रिया और सल्फर युक्त अमीनो अम्लों के निर्माण के बीच गहरा संबंध है। यही अमीनो अम्ल कवक की आक्रामक वृद्धि और उसके आकार में बदलाव के लिए आवश्यक होते हैं।

सरल शब्दों में, जब कवक अधिक मात्रा में शर्करा का उपयोग करता है, तो वह तेजी से खतरनाक रूप में बदल सकता है। लेकिन यदि इस प्रक्रिया को बाधित किया जाए, तो कवक की रोग फैलाने की क्षमता कमजोर हो जाती है।

शोधकर्ताओं ने यह भी पाया कि इस प्रक्रिया के बाधित होने पर कैंडिडा एल्बिकेंस की मॉर्फोजेनेसिस क्षमता कम हो गई और वह मैक्रोफेज जैसी प्रतिरक्षा कोशिकाओं के हमलों से बचने में भी असफल रहा। सीसीएमबी के वैज्ञानिकों का मानना है कि यह खोज फफूंद संक्रमण के इलाज के लिए नई पीढ़ी की एंटीफंगल दवाओं के विकास में अहम भूमिका निभा सकती है।

म्युनिसिपल चुनावों के मद्देनजर पुलिस का फ्लैग मार्च

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आगामी म्युनिसिपल चुनावों की तैयारियों के तहत आज गड्डपोत्तारम गांव में पुलिस और एआर (आरक्षित बल) के संयुक्त फ्लैग मार्च का आयोजन किया गया। आईडीए बोलारम के इंस्पेक्टर रवींदर रेड्डी ने बताया कि सुबह 11:30 बजे से दोपहर 12:15 बजे तक पुलिसकर्मी और एआर टीम ने गांव में फ्लैग मार्च कर सुरक्षा का संदेश दिया। एसएचओ ने कहा कि यह कदम शांति और सुरक्षा बनाए रखने के साथ-साथ जनता में सुरक्षा भाव और विश्वास पैदा करने के उद्देश्य से उठाया गया है।

नोटिस से चरखारी विधायक की बढ़ेंगी मुश्किलें

अभी भी नरम नहीं हुए बृजभूषण के तेवर; सपा में जाने की चर्चा

महोबा, 7 फरवरी (एजेंसियां)। जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह के 30 जनवरी को महोबा भ्रमण के दौरान काफिला रोकने वाले चरखारी विधायक बृजभूषण राजपूत की मुश्किलें बढ़ने लगी हैं। लगातार कार्यक्रमों में बयानबाजी और सोशल मीडिया में पोस्ट करने के बाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने विधायक को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

संतोषजनक जवाब न देने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई हो सकती है। जलशक्ति मंत्री और विधायक के बीच हुई झड़प के बाद मामला प्रदेश स्तर पर पहुंच गया। विधायक के लगातार विवादित बयान सामने आने के बाद भारतीय जनता पार्टी ने विधायक बृजभूषण राजपूत को नोटिस जारी किया है। यह नोटिस अब उनकी मुश्किलें बढ़ा सकता है। इस तरह का नोटिस मिलने की संभावना लगातार व्यक्त की जा रही थी। विधायक के पिता और पूर्व सांसद गंगाचरण राजपूत ने उन्हें कार्रवाई से बचाने के लिए सोशल मीडिया का काफी उपयोग किया। दो दिन पहले उन्होंने एक पोस्ट लिखकर विधायक बेटे के लिए महादेव से सद्बुद्धि देने की प्रार्थना की और लिखा कि कोई भी खुद को पार्टी से ऊपर न समझे। हालांकि, इस पोस्ट को उन्होंने कुछ देर बाद ही डिलीट कर दिया था। बृहस्पतिवार को उन्होंने अपने विधायक बेटे को निर्दोष बताते हुए लिखा था कि यूजीसी और शंकराचार्य मुद्दे पर पार्टी के कई नेताओं ने विचार रखे लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। पूर्व सांसद के ये सभी प्रयास विफल साबित हुए और शुक्रवार को प्रदेश नेतृत्व में विधायक को नोटिस भेज दिया। भाजपा जिलाध्यक्ष मोहनलाल कुशवाहा व क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने चरखारी विधायक को नोटिस जारी होने संबंधी जानकारी न होने की बात कही है और प्रदेश स्तर का मामला बताया। मामले में पक्ष जानने के लिए चरखारी विधायक से कई बार फोन कर संपर्क करने का प्रयास किया गया लेकिन उनका फोन रिसीव नहीं हुआ।

क्या मुझे बुंदेलखंड के सातों जिलों का दौरा करना चाहिए...

प्रदेश सरकार के कद्दावर मंत्री स्वतंत्र देव सिंह का काफिला रोकने वाले चरखारी विधायक बृजभूषण राजपूत के तेवर अभी भी नरम नहीं हुए हैं। शुक्रवार को उन्होंने फेसबुक पर बुंदेलखंड के सात जिलों के दौरे पर जाने संबंधी पोस्ट डालकर राजनीतिक हल्कों में नई बहस छेड़ दी है तो वहीं कार्यकर्ताओं के बीच फेसबुक पर अभी भी यह मुद्दा गर्म बना हुआ है।

चरखारी विधायक बृजभूषण राजपूत सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहते हैं। जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह से शहर की सड़कों में विवाद होने के बाद से सोशल मीडिया पर उनकी पोस्ट ज्यादा वायरल हो रही हैं। लगातार चल रही गहमागहमी के बीच बृहस्पतिवार को उन्होंने अपने फेसबुक पेज पर लिखा कि क्या मुझे बुंदेलखंड के सातों जिलों का दौरा करना चाहिए।

पूर्व की सरकारों ने नफरत पैदा की : मायावती

लखनऊ, 7 फरवरी (एजेंसियां)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर अपनी संगठनात्मक और चुनावी तैयारियां तेज कर दी हैं। मायावती आज लखनऊ स्थित बीएसपी कार्यालय में समीक्षा बैठक कर रही है। मायावती ने कहा, एसआईआर की वजह से पार्टी के काम प्रभावित हुए हैं। अब उन कार्यों को पूरा किया जाएगा। विरोधी पार्टियों द्वारा बीएसपी को कमजोर करने के लिए रचे जा रहे षड्यंत्रों के बारे में पदाधिकारियों को सचेत किया जाएगा। गरीबों, दलितों, शोषितों, वंचितों, मुस्लिमों व अन्य अल्पसंख्यकों के साथ व्यापारियों, किसानों की हालात दयनीय रही।

केंद्र व राज्यों में पूर्व व वर्तमान सरकार में भी इन सभी पर ध्यान नहीं दिया गया। केंद्र व राज्यों की अधिकांश सरकारें जनहित के मुद्दों पर ध्यान देने के बजाय जाति और धर्म की आड़ में राजनीति चमकाने में लगी रहती है। इससे समाज में नफरत की भावना पैदा हो रही है। जो देश हित में नहीं है।

'हम भी तेरे दादा लगते हैं'

> बच्चों के बीच उमड़ा सीएम योगी का बालप्रेम
> पैतृक गांव में लोगों का पूछा हालचाल

लखनऊ/पंचूर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तराखंड दौरे पर पहुंचे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को अपने पैतृक गांव पंचूर में रात्रि विश्राम किया। शनिवार सुबह उन्होंने अपने गांव के बड़े-बुजुर्गों का हालचाल जाना और बच्चों को दुलार किया। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का बालप्रेम उमड़ आया। उन्होंने गांव के बच्चों पर अपना स्नेह बरसाया, उनसे बातचीत की और उन्हें चॉकलेट भी दी। सीएम योगी ने एक बच्चे को अपनी गोद में लेकर उसे प्रेम से खिलाया। बच्चों ने भी सहज भाव से मुख्यमंत्री से बातचीत की। इस दौरान, गांव के लोगों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ सेल्फी भी ली।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को अपने परिजनों से भी मिले, सभी का कुशलक्षेम जाना। सीएम योगी की विनम्रता, सरलता व सहजता देखकर स्थानीय लोग भी भाव-विभोर हो गए। इसके बाद अपने गांव में भ्रमण पर निकले मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों व परिचितों से मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सभी बच्चों को दुलार किया। भ्रमण के दौरान मार्ग में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एक बच्चे ने फूल भेंट किया तो उन्होंने मासूम को खाने का सामान दिया। बच्चे ने वह सामान वहां खड़े अपने दादा को दे दिया। इस पर मुख्यमंत्री ने मुस्कुराते हुए प्यार भरे शब्दों में बच्चे से कहा, 'हम भी तेरे दादा लगते हैं।'

'यह आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम'

लखनऊ, 7 फरवरी (एजेंसियां)। भारत-अमेरिका के बीच व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिए जाने के बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि यह आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने की दिशा में यह एक ऐतिहासिक कदम है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, यह अंतरिम व्यापार ढांचा 'मेक इन इंडिया' को निर्णायक बढ़ावा देता है। यह भारतीय उत्पादों के लिए वैश्विक बाजार तक पहुंच का विस्तार करता है और साथ ही किसानों, खाद्य सुरक्षा और ग्रामीण आजीविका की रक्षा करता है।

नीम करौली बाबा का भक्त बन मुस्लिम युवक ने हिंदू युवती का किया यौन शोषण, शादीशुदा निकला

अमरोहा, 7 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले में लव जिहाद का एक मामला सामने आया है। मुस्लिम युवक ने खुद को हिंदू जाट बताकर एक हिंदू युवती को प्रेमजाल में फंसा लिया और शादी का झांसा देकर रेप किया। युवती की शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी युवक साहिल को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने युवती का शारीरिक शोषण कर जबरन उसका गर्भपात कराया। युवक ने युवती पर धर्म परिवर्तन कर शादी करने का दबाव भी बनाया।

थाना गजरौला क्षेत्र की रहने वाली एक युवती ने अपनी शिकायत में बताया कि 2023 में स्नैपचैट के माध्यम से उसकी जान- पहचान साहिल नाम के युवक से हुई थी। तब साहिल ने खुद को हिंदू जाट और नीम करौली बाबा का भक्त बताया था। दोनों में प्रेम प्रसंग बढ़ा। संबंध बनाने के बाद युवती गर्भवती हुई तो जबरन उसका गर्भपात करा दिया गया। युवती ने साहिल पर अपने गहने और हजारों रुपये भी हड़पने के आरोप लगाए हैं।

पहले से शादीशुदा निकला साहिल

पीड़ित युवती का कहना है कि साहिल की बातों से उसे शक होने लगा। उसे पता चला कि वह वह मुस्लिम है और पहले से शादीशुदा भी है। सच्चाई सामने आने पर साहिल ने युवती से कहा कि जब वह मुस्लिम धर्म कबूल करेगी, तभी शादी होगी। आरोपी ने उसे डराने के लिए जान से मारने और अश्लील फोटो-वीडियो वायरल करने की धमकियां भी दी। इस पूरे मामले में साहिल का एक साथी जुनैद भी शामिल है।

पुलिस का क्या कहना है?

इस मामले में पुलिस का कहना है कि पीड़ित युवती ने 4 फरवरी को थाने पर शिकायत दर्ज कराई थी। थाना पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया और 6 फरवरी को आरोपी युवक साहिल को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

कंटेनर ने 15 लोगों को कुचला, हादसे में छह की मौत

मथुरा, 7 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। हादसे में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि 9 अन्य घायल हो गए हैं। सुरीर थाना क्षेत्र के माइल स्टोन 88 के पास एक अनियंत्रित और तेज रफ्तार कंटेनर ने बस से उतरकर खड़े यात्रियों को रौंद दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है। शवों को कब्जे में लेकर कार्रवाई शुरू कर दी है। घटना शनिवार तड़के करीब 2:45 बजे घटी। दिल्ली से कानपुर की ओर जा रही एक बस के कुछ यात्री लघुशंका के लिए एक्सप्रेस-वे पर उतरे थे। हालांकि, बस चालक ने यात्रियों को सुरक्षित 'ग्रीन जोन' में न रोककर सड़क के किनारे ही बस खड़ी कर दी।

सवा तीन करोड़ मतदाताओं को मिलेगा चुनाव आयोग का नोटिस

> 6 मार्च तक दे सकेंगे जवाब; उम्र को लेकर समस्याएं

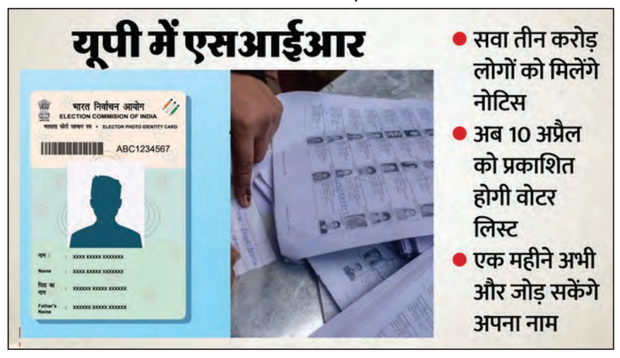

लखनऊ, 7 फरवरी (एजेंसियां)। प्रदेश में जारी मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को लेकर केंद्रीय चुनाव आयोग ने दावे और आपत्तियां दर्ज कराने की समयसीमा 6 मार्च तक बढ़ा दी है। अभी दावे और आपत्तियों के लिए 6 फरवरी अंतिम तारीख थी। इसके अलावा मैपिंग से जुड़े सभी नोटिसों की प्रक्रिया 27 फरवरी के बजाय 27 मार्च तक पूरी की जाएगी। अंतिम मतदाता सूची अब 10 अप्रैल को प्रकाशित की जाएगी।

लोकभवन में शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने प्रेसवार्ता में बताया कि फार्म-6 के आवेदन लगातार बढ़ रहे हैं। इसके अलावा मैपिंग को लेकर भारी संख्या में नोटिस भेजे गए हैं। नोटिस और फार्म की भारी संख्या की वजह से समय बढ़ाने की मांग राजनीतिक दलों ने की थी। इसे देखते हुए राज्य निर्वाचन आयोग ने केंद्रीय चुनाव आयोग से समयसीमा बढ़ाने की मांग की थी। इसे स्वीकार कर समयावधि एक माह बढ़ा दी गई। उन्होंने बताया कि विदेश में रह रहे नागरिक फार्म-6A भरकर मतदाता सूची में नाम जुड़वा सकते हैं।

नाम जोड़ने के लिए 37 लाख आवेदन

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि फार्म-6 के आवेदन लगातार बढ़ रहे हैं, क्योंकि बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं जिनके नाम मतदाता सूची में दर्ज नहीं थे और वे लगातार आवेदन कर रहे हैं। एक माह बाद 6 जनवरी से 6 फरवरी के बीच 16 लाख से ज्यादा फार्म 6 आए। अभी तक कुल 37,80,414 आवेदन आए हैं।

3.26 करोड़ को भेजा जाना है नोटिस

गणना फार्म (मैपिंग) से जुड़ी स्थिति पर मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मैपिंग के दौरान लगभग 1 करोड़ 4 लाख लोग ऐसे पाए गए जिनमें तार्किक विसंगतियां थीं, इसलिए उन्हें सूची में शामिल नहीं किया गया। इन सभी को अब नोटिस भेजे जा रहे हैं। तार्किक विसंगतियों में कहीं पिता के नाम में अंतर है तो कहीं पिता और पुत्र की आयु में अंतर 15 साल से कम आ रहा है। ऐसे मामलों में कुल 3.26 करोड़ लोगों को नोटिस भेजे जाने हैं। अब तक 2.37 करोड़ नोटिस जनरेट किए जा चुके हैं। इनमें से 86 लाख नोटिस मतदाताओं को वितरित किए जा चुके हैं।

सीएम नीतीश कुमार ने गांवों तक रोजगार का रास्ता निकाला

सोशल मीडिया पर जारी की योजना

पटना, 7 फरवरी (एजेंसियां)। सीएम नीतीश कुमार ने अगले पांच साल में एक करोड़ नौकरी और रोजगार के लक्ष्य को पूरा करने की दिशा में एक और कदम बढ़ा दिया है। उन्होंने गांव तक रोजगार का रास्ता निकाल लिया है। सोशल मीडिया पर उन्होंने इसकी योजना भी बता दी है।

उन्होंने शनिवार सुबह सोशल मीडिया पर लिखा कि सात निश्चय-3 के तीसरे निश्चय 'कृषि में प्रगति-प्रदेश में समृद्धि' के तहत डेयरी उद्योग को बढ़ावा देने के लिए राज्य के प्रत्येक गांव में दुग्ध उत्पादन समिति के गठन का निर्णय लिया गया है ताकि पशुपालकों को दूध का उचित मूल्य मिल सके। राज्य के कुल 39,073 गांवों में से 25,593 गांवों में दुग्ध उत्पादन समितियों का गठन किया जा चुका है। हमलोगों ने शेष सभी गांवों में अगले दो वर्षों के अंदर दुग्ध उत्पादन समितियों के गठन का निर्देश पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग को दिया है।

दुग्ध बिक्री केंद्र खोलने का निर्देश

सीएम नीतीश कुमार ने आगे कहा कि सात निश्चय-2 के तहत राज्य के सभी प्रखंडों में सुधा दुग्ध बिक्री केंद्रों की स्थापना की जा चुकी है। अब सात निश्चय-3 के अन्तर्गत राज्य की सभी पंचायतों में भी सुधा दुग्ध बिक्री केंद्र स्थापित करने का निर्णय लिया गया है। वर्तमान में राज्य की कुल 8053 पंचायतों में से 100 पंचायतों में सुधा दुग्ध बिक्री केंद्र स्थापित हो चुके हैं। अब शेष सभी 7953 पंचायतों में वित्तीय वर्ष 2026-27 के अंत तक सुधा दुग्ध बिक्री केंद्र खोलने का निर्देश दिया गया है। राज्य की पंचायतों में खुलने वाले नए सुधा दुग्ध बिक्री केंद्रों को प्राथमिकता के आधार पर मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना से लाभान्वित जीविका दीदियों को आवंटित करने का निर्देश दिया गया है। इससे राज्य के ग्रामीण इलाकों में महिला उद्यमिता को बढ़ावा मिलेगा।

पति ने दोस्तों को 5 लाख देकर कराई कैंसर पीड़ित पत्नी की हत्या

हापुड़, 7 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में हापुड़ के बहादुरगढ़ थाना क्षेत्र में 2 फरवरी की सुबह हुई रीता शर्मा हत्याकांड का पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा किया है। जांच में सामने आया कि मृतका के पति राहुल शर्मा ने ही 5 लाख रुपये की सुपारी देकर अपनी कैंसर पीड़ित पत्नी की हत्या करवाई थी। इस साजिश में उसके दो दोस्त भी शामिल थे, जिन्हें पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। एएसपी विनीत भटनागर के अनुसार, आरोपी पति राहुल शर्मा ने अपने दोस्तों शेरा और फिरोज को हत्या की सुपारी दी थी।

पीछे के घर से कटी पतंग आकर गिरी है, मुझे उसमें तो चीनी मांझा लगा दिख रहा : अखिलेश

लखनऊ, 7 फरवरी (एजेंसियां)। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने शनिवार को एक्स अकाउंट से एक वीडियो शेयर किया। जिसमें लिखा- ये जो कटी पतंग पीछे के घर से आकर गिरी है, उसमें तो चीनी मांझा लगा दिख रहा है। दरअसल, यूपी सरकार ने खतरनाक चाइनीज मांझे के इस्तेमाल और बिक्री को लेकर सख्त फैसला लिया है। जिसके तहत अब चाइनीज मांझे से किसी व्यक्ति की जान जाती है, तो इसे हत्या का मामला माना जाएगा।

जिम्मेदारी सीधे पुलिस और प्रशासन की होगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चीनी मांझे से होने वाली दुर्घटनाओं पर सख्त रुख अपनाते हुए कहा है कि यदि प्रदेश में इस कारण कोई हादसा होता है तो इसकी जिम्मेदारी सीधे पुलिस और प्रशासन की होगी। लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने चीनी मांझे के उत्पादन, बिक्री और उपयोग से जुड़े पूरे नेटवर्क को खत्म करने के निर्देश दिए हैं और इसके खिलाफ व्यापक अभियान शुरू कर दिया गया है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि चीनी मांझे से होने वाली मौतें सामान्य दुर्घटना नहीं, बल्कि हत्या जैसी गंभीर घटनाएं हैं। इसलिए इसमें शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने सभी जिलों में थोक विक्रेताओं, गोदामों, परिवहन माध्यमों और ऑनलाइन सप्लायर्स की सघन जांच करने के साथ कठोर कानूनी कार्रवाई के आदेश दिए हैं।

बिना कनेक्शन भेज दिए हजारों के वॉटर बिल

जलकल पर लापरवाही का आरोप, महिलाओं का प्रदर्शन

लखनऊ, 7 फरवरी (एजेंसियां)। राजधानी लखनऊ के राजाजीपुरम स्थित दरियापुर की लेबर कॉलोनी में जलकल विभाग की गंभीर लापरवाही सामने आई है। कॉलोनीवासियों को बिना पानी कनेक्शन के ही 16 हजार से 25 हजार रुपये तक के भारी-भरकम वॉटर बिल भेज दिए गए हैं। बिल मिलने के बाद कॉलोनी में रहने वाले लोग खासकर महिलाएं बेहद परेशान हैं।

आपको बता दें, लेबर कॉलोनी की अधिकांश महिलाएं घरों में झाड़ू-पोछा कर परिवार का खर्च चलाती हैं। ऐसे में हजारों रुपये का पानी बिल उनके लिए चुकाना संभव नहीं है। कॉलोनी निवासी रश्मि ने बताया कि उनके घर में कभी पानी का कनेक्शन नहीं लगा फिर भी 16 हजार रुपये का बिल भेज दिया गया है। अंजलि ने कहा कि उनके नाम 22,400 रुपये का बकाया दिखाया गया है, जबकि उनके घर में जलकल विभाग की कोई सप्लाई नहीं है। वहीं 90 वर्षीय बुजुर्ग विश्वा ने बताया कि उनके घर में कोई कमाने वाला नहीं है इसके बावजूद 20 हजार 500 रुपये का पानी बिल भेज दिया गया है। कॉलोनीवासियों का आरोप है कि बिना कनेक्शन बिल भेजना सीधा उत्पीड़न है।

शुक्रवार को लेबर कॉलोनी की महिलाएं नगर निगम मुख्यालय पहुंचीं और जलकल विभाग के खिलाफ प्रदर्शन किया। महिलाओं ने आरोप लगाया कि सुनवाई के लिए कोई जिम्मेदार अधिकारी नहीं मिला। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी है कि अगर बिल माफ नहीं किए गए तो वे मजबूरन धरना-प्रदर्शन करेंगी।

नाबालिग लड़की का किया अपहरण

फिर फर्जी आधार कार्ड से बालिग और विवाहित बताकर आईवीएफ सेंटर में निकलवाए अंडाणु

प्रयागराज, 7 फरवरी (एजेंसियां)। प्रयागराज के फाफामऊ थाना इलाके की 15 वर्षीय किशोरी को आईवीएफ सेंटर ले जाकर अंडाणु निकलवाने के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। किशोरी का फर्जी आधार कार्ड बनाकर उसे बालिग और विवाहिता बताया गया और फिर हलफनामा देकर सेंटर में गैरकानूनी ढंग से ओवा एक्सट्रैक्शन की प्रक्रिया कराई गई। फाफामऊ पुलिस ने किशोरी की मां की तहरीर पर आईवीएफ की पंजीकृत एजेंट कल्पना समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। डीसीपी कुलदीप सिंह गुनावत ने बताया कि महिला ने शिकायत की थी कि उसकी बेटी का 15 जनवरी को अपहरण कर सिविल लाइंस के एक आईवीएफ सेंटर में ऑपरेशन करवाकर उसके अंडाणु निकाले गए। शिकायत पर शुक्रवार को फाफामऊ पुलिस ने एफआईआर दर्ज की। पुलिस जांच में पता चला कि मां ने ही तीन फरवरी को अपनी बेटी को वन स्टॉप सेंटर में भर्ती कराया था। किशोरी का बयान दर्ज हुआ तो उसने अपनी मां पर परेशान करने और घर से बाहर निकालने का आरोप लगाया।

हाईकोर्ट का आदेश सिपाहियों की वरिष्ठता पर दो माह में निर्णय ले सरकार

प्रयागराज, 7 फरवरी (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यूपी पुलिस भर्ती-2015 बैच के 172 सिपाहियों के वरिष्ठता विवाद पर अपर पुलिस महानिदेशक कार्मिक लखनऊ को दो माह में निर्णय लेने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति विकास बुधवार ने विवेक कुमार त्रिपाठी और 71 अन्य की याचिका पर दिया है।

गोरखपुर निवासी याची सिपाहियों का कहना है कि उन्होंने दो दिसंबर 2015 को पुलिस लाइन में नियुक्ति प्रशिक्षण कोर्स के लिए रिपोर्ट किया था। हालांकि, विभाग के रिकॉर्ड में उनकी नियुक्ति तिथि 28 दिसंबर 2015 दर्ज कर दी गई। इससे वे अपने बैच के अन्य कर्मियों से जूनियर हो गए और प्रमोशन पर संकट खड़ा हो गया था। याची अधिवक्ता ने दलील दी कि गोरखपुर के एसपी (साउथ) ने अप्रैल 2023 में ही जांच रिपोर्ट में विभाग की गलती स्वीकारी थी। इसके बावजूद अब तक रिकॉर्ड में सुधार नहीं किया।

बदमाश संजीव उर्फ 'मौत' एनकाउंटर में घायल

नोएडा और अलीगढ़ पुलिस के लिए बना था सिरदर्द

ग्रेटर नोएडा, 7 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के नोएडा में थाना ईकोटेक-3 पुलिस और होंडा सिटी कार सवार बदमाश के बीच मुठभेड़ हो गई। जलपुरा बिजली घर के पास हुई पुलिस मुठभेड़ के दौरान शातिर अंतर्राज्यीय बदमाश संजीव उर्फ सनी उर्फ रॉकी उर्फ 'मौत' को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की जवाबी फायरिंग में बदमाश के पैर में गोली लग गई। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बदमाश संजीव के ऊपर नोएडा और अलीगढ़ के थानों में चोरी और लूट के 27 मुकदमे दर्ज हैं।

पुलिस के मुताबिक, थाना ईकोटेक-3 पुलिस जलपुरा स्थित बिजली घर के पास शुक्रवार रात संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की चेकिंग कर रही थी। तभी पुलिस टीम को एक होंडा सिटी कार आती दिखाई दी। पुलिस ने उसे रुकने का इशारा किया, लेकिन चालक ने गाड़ी नहीं रोकी और उसे मोड़कर भागने का प्रयास करने लगा। रास्ते में पानी भरा होने के कारण गाड़ी फंस गई। पुलिस टीम ने गाड़ी का पीछा किया। खुद को घिरा देख कर कार सवार बदमाश ने पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग करनी शुरु कर दी। इसके बाद पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई में गोली चलाई। जिसमें बदमाश के पैर में गोली लग गई और वह घायल हो गया।

हाथरस का रहने वाला है संजीव

घायल बदमाश की पहचान संजीव उर्फ सनी उर्फ रॉकी उर्फ मौत के रूप में हुई है। शातिर बदमाश हाथरस जिले के सासनी थाना क्षेत्र के तिलोटी गांव का रहने वाला है। उसके पास से चोरी की एक होंडा सिटी कार, सोने की चेन, दीवार घड़ी, कपड़े और एक मेकअप किट बरामद की है। इसके अलावा आरोपी के कब्जे से एक अवैध तमंचा (.315 बोर), एक जिंदा कारतूस और एक खोखा कारतूस भी बरामद हुआ है।

लंबा है आपराधिक इतिहास : एडीसीपी सेन्ट्रल आरके गौतम

एडीसीपी सेन्ट्रल नोएडा आरके गौतम ने बताया कि पुलिस के हत्थे चढ़ा यह बदमाश पुलिस के लिए सिरदर्द बना हुआ था।

बरेली में सरकारी जमीन पर बनाई गई मस्जिद पर चला बुलडोजर

बरेली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। बरेली के भोजीपुरा स्थित पिपरिया गांव में अवैध रूप से निर्मित मस्जिद पर सदर तहसील की टीम ने शनिवार को बुलडोजर चलाया। इस कार्रवाई में मस्जिद को जमीदोंज कर दिया गया है। एसडीएम सदर प्रमोद कुमार ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि यह मस्जिद राजस्व अभिलेखों में गाटा 1474 पर श्रेणी-5 की सरकारी बंजर भूमि पर बनी हुई थी।

इस जमीन पर अवैध निर्माण कर कब्जा किया गया था। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि हाईकोर्ट के आदेशानुसार, इस अवैध ढांचे को ध्वस्त कर सरकारी जमीन को कब्जा मुक्त करा लिया गया है। एसडीएम प्रमोद कुमार के अनुसार, इस भूमि को लेकर कानूनी विवाद साल 2008 से ही चल रहा था। सबसे पहले तहसीलदार कोर्ट ने इस निर्माण को अवैध मानते हुए बेदखली के आदेश पारित किए थे।

पप्पू यादव के सीने में दर्द, गिरफ्तारी पर बोले राहुल

भयावह साजिश और खतरनाक पैटर्न

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस के सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पटना में नीट की छात्रा की मौत और सांसद पप्पू यादव की गिरफ्तारी पर हमला बोला है। उन्होंने सोशल साइट एक्स पर लिखा कि पटना में नीट की आकांक्षी छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत और उसके बाद की पूरी कार्रवाई ने एक बार फिर सिस्टम की गहरी सड़ांध को उजागर कर दिया है। इस बीच, पप्पू यादव ने सीने में दर्द की शिकायत की थी। उसके बाद पप्पू यादव को पीएमसीएच से इंदिरा गांधी हृदय रोग संस्थान में शिफ्ट किया गया।

उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार ने जब निष्पक्ष जांच और न्याय की मांग की, तो वही पुराना भाजपा-एनडीए मॉडल सामने आ गया – केस को भटकाओ, परिजनों को प्रताड़ित करो और अपराधियों को सत्ता का संरक्षण दो। उन्होंने कहा कि इस बेटी के लिए न्याय की आवाज बनकर साथी सांसद पप्पू

यादव मजबूती से खड़े हुए। आज उनकी गिरफ्तारी साफ तौर पर राजनीतिक प्रतिशोध है ताकि जवाबदेही मांगने वाली हर आवाज को डराया और दबाया जा सके।

उन्होंने कहा कि सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि यह घटना किसी एक मामले तक सीमित नहीं दिखती। यह एक भयावह साजिश और खतरनाक पैटर्न की ओर इशारा करती है, जहां और भी बेटियां शिकार बन रही हैं और सत्ता इस खौफनाक सच्चाई से आंखें मूंद कर बैठी है। यह राजनीति नहीं, इंसाफ का सवाल है। यह बिहार की बेटी की इज्जत और सुरक्षा का सवाल है।

प्रियंका ने पप्पू यादव से बात की

आज सुबह प्रियंका गांधी ने पप्पू यादव से की थी बात। पप्पू यादव के एक समर्थक ने बात कराई थी। प्रियंका ने पप्पू यादव को अच्छा वकील करने की सलाह दी थी। बाद में प्रियंका गांधी ने सोशल साइट एक्स पर लिखा कि पटना के हॉस्टल में नीट की तैयारी कर रही छात्रा के साथ रेप और हत्या का मामला झकझोर देने वाला है। यह केस सामने आने के बाद सरकार का रवैया उससे भी ज्यादा खौफनाक है।

एफआईआर दर्ज होने से लेकर जांच और कार्रवाई तक सबकुछ संदिग्ध बना दिया गया है। यह सब किसे बचाने के लिए किया जा रहा है?

उन्होंने कहा कि हाथरस, उन्नाव से लेकर अंकिता भंडारी और पटना तक- जहां भी महिलाओं के साथ अत्याचार होता है, भाजपा की सरकारें पीड़िता को न्याय दिलाने की जगह आरोपियों के साथ खड़ी हो जाती हैं। इस केस में आवाज उठा रहे सांसद पप्पू यादव जी की गिरफ्तारी इसी असंवेदनशील रवैये की एक और कड़ी है। भाजपा और उनके सहयोगियों का एजेंडा स्पष्ट है- वे अन्याय और अत्याचार के साथ खड़े हैं।

इंदिरा गांधी हृदय रोग संस्थान में शिफ्ट किए गए पप्पू यादव

पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव को 1995 के एक केस में गिरफ्तारी के बाद तबीयत बिगड़ने पर शनिवार को पीएमसीएच से इंदिरा गांधी हृदय रोग संस्थान में शिफ्ट किया गया। यादव को 1995 के एक कथित जमीन विवाद केस में पेश न होने पर गिरफ्तार किया गया था। यह केस सेक्शन 419, 420, 468, 448, 506 और 120बी के तहत आता है और गर्दनीबाग पुलिस स्टेशन से जुड़ा है। पटना एसपी सिटी भानु प्रताप सिंह ने रिपोर्टर्स को बताया कि यह 1995 का केस है जो पुराने आईपीसी के तहत था, जिसे अब बीएनएस (भारतीय न्याय संहिता) से बदल दिया गया है, जिसमें सेक्शन 419, 420, 468, 448, 506, और 120बी शामिल हैं।

हीरा कारोबार में निवेश के नाम पर करोड़ों की ठगी, संगठित गिरोह का पर्दाफाश, दुबई तक नेटवर्क

जीरकपुर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। हीरा कारोबार के नाम पर एक करोड़ 80 लाख रुपये की ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश हुआ है। इस संगठित गिरोह का नेटवर्क दुबई तक फैला हुआ है। जीरकपुर थाना पुलिस ने लंबी जांच के बाद दुबई और भारत में सक्रिय बताए जा रहे वरम एक्सपोर्ट्स कंपनी से जुड़े कई आरोपितों के खिलाफ एफआइआर दर्ज कर ली है। अंतरराज्यीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैले संगठित आर्थिक अपराध गिरोह की अब पुलिस परतें खोलेगी।

ढकोली स्थित मोतिया हाइट्स में रहने वाले रियल एस्टेट कारोबारी रमेश कुमार की शिकायत पर पुलिस ने जांच आगे बढ़ा दी है। वर्ष 2023 में रियल एस्टेट व्यवसाय के दौरान रमेश की मुलाकात सोनू चौहान नामक महिला से हुई।

सिविल अस्पताल में वसूली! डिलीवरी के बाद पैसे नहीं देने पर रोका नवजात, 1500 लेकर सौंपा बच्चा

सीहोर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के सीहोर बुधनी के शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को सिविल अस्पताल का दर्जा मिलने के बाद जहां आम जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं की उम्मीद थी, वहीं अब यहां से एक बेहद गंभीर और शर्मनाक मामला सामने आया है, जिसने पूरे स्वास्थ्य तंत्र पर सवाल खड़े कर दिए हैं। आरोप है कि सिविल अस्पताल में डिलीवरी के बाद प्रसूति दाइयों द्वारा प्रसूता के परिजनों से खुले आम पैसों की मांग की गई। पीड़ित परिवार का कहना है कि ड्यूटी पर तैनात दाई ने नवजात शिशु को देने से पहले 4000 रुपये की मांग की। जब परिवार ने अपनी आर्थिक मजबूरी बताई और पूरी राशि को देने में अपने आप को असमर्थता बताया, तो दाई ने कथित तौर पर बच्चा देने से इंकार कर दिया। इसके बाद मजबूर गरीब परिवार ने जैसे-तैसे 1500 रुपये की व्यवस्था की, तब जाकर दाई ने उन्हें उनका नवजात शिशु दिया।

'हादसा था या कुछ और ?'

अजित पवार की मौत पर रोहित पवार ने उठाए सवाल

बारामती, 7 फरवरी (एजेंसियां)। विधायक रोहित पवार ने अजित पवार की मौत को लेकर कई सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि इस घटना को लेकर लोगों के मन में कई तरह की शंकाएं हैं। रोहित पवार ने साफ किया कि वे सीधे तौर पर किसी साजिश या बम जैसी बात नहीं कह रहे हैं, लेकिन यह भी कहा कि हादसे के पीछे कुछ और कारण हो सकते हैं उन्होंने बताया कि अजित पवार की मौत को लेकर समाज में और परिवार के भीतर भी कई सवाल उठ रहे हैं। रोहित पवार ने कहा कि 10 फरवरी को मुंबई में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर वे इस पूरे मामले से जुड़ी जानकारी सार्वजनिक करेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि पिछले 10 दिनों में परिवार के भीतर कोई राजनीतिक चर्चा नहीं हुई है।

बारामती से विधायक रोहित पवार ने कहा कि 'दादा' खुद अकेले चुनाव प्रचार करते थे और कार्यकर्ताओं के लिए अलग-अलग जगह जाकर मेहनत करते थे। वे अपने कार्यकर्ताओं को लेकर हमेशा गंभीर रहते थे और उन्हें आगे बढ़ाने के लिए व्यक्तिगत रूप से प्रयास करते थे। इस बयान के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में हलचल तेज हो गई है और लोग इस मामले को लेकर और जानकारी का इंतजार कर रहे हैं।

'तू 2 रुपये का भिखारी...', असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा को लेकर ओवैसी का विवादित बयान

निजामाबाद, 7 फरवरी (एजेंसियां)। एआईएमआईएम प्रमुख और हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा पर जबरदस्त हमला बोला है। निजामाबाद की एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए ओवैसी ने उन्हें '2 रुपये का भिखारी' करार दिया।

यह विवादित बयान उस समय आया जब ओवैसी ने मंच पर मौजूद जनता से दो रुपये का सिक्का मांगा और उसे हवा में लहराकर असम के सीएम को उनकी ही भाषा में जवाब दिया। यह पूरा मामला हिमंत बिस्वा सरमा द्वारा हाल ही में दिए गए एक बयान पर प्रतिक्रिया के तौर पर सामने आया है। रैली के दौरान ओवैसी ने भीड़ से 2 रुपये का सिक्का मांगा और जैसे ही उन्हें वह सिक्का मिला, उन्होंने असम के मुख्यमंत्री पर तीखा व्यंग्य कसना शुरू कर दिया। ओवैसी ने सिक्का लहराते हुए कहा, यह 2 रुपये हैं। असम का मुख्यमंत्री बोल रहा है कि अगर वहां के मिया मुसलमान ऑटो में किसी को बैठाकर लेकर गए, और अगर 5 रुपये ऑटो का किराया है तो 4 रुपये दो।

हिमंत बिस्वा सरमा यह 2 रुपये की भीख तेरे को देता हूं मैं, लेता है क्या तू बोल? ओवैसी के इस अंदाज पर पूरा मैदान तालियों से गूंज उठा। उन्होंने आगे कहा, बोल, तू 2 रुपए का भिखारी है, मैं जानता हूं तेरे को। तू इतना कम आदमी है, इतना छोटा आदमी है कि एक गरीब जो ऑटो चलाता है, उसके 4-5 रुपयों के पीछे पड़ा है। यह विवाद असम के मुख्यमंत्री के उस बयान से जुड़ा है, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि असम के 'मिया मुसलमान' (बंगाली मूल के मुसलमान) अपनी दुकानों पर सामान और ऑटो-रिक्शा में किराया कम रखकर लोगों को लुभाते हैं। सरमा ने इसे 'लव जेहाद' और जनसंख्या वृद्धि की साजिश का हिस्सा बताया था। ओवैसी ने इसी 'आर्थिक जिहाद' वाले बयान का मज़ाक उड़ाते हुए उन्हें 'गरीब विरोधी' करार दिया।

ओवैसी का तर्क था कि एक मुख्यमंत्री का गरीब ऑटो ड्राइवर की कमाई पर टिप्पणी करना उसकी सोच को दर्शाता है। ओवैसी का यह भाषण अब सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है और राजनीतिक गलियारों में भी चर्चा का विषय बना हुआ है। उन्होंने अपने संबोधन में साफ कर दिया कि वह अपनी कौम के खिलाफ होने वाले किसी भी तरह के अपमान या छोटी सोच वाले बयानों को बर्दाश्त नहीं करेंगे।

जनकपुरी सड़क हादसे में दिल्ली पुलिस का एक्शन

आरोपी ठेकेदार राजेश प्रजापति गिरफ्तार

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के जनकपुरी में बाइक सवार की गड्ढे में गिरकर मौत मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने इस मामले में आरोपी सब-कॉन्ट्रेक्टर राजेश प्रजापति को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी से पूछताछ की जा रही हैं। दावा किया जा रहा है कि राकेश को हादसे का पहले ही पता चल गया था लेकिन उसने मदद की जगह उसे अनदेखा कर दिया। दिल्ली के जनकपुरी में हुए हादसे को लेकर स्थानीय लोगों में भी खासा गुस्सा देखने को मिल रहा है।

पुलिस ने इस मामले में दिल्ली जल बोर्ड के तीन इंजीनियर और ठेकेदार के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया था। जिसके बाद से ही पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी में जुटी थी। अभी तक मिली जानकारी के मुताबिक देर रात घर लौटते वक्त जब कमल गड्ढे में गिरा तो वहां से गुज़र रहे एक परिवार ने उसे देख लिया था, जिसके बाद उन्होंने तुरंत पास के टेंट में एक कर्मचारी को इसकी जानकारी दी थी, जिसके बाद उस गार्ड ने फौरन इसके बारे अपने ठेकेदार राजेश प्रजापति को बताया, दावा है कि उस रात को राजेश वहां आया था लेकिन कमल को पड़ा देखकर लौट गया। आरोपी ने इस घटना की जानकारी न तो पुलिस को दी और न ही उसकी मदद करने की कोशिश की। आरोपी घटना को अनदेखा करते हुए वहां से चला गया।

पुलिस आरोपी से ये भी जानने की कोशिश कर रही है कि क्या उसने ये जानकारी किसी और को भी दी थी या नहीं। वहीं जल बोर्ड के सुरक्षा मानकों और अन्य अधिकारियों को लेकर भी जानकरी ली जा रही है।

मुख्यमंत्री ने दिए बेसहारा बुजुर्गों को घर कंपनी ने थमा दिए खाली करने के नोटिस

इंदौर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। इंदौर विकास प्राधिकरण द्वारा करोड़ों की लागत से तैयार किए गए बुजुर्गों के आशियाने स्नेहधाम में अचानक हलचल मच गई है। इस केंद्र का संचालन करने वाले कॉन्ट्रैक्टर ने यहां रह रहे बुजुर्गों को अचानक जगह खाली करने का नोटिस थमा दिया है।

इस अप्रत्याशित सूचना के बाद यहां निवास कर रहे वरिष्ठ नागरिकों में हड़कंप मच गया है। स्नेहधाम का संचालन करने वाली कंपनी बालाजी के डायरेक्टर विवेक तिवारी ने कहा है कि इस विशाल भवन में कुल 108 वरिष्ठ नागरिकों के रहने की व्यवस्था है, लेकिन वर्तमान में केवल 4 से 5 लोग ही यहां रह रहे हैं। तिवारी के अनुसार इतने कम लोगों के साथ केंद्र का संचालन करना आर्थिक रूप से संभव नहीं हो पा रहा है। दूसरी ओर, इंदौर विकास प्राधिकरण ने इस मामले में कड़ा रुख अपनाया है।

आईडीए ने कॉन्ट्रैक्टर को ब्लैक लिस्ट करने और उसकी अर्नेस्ट मनी जब्त करने की चेतावनी दी है। प्राधिकरण का स्पष्ट कहना है कि यदि मौजूदा संचालक इसे नहीं चला पाता है तो किसी अन्य एनजीओ को इसकी जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। वहीं आईडीए सीईओ परीक्षित झाड़े ने यह भी कहा है कि बुजुर्गों से घर खाली नहीं करवाए जाएंगे, कंपनी ने यह नोटिस दिए हैं जिसकी जांच चल रही है। बुजुर्गों को परेशानी नहीं होने दी जाएगी। नोटिस मिलने के बाद बुजुर्गों के सामने रहने का संकट खड़ा हो गया है। यहां रहने वाले अधिकांश वरिष्ठ नागरिकों ने स्नेहधाम को ही अपना स्थाई घर मान लिया था।

इनमें से किसी ने अपना पुश्तैनी घर किराए पर दे दिया है तो किसी ने उसे खाली छोड़ दिया है। मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव ने 25 जून 2025 को इस भवन का लोकार्पण कर इसे बुजुर्गों के हित में एक बड़ा कदम बताया था, लेकिन अब 28 फरवरी तक भवन खाली करने के निर्देश ने इन बुजुर्गों की रातों की नींद उड़ा दी है। स्नेहधाम में रहने के लिए बुजुर्गों को भारी कीमत चुकानी पड़ती है। शिकायत की है

केरल विधानसभा चुनाव में सत्ता परिवर्तन लक्ष्य एनडीए विकास के लिए प्रतिबद्धः राजीव चंद्रशेखर

कोच्चि, 7 फरवरी (एजेंसियां)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतिन नवीन के दौरे को लेकर केरल भाजपा ने आगामी विधानसभा चुनावों के लिए अपने इरादे स्पष्ट कर दिए हैं। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि पार्टी का लक्ष्य केवल कुछ सीटें जीतना नहीं, बल्कि सत्ता परिवर्तन कर राज्य में विकास की नई दिशा देना है। राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष का केरल दौरा पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए बेहद प्रेरणादायक और उत्साहवर्धक है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय नेतृत्व ने स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित किया है और संगठन को उसी दिशा में कड़ी मेहनत करनी होगी।

उन्होंने कहा कि हम एक या दो सीटों के लिए चुनाव नहीं लड़ रहे हैं। हम बदलाव के लिए चुनाव लड़ रहे हैं और सत्ता में आना हमारा स्पष्ट उद्देश्य है। इसके लिए हमें बहुत मेहनत करनी होगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि

केरल में एनडीए का मुख्य उद्देश्य सत्ता में आकर राज्य के समग्र विकास को गति देना है। उन्होंने इसे पार्टी का मिशन बताते हुए कहा कि विकास, निवेश, रोजगार और बेहतर शासन के माध्यम से केरल को आगे बढ़ाया जाएगा। कांग्रेस और माकपा (सीपीएम) पर निशाना साधते हुए चंद्रशेखर ने आरोप लगाया कि सबरीमाला से जुड़े मुद्दों पर दोनों दलों ने आस्था के खिलाफ काम किया है। उन्होंने कहा कि सबरीमाला के खिलाफ जो अपराध कांग्रेस और सीपीएम द्वारा किए गए हैं, उसके विरोध में भाजपा जल्द ही तत्काल और मजबूत आंदोलन शुरू करेगी, ताकि दोनों दलों की दोहरेपन की राजनीति को उजागर किया जा सके। इससे पहले, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने एर्नाकुलम में अलाप्पुझा और एर्नाकुलम रेवेन्यू जिलों के बूथ अध्यक्षों की बैठक को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने भाजपा संगठन की तारीफ की।

नितिन नवीन ने सभा को संबोधित करते हुए कहा, ₹काम करने के तरीके में अनुशासन और एक बेहतरीन संगठनात्मक संस्कृति ही भाजपा की पहचान है। यही आदर्श हर स्तर पर हमारा मार्गदर्शन करता है। दशकों से यूडीएफ और एलडीएफ दोनों भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद की राजनीति कर रहे हैं। वे केरल के विकास के लिए कुछ भी खास हासिल नहीं कर पाए हैं। लोगों का संदेश साफ है कि केरल बदलाव के लिए तैयार हो रहा है।

'इस्लाम का चिराग बुझाने वाले खुद मिट गए' हिंदू राष्ट्र पर जमीयत चीफ अरशद मदनी ने क्यों दी नेपाल की सीख

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने हिंदू राष्ट्र की मांग को लेकर एक बार फिर तीखा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि हिंदू राष्ट्र का सपना देखने वालों को पड़ोसी देश नेपाल के इतिहास से सबक लेना चाहिए। मदनी ने कहा कि नेपाल में भी एक समय हिंदू राष्ट्र की व्यवस्था लागू की गई थी, लेकिन वह ज्यादा समय तक टिक नहीं सकी और आखिरकार वहां लोकतांत्रिक संविधान के तहत नई व्यवस्था अस्तित्व में आई।

उनका कहना है कि यही उदाहरण बताता है कि किसी भी देश की तरक्की, स्थिरता और शांति लोकतंत्र और संविधान से ही संभव है, न कि किसी एक धर्म को राष्ट्र पर थोपकर। मौलाना अरशद मदनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर किए में पोस्ट में लिखा कि नफरत के सौदागर और हिंदू राष्ट्र का सपना देखने वालों को नेपाल से सबक लेना चाहिए। मदनी ने कहा, 'इतिहास गवाह है कि जब-जब किसी देश में एक खास विचारधारा या धर्म को थोपने की कोशिश की गई, वहां अंततः वह व्यवस्था ढह गई और जनता ने लोकतांत्रिक मूल्यों को चुना।' अपने बयान में जमीयत प्रमुख ने कहा कि नेपाल में हाल के समय में हिंदू राष्ट्र की स्थापना की गई थी, लेकिन अंततः वहां यह व्यवस्था समाप्त हो गई और एक लोकतांत्रिक संविधान के तहत नई राजनीतिक व्यवस्था बनी। उन्होंने कहा कि यह साफ संकेत है कि आज की वैश्विक परिस्थितियों में किसी भी देश की वास्तविक प्रगति तभी संभव है,

जब वहां संविधान, लोकतंत्र और सभी नागरिकों के समान अधिकारों की रक्षा की जाए। मौलाना मदनी ने आगे कहा कि भारत में भी कुछ सांप्रदायिक शक्तियां और संगठन देश को हिंदू राष्ट्र बनाने का सपना देख रहे हैं, लेकिन उनकी यह साजिश कभी सफल नहीं होगी। उन्होंने दो टूक कहा कि जमीयत उलेमा-ए-हिंद सेक्युलरिज्म और भारतीय संविधान की रक्षा के लिए अंतिम सांस तक संघर्ष करती रहेगी। उनके मुताबिक, भारत की पहचान विविधता, सहअस्तित्व और संवैधानिक मूल्यों से है, और इसे किसी भी सूरत में बदला नहीं जा सकता।

समंदर में इंटरनेशनल ऑयल तस्करी का भंडाफोड़, इंडियन कोस्ट गार्ड ने 3 विदेशी जहाजों को पकड़ा, सभी में भरा था तेल

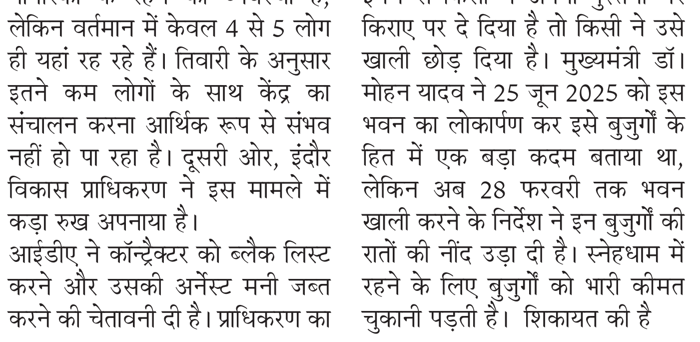

मुंबई, 7 फरवरी (एजेंसियां)। इंडियन कोस्ट गार्ड (आईसीजी) ने मुंबई के समंदर में इंटरनेशनल ऑयल तस्करी के बड़े रैकेट को पकड़ा है। कोस्ट गार्ड ने तीन बड़े जहाजों को पकड़ा है, जिसमें बड़ी मात्रा में तेल था। यह सभी विदेशी मालवाहक जहाज समंदर में तेल की तस्करी करते थे। इंडियन कोस्ट गार्ड ने एक जटिल समुद्र-हवाई नेटवर्क पर आधारित ऑपरेशन के ज़रिए एक इंटरनेशनल तेल तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ किया है।

इसमें शामिल जहाजों ने संघर्ष वाले देशों से बड़ी मात्रा में सस्ता तेल और तेल आधारित कार्गो की तस्करी करने और इंटरनेशनल पानी में मोटर टैंकरों को समुद्र के बीच ट्रांसफर करके मुनाफा कमाने का तरीका अपनाया था। इस सिंडिकेट में कई देशों से काम करने वाले हैंडलर्स का एक नेटवर्क शामिल है, जो समुद्री जहाजों के बीच बिक्री और ट्रांसफर का तालमेल बिठाते हैं। मुंबई से लगभग 100 नॉटिकल मील पश्चिम में आईसीजी के जहाजों ने तीन जहाजों को रोका और लगातार तलाशी, संदिग्ध जहाजों पर इलेक्ट्रॉनिक डेटा की पुष्टि, दस्तावेजों के वेरिफिकेशन और चालक दल से पूछताछ के जरिए, आईसीजी की विशेषज्ञ बोर्डिंग टीम ने घटनाओं की कड़ी और अपराधियों के काम करने के तरीके का पता लगाया। आईसीजी के टेक-इन्क्लूसिव सिस्टम ने एक मोटर टैंकर का पता लगाया, जो भारतीय एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक जोन में संदिग्ध गतिविधि कर रहा था, जिससे जहाज की गतिविधियों की डिजिटल जांच शुरू हुई। आईसीजी ने जहाज के पास आ रहे अन्य जहाजों के डेटा पैटर्न का भी विश्लेषण किया। दो अन्य जहाजों को संभावित संदिग्धों के रूप में पहचाना, जो समुद्र में तेल आधारित कार्गो के अवैध ट्रांसफर में शामिल थे, और भारत सहित तटीय राज्यों को देय महत्वपूर्ण ड्यूटी से बच रहे थे।

आईसीजी की विशेषज्ञ टीमों ने जहाजों पर चढ़कर डिजिटल सबूतों की सटीकता की पुष्टि की, जिससे जहाजों को जब्त कर लिया गया। जहाजों को आगे की जांच और आगे की कार्रवाई के लिए भारतीय सीमा शुल्क और कानून प्रवर्तन एजेंसियों को सौंपने के लिए मुंबई ले जाया जाएगा। जहाजों को तटीय राज्यों द्वारा कानून प्रवर्तन कार्रवाई से बचने के लिए अक्सर अपनी पहचान बदलते हुए पाया गया। शुरुआती जांच के अनुसार, जहाजों के मालिक दूसरे देशों में रहते हैं।

दो पश्चिमी विक्षोभ एक्टिव, बदला मौसम का मिजाज, ठंड भरी तेज हवाओं ने बढ़ाई सर्दी; कई राज्यों में बारिश के आसार

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। देश में अगले 24 घंटों में मौसम में बड़ा बदलाव होने की उम्मीद है। उत्तर भारत के कई राज्यों में बारिश के साथ-साथ बर्फबारी, कोहरा और तेज़ हवाएं चलने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, इस समय देश में दो पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हैं। इसके प्रभाव से आज जम्मू और कश्मीर में बारिश के साथ-साथ बर्फबारी की संभावना है।

इस क्षेत्र में अगले दो दिनों तक मौसम खराब रहने की उम्मीद है। 9 से 11 फरवरी के बीच बारिश के साथ बर्फबारी की संभावना है।

20 से 30 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलेंगी हवाएं

मौसम विभाग ने भविष्यवाणी की है कि अगले दो से तीन दिनों में उत्तर-पश्चिम भारत में हवाएं 20 से 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलेंगी। इसकी वजह से कई इलाकों में ठंड बढ़ने की उम्मीद है। हरियाणा, चंडीगढ़ , दिल्ली, उत्तर प्रदेश, उत्तरी राजस्थान, उत्तरी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ में न्यूनतम तापमान 5-10 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया जा रहा है। पहाड़ी राज्यों में तापमान शून्य से नीचे दर्ज किया जा रहा है। भारत के मैदानी इलाकों में सबसे कम न्यूनतम तापमान 4.5 डिग्री सेल्सियस सीकर (पूर्वी राजस्थान) में दर्ज किया गया।

कहां-कहां होगी बारिश और बर्फबारी

मौसम विभाग ने बताया कि आज अरुणाचल प्रदेश और अंडमान निकोबार द्वीप समूह में झमाझम बारिश हो सकती है। 9-11 फरवरी के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में अलग-अलग से लेकर बारिश और बर्फबारी की संभावना है। 10 फरवरी को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में गरज, बिजली और तेज़ हवाओं (30-40 किमी प्रति घंटा) के साथ भारी बारिश/बर्फबारी की संभावना है।

कहां पड़ेगा कोहरा

अगले 24 घंटे के दौरान उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश में कोल्ड डे का अलर्ट जारी किया गया है। दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, यूपी, बिहार समेत देश के अन्य भागों में सुबह के समय हल्का से मध्यम स्तर का कोहरा देखा जा सकता है। दिन में मौसम साफ रहने की उम्मीद है।

दिल्ली में कैसा रहेगा मौसम

सात फरवरी को दिल्ली में आसमान ज़्यादातर साफ़ रहेगा। दिन में तेज़ सतही हवाएं (स्पीड 15-25 किमी प्रति घंटे) चलेंगी। सुबह के समय धुंध रहेगी। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 23 डिग्री सेल्सियस से 25 सेल्सियस और 09 डिग्री सेल्सियस से 11 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब रहेगा। 8 फरवरी को आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय धुंध रहेगी।

अमेरिका-चीन-रूस में हो न्यूक्लियर डील

मॉस्को संग संधि खत्म होने पर ट्रंप प्रशासन की मांग, ड्रैगन ने दे दिया जवाब

वॉशिंगटन, 7 फरवरी (एजेंसियां)। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने एक नई संधि की पेशकश की है, जिसमें अमेरिका, रूस के साथ चीन को शामिल किया जाए। अमेरिका की ओर से शुक्रवार को कहा गया है कि तीन-तरफा डील की जाए ताकि परमाणु हथियारों पर नई सीमाएं तय हो सकें। अमेरिका और रूस का न्यूक्लियर हथियारों पर कंट्रोल रखने वाला समझौता 5 फरवरी को खत्म हो गया है। इसके बाद अमेरिका की ओर से ये बयान आया है। अमेरिका का कहना है कि चीन अपने परमाणु हथियारों का जखीरा बढ़ा रहा है। ऐसे में किसी भी नई डील चीन को जरूर रखा जाना जाए।

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो की ओर से कहा गया है कि हथियारों पर नियंत्रण सिर्फ अमेरिका और रूस के बीच का द्विपक्षीय मुद्दा नहीं हो सकता है। दूसरे देशों की भी रणनीतिक स्थिरता सुनिश्चित करने में मदद करने की जिम्मेदारी है और इसमें सबसे अहम नाम चीन का है। चीन बहुत तेजी से और सीक्रेटली परमाणु हथियारों को बढ़ा रहा है।

अमेरिका और रूस की न्यू स्टार्ट संधि के खत्म होने से परमाणु हथियारों को कम करने के लिए कोई रुकावट नहीं रह गई है। इससे हथियारों की नई होड़ का डर पैदा हो गया है। ऐसे में नए स्तर से इस पर चर्चा की बात की जा रही है।

अमेरिका ने चीन तो वहीं रूस ने ब्रिटेन और फ्रांस जैसे परमाणु-सशस्त्र देशों को बातचीत में शामिल करने पर जोर दिया है।

रूस-अमेरिका की संधि खत्म होने के एक दिन बाद शुक्रवार को चीन की ओर से इस पर बयान आ गया है। चीन ने दोहराया है कि वह इस स्तर पर किसी निरस्त्रीकरण वार्ता में शामिल होने की कोई योजना नहीं बना रहा है। ऐसे में फिलहाल चीन के अमेरिका की ओर से प्रस्तावित किसी नई परमाणु संधि में शामिल होने की संभावना बनती नहीं दिख रही है।

चीन कर रहा गुप्त परमाणु परीक्षण?

अमेरिकी विदेश उप सचिव थॉमस डिनानो ने जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र में निरस्त्रीकरण सम्मेलन में नई अमेरिकी योजना प्रस्तुत की है। इस दौरान उन्होंने चीन पर कानूनी रूप से बाध्यकारी अमेरिकी-रूसी संयम का फायदा उठाकर अपने हथियारों के जखीरे का विस्तार करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि चीन साल 2030 तक 1,000 परमाणु हथियार बना सकता है।

डिनोनो ने कहा, 'चीन के परमाणु जखीरे की कोई सीमा नहीं है ना ही वह कोई पारदर्शिता रखते हैं।

बीजिंग सीक्रेट तरीके से परमाणु विस्फोटक परीक्षण कर रहा है। इसमें सैकड़ों टन की निर्धारित क्षमता वाले परीक्षणों की तैयारी करना भी शामिल है। ऐसा ही एक परीक्षण 22 जून 2020 को किया गया था। चीन परमाणु विस्फोटों को अस्पष्ट करके परीक्षण छिपाने की कोशिश करता है।'

एपस्टीन फाइल्स- अनिल अंबानी की चैट सामने आई

सुनहरे बालों वाली स्वीडिश महिला की पेशकश हुई, अनिल बोले- अरेंज करो

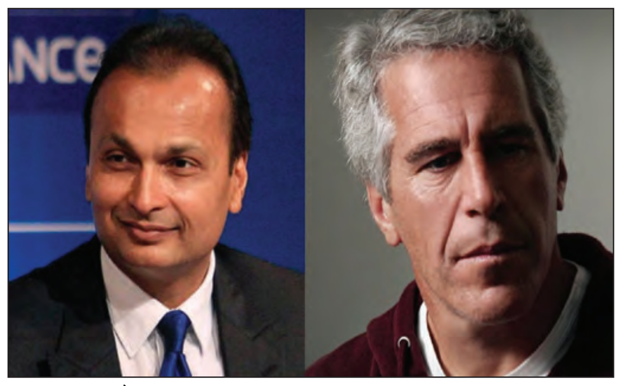

वॉशिंगटन, 7 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट ने यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन ने जो दस्तावेज जारी किए हैं, उसमें अनिल अंबानी से जुड़े नए खुलासे सामने आए हैं। ये दस्तावेज एपस्टीन और उद्योगपति अनिल अंबानी के बीच 2017 से 2019 के दौरान हुई बातचीत से जुड़े हैं।

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, इनमें कारोबार, वैश्विक मामलों और महिलाओं को लेकर चर्चा हुई। 9 मार्च 2017 की बातचीत में अनिल ने एपस्टीन से पूछा- क्या सुझाव है?

इस पर एपस्टीन ने लिखा- मुलाकात 'मजेदार' बनाने के लिए 'लंबी स्वीडिश ब्लॉन्ड महिला' बेहतर होगी। इसके बाद अंबानी ने जवाब दिया, 'इसे अरेंज करो।' बातचीत तब की है।

यह बातचीत उस समय की है, जब एप्सटीन को पहले ही 2008 में नाबालिगों से जुड़े यौन आपराध के मामले में सजा मिल चुकी थी। इसके बावजूद एप्सटीन दुनिया के कई प्रभावशाली और ताकतवर लोगों के संपर्क में बना हुआ था।

रिकॉर्ड बताते हैं कि दोनों के बीच पेरिस और न्यूयॉर्क में मिलने की योजना बनीं। मई 2019 में अनिल अंबानी के न्यूयॉर्क दौरे के वक्त एपस्टीन ने उन्हें मैनहैटन स्थित अपने घर बुलाया, जहां दोनों मिले।

दूसरे ईमेल्स से यह भी पता चलता है कि अंबानी और एपस्टीन के बीच अंतरराष्ट्रीय यात्राओं, बिजनेस मीटिंग्स और वैश्विक मंचों पर होने वाले कार्यक्रमों को लेकर बातचीत हुई थी। इनमें पेरिस, न्यूयॉर्क और वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के कार्यक्रमों में संभावित मुलाकातों का जिक्र है।

एप्सटीन को 2019 में संघीय स्तर पर सेक्स ट्रैफिकिंग के आरोपों में फिर से गिरफ्तार किया गया था, लेकिन मुकदमा शुरू होने से पहले ही उसकी हिरासत में मौत हो गई। इसके बाद दुनियाभर में विवाद खड़ा हुआ और उसके नेटवर्क को लेकर कई तरह की जांच शुरू हुईं।

चैट्स में डोनाल्ड ट्रम्प और हॉलीवुड से जुड़े संदर्भ भी हैं। एक बातचीत में एपस्टीन ने पसंदीदा महिला पर सवाल किया, जिस पर अंबानी ने हॉलीवुड अभिनेत्री स्कारलेट जोहानसन का जिक्र किया।

तब रिलायंस एंटरटेनमेंट उनकी फिल्म 'घोस्ट इन द शेल' की सह-निर्माता थी। इसी अवधि में एपस्टीन ने अंबानी परिवार से जुड़ी किताबें मंगवाई थीं। ब्लूमबर्ग के मुताबिक अनिल अंबानी के प्रतिनिधि ने इस मामले पर किसी टिप्पणी से इनकार किया। अनिल अंबानी अनिल अंबानी रिलायंस एडीए ग्रुप के चेयरमैन हैं। साल 2008 में उनकी संपत्ति करीब 42 अरब डॉलर आंकी गई थी। उस समय फोर्ब्स की अमीरों की सूची में उनका छठा स्थान था।

अंबानी के अलावा भी कई भारतीय और भारतीय मूल के सेलिब्रिटी एपस्टीन के संपर्क में थे। इनमें फिल्मकार मीरा नायर, डायरेक्टर अनुराग कश्यप, अभिनेत्री नंदिता दास, वेलनेस गुरु दीपक चोपड़ा का नाम शामिल है।

डॉक्टर को 24 साल जेल की सजा

छोटे बच्चों के यौन शोषण मामले में दोषी कैंडी में मिलाकर नशीली दवाई दी थी

लंदन, 7 फरवरी (एजेंसियां)। ब्रिटेन में बच्चों के यौन शोषण के एक गंभीर मामले में 76 साल के रिटायर्ड वेटनरी डॉक्टर जॉन रुबेन को 23 साल 10 महीने की जेल की सजा सुनाई गई है।

आरोपी ने समर कैंप में बच्चों को दी जाने वाली कैंडी में नशीली दवाएं मिलाकर उनका यौन शोषण किया।

यह मामला पिछले साल जुलाई का है, जब इंग्लैंड के एक समर कैंप से जुड़े 8 से 11 साल के 8 बच्चों और एक वयस्क को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। जांच के बाद पुलिस ने रुबेन को गिरफ्तार किया था।

जॉन रुबेन ने नवंबर में कोर्ट में 17 मामलों में दोष स्वीकार किया था। इनमें 13 साल से कम उम्र के दो बच्चों के साथ यौन उत्पीड़न और 8 बच्चों के साथ क्रूरता के आरोप शामिल हैं।

कोर्ट में यह भी सामने आया कि आरोपी ने अपनी पत्नी सूसन रुबेन को भी नशीली दवाई दी थी, ताकि वह सोती रहे और उसे पता न चले कि वह बच्चों के साथ यौन शोषण कर रहा है। बाद में आरोपी ने इस बात को भी स्वीकार किया।

प्रॉसिक्यूटर मैरी प्रायर ने कोर्ट को बताया कि आरोपी ने अपने धार्मिक छवि का इस्तेमाल कर बच्चों का यौन शोषण किया। साथ ही, उसने वेटनरी सर्जन के तौर पर अपने मेडिकल ज्ञान का इस्तेमाल बच्चों को बेहोश करने के लिए किया।

इस्लामाबाद शिया मस्जिद धमाका मामला- 3 लोग गिरफ्तार

इसमें 1 महिला, पाक ने भारत को जिम्मेदार बताया विदेश मंत्रालय बोला- पाकिस्तान खुद को धोखा दे रहा

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान में पुलिस ने 3 लोगों को गिरफ्तार किया है। इसमें दो भाई और एक महिला शामिल है। ये तीनों लोग शुक्रवार को इस्लामाबाद के एक शिया मस्जिद में हुए आत्मघाती हमले से जुड़े बताए जा रहे हैं।

इस हमले में 31 लोग मारे गए थे और 169 अन्य घायल हो गए थे। आत्मघाती हमलावर ने खदीजा अल-कुबरा मस्जिद (इमामबाड़ा) में खुद को उड़ा लिया था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि इन तीनों से पूछताछ जारी है और जांच एजेंसियां इस हमले के पीछे की पूरी साजिश का पता लगाने में जुटी हुई हैं।

दूसरी ओर भारत ने हमले की निंदा करते हुए कड़ी प्रतिक्रिया दी। विदेश मंत्रालय ने देर रात बयान जारी कर कहा कि हमले में भारत के शामिल होने का दावा निराधार है। विदेश मंत्रालय ने कहा- यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि पाकिस्तान इन मुद्दों का हल ढूंढने के बजाय, दूसरों को अपनी परेशानियों के लिए दोषी ठहरा रहा है।

विदेश मंत्रालय ने आगे कहा- पाकिस्तान खुद को ही धोखा दे रहा है। भारत का ये बयान पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के उस दावे के बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि हमले में भारत और अफगानिस्तान शामिल थे।

पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने धमाके में मारे गए लोगों के लिए शोक जताया है। उन्होंने कहा कि बेगुनाह लोगों को निशाना बनाना इंसानियत के खिलाफ है।

जरदारी ने घायलों के जल्द ठीक होने की दुआ की और अधिकारियों को निर्देश दिए कि घायलों को हर संभव बेहतर इलाज की सुविधा दी जाए।

मंत्री ने कहा- ऐसी घटनाएं देश का हौसला नहीं तोड़ सकती

पार्लियामेंट्री अफेयर्स के मंत्री डॉ. तारिक फजल चौधरी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि इस्लामाबाद में हुए धमाके की मैं कड़ी निंदा करता हूं। इस हमले में मारे गए लोगों के लिए दुखी हूं।

ऐसी आतंकी घटनाएं देश और लोगों का हौसला नहीं तोड़ सकती। जरूरत है कि हम सब मिलकर शांति के लिए एकजुट हों और कानून व्यवस्था संभालने वाली एजेंसियों के साथ मजबूती से खड़े रहें।

इससे पहले भी 11 नवंबर 2025 को इस्लामाबाद के जी-11 इलाके में जिला और सत्र न्यायालय के बाहर आत्मघाती धमाका हुआ था।

आरएसएफ के हमले में आठ बच्चे समेत 24 की मौत

खार्तूम, 7 फरवरी (एजेंसियां)। सूडान में पिछले तीन साल से जारी गृह युद्ध के चलते देश में मानवीय संकट और ज्यादा गहरा होता जा रहा है। सेना और रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) के बीच जारी संघर्ष ने देश की राजनीतिक पारदर्शिता को पूरी तरह से बदल कर रख दिया है। इसी बीच सूडान के नॉर्थ कोर्डोफान प्रांत के रहाद के पास शनिवार को एक ड्रोन हमले में कम से कम 24 लोग मारे गए, जिनमें आठ बच्चे भी शामिल हैं। यह हमला देश के कुख्यात पैरा-मिलिट्री समूह रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) ने किया।

मीडिया रिपोर्टस के अनुसार मृतकों में दो शिशु भी शामिल हैं। हमला उस वाहन पर हुआ था जिसमें दुबेकिर इलाके से भागे हुए विस्थापित लोग जा रहे थे। डॉक्टर्स नेटवर्क ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय और मानवाधिकार संगठनों से अपील की है कि वे सिविलियनों की सुरक्षा सुनिश्चित करें और आरएसएफ नेतृत्व को इन अपराधों के लिए सीधे जिम्मेदार ठहराएं। हालांकि इस हमले को लेकर आरएसएफ की ओर अभी इस मामले में कोई टिप्पणी नहीं आई है।

यह संगठन पिछले लगभग तीन वर्षों से सूडानी सेना के खिलाफ देश पर कब्जा करने के लिए युद्ध में लगा हुआ है। गौरतलब है कि सूडान में हालात अप्रैल 2023 में बिगड़े जब सेना और आरएसएफ के बीच सत्ता संघर्ष ने खुला युद्ध शुरू कर दिया। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार इस युद्ध में अब तक 40,000 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं, लेकिन राहत संगठनों का मानना है कि वास्तविक संख्या इससे कई गुना अधिक हो सकती है।

ट्रम्प बोले- बराक और मिशेल ओबामा से माफी नहीं मांगूंगा

स्टाफ की गलती से वीडियो शेयर हुआ, पूर्व राष्ट्रपति और उनकी पत्नी को बंदर दिखाया था

वॉशिंगटन, 7 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया से पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और उनकी पत्नी मिशेल ओबामा का वीडियो डिलीट कर दिया है। इस वीडियो में ओबामा और उनकी पत्नी को जंगल में प्राइमेट्स (बंदर) के रूप में दिखाया गया था।

हालांकि, ट्रम्प ने शुक्रवार को सफाई देते हुए माफी मांगने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, 'मैंने शुरुआत देखी, वो ठीक थी।" इसके बाद उन्होंने इसे किसी स्टाफ को भेज दिया, जिन्हें पूरा वीडियो देखना चाहिए था।'

ट्रम्प का दावा है कि स्टाफ ने वीडियो के अंतिम छोटे हिस्से को मिस कर दिया, जिसमें आपत्तिजनक सामग्री थी। उन्होंने कहा कि जैसे ही उन्हें इसकी जानकारी हुई, वीडियो हटा दिया गया। ट्रम्प ने स्पष्ट रूप से माफी मांगने से इनकार करते हुए कहा, 'नहीं, मैंने कोई गलती नहीं की।' हालांकि, उन्होंने नस्लवादी हिस्से की निंदा की।

व्हाइट हाउस ने कहा कि यह पोस्ट एक स्टाफ की गलती से शेयर हुई थी। कुछ घंटे पहले प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने कहा था कि पोस्ट में कुछ भी आपत्तिजनक नहीं है। वीडियो को लेकर ओबामा ने अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी जाएगी।

यह वीडियो ट्रम्प के उन कई पोस्ट्स में से एक था, जिनमें उन्होंने 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में धांधली का दावा किया। करीब एक मिनट के वीडियो में उन्होंने कहा किया कि 2020 के चुनाव में बैलेट गिनने वाली कंपनी डोमिनियन वोटिंग सिस्टम्स ने ट्रम्प के खिलाफ गड़बड़ी की थी।

वीडियो के आखिर में कुछ सेकंड के लिए ओबामा दंपती के चेहरे बंदरों के शरीर पर दिखाए जाते हैं। उसी दौरान बैकग्राउंड में 'द लायन स्लीप्स टुनाइट' गाना बजता है। यह सीन एक अलग इंटरनेट मीम वीडियो से लिया गया था, जिसे पहले भी एक प्रभावशाली कंजर्वेटिव मीम मेकर ने फैलाया था। उस वीडियो में ट्रम्प को 'जंगल का राजा' और डेमोक्रेट नेताओं को जानवरों के रूप में दिखाया गया था।

एसबीआई-बैंक के चीफ-मैनेजर के घर 5 लाख के जेवर चोरी

कोरबा, 7 फरवरी (एजेंसियां)। कोरबा जिले में दादर खुर्द मार्ग पर शुक्रवार रात एक सूने मकान में चोरी हुई है। खिड़की तोड़कर चोर घर में घुसे और करीब 5 लाख रुपए के सोने के जेवरात लेकर भाग गए। घटना मानिकपुर थाना क्षेत्र की है।

यह मकान एसईसीएल कर्मी नवनीत नाथ का है, जहां एसबीआई बैंक के चीफ मैनेजर राजू मोदी अपने परिवार के साथ किराए पर रहते हैं। घटना के समय राजू मोदी अपने परिवार के साथ रायपुर गए हुए थे।

राजू मोदी ने बताया कि, वे शुक्रवार सुबह रायपुर गए थे और देर रात लगभग 1 बजे घर लौटे। घर का ताला खोलकर अंदर जाने पर उन्होंने देखा कि सारा सामान बिखरा पड़ा था।

ईरान को यूरेनियम संवर्धन से तो अमेरिकी हमला नहीं रोक पाया

अब्बास अराघची ने खारिज की ट्रंप की शर्त

मस्कट, 7 फरवरी (एजेंसियां)। ईरान ने साफ किया है कि अमेरिका उसको न्यूक्लियर फ्यूल के एनरिचमेंट को खत्म करने के लिए नहीं कह सकता है। अपने मिसाइल प्रोग्राम को रोकने से भी ईरान ने इनकार किया है। ईरान ने इसे सुरक्षा से जुड़ा मसला कहा है। ईरान की ओर से मिसाइल प्रोग्राम और यूरेनियम संवर्धन रोकने जैसी ट्रंप प्रशासन की मुख्य शर्तों को खारिज किया है। इसके बावजूद दोनों पक्षों ने बातचीत जारी रखने का फैसला लिया है। ईरान केवल परमाणु मुद्दे पर चर्चा चाहता है जबकि अमेरिका मिसाइल कार्यक्रम जैसे मुद्दों को वार्ता में शामिल करना चाहता है।

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि एनर्जी जरूरत के लिए यूरेनियम संवर्धन ईरान का अधिकार है, जिसे वह निश्चित तौर जारी रखेगा। ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला करने के बाद भी अमेरिका उसके इस हक को खत्म नहीं कर पाया है। अराघची ने कहा कि उनकी सरकार यूरेनियम संवर्धन को खत्म करने या इसे देश से बाहर भेजने पर सहमत नहीं है।

ईरान के मिसाइल प्रोग्राम पर बात करते हुए अराघची ने कहा कि इस मुद्दे पर हम बात नहीं कर रहे हैं। ईरान का रुख है कि भविष्य में भी मिसाइलों पर बात नहीं हो सकती क्योंकि यह सुरक्षा से जुड़ा मुद्दा है। उन्होंने दोहराया कि ईरान की टकराव टालने की कोशिश है लेकिन अमेरिका का हमला होता है तो तेहरान जवाब देने को तैयार है।

ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु वार्ता का नया दौर शुक्रवार को ओमान की राजधानी मस्कट में शुरू हुआ है। ईरानी विदेश मंत्रालय ने कहा है कि दोनों पक्षों के बीच बातचीत जारी रखने के समझौते के साथ बैठक खत्म हुई है। दोनों पक्षों ने अपने-अपने नजरिया रखते हुए बातचीत के अगले दौर में जाने को लेकर सहमति जताई।

बांग्लादेश में चीन की ड्रोन फैक्ट्री

भारत के पड़ोस में ड्रैगन ने बढ़ाई पैठ, दिल्ली के लिए खतरा

ढाका, 7 फरवरी (एजेंसियां)। भारत के अंधविरोध में डूबी बांग्लादेश की मोहम्मद यूनुस सरकार ने चीन के साथ एक डील की है, जो दक्षिण एशिया के रणनीतिक परिदृश्य को बदल सकती है।

इस डील के तहत चटगांव जिले में एक ड्रोन निर्माण सुविधा की स्थापना की जाती है। खास बात है कि यह इलाका कभी भारतीय उद्योग के लिए तय किया गया था लेकिन यूनुस सरकार ने डील रद्द कर दी।

रिपोर्ट के अनुसार, इस साल जनवरी में बांग्लादेश एयरफोर्स और चीन की सरकारी डिफेंस कंपनी चाइना इलेक्ट्रॉनिक्स टेक्नोलॉजी ग्रुप कॉर्पोरेशन इंटरनेशल के बीच समझौता हुआ है। समझौते के तहत चटगांव में जिले में एक सुविधा का निर्माण किया जाएगा, जिसमें सैन्य और नागरिक दोनों के इस्तेमाल के लिए अत्याधुनिक मानवरहित हवाई वाहन (यूएवी) बनाने और असेंबल करने की सुविधा होगी। यह डील इस बात का साफ सबूत है कि भारत के पड़ोस में चीन किस तरह आगे बढ़ रहा है।

यह डील भारत के लिए सीधा झटका है, क्योंकि जिस जगह पर अब ड्रोन सुविधा बनाए जाने की योजना है, वह पहले भारत के लिए एक विशेष आर्थिक क्षेत्र बनने वाली थी।

साल 2015 में एक समझौता ज्ञापन के तहत ढाका ने भारतीय फर्मों के लिए करीब 1000 एकड़ से ज्यादा जमीन भी आवंटित कर दी थी। हालांकि, सालों तक नई दिल्ली ने सुस्ती बनाए रखी और शेख हसीना के बाद आई यूनुस सरकार ने इस प्रोजेक्ट को खत्म कर दिया। 2026 की शुरुआत में भारतीय जोन का आवंटन भी वापस ले लिया गया। बांग्लादेश से आए आधिकारिक बयानों के अध्ययन से पता चलता है कि ढाका ने इस प्रोजेक्ट को आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम बताया है। समझौते के चहते चीन इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने के साथ ही टेक्नोलॉजी भी ट्रांसफर करेगा। इस समझौते पर ढाका कैंटोनमेंट में स्थित बांग्लादेश एयरफोर्स मुख्यालय में हस्ताक्षर किए गए।

इस समझौते के बाद चीन और बांग्लादेश के रक्षा संबंधों में एक नया आयाम जुड़ गया है।

ताइवान को मिली 'शिप किलर' हार्पून मिसाइलों की पहली खेप

चीनी युद्धपोतों का कहा जाता है काल

ताइपे, 7 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका ने ताइवान को जमीन पर आधारित हार्पून एंटी-शिप मिसाइल सिस्टम की खेप सौंपनी शुरू कर दी है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स में हार्पून सिस्टम से जुड़े काफिले के वाहनों के आने की पुष्टि की गई है। इनमें मिसाइल लॉन्चर ट्रक, रडार वाहन और कमांड-एंड-कंट्रोल यूनिट शामिल हैं। लॉन्चर वाहन हेवी एक्सपेंडेड मोबिलिटी टैक्टिकल ट्रक प्लेटफॉर्म पर आधारित हैं, जिसे आमतौर पर एचईएमटीटी के नाम से जाना जाता है। अभी तक जो जानकारी है उसके मुताबिक, ताइवान ने अमेरिका से 100 जमीन पर आधारित हार्पून कोस्टल डिफेंस सिस्टम के साथ कुल 400 मिसाइलों का ऑर्डर दिया था। इस डील को अमेरिकी विदेशी सैन्य बिक्री चैनलों के माध्यम से मंजूरी दी गई थी और इसका मकसद ताइवान की तटरेखा की ओर आने वाले सतह के खतरों का मुकाबला करने की क्षमता को बढ़ाना है। हार्पून मिसाइलों की ये डिलीवरी, ताइपे और वाशिंगटन के बीच तय शेड्यूल के तहत ही अलग अलग चरणों में की जा रही है। मौजूदा टाइमलाइन के मुताबिक, 2026 के आखिर तक पूरे 32 सिस्टम डिलीवर किए जाएंगे, और बाकी 68 सिस्टम 2028 तक ताइवान को सौंप दिए जाएंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, हार्पून मिसाइलों को ताइवान की सेना के साथ इंटीग्रेट करने के लिए अमेरिकी इंस्ट्रक्टर और टेक्निकल सलाहकारों को भी तैनात किया जाता है। इसके बाद मोबाइल लॉन्चर, रडार सिस्टम और सपोर्टिंग उपकरण डिलीवर किए जाते हैं। मिसाइलों को खुद आखिरी चरण में डिलीवर किया जाता है, जिससे ताइवानी यूनिट्स को असली गोला-बारूद मिलने से पहले ट्रेनिंग और इंटीग्रेशन पूरा करने का मौका मिलता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इन सिस्टम को ताइवान की नौसेना तटीय रक्षा कमान ऑपरेट कर सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ताइवान ने जो हार्पून मिसाइलें आरजीएम-84एल-4 ब्लॉक II (U) खरीदी हैं, वो जमीन पर आधारित वेरिएंट हैं।

चीन के गुप्त हथियार 'टीपीजी1000सीएस' पर बड़ी जानकारी मिली

बीजिंग, 7 फरवरी (एजेंसियां)। चीन को अपने हाई-पावर माइक्रोवेव (एचपीएम) टेक्नोलॉजी में एक बड़ी कामयाबी मिली है। ये एक शक्तिशाली ट्रक पर लगने वाला वेपन सिस्टम है। इसे अमेरिका और पश्चिमी देशों के सैटेलाइट के लिए बहुत बड़ा खतरा माना जा रहा है।

चीन के डिफेंस रिसर्चर्स और चीन की मीडिया ने इसे एलन मस्क की स्टारलिंक कंपनी के लो ऑर्बिट सैटेलाइट (एलईओ) कॉन्स्टेलेशन के लिए खतरे के तौर पर पेश किया है।

इस हथियार के जरिए चीन युद्ध की स्थिति में लो ऑर्बिट सैटेलाइट, सैटेलाइट कमांड नेटवर्क को ध्वस्त कर सकता है। इसे एक नॉन-काइनेटिक हथियार कहा जा रहा है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट (एससीएमपी) ने इस महीने इस हथियार सिस्टम को लेकर एक रिपोर्ट जारी किया है। इसमें कहा गया है कि चीन के वैज्ञानिकों ने दुनिया का पहला एचपीएम हथियार कॉम्पैक्ट ड्राइवर डेवलप किया है। यह डिवाइस 60 सेकंड तक लगातार 20 गीगावाट एनर्जी जेनरेट कर सकता है।

इस रिपोर्ट में चीन के वैज्ञानिकों ने कहा है कि यह ब्रेकथ्रू, स्पेसX के स्टारलिंक जैसे बड़े लो-अर्थ-ऑर्बिट (एलईओ) सैटेलाइट ग्रुप के लिए खतरा बन सकता है। टीम ने अपनी रिसर्च के नतीजे पीयर-रिव्यूड जर्नल चाइनीज हाई पावर लेजर एंड पार्टिकल बीम्स में पब्लिश किए हैं।

जानकी जयंती पर व्रत का धार्मिक महत्व

अष्टमी तिथि का प्रारंभ: 9 फरवरी 2026, सुबह 05:01 बजे से
अष्टमी तिथि का समापन: 10 फरवरी 2026, सुबह 07:27 बजे पर

हिंदू धर्म में जानकी जयंती जिसे सीता अष्टमी भी कहा जाता है का विशेष महत्व है। यह दिन माता सीता के प्राकट्य उत्सव के रूप में मनाया जाता है। सुहागिन महिलाओं के लिए यह व्रत अखंड सौभाग्य की प्राप्ति कराने वाला माना गया है। लेकिन साल 2026 में इसकी सही तारीख को लेकर थोड़ा असमंजस है। आइए जानते हैं कि जानकी जयंती कब है और इसका क्या महत्व है।

हिंदू धर्म में माता सीता को त्याग, प्रेम, धैर्य और मर्यादा की प्रतीक माना जाता है। भगवान श्रीराम की अर्धांगिनी और मिथिला नरेश राजा जनक की पुत्री माता सीता के जन्म उत्सव को जानकी जयंती के रूप में मनाया जाता है। इस दिन भक्त पूरे श्रद्धा भाव से माता जानकी की पूजा-अर्चना करते हैं और सुख-समृद्धि व वैवाहिक जीवन की खुशहाली की कामना करते हैं। आइए जानते हैं कि साल 2026 में जानकी जयंती कब मनाई जाएगी, पूजा विधि क्या है और इसका धार्मिक महत्व क्या है।

जानकी जयंती 2026: कब है सही तिथि?

पंचांग के अनुसार, फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को माता सीता का जन्म हुआ था। साल 2026 में तिथियों का समय कुछ इस प्रकार है।

शास्त्रों में उदयातिथि और प्रदोष काल का विशेष महत्व होता है। चूंकि अष्टमी तिथि 9 फरवरी को पूरे दिन और रात व्याप्त रहेगी, इसलिए 9 फरवरी 2026, सोमवार को ही जानकी जयंती मनाना शास्त्र सम्मत और शुभ रहेगा।

जानकी जयंती की पूजा विधि

इस दिन माता सीता और भगवान राम की एक साथ पूजा की जाती है। व्रत के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और व्रत का संकल्प लें। घर के मंदिर को साफ करें और एक चौकी पर लाल या पीला कपड़ा बिछाएं। चौकी पर माता सीता और भगवान राम की प्रतिमा स्थापित करें। माता सीता को लाल चुनरी चढ़ाएं और श्रृंगार की वस्तुएं (चूड़ी, बिंदी, सिंदूर आदि) अर्पित करें। फल, फूल और घर में बने सात्विक मिष्ठान का भोग लगाएं। आखिर में श्री राम-सीता की आरती करें और उनसे सुखद जीवन की प्रार्थना करें। इस दिन सुहागिन महिलाओं को सुहाग की सामग्री दान करना बेहद शुभ माना जाता है।

जानकी जयंती का महत्व

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जानकी जयंती का व्रत रखने से वैवाहिक जीवन की परेशानियां दूर होती हैं। महिलाएं अपने पति की लंबी आयु के लिए यह व्रत रखती हैं। माता सीता को धैर्य और त्याग की देवी माना जाता है, उनकी पूजा से घर में सुख-शांति आती है। कुंवारी कन्याएं यदि इस दिन व्रत रखें, तो उन्हें मनचाहा और योग्य जीवनसाथी प्राप्त होता है।

महाशिवरात्रि की पूजा में क्या चढ़ाएं और क्या नहीं?

शिव भक्तों के लिए महाशिवरात्रि का पर्व बहुत ही श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाता है। मान्यता है कि इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह हुआ था। भक्त भोलेनाथ को प्रसन्न करने के लिए उपवास रखते हैं और विशेष पूजा-अर्चना करते हैं। शिव जी जितने भोले हैं, उतनी ही जल्दी प्रसन्न भी हो जाते हैं, लेकिन उनकी पूजा में कुछ विशेष नियमों का पालन करना अनिवार्य है।

भगवान शिव की आराधना के लिए महाशिवरात्रि का पर्व बेहद खास माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह हुआ था। इस दिन भक्त उपवास रखकर शिवलिंग का विधि-विधान से अभिषेक और पूजा करते हैं। कहा जाता है कि सच्चे मन से की गई शिव पूजा से जीवन की परेशानियां दूर होती हैं और मनोकामनाएं पूरी होती हैं। पंचांग के अनुसार, साल 2026 में महाशिवरात्रि का व्रत 15 फरवरी को रखा जाएगा। ऐसे में आइए जानते हैं कि इस दिन भगवान शिव को क्या चढ़ाना शुभ माना जाता है और किन चीजों को चढ़ाने से बचना चाहिए।

महादेव को क्या अर्पित करें?

शिवजी को सादगी प्रिय है। यदि आप पूरी श्रद्धा से ये चीजें अर्पित करते हैं, तो आपकी मनोकामनाएं पूरी हो सकती हैं।

बेलपत्रः महादेव को बेलपत्र अत्यंत प्रिय है। ध्यान रखें कि बेलपत्र कटा-फटा न हो और उसमें तीन पत्तियां एक साथ जुड़ी हों।

धतूरा और भांगः ये चीजें शिवजी को नकारात्मकता दूर करने के प्रतीक के रूप में चढ़ाई जाती हैं।

कच्चा दूध और गंगाजलः शिवलिंग का अभिषेक करने के लिए शुद्ध कच्चा दूध और गंगाजल सबसे उत्तम माना जाता है।

चंदनः शिवजी को सफेद चंदन का तिलक लगाएं। इससे मन को शांति मिलती है।

अक्षत (चावल): पूजा में साबुत चावल का प्रयोग करें। टूटे हुए चावल (खंडित) कभी न चढ़ाएं।

भूलकर भी न चढ़ाएं ये चीजें !

केतकी के फूलः पौराणिक कथा के अनुसार, भगवान शिव ने केतकी के फूल को अपनी पूजा से वर्जित कर दिया था।

तुलसी दलः भगवान शिव ने जालंधर असुर का वध किया था, जिसकी पत्नी वृंदा (तुलसी) थी। इसलिए तुलसी शिव पूजा में नहीं चढ़ाई जाती।

सिंदूर या कुमकुमः महादेव वैरागी हैं और सिंदूर सौभाग्य का प्रतीक है, जिसे विवाहित महिलाएं अपने पति की लंबी आयु के लिए लगाती हैं।

शंख से जलः शिवजी ने शंखचूड़ नामक असुर का वध किया था, इसलिए उनकी पूजा में शंख वर्जित माना जाता है।

पूजा के दौरान न करें ये गलतियां

कभी भी खंडित शिवलिंग की पूजा न करें। हालांकि, नर्मदेश्वर शिवलिंग को अपवाद माना जाता है। जल चढ़ाने के लिए तांबे का पात्र श्रेष्ठ है, लेकिन तांबे के बर्तन में दूध डालकर अभिषेक नहीं करना चाहिए। दूध के लिए चांदी या स्टील के बर्तन का प्रयोग करें। शिवलिंग की कभी भी पूरी परिक्रमा नहीं की जाती। हमेशा आधी परिक्रमा करें और जहां से जल बाहर निकलता है (जलाधारी), उसे कभी न लांघें

नागा साधुओं का सबसे अनमोल खजाना

क्या है ब्रह्म पात्र और क्यों कहलाता है तुंबा पात्र

ब्रह्म पात्र आमतौर पर सूखे तुंबे से बनाया जाता है। साधु इसे प्राकृतिक रूप में ही इस्तेमाल करते हैं, बिना किसी सजावट के। नागा साधुओं के अनुसार इसकी उत्पत्ति ब्रह्मा जी से जुड़ी है, इसलिए इसे ब्रह्मा पात्र कहा जाता है। माना जाता है कि प्रकृति ने इसे जानबूझकर थोड़ा कड़वा और कठोर बनाया, ताकि इसे कोई पशु नुकसान न पहुंचाए। यही कारण है कि यह वर्षों तक साधुओं के साथ रहता है।

ब्रह्मा जी का आशीर्वाद और पवित्रता की मान्यता

नागा साधु अपने ब्रह्म पात्र को बेहद पवित्र मानते हैं। वे इसे कभी भी अशुद्ध स्थान पर नहीं रखते। सोते समय यह उनके सिरहाने रहता है या त्रिशूल और डंडे पर टंगा होता है। मान्यता है कि यदि ब्रह्म पात्र टूट जाए, तो यह अशुभ संकेत होता है। ऐसे में साधु को प्रायश्चित करना पड़ता है या विधि-विधान से नया पात्र धारण करना होता है। यह विश्वास इसे एक साधारण वस्तु से ऊपर, आध्यात्मिक साथी बना देता है।

नागा साधुओं के जीवन में ब्रह्म पात्र की भूमिका

दिगंबर जीवन जीने वाले नागा साधुओं के पास भौतिक संपत्ति के नाम पर लगभग कुछ भी नहीं होता। ऐसे में ब्रह्म पात्र ही उनकी अलमारी, रसोई और तिजोरी सब कुछ है। भिक्षा में मिला भोजन, जल या कभी-कभी औषधीय वस्तुएं, सब इसी में रखी जाती हैं। यह न्यूनतम में जीने की उनकी साधना का प्रतीक है।

जल, स्वास्थ्य और तपस्या का संबंध

साधुओं का मानना है कि तुंबा पात्र में रखा पानी प्राकृतिक रूप से शुद्ध रहता है। कुछ योगाचार्य इसे क्षारीय गुणों से भरपूर बताते हैं, जो पाचन के लिए लाभकारी होता है। कठिन तपस्या, लंबे उपवास और मौसम की मार के बीच यही पानी उन्हें संतुलित रखता है। कई साधु अनुभव से कहते हैं कि इस पात्र का जल शरीर को भीतर से ठंडक देता है।

नदी, यात्रा और तैरने में मददगार

ब्रह्म पात्र का एक व्यावहारिक पहलू भी है। यह हल्का होता है और पानी में कभी डूबता नहीं। स्नान के दौरान या नदी पार करते समय साधु इसे सहारे की तरह इस्तेमाल करते हैं। कुंभ या माघ मेले में संगम पार करते नागा साधुओं को देखकर यह बात आसानी से समझी जा सकती है कि यह पात्र सिर्फ धार्मिक नहीं, बल्कि जीवनोपयोगी भी है।

ब्रह्मांड का प्रतीक माना जाता है ब्रह्म पात्र

सन्यासियों के अनुसार ब्रह्म पात्र केवल एक बर्तन नहीं, बल्कि ब्रह्मांड का प्रतीक है। जैसे पूरा ब्रह्मांड एक पात्र की तरह है जिसमें जीवन पलता है, वैसे ही यह तुंबा जीवनदायी जल को धारण करता है। ब्रह्मा जी को सृष्टि का रचयिता माना जाता है, और यह पात्र उसी सृजन का छोटा-सा रूप माना जाता है।

तंजावुर के सुंदरेश्वर मंदिर में होता है चमत्कार

एक दिन में 5 बार शिवलिंग के रंग बदलने की है मान्यता!

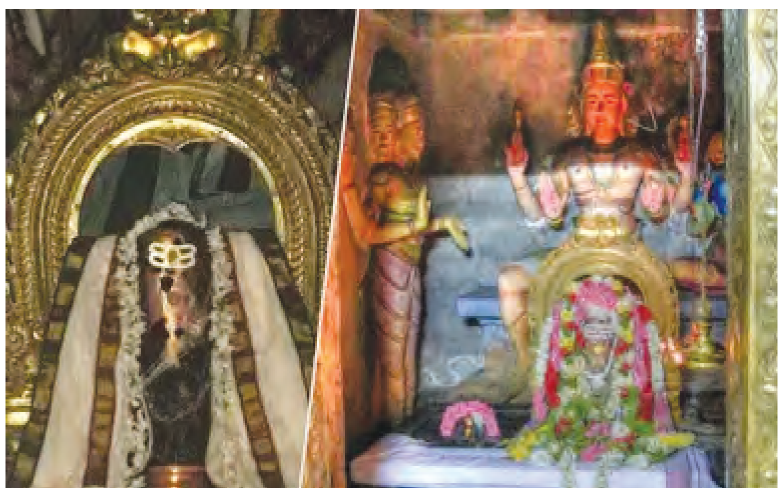

तमिलनाडु के कल्याण सुंदरेश्वर मंदिर के शिवलिंग के दिन में पांच बार रंग बदलने की मान्यता है। भक्तों के अनुसार, सुबह काला, दोपहर सफेद, शाम लाल, रात हल्का नीला और आधी रात को हरा रंग होता है। चोल काल में निर्मित यह लगभग एक हजार साल पुराना मंदिर भक्तों की गहरी आस्था का केंद्र है।

तमिलनाडु के तंजावुर जिले के नल्लूर गांव में स्थित कल्याण सुंदरेश्वर मंदिर भक्तों के लिए आस्था का केंद्र है। भक्तों का मानना है कि इस मंदिर में पूजे जाने वाले शिवलिंग का रंग एक दिन में पांच बार बदलता है। समय के अनुसार, शिवलिंग का रंग बदलना इस मंदिर का मुख्य आकर्षण माना जाता है। भक्त न केवल तमिलनाडु से बल्कि पड़ोसी राज्यों से भी इसे देखने आते हैं। कहा जाता है कि यह मंदिर लगभग एक हजार साल पुराना है और इसका निर्माण चोल काल में हुआ था।

इस मंदिर में स्थित कल्याण सुंदरेश्वर शिवलिंग के बारे में कहा जाता है कि यह एक ही दिन में पांच अलग-अलग रंगों में बदल जाता हैः सुबह काला, दोपहर में सफेद, शाम को लाल, रात में हल्का नीला और आधी रात को हरा। इसी कारण, ऐसा माना जाता है कि किसी भी समय दर्शन करने वाले भक्त शिवलिंग को विभिन्न रंगों में देख सकते हैं। इसी वजह से दिन के अलग-अलग समय पर मंदिर में आने वाले भक्तों की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है।

लगभग एक हजार साल पुराना मंदिर

ऐतिहासिक अभिलेखों से पता चलता है कि इस मंदिर का निर्माण लगभग एक हजार साल पहले चोल सम्राट राजराजा चोल के शासनकाल में हुआ था। समय के साथ कई जीर्णोद्धार होने के बावजूद मंदिर की आध्यात्मिक परंपराएं और अनुष्ठान अपरिवर्तित रूप से संरक्षित हैं। यहां भगवान शिव को कल्याण सुंदेश्वर के नाम से भी प्रतिष्ठित किया गया है। इसके अलावा, इस मंदिर में भगवान मुरुगा का भी विशेष महत्व है। इसी कारण भगवान शिव और मुरुगा के भक्त इस मंदिर में दर्शन के लिए आते हैं।

काले पत्थर के हैं दो शिवलिंग

इस मंदिर में काले पत्थर के दो शिवलिंग हैं। पहला शिवलिंग गर्भगृह में सोने से सजा हुआ है और दूसरा मंदिर के प्रवेश द्वार के पास स्थित है। मंदिर के प्रवेश द्वार पर स्थित शिवलिंग पर प्रतिदिन सुबह चंदन का लेप किया जाता है। दोपहर में चंदन की सुगंध भक्तों का स्वागत करती है।

मंदिर की 5 बार होती है पूजा

इस मंदिर में रोज पांच बार पूजा की जाती हैं। ऐसा माना जाता है कि प्रत्येक काल पूजा के दौरान भगवान शिव अलग-अलग रूपों में प्रकट होते हैं। भक्तों का कहना है कि भगवान शिव सुबह नंदी के साथ वैद्यनाथ रूप में प्रकट होते हैं। शिवलिंग के रंग में परिवर्तन का अभी तक कोई वैज्ञानिक स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है। भक्तों का मानना है कि यह परिवर्तन प्राकृतिक रूप से होता है, बिना किसी मानवीय प्रयास के। इससे मंदिर की आध्यात्मिक भव्यता और भी बढ़ जाती है।

शबरी जयंती का शुभ मुहूर्त, पूजा विधि और महत्व

हर साल साल फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की सप्तमी तिथि को माता शबरी की जयंती मनाई जाती है। इस दिन विधि-विधान से प्रभु श्रीराम और माता शबरी की पूजा की जाती है। ऐसे में आइए जानते हैं कि साल 2026 में शबरी जयंती कब मनाई जाएगी? साथ ही जानते हैं शबरी जयंती की पूजा का शुभ मुहूर्त, विधि और महत्व।

रामायण एक पावन हिंदू धर्म ग्रंथ है। इसमें त्रेतायुग और भगवान राम की लीलाओं के बारे में बताया है। रमायण के कई अहम पात्रों के बारे में आज भी बात की जाती है। इन्हीं में शामिल हैं माता शबरी। माता शबरी श्री राम के प्रति अपनी अटूट आस्था और भक्ति के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने प्रभु की प्रतीक्षा में अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया था। माता शबरी ने प्रभु को जूठे बेर खिलाए थे।

भगवान ने बेर खाकर उनको परम धाम दिया था। हर साल साल फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की सप्तमी तिथि को माता शबरी की जयंती मनाई जाती है। इस दिन विधि-विधान से प्रभु श्रीराम और माता शबरी की पूजा की जाती है। ऐसे में आइए जानते हैं कि साल 2026 में शबरी जयंती कब मनाई जाएगी?

साथ ही जानते हैं शबरी जयंती की पूजा का शुभ मुहूर्त, विधि और महत्व।

पंचांग के अनुसार, इस साल फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की सप्तमी तिथि की शुरुआत 08 फरवरी को तड़के सुबह 02 बजकर 54 मिनट पर हो रही है। इस तिथि का समापन अगले दिन 09 फरवरी को प्रातः काल 05 बजकर 01 मिनट पर हो जाएगा। ऐसे में इस साल शबरी जयंती का पर्व 08 फरवरी 2026, रविवार के दिन ही मनाया जाएगा।

पूजा के शुभ मुहूर्त

इस दिन सुबह ब्रह्म मुहूर्त 05 बजकर 21 मिनट पर शुरू होगा। ये मुहूर्त 06 बजकर 13 मिनट तक रहेगा। दोपहर का अभिजीत मुहूर्त 12 बजकर 13 मिनट पर शुरू होगा। ये मुहूर्त 12 बजकर 57 मिनट तक रहेगा। वहीं, अमृत काल दोपहर 02 बजकर 26 पर शुरू होगा। ये 03 बजकर 10 मिनट तक रहेगा। इन समयों में की गई पूजा बड़ी लाभ देने वाली रहेगी।

शबरी जयंती पूजा विधि

शबरी जयंती पर सुबह जल्दी उठकर स्नान करें।

घर के मंदिर में राम दरबार और माता शबरी की तस्वीर रखें।

पूजा के समय विशेष रूप से बेर का भोग लगाएं। क्योंकि यही माता शबरी की भक्ति का प्रतीक था।

इसके साथ दीप, धूप और पुष्प अर्पित करें।

रामायण के शबरी प्रसंग का पाठ करें।

पूजा का समापन आरती के साथ करें।

गरीबों और जरूरतमंदों को फल या अन्न दान करें।

शबरी जयंती का महत्व

शबरी जयंती का विशेष महत्व माना जाता है। इस दिन भगवान राम की कृपा से माता शबरी को मोक्ष मिला था। शबरी जयंती का पर्व भक्ति और मोक्ष के प्रतीक के रूप में ही बड़े धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन सच्चे मन से भगवान राम और माता शबरी की पूजा करने पर प्रभु की विशेष कृपा प्राप्त होती है। जीवन खुशहाल बना रहता है।

घर की तरह ऑफिस, कैम्पस, बाजार में भी खुली सोच रखें

राज्य-व्यवस्था को सही दिशा और ऊंची गति देने के लिए अलग-अलग राजाओं ने खूब प्रयोग किए हैं। अगर हम केवल राम और कृष्ण की बात करें तो अयोध्या और द्वारका के प्रयोग हमें आज भी बड़ी प्रेरणा देंगे। हमारे देश को अगर दुनिया पर छाना है तो हमें जातिवाद की उलझनों से बाहर निकलना पड़ेगा। राजनीति की तो आदत ही है छेड़छाड़ करते हुए कुछ मुद्दे उछालो, मनुष्य उनमें उलझ जाए और राजनीति सत्ता का खेल खेलती रहे। लेकिन हमारे शास्त्रों ने हमको सिखाया है कि सबसे पहले हम मनुष्य हैं। जैसे भारत के घरों में धीरे-धीरे पति-पत्नी के जेंडर रोल अब समानता और मित्रता में बदल रहे हैं, ऐसे ही ऑफिस, बाजार, कैम्पस में भी खुली मानसिकता रखनी होगी। खुली मानसिकता का अर्थ स्वच्छंदता नहीं, राजनीति नहीं, बल्कि सबके प्रति स्वीकार्यता और सबका समावेश है। कोई छोटा-बड़ा नहीं होता, बड़ी-छोटी तो नीयत होती है। सब समान हैं। योग्यता को अवसर प्रदान करना ईश्वर की कार्यशैली है। राजनीति उससे तो छेड़छाड़ न करे।

सभ्यता और संस्कृति की प्रतीक : अरावली पर्वत माला

अतुल कुमार

पिछले कुछ समय से अरावली की सुंदर पर्वत माला चर्चा में है . इसकी महता को इसी से समझा जा सकता है कि यह उत्तर पश्चिम के पांच राज्यों राजस्थान , हरियाणा ,गुजरात , राजस्थान और दिल्ली मे स्थित है .यह पर्वत श्रंखला नयनाभिराम है जिसकी सुंदरता देखते बनती है .लेकिन प्रकृति के अन्य स्रोतों की भांति यह पहाड तेज़ी से विनाश की ओर बड रहा है .दुनिया की सबसे खूबसूरत पर्वत श्रंखलाओं में इसकी गिनती होती है . फिर भी इसके महत्व को नहीं समझा गया और न ही समझने की कोशिश हो रही है .पहाड शक्ति , वैभव और श्रद्धा के रूप माने गये .आज पहाड मोहल्लों के नाम भर हो गये हैं जैसे बंजारा हिल ,जुबिली हिल और पाली हिल आदि .स्थिति यह है कि यहां से पहाड गायब हो गये हैं उनके नाम भर हैं . जो पहाड प्राकृतिक समृद्धि के रूप में देखे जाते आज वह लुप्त हो रहे हैं .प्राचीन काल से पहाड ऋषियों मुनियों का निवास स्थान और आस्था का केंद्र रहे जो उनके प्रति श्रद्धा भाव को बडाते है हिंदी साहित्य के लोकप्रिय कवि सोहन लाल द्विवेदी ने यूं ही नहीं लिखा " पर्वत कहता शीश उठा कर तुम भी ऊंचे बन जाओ / सागर कहता लहरा कर मन में गहराई लाओ / पृथ्वी कहती धैर्य न छोड कितना ही हो सिर पर भार / नभ कहता है फैलो इतना ढक लो तुम सारा संसार // "

वास्तव में प्रकृति की महत्ता को भुला दिया गया है . तापमान के असमय बडने - घटने के संकेत प्रकृति समय समय पर देती है वह यह भी संकेत देती है कि उसके साथ खिलवाड अधिक और संरक्षण कम हो रहा है .बडते वायु प्रदूषण के कारण कुछ राज्य अलोकप्रिय होने के दंश को झेल रहे हैं फिर भी इसमें सुधार के कहीं कोई संकेत दिखायी नहीं देते .यह भूलना नहीं चाहिये कि मनुष्य प्रकृति की संतान है फिर भी उसके साथ ऐसा उपेक्षा भाव चौंकाता और चिंतित करता है .

" अरावली " का अर्थ होता है " चोटियों की रेखा ' या " पर्वतों की श्रंखला " ." अरा " अर्थात चोटी तथा ' वली " यानी रेखा .अर्थात " अरावली " यह देश का सबसे पुराना पर्वत है . जिसे " आडावाला " पर्वत के नाम से भी जाना जाता है .यह पहाड एक प्राकृतिक दीवार की तरह काम करता है जो थार रेगिस्तान को पूर्व की ओर बडने से रोकता है इसकी सबसे ऊंची चोटी को " गुरु शिखर " कहते हैं जिसकी उंचाई 1727 मीटर है . यह पर्वत खनिज , संगमरमर ,तांबा और जस्ते से भरपूर है और पर्यावरणीय संतुलन से भरापूरा है .

इतिहासकारों के अनुसार यह हिमालय से भी प्राचीन पर्वत है जो गोडवाना लैंड का हिस्सा है टेक्टोनिक प्लेटो के टकराव से बनी यह श्रंखला है जो ग्रेनाइट नीस और क्वार्टजाइट चट्टानों से निर्मित है यह क्षेत्र प्राचीन सभ्यताओं का साक्षी है . इसके पुरातात्विक स्थलों से ज्ञात होता है कि तीसरी सहस्त्राब्दी ई पू गणेश्वर – सुनारी सांस्कृतिक परिसर के लोग यहां तांबे के औज़ारों का उत्पादन करते थे .पर्वत श्रंखला में कई ऐतिहासिक किले ,मंदिर और राजपूत कालीन स्मारक बने हैं . विद्वानों के अनुसार यह 2.5 से 3.2 अरब साल पुराना पर्वत है जिसकी श्रंखलाएं मनभावन हैं जो लोगों को आकर्षित करती हैं .

इस पर्वत पर वनस्पति की कुछ प्रजातियां भी हैं जैसे गूलर ,नीम .और धोक .जल के प्रवाह को रोक रखने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है .इस पर्वत की लंबाई लगभग 700 कि मी है .यह एक बडे स्पंज के रूप में काम करती है जो बारिश के पानी को इकट्ठा करती है और भू जल स्रोतों को रिचार्ज करती हैं . माना जाता है कि ऋषि वशिष्ठ ने अग्निकुंड से राजपूत वंशों की उत्पत्ति की . इसकी प्राचीनता पर यह भी कहा जाता है कि पृथ्वी की ऊपरी परत के निर्माण के समय से यह अस्तित्व में है जो आक्रमणकारियों से भी बचाव करता . पर्यावरणविदों के अनुसार अरावली पर्वत का बचाव नहीं किया गया तो प्रदूषण तेज़ी से बढेगा क्यों कि यह हरित फेफडों के समान कार्य करता हैं . इसका सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व है जिसमें यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल जैसे चित्तौडगढ तथा कुंभलगढ किले स्थित हैं .

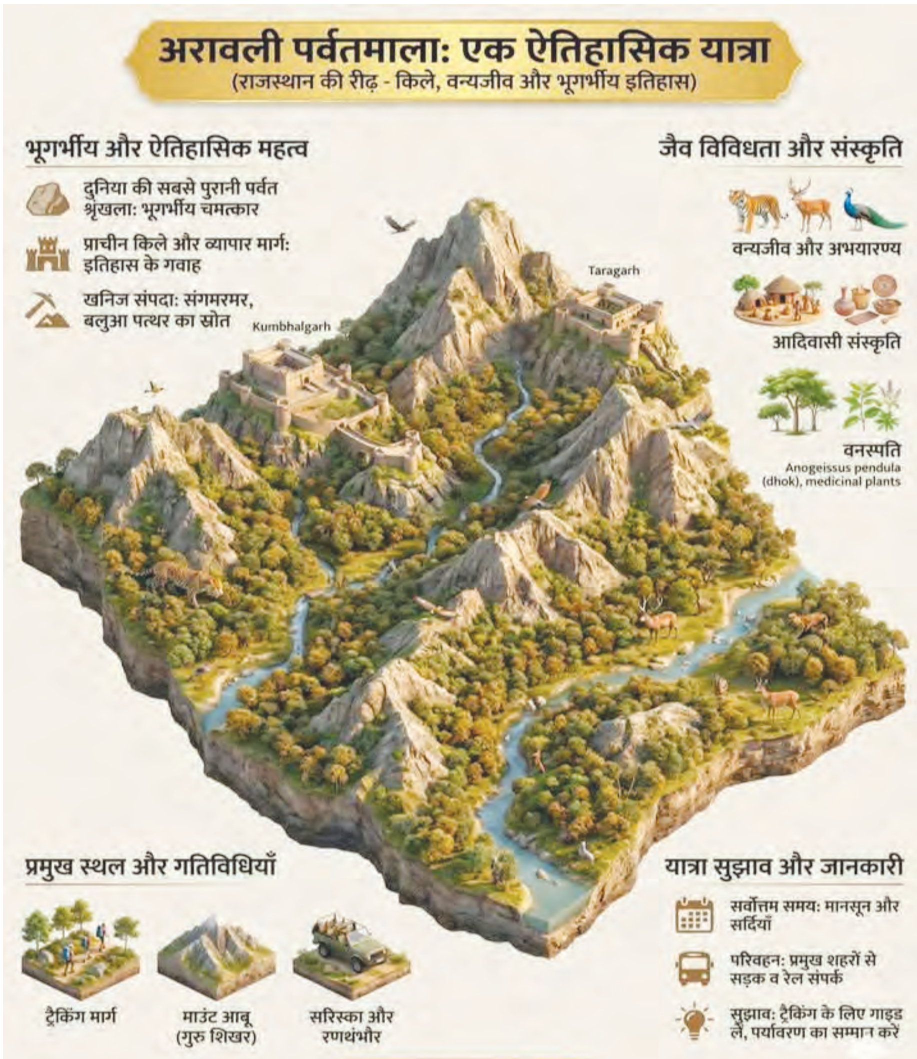

अरावली पर्वत की महत्ता पर किसी कवि ने खूब लिखा " अरावली हमारी मां है ,हम सब के सांसों की जननी ,उसकी गोद में पले पानी ,हवा और ज़िंदगी की कहानी / उसकी हर चट्टान मां की हथेली जैसी है ,जो तपती धरती पर शीतल छाया बन कर फैली है / जब मां हरियाली ओढती है तो बारिश मुस्कुराती है ,जब मां घायल होती है तो धरती तडप जाती है / जिस दिन अरावली रोई ,उस दिन इंसानियत हारी है , आओ मां को बचाएं //

अरावली पर्वत माला सदियों से इतिहास का हिस्सा रही है मुख्य रूप से इस पर्वत का अधिकांश भाग राजस्थान में है जो राज्य के महत्वपूर्ण शहरों जैसे उदयपुर अजमेर अलवर और जयपुर के निकट से गुज़रती है . इस पर्वत से निकलने वाली प्रमुख नदियां हैं वेद स्मृति ,वेदवती, वृत्घनी और वेण्या इत्यादि . पहाड सिर्फ ज़मीन से उठी हुई चट्टानें नहीं होते वह वक्त की धैर्यपूर्ण लिखावट हैं जो हर पल अपनी जडें तो बदल लें वह नदी तो हो सकती है पर पहाड नहीं . इनका सौंदर्य मनुष्य को विनम्रता और आत्म खोज का पाठ पढाते हैं . वह भी याद दिलाते हैं कि उंचाइयों पर पहुंचने के लिये झुककर चलना और हर कदम पर धैर्य को बनाये रखना ज़रूरी है .

पहाड चुनौती का सामना करना सिखलाते हैं किसी ने ज़िंदगी से जुडी एक अच्छी बात लिखी कि " हर कोई पहाड की चोटी पर रहना चाहता है लेकिन सारी खुशी और विकास तब होता है जब आप उस पर चढ रहे होते हैं .धोखा भी आपके पीछे ही चलता है इसलिये जीवन के हर मोड पर सोच समझ कर चलना चाहिये " अरावली पर्वत ने मनुष्य को न केवल आनंद दिया बल्कि उसको जीवन की शक्ति भी दी है . जहां दिल को सुकून मिले वही पहाड हैं .अरावली पर्वत माला यहीं करती हैं .

काव्य कुंज

वसंत! तुम क्या हो

डॉ टी महादेव राव

सिमटती कंपकंपाती
सहमती सी अनुभूति हो
या सिहरन पैदा करती
तन मन को लहराती कोई खुशी हो
या दुख पर सुख का पहरा हो
कहो वसंत तुम क्या हो?
प्रथम मिलन पर कांपते अधर
अस्थिर से डगमग पांव
तीव्र धड़कनों से सिक्त
मानव हृदय का गांव
विरह में व्याकुल वियोग गीत गाती
प्रिय की प्रतीक्षा सागर में
गोते लगाती
प्रेयसी काया हो
कहो वसंत तुम क्या हो?
अंकुरित नव नव सी सृष्टि
या सृष्टि पर पड़ती प्रेममयी दृष्टि
नवोल्लास नव निर्माण हो
या जीवन की नई परिभाषा हो
कहो वसंत तुम क्या हो?
हो नव उमंग नव तरंग
या नवलता युक्त हर अंग
जीवन की रिक्तता को भरता नवरंग
या हो प्राकृतिक नया ढंग
उदास मन में तैरती आशा हो
कहो बसंत तुम क्या हो?

लो! बसंत आ गया

राज किशोर
ग्वालियर

खेतों में फूली है सरसों
चाहत मन में बो रहीं।
गीत सुन भ्रमरों के कलियाँ ,
गोपियों सी हो रहीं।
पवन गंध बिखेरती,
अनंग भाव टेरती।
प्रेमसिक्त तूलिका,
चित्र है उकेरती।
बौराया आम भी,
प्रकृति को भा गया।
लो! बसंत आ गया।।
माँ शारदे का जन्मदिन ,प्रकृति भी मना रही।
उपवन भी हर्षित हुआ कोयलिया गीत गा रही।
कलियों का आमंत्रण सुन, भ्रमरों ने रचे भ्रमर- गीत।
नदियों की गति देख, सागर बन गया मीत।
गर्जन उसी का ये बता गया। लो !बसंत आ गया।।
चाह भी नयी हुयी, भाव नवल हो गये।
जो मिले अभी-अभी, फिर कहाँ वे खो गये।
द्वार पर बसंत है, भावना ही कंत है।
पढ़ सके जो भाव ये,वो प्रेम का महंत है।
गहरी बात यह खुद,वो बता गया।
लो ! बसंत आ गया।।
ग्रीष्म भी नही निकट,शीत भी गयी चली।
नफरतों के राज्य से,प्रेम की दुनिया भली।
विरह से मिलन बडा,सृजन अजेय है खड़ा।
बसंत रुप ही सदा,पतझडों.से लडा.।
अमरत्व का मंत्र बता गया।
लो! बसंत आ गया।।

वीर सुभाष

गजानन पाण्डेय

सुभाष समर में कूद पड़े
दिल में जोश था
' जय हिन्द ' के आह्वान पर
सब साथ आए ।
आजादी कुर्बानी मांगती है
' कायरता ' बुजदिली है
वीरों आगे बढ़ो ,
समर अभी शेष है।
' तुम मुझे खून दो ,
मैं तुम्हें आजादी दूंगा '
इस नारे ने कमाल किया ।
जापान का साथ मिला
सशस्त्र क्रांति ने ,
अंग्रेजों की नींद उड़ाई
गुलामी की जंजीरें टूटी
' स्वराज ' का सपना साकार हुआ ।

एक से अनेक

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

एक से अनेक बने,
एक की महिमा अपरम्पार।
अनेकता में एकता की
कितनी सुंदर है गुहार।।
एक बीज से पौधा उगे,
पौधे से बने पेड़,
पेड़ पर फल अनेक,
पत्तियों से लहरायें पेड़,
एक पंथ दो काज,एक अनार सौ बीमार
एक दवा अनेक इलाज,दवाइयों की अजब मेड़,
एक गाड़ी अनेक सवारी,एक इंजन खींचे भार।
एक से अनेक बने,एक की महिमा अपरम्पार।
अनेकता में एकता की कितनी सुंदर है गुहार।।
पृथ्वी में अनेक समुन्द्र, एक समुद्र में जीव अनेक ,
भारत में अनेक राज्य, एक राज्य अनेक भाषाएँ, धर्म , वेश,
एक वर्ष में देखो,बदल जाते मौसम अनेक
एक इंसान है बलवान, शक्ति स्वयं में रखे अनेक,
एक मात-पिता अनेक जनें,बने फिर एक परिवार।
एक से अनेक बने,एक की महिमा अपरम्पार।
अनेकता में एकता की कितनी सुंदर है गुहार।।

वसंत तेरे रूप अनेक

डॉ.प्रतिमा सिंह
हैदराबाद

वसंत तेरे कितने रूप
झटक -झटक के पीले पत्ते निखरे तेरे रुप
वसंत तेरे रूप अनेक ।
गया शिशिर ले गया ठंड,
भागी ओस कोहरे के संग
अब वसंत की बारी है
धरती पर उजियारी है
चहक -चहक पंछी गाए
वसंत तेरे सुंदर रुप ।
महुआ महके, कोयल चहके, पीली सरसों के रूप दमके
सर्र सर्र कर समीर बहते, मर्कट से उछ्ले – कूदे
कभी हरी छीमियों को छुए, कभी अडहड को झकझोर हंसे
कभी कोमल गेंहु की बालियों पर झूला झूले,
सभी मस्ती में लहराए, वसंत तेरे निर्मल रुप।
सूखी बेलें मुरझाई कलियां तेरे आते ही जैसे,
बेला, गुलाब, मोगरा, गुडहल सबके सब खिल गए खुशी में
तितली आई, भवंरे गूंजे, मदनोत्सव में मगन निखरे
सब में भर गए नए जीवन के रंग
वसंत तेरे मनभावन रूप ।।

वासंती ऋतुराज की बग्घी

कुमुद बाला,
हैदराबाद

ऋतुराज की बग्घी सजने लगी
ऋतुएँ सारी सजने - सँवरने लगीं
ढोल - नगाड़े बजने लगे
माघी - कजरी गूँजने लगी
हाथों में मेंहदी रचने लगी
वासंती चूनर ओढ़े धरती ने कहा
मन - उपवन वासंती होने लगा
नई पतंगों की पेंचें लड़ने लगीं
पान की खुशबू बिखरने लगी
हर फुलवारी जब सजने लगी
नये अंकुर - कलियाँ खिलने लगीं
नीली झील मुस्कुराने लगी
वासंती चूनर ओढ़े धरती ने कहा
मन - उपवन वासंती होने लगा
आम के मंजर बौराने लगे
झरने भी कलकल गाने लगे
सुगंधित हवाएँ जब चलने लगीं
मेघों की रूई विहंसने लगी
कोयल की कू - कू गूँजने लगी
वासंती चूनर ओढ़े धरती ने कहा
मन - उपवन वासंती होने लगा
पंछियों के कलरव गुदगुदाने लगे
अंगड़ाई ले सबको जगाने लगे
ऋतुराज वसंत की बग्घी आई है
स्वागत में फूल बरसाने लगे
दिनकर की किरणें झूम उठीं
वासंती चूनर ओढ़े धरती ने कहा
मन - उपवन वासंती होने लगा
उमंगों से हुई सज्जित सरगम
थिरक उठी शबनम - शबनम
अलसाई चितवन मनभाया मौसम
दृश्य परिलक्षित बन गये अनुपम
तरंगित - उमंगित नूपुर छमछम
वासंती चूनर ओढ़े धरती ने कहा
मन - उपवन वासंती होने लगा
हरित बाँसुरी भी हुई वासंती
पनघट की गगरी हुई वासंती
रंगोली - कंगन हुए वासंती
मयूर के नर्तन हुए वासंती
वसंतपंचमी भी हुई वासंती
वासंती चूनर ओढ़े धरती ने कहा
मन - उपवन वासंती होने लगा

झुकेंगे नहीं

डॉ संजुला सिंह
जमशेदपुर

लाख हमको डराओ
डरेंगे नही
तेरी मर्जी से अब हम
चलेंगे नहीं
खुद में सक्षम हैं हम
तेरी परवाह नही
लाख कोशिश करो
पर झुकेंगे नहीं ।
तुमने चाहा गिराने को हमको बहुत
जाल साजी किया मेरे मित्रों सहित
कह दो जग वालो से हम हैं पाषाण दिल
छेनी कितनी भी मारो पर टूटेंगे नहीं ।
तेरी बातों में अब हम आएंगे नहीं
रब का दर छोड़ अब ना जाएंगे कहीं
पेड़ ऐसे हैं हम कि हिलेंगे नहीं
कट ही जाएं मगर हम मरेंगे नहीं ।
लाख हमको सताओ कोई गम नहीं
झूठ कितना फैलाओ अब परवाह नहीं
झूठ की आंधी में हम उड़ेंगे नहीं
सच को कहने से लज्जा करेंगे नहीं ।
तुम हो बहु रुपिया तेरे रूप हैं हजार
तेरे दिल में लगा मिथ्या का है बाजार
तेरे चक्षु पे पर्दा पड़ा झूठ का
पर मेरे हृदय को ये गंवारा नहीं ।
लाख हमको डराओ------॥

दिखावा

टी तारासिंह
हैदराबाद

कोई कुछ कहे , कुछ भी बोल दे
कुछ भी बुरा न समझना
ये दुनिया है वसुलो को , आदर्शो की
यहां सबका बुरा - भला सुनना पडता
सबका दिल भी रखना पडता
कभी किसी को अच्छी बात भी बुरी लगती
दुनिया मे कोई मासूम नही
सब समझते , दिखावा नही करते
कोई अनपढ नही , कोई गवार नही
सब है अपने - अपने कामो मे मसरूफ
जीने के लिए कुछ तो करना पडता
सबसे मिलकर रहना पडता
दोस्ती भी निभानी पडता
लोग समझे या न समझे
कभी किसी की बुराई मत करना ।।

पाक और चीन की यारी...!

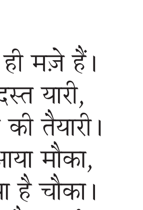

संजय एम.
तराणेकर, इंदौर

अब तो सुकून पा रहें होंगे
पाक के हुक्मरान,
कहीं तो ऊंचा हो रहा हैं
उनके देश का नाम।
पाँच सालों से गधों की संख्या
बढ़ती जा रही,
भले महंगाई डायन
अवाम का खून चूस रहीं।
पाक में इस समय 60 लाख
से ज्यादा गधे हैं,
इस बढ़ोत्री से तो भई चीन के मज़े ही मज़े हैं।
इस्लामाबाद और बीज़िंग की ज़बरदस्त यारी,
गधों की सप्लाई से 'डॉलर' कमाने की तैयारी।
चीन में गधों की डिमांड में वृद्धि आया मौका,
शहबाज ने बिना बॉल के लगा दिया है चौका।
चीनी खरीदारों ने अपनी नजरें खूब हैं जमाई,
अभी यहाँ कंगाली में दिख रहीं सिर्फ कमाई।

सावन

डॉ हेमंत सुराना,
उदयपुर

दृश्य मनोरम, भीगा तन मन ,
मासो में उत्तम, जब बरसा सावन
उजड़ा हुआ उपवन था यह मन,
धीरे-धीरे बोल तू सावन
बादल खूब पानी बरसाए,
झूमे, नाचे, खुशी मनाए
कोयल कुहू कुहू गीत सुनाए,
रागी अपने राग सुनाए
मन में नूतन भाव हे आए,
तन मन भी प्रफुल्लित हो जाए
रात सावन की, मनभावन की,
धड़कन भी करती है शोर,
फिर बस नाचे मन के मोर
सावन के है ये झूले,
मन को बार-बार टटोले
रिमझिम रिमझिम बरस गए तुम,
बसंत बहार फिर बन गए तुम,
बसंत बहार फिर बन गए तुम ।

विवेकहीन

दर्शन सिंह
हैदराबाद

दौलत पिपासा किया
मां छत विहीन
हवाई छलांग पाता
मां का आशीर्वाद
पुत्र मोह बेची छत
जीवन बर्बाद
सहमति या असहमति
लेकिन विवेकहीन
कर्मों का दोष गलियों में
अंतिम प्रहर बिताती लेकिन
पेंशन पुत्र पर लुटाती
प्रश्न विकराल चीरता भाल
... शून्य दिशाहीन
जब तक अर्जन सुहाती सबको अम्मा
हुई अशक्त वृद्धाश्रम पहुंची अम्मा
हास्यास्पद कथा बदतरीन ।

परिवारी वृक्ष

पी एन गुप्ता
हैदराबाद

परिवारी वृक्ष की डाली
से पीले पत्ते विलगाते हैं,
वासंती आभा लाने को
वे रिक्त स्थान बनाते हैं।
कुछ गिर जाते हैं स्वयं कभी
कुछ को कुछ लोग गिराते हैं,
कुछ ग़ैर बनाते अपनों को
कुछ गैरों को अपनाते हैं।
होता महत्व क्या रिश्तों का
हम कैसे उन्हें सजाते हैं,
जो समझ सके न जीवन भर वे
आज हमें समझाते हैं।
स्वाभिमान की रक्षा में मानी जन जान गंवा देते,
जो स्वाभिमान से वंचित हैं वे जीते जी मर जाते हैं।

अंतिम पृष्ठ का अंतिम अक्षर

डॉ शोभा भंडारी
हैदराबाद

भरा जा चुका है, लिखा जा चुका है,
हमारे जन्म से पहले ही,
हमारे जीवन की पुस्तक का,
अंतिम पृष्ठ और उसके
अंतिम अक्षर का लेखा-जोखा,
निर्धारित हो चुका है
जन्म-मृत्यु मुहूर्त का खेला।
कर्मों की गति है ये और कर्मों का है परिणाम,
यही है हमारा प्रारब्ध और यही है प्रमाण,
शेष जो बाकी रह गया है, वो है,
इसमें पुरुषार्थ के रंग भरने का काम।
जारी रखना है अगले जनम के सद्कर्मों का,
प्रतिदिन सृजन और पुनर्निर्माण, क्योंकि
प्राणीमात्र तो है मात्र कर्मों का अधिकारी,
फल की सिद्धि तो देता,जग का पालनहारी।।
समय है सीमित,देना है श्रेष्ठतम,
रफ़्तार बढ़ानी होगी,होना है गतिमान,
संपादित, संपन्न है करना हमको जीवन का लक्ष्य महान,
सतत लगाते रहना है
अंतिम पृष्ठ के अंतिम अक्षर पर ध्यान।।

सजल

रेणुका अग्रवाल
हैदराबाद

कोई कहां तक साथ देता है।
ये सच समय ही बतला देता है।
मौसम बदलते अपने जीवन में,
सहा तुमने चेहरा दिखला देता है।
वक्त के आगे सब मजबूर है।
संतानों से अपनी सभी दूर है।
ये कैसी दौलत की भूख आई है,
हरेक रिश्ते को आग लगाई है।
सिर्फ नाम बदला है युग का।
सीता अब भी देती है दुहाई।
नारी आज भी सुरक्षित नहीं घर में,
चीर हरण कई जगह होता है भाई।
जीवन भर परीक्षा चलती रहती है।
परीक्षित ही जीवन की सच्चाई है।
सात दिनों का जीवन मिलता जीने को,
फ़िर स्वर्ग की तैयारी कर लो भाई।

मुस्कुराइए, आप सम्मानित हैं

संजीव ठाकुर,
रायपुर

मुस्कुराइए,
आप मंच पर है
यह प्रमाण है
कि आप मान्य हैं।
गले में फूलों की माला,
फूलों को नहीं पता
वे क्यों लटके हैं,
जैसे कई बार
सम्मानित को भी नहीं पता होता।
शॉल ओढ़ा दी गई ठंड नहीं पर फिर भी,
सम्मान को अक्सर ढककर ही दिया जाता है।
माइक कह रहा इनका योगदान अतुलनीय है
योगदान मंच खोज रहा है,
पर तालियाँ पहले ही उसे स्वीकार कर चुकी हैं।
आपमें कोई खूबी हो तो अच्छी बात है
न हो तो भी कार्यक्रम नहीं रुकता।
क्योंकि यहाँ योग्यता नहीं,
ओहदा गिना जाता है।
आप सिर हिलाते मुस्कुराते
आपकी यह सबसे सुरक्षित कविता है।
शब्दों से ज़्यादा आज मौन सराहा जाता
फोटो ली जाती है
इतिहास वहीं रुक जाता अगले सम्मान तक।
माला उतरती, किसी और का गला खोजती है,
सम्मान घूमता रहता जैसे वही असली अतिथि हो।
आप मंच से उतरते हल्के होकर नहीं,बस खाली होकर।
कल फिर किसी और मंच परआपका नाम पुकारा जाएगा,
क्योंकि इस समय सम्मान सबसे सस्ता है,
और मुस्कान सबसे सुरक्षित तो मुस्कुराइए
आप सम्मानित हैं, कम से कम आज की तस्वीर में।

शीर्षक - खो रही आनंद मुस्कान

मोनिका डागा,
चेन्नई

जाति-पाति व धर्म के नाम
पर लड़ाना कितना आसान,
कमजोर हुई भारत की रीढ़
खो रही आनंद मुस्कान ।
टूटा है आज भी संगठन
उन्हीं षड्यंत्रकारी विवादों से,
मुकर जाते देशवासी सहज
एक साथ चलने के वादों से,
इंसानियत शर्मसार कब मिटेंगे कलंकित लड़ाई झगड़ें,
ताक में बैठे हैं दुश्मन भावनाओं पर प्रहार करते तगड़े,
बाहर से हुआ विकास पर अंदर अव्यवस्थित सामान,
अपना-अपना स्वार्थ आगे आता है हर मुद्दे में पहले,
उगलता है जन समुदाय शब्दों के भारी भरकम गोले,
कभी राजनीति की मार तो कभी भ्रष्टाचार अत्याचार,
सुर्खियों में होते तर्क वितर्क विरोध प्रदर्शन के समाचार,
अंतःकरण में बसा दर्द का सैलाब वो ही पुरानी दास्तान,
स्वाधीनता का रंग भी नहीं दे सका अब तक समदृष्टि,
स्वयं कुछ परित्याग करने की सोच से हिल जाती सृष्टि,
भूचाल आ जाता है फिर बस देश में ये तेरा - ये मेरा,
खो जाता फिर कहीं आक्रोश में हर नया सुखद सवेरा,
रोज मिलते यहाँ अनगिनत दिलों में दर्द के गहरे निशान,
कमजोर हुई भारत की रीढ़ खो रही आनंद मुस्कान ।

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA, Publications, Ltd,
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

आधी रह गई चांदी की कीमत!

सोना, चांदी और कॉपर में पिछले 8 दिनों में बड़ा उतार-चढ़ाव आया है। एमसीएक्स पर 29 जनवरी को सोना, चांदी और कॉपर पीक पर थे। तब से लेकर अब तक चांदी की कीमत में 45 फीसदी से ज्यादा गिरावट आई है। सोना 22 फीसदी और कॉपर 16 फीसदी से ज्यादा गिर गया है। सोना, चांदी में कब तक गिरावट रहेगी? इन्हें खरीदना कब सही रहेगा? हमारे पास जो सोना-चांदी है क्या उसे बेच दें? क्या कॉपर (तांबा) खरीद लें? ये ऐसे सवाल हैं जिन्हें इन दिनों लगभग हर शख्स किसी दूसरे शख्स से पूछ रहा है। ज्वेलर्स के पास सोना-चांदी के भाव को लेकर लगातार फोन आ रहे हैं। दरअसल, इन दिनों सोना, चांदी और कॉपर की कीमतों में काफी उतार-चढ़ाव बना हुआ है। पिछले साल इन धातुओं में जबरदस्त तेजी आई थी। साल 2025 में सोने ने करीब 70 फीसदी, चांदी ने करीब 170 फीसदी और कॉपर ने 50 फीसदी से ज्यादा रिटर्न दिया था। इस साल के शुरू में भी इन तीनों धातुओं में तेजी रही। लेकिन जनवरी के आखिरी में और इस समय फरवरी में इनमें ऐसी गिरावट आई कि सब कुछ बदल गया।

29 जनवरी को तीनों धातुओं (सोना, चांदी और कॉपर) की कीमत अपने शिखर पर थी। एमसीएक्स पर सोना प्रति ग्राम 1.93 लाख रुपये, चांदी प्रति किलोग्राम 4.20 लाख रुपये और कॉपर प्रति किलोग्राम 1480 रुपये पर था। पिछले एक साल में तीनों धातुओं की कीमत में बेहताशा तेजी आई थी और ये निवेशकों की आंखों में चढ़ गईं। लोग इन धातुओं में जबरदस्त निवेश करने लगे। चांदी में तेजी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसे 2 से 3 लाख तक पहुंचने में करीब 1 महीना और 3 लाख से 4 लाख रुपये तक पहुंचने में मात्र 10 दिन लगे थे।

सोना, चांदी और कॉपर की कीमतों में जबरदस्त उछाल से वे निवेशक खुश थे, जिन्होंने इसमें निवेश किया हुआ था। जो लोग इन धातुओं को खरीदना चाहते थे, उनसे ये लगातार दूर हो रही थीं। 29 जनवरी से अगले ही दिन यानी 30 जनवरी से इनकी कीमत में एक मोड़ आता है और ये धड़ाम हो जाती हैं। तीन दिन तक कीमत लगातार गिरी। निवेशकों में हलचल मच गई। जिस समय इन धातुओं की कीमत गिरी, कुछ नए निवेशकों ने इसे खरीद लिया। 2 फरवरी को इनमें कुछ तेजी आई। निवेशकों की उम्मीदें लौटीं लेकिन ये धातुएं पुरानी कीमत पर नहीं लौट पाईं। दो दिन की कुछ तेजी के बाद फिर से कीमतों में गिरावट आ गई। सोना, चांदी और कॉपर की कीमतों में 8 दिनों में बड़ा बदलाव आया है। इस बदलाव की कहानी शुरू हुई 29 जनवरी 2026 से ही शुरू हुई थी, जब इन धातुओं की कीमत अपने शिखर पर थी।

और उसी दिन यानी 29 जनवरी की रात से ही इनमें गिरावट आनी शुरू हो गई। अगले तीन दिनों में सोना गिरकर 1.40 लाख रुपये से नीचे आ गया। चांदी भी गिरकर करीब 2.25 लाख रुपये पर आ गई। कॉपर भी प्रति किलो 1156 रुपये तक गिर गया। कल शुक्रवार को एमसीएक्स पर सोना 1.55 लाख रुपये, चांदी 2.49 लाख रुपये और कॉपर 1242 रुपये पर बंद हुआ। शुक्रवार को दिन के कारोबार के दौरान सोना 1.49 लाख रुपये, चांदी 2.29 लाख रुपये और कॉपर करीब 1213 रुपये तक गिर गया था। ऐसे में इन 8 दिनों में सोना करीब 23 फीसदी, चांदी करीब 46 फीसदी यानी करीब-करीब आधी और कॉपर करीब 18 फीसदी गिर गया है। सोना-चांदी में गिरावट का सबसे बड़ा कारण अमेरिकी डॉलर का मजबूत होना और मुनाफावसूली है। इन धातुओं में 29 जनवरी की रात से जो गिरावट आई थी, उसका सबसे बड़ा कारण मुनाफावसूली था। वहीं मौजूदा गिरावट अमेरिकी डॉलर का मजबूत होना और फेडरल रिजर्व बैंक के नए चीफ की नियुक्ति है। डॉलर में कारोबार होने वाली कमोडिटीज अन्य मुद्राओं वाले देशों के लिए महंगी हो जाती हैं। ऐसे में वे खरीदारी कम करते हैं। वहीं एमसीएक्स ने कीमती धातुओं के कॉन्ट्रैक्ट्स पर मार्जिन (जमा राशि) को और बढ़ा दिया।

विश्लेषकों का कहना है कि चांदी में आई तेज गिरावट ने इसके ऊंचे मूल्यांकन और बढ़ी हुई अस्थिरता को लेकर चिंताएं फिर से बढ़ा दी हैं। हालांकि, उनका यह भी मानना है कि लंबी अवधि में चांदी की मांग और कीमत के बुनियादी कारक अभी भी मजबूत हैं। जेपी मॉर्गन के निवेश बैंकरों ने चेतावनी दी है कि चांदी के ऊंचे मूल्यांकन के कारण बाजार में तनाव के समय में कीमतों में बड़ी गिरावट आ सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि निकट भविष्य में कीमतों में कुछ स्थिरता आ सकती है और अगले साल रिकवरी की उम्मीद है। बाजार के जानकारों ने निवेशकों को सलाह दी है कि वे एकमुश्त निवेश करने के बजाय किश्तों में निवेश करें। इससे बाजार में प्रवेश के जोखिम को कम किया जा सकता है। पृथ्वी फिनमार्ट के मनोज कुमार जैन ने निवेशकों को सलाह दी कि जब तक बाजार में स्थिरता न लौटे, तब तक कीमती धातुओं के बाजार से दूर रहें।

सवर्णों द्वारा शोषण का मिथक और साजिश की राजनीति

मिथकों को इतिहास के रूप में प्रचारित करने के खतरे

राम गोपाल चौधरी

आज के समय में एक कहानी बार-बार दोहराई जा रही है कि हिंदू समाज का एक छोटा-सा वर्ग, जिसे "सवर्ण" कहा जाता है, उसने सदियों तक देश की 85% जनता का शोषण, अत्याचार और दमन किया। यह कहानी इतनी बार, इतने ज़ोर से दोहराई गई है कि बहुतों को यह इतिहास लगने लगी है। लेकिन जब इस दावे को भावनाओं से नहीं, बल्कि तर्क, समाजशास्त्र, इतिहास और व्यवहारिक जीवन के आधार पर परखा जाता है, तो यह कहानी खुद ही ढहने लगती है।

सबसे पहले साधारण गणित पर नज़र डालते हैं। क्या यह संभव है कि केवल 15% लोग 85% जनता को हज़ारों वर्षों तक काबू में रखें? मानव इतिहास में ऐसा तभी संभव हुआ है जब शासक वर्ग के पास संगठित सेना, पुलिस तंत्र, हथियारों पर एकाधिकार, कठोर कानून और विचारों पर पूर्ण नियंत्रण रहा हो। भारत के प्राचीन और मध्यकालीन समाज में ऐसा कोई सर्वव्यापी तंत्र कभी मौजूद नहीं रहा। न सवर्णों की कोई स्थायी अखिल-भारतीय सेना थी, न कोई केंद्रीय दमन व्यवस्था, न कोई "जाति आधारित शासन तंत्र" जो पूरे समाज को बलपूर्वक नियंत्रित कर सके। इतिहास बताता है कि भारत में सत्ता हमेशा बदलती रही। नंद, मौर्य, गुप्त, चोल, चालुक्य, मराठा—यहाँ सत्ता किसी एक तथाकथित "सवर्ण समूह" के हाथ में जमी नहीं रही। कई राजवंश ऐसे भी रहे जिनकी सामाजिक पृष्ठभूमि आज के वर्गीकरण में सवर्ण कही ही नहीं जा सकती। यदि सवर्ण सचमुच सर्वशक्तिमान होते, तो सत्ता कभी उनके हाथ से जाती ही नहीं, न ही विदेशी आक्रमण संभव होते।

अब ज़मीनी सामाजिक व्यवहार को देखिए। भारतीय गाँवों और कस्बों में जीवन आपसी निर्भरता पर टिका रहा। कहार घर-घर पानी भरता था, नाई शरीर छूकर बाल काटता और मालिश करता था, तेली का तेल पूरे समाज द्वारा उपयोग होता था, कुम्हार के बनाए बर्तनों में सब खाना खाते थे, किसान और माली की उगाई सब्ज़ियाँ हर थाली में पहुँचती थीं। अगर छुआछूत सर्वव्यापी और पूर्ण होती, अगर 85% लोग "अस्पृश्य" माने जाते, तो यह रोज़मर्रा का जीवन चल ही नहीं सकता था। समाज सांस ही नहीं ले पाता।

यह कहना मूर्खता होगी कि भारत में कभी अन्याय या भेदभाव नहीं हुआ। हुआ और कहीं-कहीं बेहद अमानवीय भी हुआ। लेकिन इन घटनाओं को पूरे समाज का शाश्वत चरित्र बताना बौद्धिक बेईमानी है। अपवादों को नियम बनाकर, कुछ क्षेत्रों और कालखंडों की विकृतियों को पूरी सभ्यता का चेहरा बना दिया गया।

एक और महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है—अगर हिंदू समाज मूलतः अत्याचारी, क्रूर और असहिष्णु होता, तो क्या भारत में यहूदी, पारसी, जैन, बौद्ध जैसे अत्यंत अल्पसंख्यक समुदाय न केवल जीवित रह पाते, बल्कि विकसित भी हो पाते? क्या इस्लाम और ईसाइयत जैसे बाहरी पंथ यहाँ टिक पाते? इतिहास गवाही देता है कि यहूदी लगभग दो हज़ार साल से भारत में रहे, पारसी शरणार्थी बनकर आए और यहीं फले-फूले, जैन और बौद्ध ने अपने अलग दर्शन बनाए, और ईसाई बहुत पहले केरल में पहुँचे—और सब सुरक्षित रहे। यह किसी दुर्घटना से नहीं हुआ; यह हिंदू सभ्यता के मूल स्वभाव का परिणाम था।

हिंदू होने का अर्थ कोई कठोर आदेश प्रणाली नहीं है। यह एक सभ्यतागत ढांचा है, जिसमें सत्य को थोपने की बजाय खोजा जाता है। यहाँ आस्तिक, नास्तिक, एकेश्वरवादी, बहुदेववादी—सबके लिए जगह रही है। यही कारण है कि विविधता यहाँ टकराव नहीं बनी, बल्कि सह-अस्तित्व में बदली।

तो फिर आज यह "15% बनाम 85%" की कथा इतनी आक्रामकता से क्यों फैलाई जा रही है? क्योंकि टूटा हुआ समाज आसानी से नियंत्रित किया जा सकता है। अपराधबोध से ग्रस्त समाज सवाल नहीं करता। आपस में लड़ता समाज बाहरी और आंतरिक शोषण दोनों के लिए सुरक्षित होता है। अंग्रेज़ों ने "बांटो और राज करो" के तहत जाति को स्थायी पहचान बनाकर यही किया था; आज वही काम नए शब्दों, नई राजनीति और नए माध्यमों से दोहराया जा रहा है।

निष्कर्ष बहुत सरल है। हिंदू समाज परिपूर्ण नहीं रहा, लेकिन वह मूलतः अमानवीय, अत्याचारी या असहिष्णु भी नहीं रहा। अगर ऐसा होता, तो यह सभ्यता न हज़ारों साल टिकती, न विविधताओं को समेट पाती, न आज तक जीवित रहती। समस्या सुधार की थी और है, पूरे समाज को अपराधी ठहराने की नहीं। सुधार जोड़ता है, झूठा आरोप तोड़ता है।

आज ज़रूरत इस बात की है कि इतिहास को नफरत का औज़ार न बनने दिया जाए, और विवेक से यह समझा जाए कि सह-अस्तित्व कमजोरी नहीं, बल्कि किसी भी सभ्यता की सबसे बड़ी ताकत होती है।

गाजियाबाद सुसाइड: बच्चियों की मौसी भी घर से गिरकर मरी थी

नाना बोले- दामाद फॉर्च्यूनर से चलता था, अब कर्ज में डूबा

'**चेतन** के पास अच्छा पैसा था। फॉर्च्यूनर गाड़ी थी। वह गाड़ियों के फाइनेंस का काम करता था। पुराने मकान खरीदकर उन्हें बेचता था। यहीं एकता पार्क (दिल्ली) के पास शालीमार बिल्डिंग में रहता था। फिर पता नहीं क्या हुआ कर्जदार होता चला गया। अगर ये लोग बच्चियों को अपने साथ सुलाते तो ऐसी कहानी थोड़ी होती। ऐसा कहना दिलीप कुमार का है। वे उन तीन बच्चियों- निशिका, प्राची, पाखी के नाना हैं, जिनकी गाजियाबाद में अब मौत हो चुकी है। दिलीप ने यह भी बताया कि आज से करीब 6-7 साल पहले उनकी एक और बेटी की मौत भी दामाद चेतन के फ्लैट से गिरने के कारण हुई थी। हालांकि उस वक्त परिवार ने इसे दुर्घटना माना था। आखिर किन परिस्थिति में दिलीप ने अपनी दोनों बेटियों की शादी चेतन से की? चेतन की उस वक्त स्थिति क्या थी? वह क्या करता था? कैसे स्थिति खराब होती गई, जैसे सवालों पर उसके ससुर दिलीप ने बताया है।

गाजियाबाद की भारत सिटी सोसाइटी में चेतन अपनी दो पत्नियों और 5 बच्चों के साथ रहते थे। 3 फरवरी की रात तीन बच्चियों की मौत हो गई। 9वें फ्लोर से गिरने के बाद, जब इन बच्चियों का पोस्टमॉर्टम हुआ तो पता चला कि शरीर के ज्यादातर अंग फट गए हैं। इस मामले में पिता चेतन ने पहले बताया कि ये लड़कियां कोरियन गेम खेलती थीं, उसी में टास्क पूरा करने के चलते उन्होंने सुसाइड कर लिया। हालांकि पुलिस जांच में गेम का कोई एंगल नहीं मिला। अब परिवार घर में ताला लगाकर कहीं चला गया है। चेतन की दो पत्नियां सुजाता और हिना आपस में बहन हैं, उनका घर यहीं है। तीसरी पत्नी का घर कहीं और है। सीलमपुर में सुजाता और हिना का मायका है। यहीं तीसरे फ्लोर पर सुजाता के पिता दिलीप कुमार मिले। इस तीन फ्लोर के मकान में दिलीप के तीन और भाई रहते हैं। सभी के हिस्से में एक-एक कमरा आया है।

दिलीप कहते हैं, हमारे कुल 14 बच्चे हैं। इसमें 11 बेटियां और 3 बेटे। सबसे बड़ा बेटा दीपू था, जो 10-12 साल पहले कहीं चला गया। उसका आज तक कुछ पता नहीं चल पाया है। मैं ऑटो चलाता था, लेकिन पिछले दो साल से पैर में दिक्कत के चलते अब नहीं चलाता। सुजाता मेरी सबसे बड़ी बेटी है। 17-18 साल पहले हमने उसकी शादी चेतन से की थी। उस वक्त चेतन छोटा-मोटा काम करता था।

दिलीप कहते हैं, चेतन ने इसके बाद पैसा कमाया। पहले खजूरी इलाके में रहता था। बाद में एकता पार्क के शालीमार गार्डेन में फ्लैट में रहने लगा। उस वक्त वह अच्छा पैसा कमाता था। गाड़ियों के फाइनेंस का काम करता था। कोई घर 15 लाख में जैसे खरीदा तो उसे सुधरवाकर 20 लाख में बेच देता था। जमीन का भी काम करता था। लेकिन पता नहीं क्या हुआ कि सब खत्म होता चला गया। गाड़ी भी बिक गई। वे दूसरी बेटी हिना की शादी को लेकर कहते हैं, सुजाता को बच्चा नहीं हो रहा था, इसके बाद हमने हिना की भी शादी चेतन से कर दी। बेटियां और दामाद अपने बच्चों को बहुत प्यार करते थे, शालीमार में रहते तो उन्हें स्कूल भेजते थे।

करीब 6-7 साल पहले चेतन जब शालीमार गार्डेन में रहता था, तब उसकी साली आंचल वहां गई थी। बिल्डिंग की तीसरी मंजिल से गिरने के कारण उसकी मौत हो गई। दिलीप कहते हैं, 'मेरी नातिन निशिका का जन्मदिन था, उसी में आंचल गई थी। बालकनी में सूखने के लिए कपड़ा डाला गया था, आंचल रेलिंग पर खड़ी होकर कपड़ा उतार रही थी, पैर फिसल गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई।' आंचल दिलीप की छठे नंबर की बेटी थी, उम्र करीब 16-17 साल की थी। उस वक्त परिवार ने इसे दुर्घटना माना और किसी तरह की कोई कार्रवाई नहीं की।

बेटियों की पढ़ाई छुड़ाने को लेकर दिलीप कहते हैं, पहले वह लड़कियां यहां आती थीं, लेकिन बाद में चेतन उन्हें यहां नहीं लाता था। परिवार की स्थिति खराब हो गई थी, शायद इसीलिए उन्होंने स्कूल भी छोड़ दिया था। हम बहुत ध्यान नहीं दे पाते थे, क्योंकि हमें अपना भी तो देखना है। लेकिन यह कहता हूं कि अगर बच्चियों को वो लोग अपने पास सुलाते तो ऐसी कहानी नहीं होती। अलग कमरे में सो रही हैं तो यही सब होगा।

कश्मीर में ये नया 'रायता' क्या फैल रहा है...क्यों मचा हंगामा

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में पीर पंजाल क्षेत्र के अस्तित्व को लेकर की गई एक टिप्पणी पर हंगामा मच गया। यह टिप्पणी भाजपा विधायक और नेता प्रतिपक्ष सुनील शर्मा ने दिया था। पीर-पंजाल क्षेत्र को लेकर विपक्षी बीजेपी और सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस में विवाद गहराता जा रहा है। जम्मू-कश्मीर में यह विवाद राजौरी-पुंछ जिलों को पीर पंजाल और रामबन-डोडा-किश्तवाड़ को चेनाब क्षेत्र कहे जाने को लेकर हो रहा है। इस पूरे मामले को समझते हैं। पीर पंजाल क्षेत्र पीर पंजाब पर्वतमाला से जुड़ा है, जो उत्तरी भारतीय उपमहाद्वीप के पश्चिमी हिमालय में स्थित निचले हिमालयी क्षेत्र की एक पर्वत श्रृंखला है। यह ब्यास और नीलम-किशनगंगा नदियों के बीच दक्षिण-पूर्व से उत्तर-पश्चिम की ओर फैली हुई है। यह पूरा क्षेत्र हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में स्थित है। इसका उत्तर-पश्चिमी छोर पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (PoK) में भी है। इन्हीं इलाकों से ब्यास, रावी, झेलम और चेनाब नदियां बहती हैं। राजनीतिक रूप से राजौरी-पुंछ जिलों को पीर पंजाल और रामबन-डोडा-किश्तवाड़ जिलों को चेनाब रीजन कहा जा रहा है। पीर पंजाल पर्वतमाला का नाम पीर पंजाल दर्रे के नाम पर रखा गया है, जिसका मूल नाम कश्मीर के राजा श्रीवर की ओर से कश्मीर पर लिखे 12वीं सदी के कवि कल्हण के ऐतिहासिक ग्रंथ राजतरंगिणी में दर्ज किया गया।

यह तीसरी राजतरंगिणी थी। विद्वान एमए स्टाइन का मानना है कि इस क्षेत्र के इस्लामीकरण के बाद देवता की अवधारणा को पीर की अवधारणा में बदल दिया गया होगा। बाद में इसे किसी पीर से जोड़ दिया गया। दरअसल, सुनील शर्मा ने नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी पीर पंजाल क्षेत्र में स्थापित किए जाने की मांग पर कहा था-'मुझे नहीं पता कि यह पीर पंजाल खित्ता कौन सा है।' इस पर विधानसभा में हंगामा बरपा हो गया। भाजपा विधायकों ने कहा कि कौन सा पीर पंजाल क्षेत्र। पूरा जम्मू-कश्मीर एक है। क्षेत्रवाद के नाम पर लोगों को बांटने की साजिश हो रही है। वहीं, कांग्रेस ने भाजपा से माफी मांगने को कहा। यह विवाद तब उठा जब पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने राजौरी और पीर पंजाल के पुंछ के साथ-साथ चेनाब घाटी के जिलों को मिलाकर एक अलग प्रशासनिक प्रभाग बनाने की मांग की। उनकी इस मांग के कुछ हफ्तों बाद यह विवाद सामने आया है।

द्रविड़ राजनीति में नया त्रिकोणीय संघर्ष

फिल्म एक्टर विजय थलापति के मैदान में उतरने की संभावना मात्र से तमिलनाडु में क्षेत्रीय राजनीति का एक नया अध्याय शुरू होने की उम्मीद जाग रही है। जाहिर है नया समीकरण राष्ट्रीय राजनीति को भी प्रभावित करेगा। यदि ऐसा हुआ तो दशकों बाद तमिलनाडु में त्रिकोणीय मुकाबला हो सकता है। बडी बात नहीं कि वहां इस बार त्रिशंकु विधानसभा की सरकार भी बन जाए। दक्षिण भारत के इस महत्वपूर्ण राज्य में राजनीति के मूलभूत आयाम बदलते दिख रहे हैं। इस बार के चुनाव सिर्फ हिंदी बनाम तमिल और उत्तर विरुद्ध दक्षिण के ही नहीं हैं। ये चुनाव सिर्फ तमिल संस्कृति की रक्षा वाले भी नहीं होने वाले हैं। ये तमिलनाडु के मिजाज को बदलने वाले होंगे। अभी इस बाजी में पूरे पत्ते खुले नहीं हैं। लेकिन यह तो तय है कि इस बार मुकाबला बहुत दिलचस्प होने वाला है। विधानसभा की 234 सीटों में सत्तारूढ़ द्रमुक के पास 133 सीटें हैं।

द्रमुक मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के खिलाफ अन्य सभी दल कुछ न कुछ ऐसा मोर्चा खोल रहे हैं कि इस बार का चुनाव उन सभी के लिए संपूर्णतः द्रमुक को हराने का चुनाव बन गया है। अब तक तमिलनाडु में कई साल से द्रमुक के सामने अन्नाद्रमुक मैदान में होती है। मुकाबला इन दो द्रविड़-पार्टियों में ही होता रहा है। पर्सनैलिटी-कल्ट आधारित राजनीति तमिलनाडु की पहचान रही है। अन्नादुरै, एमजी रामचंद्रन, करुणानिधि और जयललिता जैसे महारथियों को तमिल जनता ने अवर्णनीय श्रद्धा से अपना बनाया था। लेकिन आज तमिलनाडु में उनके बराबर का कोई स्थापित नेता नहीं है। ऐसा नेता जो अपने पक्ष से भी बड़ा हो और तमिल संस्कृति का रुआबदार संरक्षक भी हो। खासकर जयललिता के बाद अन्नाद्रमुक के पास उनके कद का कोई दिग्गज नेता नहीं रह गया है और पार्टी के सीनियर नेताओं में सिर फुटौवल किसी से छुपा नहीं है। उसके कारण द्रमुक के खिलाफ बन रहे माहौल का वो सही लाभ उठा पाएंगे इसकी संभावना कम ही दिखती है।

भाजपा- जो द्रविड़ भूमि में अपनी जड़ें डालने की कोशिश कर रही है के पास भी न करिश्माई नेता हैं, न द्रविड़ रणनीति समझने वाले तमिलभाषी महारथी हैं। शायद उनको ऐसा व्यक्तित्व चाहिए भी नहीं, जिसका कद पार्टी और उसकी विचारधारा से बड़ा हो। भाजपा इस चुनाव में सिर्फ एक ही मकसद से लड़ रही है- कुछ भी हो जाए द्रमुक को हराना है। तमिलनाडु में कांग्रेस पूरी तरह से द्रमुक की छाया में ही पनपती रही है। वो लोकसभा चुनाव में तमिलनाडु से नौ सीटें जीत पाई थी। अगर द्रमुक तमिलनाडु में हारती है तो केंद्र में कांग्रेस की आज जो स्थिति है, वह उससे भी ज्यादा निर्बल हो जाएगी। द्रमुक के पास लोकसभा में 22 सांसद हैं। मोदी सरकार का वो हर मुद्दे पर पुरजोर विरोध करते हैं। आज देश में भाजपा विरोधी दो मजबूत गढ़ हैं- एक ममता बनर्जी का बंगाल में और एक स्टालिन का तमिलनाडु में।

तमिलनाडु में भाजपा का संगठन ऐसा नहीं है, जो द्रमुक की बराबरी कर सके। ये भी सही है कि 2026 का तमिलनाडु विधानसभा चुनाव भाजपा के नेतृत्व में लड़ा जाने वाला चुनाव भी नहीं है। इस चुनाव में अमित शाह प्रमुख रणनीतिकार हैं, जो द्रमुक के सामने एक प्रभावशाली गठजोड़ खड़ा करने में कुछ सफल हुए हैं। अप्रैल 2025 में भाजपा और अन्नाद्रमुक ने तमिलनाडु चुनाव लड़ने के लिए गठबंधन बनाया था। पिछले तीन महीनों में अमित शाह और प्रभारी पीयूष गोयल ने गौंडर से लेकर वाणीयार जाति को समझा-बुझाकर एनडीए के साथ जोड़ा है। इधर पिछले दो सालों से द्रमुक का प्रचार भी प्रमुख रूप से भाजपा की विचारधारा के खिलाफ का रहा है। स्टालिन ने भविष्य को ध्यान में रखते हुए अपने बेटे उदयनिधि को आगे किया है। आज द्रमुक की भाजपा विरोधी राजनीति के मुख्य प्रचारक उदयनिधि ही हैं।

स्टालिन कई मुसीबत से घिरे हुए हैं। गंभीर भ्रष्टाचार के आरोप, बेटे उदयनिधि को अपना वारिस बनाने का संकल्प और राज्य में बिगड़ती हुई कानून-व्यवस्था द्रमुक के खिलाफ एक माहौल पैदा कर रही है। बदलती जमीनी हकीकत के कारण इस बार द्रमुक की साथी रही कांग्रेस भी हिम्मत दिखाकर द्रमुक से अलग चुनाव लड़ने का सोच रही है। पर ऐसा होने की संभावना काफी कम है। लेकिन तमिलनाडु का चुनाव अगर अभूतपूर्व बनने जा रहा है तो उसका कारण न तो स्टालिन हैं, ना ही विपक्ष के नेता पलानीस्वामी (ईपीएस)। वास्तव में तमिल सुपरस्टार विजय ने सबको हिलाकर रख दिया है। कई सर्वे आ गए हैं, जिनमें विजय को लगभग 25% लोग पसंद कर रहे हैं। अगर ये लोग विजय की टीवीके- तमिलगा वेत्री कषगम- पार्टी को वोट भी दे देंगे तो चुनाव नतीजों का कोई भी पूर्वानुमान नहीं लगा सकता है।

कांग्रेस में तो कुछ लोग ऐसे भी हैं, जो सोच रहे हैं कि अगर विजय उनके साथ आने को राजी हो जाएं तो द्रमुक को 20 सीट मिलनी भी मुश्किल हो जाएगी। लेकिन विजय किसी के हाथ आसानी से आने वाले नहीं हैं। उसके पास गजब का कॉन्फिडेंस है। खूब पैसा भी है। आज के दिन में वो सबसे पॉपुलर सुपरस्टार हैं। वो दूसरे पक्ष के नेताओं को जल्दी से मिलते नहीं हैं। घटनाओं पर जल्दी प्रतिक्रिया भी नहीं देते हैं। पूरे तमिलनाडु में लड़ाने के लिए उसके पास पर्याप्त उम्मीदवार नहीं हैं। लेकिन लोगों में बिगड़ती हुई परिस्थिति के कारण इतना गुस्सा है कि वो अपनी आशा विजय के साथ बांध रहे हैं। विजय के पीछे दलित, महिलाओं और युवा वर्ग का समर्थन है।

वास्तव में लोग दोनों द्रविड़ दलों से इतने थक चुके हैं कि जो चुनाव द्रमुक के खिलाफ का था, वो मतदान का दिन आते-आते विजय को जिताने का माहौल बना दे तो अचरज नहीं होना चाहिए। द्रमुक के नेता विजय की भरपूर टीका करते हैं कि वो भाजपा के खिलाफ कोई खास बयान नहीं देते। सेंसर बोर्ड ने उनकी महंगी फिल्म रोक रखी है, फिर भी वो भाजपा के खिलाफ बोल नहीं पाए। इस कारण से अफवाहों का बाजार भी गर्म है कि कहीं द्रमुक के खिलाफ भाजपा खेल तो नहीं खेल रही है? जो लगातार सर्वे हो रहे हैं, वो सब को उलझन में डालने के लिए काफी हैं। जानकार लोग ये भी कहते हैं कि विजय द्रमुक और अन्नाद्रमुक दोनों को नुकसान पहुंचाएंगे।

उस स्थिति में द्रमुक मामूली अंतर से भी चुनाव जीतने की पूरी कोशिश करेगी, क्योंकि विजय की एंट्री से द्रमुक-विरोधी वोटों का बंटवारा होने की संभावना है। वहीं भाजपा कोशिश करेगी कि तमिलनाडु में त्रिशंकु विधानसभा हो जाए, जिसमें भाजपा भी सरकार बनाने या चलाने में एनडीए के तहत कोई भूमिका अदा कर सके।

कभी अंडा और रोटी खाकर किया गुजारा
तंगहाली में जी जिंदगी, अब जीती हैं लग्जरी लाइफ

टीवी इंडस्ट्री हो या बॉलीवुड इंडस्ट्री बहुत सारी एक्ट्रेसेस ऐसी हैं, जिन्होंने सक्सेसफुल होने से पहले काफी मुश्किलों में गुजारा किया है. ऐसी ही कहानी बॉलीवुड की इस हसीना की भी है. मायानगरी मुंबई में आए दिन हजारों लोग आते हैं, जो अपनी आंखों में स्टार बनने का सपना लिए होते हैं. लेकिन सफलता बस कुछ लोगों को ही मिल जाती है. ऐसा ही कुछ इस सात समंदर पार से आई हसीना के संग हुआ.

ये हसीना कोई और नहीं बल्कि कनाडा में जन्मी और पली-बढ़ी नोरा फतेही हैं. जो मुंबई स्टार बनने के लिए आई थीं. उस दौरान उनके पास सिर्फ 5000 रुपये ही थे. उस दौरान उन्हें काफी मुश्किल दिनों का सामना करना पड़ा.

नोरा अब ना सिर्फ इंडस्ट्री में अपना नाम बना चुकी हैं. बल्कि काफी लग्जरी लाइफ भी जीती हैं. लेकिन, इंडस्ट्री में सक्सेस पाने के लिए उन्हें काफी स्ट्रगल करना पड़ा.

एक इंटरव्यू के दौरान नोरा ने अपने स्ट्रगल के दिनों को याद करते हुए कई खुलासे किए थे. नोरा का जन्म 6 फरवरी को मॉन्ट्रियल,कनाडा में हुआ था. नोरा के पिता इंडिया से हैं. नोरा ने कहा था कि वो बचपन से ही फिल्ममेकिंग में जाना चाहती थीं. इसी वजह से वो बॉलीवुड में किस्मत आजमाने इंडिया आईं. हालांक, अब वो एक बेहतरीन डांसर के तौर पर जानी जाती हैं.

नोरा ने बताया कि जब वो इंडिया आई थीं तब उसके पास सिर्फ 5000 रुपये थे. वो एक तीन बीएचके फ्लैट में रहती थीं, जिसमें 9 लोग रहा करते थे. नोरा को दो और लड़कियों के साथ रूम शेयर करना पड़ता था. उस दौरान वो सोचा करती थीं कि कहां आ गईं. एक्ट्रेस ने बताया कि वो रोज एक अंडा और रोटी खाती थीं, क्योंकि उनके पास पैसे नहीं थे और उनकी कमाई का बड़ा हिस्सा एजेंट्स ले लिया करते थे. नोरा करियर के शुरुआत में छोटे-मोटे प्रोजेक्ट्स में काम किया करती थीं. लेकिन, धीरे-धीरे उन्हें पहचान मिलने लगी और अच्छा काम ऑफर होने लग गया.

कभी डेढ़ सौ रुपए के लिए ढाबे पर किया काम
अब हैं 150 करोड़ के मालिक

अपने दमदार अभिनय से अपनी एक अलग पहचान बनाने वाले अभिनेता संजय मिश्रा की नई फिल्म 'वध 2' आज सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। फिल्म को क्रिटिक्स से अच्छी प्रतिक्रियाएं हासिल हुई हैं। पर्दे पर अक्सर काफी साधारण और आम आदमी जैसे किरदार निभाने वाले संजय मिश्रा असल जिंदगी में काफी रईस हैं और कई करोड़ों की नेट वर्थ के मालिक हैं। जानते हैं संजय मिश्रा की नेट वर्थ के बारे में

कभी ढाबे पर 150 रुपए में किया काम

संजय मिश्रा ने अपने करियर की शुरुआत साल 1995 में आई फिल्म 'ओह डार्लिंग! ये है इंडिया' से की थी। शुरू में उन्होंने कई फिल्मों में काफी छोटे-मोटे रोल भी किए। लेकिन लगातार मेहनत ने उन्हें सफलता दिलाई। हालांकि, संजय मिश्रा के जीवन में एक वक्त ऐसा भी आया, जब वो फिल्मों से दूर चले गए और ऋषिकेश में एक ढाबे पर नौकरी करने लगे। जी हां, अपने पिता के निधन के बाद संजय मिश्रा पूरी तरह से टूट गए थे। इसलिए उन्होंने फेम और फिल्मों की दुनिया को पूरी तरह से छोड़ दिया था। इस दौरान वो ऋषिकेश में जाकर एक ढाबे पर नौकरी करने लगे थे, जहां उन्हें 150 रुपए मेहनताना मिलता था।

रोहित शेट्टी ने पलटी किस्मत

संजय मिश्रा की फिल्मों में वापसी कराने का श्रेय निर्माता-निर्देशक रोहित शेट्टी को जाता है।

रोहित संजय मिश्रा को ढूंढते हुए ऋषिकेश में उस ढाबे तक पहुंचे, जहां संजय मिश्रा काम करते थे। इसके बाद उन्होंने संजय मिश्रा को फिल्मों में वापसी के लिए मनाया और 2009 में आई अपनी फिल्म 'ऑल द बेस्ट' में साइन किया। यहीं से संजय मिश्रा की किस्मत पलट गई। इसके बाद वो एक के बाद एक फिल्में करते गए। आज संजय मिश्रा बॉलीवुड का एक जाना-पहचाना नाम बन चुके हैं।

पर्दे पर अक्सर सिंपल और आम आदमी के किरदार निभाने वाले संजय मिश्रा असल जिंदगी में कई करोड़ों की संपत्ति के मालिक हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, साल 2025 तक संजय मिश्रा की नेट वर्थ 150 करोड़ रुपए के करीब बताई जाती है। अब वो मुंबई में एक आलीशान घर में रहते हैं। जुलाई 2025 में खबर आई थी कि उन्होंने मुंबई के मड आईलैंड में सी फेसिंग एक अपार्टमेंट खरीदा है। जिसकी कीमत लगभग 4.95 करोड़ रुपये बताई गई थी। मुंबई के अलावा संजय मिश्रा का पटना में भी अपना घर है, जिसकी कीमत भी करोड़ों में है।

लोनावला में है ऑर्गेनिक फॉर्महाउस

साल 2024 में संजय मिश्रा ने महाराष्ट्र के लोनावला स्थित तिस्करी गांव में एक ऑर्गेनिक फार्महाउस भी बनवाया। यह फार्म हाउस एग्रो-टूरिज्म के लिए एक जगह के रूप में विकसित है, जहां खेती के अनुभव के साथ-साथ रहने की सुविधा भी है। इसके अलावा उन्होंने एक शिव मंदिर का भी निर्माण करवाया है।

संजय मिश्रा के पास हैं कई लक्जरी कारें

संजय मिश्रा के पास कई लक्जरी कारें हैं। इनमें बीएमडब्ल्यू और टोयोटा फॉर्च्यूनर शामिल हैं। वे लग्जरी के साथ-साथ पावरफुल एसयूवी के शौकीन हैं।

फिल्में और विज्ञापन है कमाई का जरिया

संजय मिश्रा की कमाई का प्रमुख जरिया फिल्मों से होने वाली कमाई है। हालांकि, उनकी फीस को लेकर अलग-अलग जानकारियां हैं। कई रिपोर्ट्स के मुताबिक, वो एक फिल्म के लिए 70 से 85 लाख रुपए तक चार्ज करते हैं। इसके अलावा संजय मिश्रा विज्ञापनों से भी पैसा कमाते हैं। वो अक्सर कई विज्ञापनों में नजर आते हैं।

संजय मिश्रा के आगामी प्रोजेक्ट्स की बात करें तो 'वध 2' के बाद अब वो कॉमेडी फिल्म 'धमाल 4' में नजर आएंगे। इसके अलावा उनकी पाइपलाइन में 'फेरा' और 'वेलकम टू बजरंगपुर' जैसी फिल्में भी शामिल हैं।

नेशनल अवॉर्ड जीतने वाली ये एक्ट्रेस कभी थी डेंटिस्ट
अजय देवगन की बेटी बन किया बॉलीवुड डेब्यू, अब 'मर्दानी 3' से छाईं

यह एक्ट्रेस कई गुजराती फिल्मों में लीड रोल करने से लेकर अजय देवगन, आर माधवन और रानी मुखर्जी जैसे सितारों के साथ स्क्रीन शेयर कर चुकी हैं। हाल ही में उन्होंने 'मर्दानी 3' में एक पुलिस ऑफिसर का रोल निभाकर अपनी एक्टिंग का हुनर दिखाया। ये एक्ट्रेस कोई और नहीं बल्कि जानकी बोडीवाला हैं, जो सोशल मीडिया पर अपनी फिल्मों के अलावा लुक को लेकर भी चर्चा में रहती हैं।

डेंटिस्ट बनीं एक्ट्रेस

जानकी बोडीवाला गुजराती फिल्म इंडस्ट्री में एक जाना-पहचाना नाम हैं, लेकिन 20 साल की उम्र में इंडस्ट्री में कदम रखने से पहले एक्ट्रेस ने गांधीनगर से बैचलर ऑफ डेंटल सर्जरी (BDS) की डिग्री हासिल की। उन्होंने 2019 में मिस इंडिया में भी हिस्सा लिया था। अपनी पहली कमर्शियल फिल्म 'छेलो दिवस' से उन्होंने अपनी काबिलियत साबित की और कई लोगों का दिल जीता।

नेशनल अवॉर्ड जीत चुकी ये एक्ट्रेस

एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में सात साल बिताने के बाद, जानकी ने गुजराती सुपरनैचुरल हॉरर थ्रिलर 'वश' में अपनी परफॉर्मेंस से दर्शकों को चौंका दिया। 2023 की इस साइकोलॉजिकल हॉरर फिल्म के लिए उन्हें काफी तारीफें मिलीं, जिसमें 71वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स में बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस का अवॉर्ड भी शामिल है।

सुपरहिट बॉलीवुड डेब्यू के बाद चमकी किस्मत

इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने के बाद उन्होंने अपनी पहली हिंदी फिल्म 'शैतान' से बॉलीवुड में कदम रखा, जो 'वश' की ऑफिशियल रीमेक है। एक बार फिर उन्होंने विकास बहल की इस फिल्म में जाहनवी के अपने रोल में कमाल कर दिया और जल्द ही बी-टाउन में चर्चा का विषय बन गईं। इस फिल्म में वह अजय देवगन और ज्योतिका की बेटी के रोल में थीं, जिसमें आर माधवन और अंगद राज भी साथ थे। सीक्वल बनने की तैयारी के साथ जानकी से आने वाली फिल्म में भी अपना रोल निभाने की उम्मीद है।

जानकी बोडीवाला ने मर्दानी 3 से मचाई धूम

जानकी ने 2026 की शुरुआत एक पुलिस ऑफिसर की यूनिफॉर्म पहनकर और 'मर्दानी 3' में रानी मुखर्जी के साथ मिलकर एक रोमांचक रहस्य को सुलझाने से की। वह अभिराज मीनावाला की इस फिल्म में कांस्टेबल फातिमा अनवर के रोल में नजर आईं। हाल ही में, जानकी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक दिल छू लेने वाला नोट लिखा, जिसमें उन्होंने बताया कि मर्दानी 3 में अपने आइडल के साथ काम करके उन्हें कैसा लगा। कुछ अनदेखी तस्वीरें शेयर करते हुए कहा, 'एक एक्टर का सपना होता है कि वह अपने आइडल्स के साथ काम करें, OGs के साथ काम करें और जितना हो सके उतना सीखे। यह सब फिर से पूरा हुआ और इस बार मर्दानी 3 के साथ और अंदाजा लगाइए, वह भी @yrf के साथ।'

एक्टिंग ही नहीं पढ़ाई में भी नंबर 1 हैं दिव्यांका त्रिपाठी
रह चुकी हैं राइफल शूटिंग में गोल्ड मेडलिस्ट

टीवी इंडस्ट्री की पॉपुलर एक्ट्रेस दिव्यांका त्रिपाठी अपनी एक्टिंग और अपनी खूबसूरती से अक्सर लोगों को अपना दीवाना बनाती रहती है. एक्ट्रेस इसके अलावा पढ़ाई में भी रही हैं टॉपर.

दिव्यांका त्रिपाठी ने पॉपुलर सीरियल ₹ये है मोहब्बतें₹ में इशिता भल्ला का किरदार निभाकर लोगों के दिल में एक खास जगह बनाया है. इसके अलावा खूबसूरत के साथ-साथ दिव्यांका पढ़ाई में भी काफी तेज रही है.

ये है मोहब्बतें सीरियल से घर-घर मशहुर हुई एक्ट्रेस दिव्यांका त्रिपाठी का जन्म 14 दिसंबर 1984 को भोपाल में हुआ था. वो बचपन से ही पढ़ने में काफी तेज तरार थीं.

वे पढ़ाई के अलावा एक्सट्रा करिकुलर एक्टिविटीज में भी पार्टिसीपेट करती थीं.दिव्यांका ने अपनी स्कूल की पढ़ाई भोपाल के कार्मेल कॉन्वेंट स्कूल से की. उसके बाद उन्होंने भोपाल के ही सरोजिनी नायडू गवर्नमेंट गर्ल्स कॉलेज से ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल की.

एक्ट्रेस ने स्कूल के दौरान ऑल इंडिया रेडियो का एक एपिसोड भी होस्ट किया जिसका उनहे 800 रुपये भी मिले थे. इसके अलावा उत्तराखंड के नेहरू इंस्टिट्यूट ऑफ माउंटेनियरिंग उत्तरकाशी से पर्वतारोहण का भी कोर्स कर चुकी है.

एक्ट्रेस के पिता चाहते थे की वे एनसीसी में पार्टिसीपेट करे, इतना ही नहीं दिव्यांका भी सपना हमेशा से आर्मी ऑफिसर बनना था.

दिव्यांका भोपाल के राइफल एकेडमी से राइफल शूटिंग की ट्रेनिंग ली और गोल्ड मेडल भी जीत चुकी है.

इसके अलावा दिव्यांका मिस भोपाल का खिताब भी अपने नाम कर चुकी है.

दिव्यांका रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी' का भी हिस्सा रह चुकी है जिसमें उन्होंने अपने साहस की वजह से सबका दिल जीत लिया था. इसके साथ वे नच बलिए 8 की भी विनर रह चुकी है. दिव्यांका ने कई सारे सीरियल में काम किया लेकिन उनहें पहचान 'बनूं मैं तेरी दुल्हन' में विद्या और ये है मोहब्बतें में इशिता का किरदार निभाकर मिला.

'मेरे पिता गैंगस्टर नहीं, पत्रकार थे'

हुसैन 'उस्तरा' शेख की बेटी सनोबर शेख ने फिल्म 'ओ रोमियो' की रिलीज रोकने के लिए शिकायत दर्ज कराई है. सनोबर शेख ने 2 फरवरी को साजिद नाडियाडवाला की फिल्म 'ओ रोमियो' की रिलीज के खिलाफ स्थायी निषेधाज्ञा की मांग की है. उनका दावा है कि यह फिल्म उनके दिवंगत पिता की अनधिकृत जीवनी है और उनके जीवन को गलत तरीके से दिखाती करती है. उन्होंने निर्माता साजिद नाडियाडवाला, निर्देशक विशाल भारद्वाज और पत्रकार-लेखक हुसैन जैदी के खिलाफ दीवानी अदालत में मुकदमा दायर किया है.

इसके साथ ही, फिल्म में कथित तौर पर इस्तेमाल किए गए अश्लील शब्दों के विरोध में मुंबई के जे.जे. मार्ग पुलिस स्टेशन में भी शिकायत दर्ज कराई है. फिल्म में शाहिद कपूर ने 'उस्तरा' की भूमिका निभाई है, जो हुसैन जैदी की किताब 'माफिया क्वींस ऑफ मुंबई' पर आधारित बताई जा रही है.

सनोबर का आरोप है कि फिल्म की कहानी पूरी तरह उनके पिता पर आधारित है, जिन्हें एक 'गैंगस्टर' के रूप में दिखाया गया है. उन्होंने स्पष्ट किया कि उनके पिता गैंगस्टर नहीं बल्कि एक पत्रकार थे, जिन्होंने अंडरवर्ल्ड को खत्म करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया और पुलिस को कई खुफिया जानकारियां दीं. सनोबर को आशंका है कि फिल्म के रिलीज होने से उनके परिवार और बच्चों की प्रतिष्ठा को अपूरणीय क्षति पहुंचेगी. बता दें कि 11 सितंबर 1998 को छोटा शकील गिरोह ने हुसैन उस्तरा की 11 गोलियां मारकर हत्या कर दी थी. दूसरी ओर, साजिद नाडियाडवाला और विशाल भारद्वाज ने इन दावों का खंडन करते हुए कहा है कि फिल्म पूरी तरह से एक काल्पनिक रचना है.

आपको बता दें कि ओ रोमियो फिल्म थियेटर में 13 फरवरी 2026 को रिलीज होने वाली है. इस फिल्म में शाहिद कपूर, तृप्ति डिमरी, नाना पाटेकर, अविनाश तिवारी, तमन्ना भाटिया, दिशा पटानी, फरीदा जलाल और विक्रांत मैसी मुख्य भूमिकाओं में हैं.

'चंद्रकांता' की खूबसूरत राजकुमारी के लोग थे दीवाने, लेकिन एक्टिंग छोड़ चुनी अलग राह

साल 1994 में टेलीविजन पर आई फैंटेसी ड्रामा सीरीज 'चंद्रकांता' ने लोगों के दिलों में खास जगह बनाई। इस शो की फैन फॉलोइंग 'रामायण' और 'महाभारत' से कम नहीं थी। इसे देखने के लिए दीवाने थे। इस शो में शिखा स्वरूप ने चंद्रकांता के किरदार के रूप में दर्शकों का दिल जीत लिया था। उनकी सुंदरता, सहजता और परफॉर्मेंस ने लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। यह शो शिखा स्वरूप के लिए बड़ी सफलता साबित हुआ और उन्हें रातों-रात लोकप्रियता दिलाई। इस शो की लीडिंग लेडी बनकर वो घर-घर में फेमस हो गईं। सिर्फ उनकी खूबसूरती ही नहीं, बल्कि उनके अभिनय कौशल की भी लोगों ने जमकर तारीफ की। 'चंद्रकांता' ने शिखा स्वरूप को टीवी इंडस्ट्री में पहचान दिलाई और उनके लिए मुख्यधारा के प्रोजेक्ट्स का रास्ता खोल दिया।

मॉडलिंग से शिखा ने शुरू किया करियर

शिखा स्वरूप का जन्म 23 अक्टूबर 1970 को दिल्ली में हुआ था। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की और 1988 में मिस इंडिया इंटरनेशनल का खिताब जीतकर अपनी प्रतिभा साबित की। मॉडलिंग में उनकी लंबाई और स्टाइल ने उन्हें इंडस्ट्री में विशेष पहचान दिलाई। इसके अलावा शिखा ने खेलों में भी बेहतरीन प्रदर्शन किया। वे ऑल इंडिया पिस्टल शूटिंग चैंपियनशिप 1988 में गोल्ड मेडल जीत चुकी हैं और राष्ट्रीय स्तर की बैडमिंटन खिलाड़ी

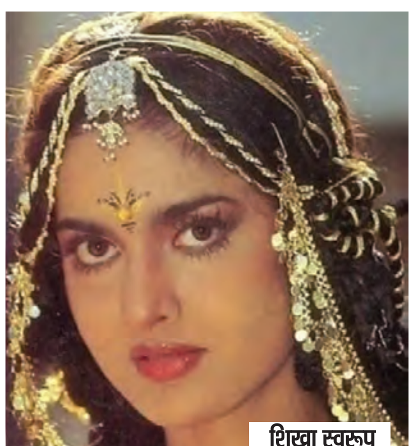
शिखा स्वरूप

भी रही हैं। इन उपलब्धियों ने उनकी बहुआयामी प्रतिभा को दर्शाया। शिखा स्वरूप ने अपनी पढ़ाई को भी गंभीरता से लिया। उन्होंने दिल्ली के सेंट स्टीफंस कॉलेज से इकनॉमिक्स ऑनर्स की पढ़ाई पूरी की। एक्टिंग और खेल के साथ उन्होंने शिक्षा को भी प्राथमिकता दी, जिससे उनकी व्यक्तित्व में संतुलन और निखार आया।

कई टीवी शोज और फिल्मों में किया काम

'चंद्रकांता' की सफलता के बाद शिखा स्वरूप को हिंदी फिल्मों में भी काम मिलने लगा। उन्होंने 'तहलका', 'पुलिसवाला गुंडा', 'पुलिस पब्लिक', 'कैदी कानून' समेत लगभग 11 फिल्मों में काम किया। हालांकि इन फिल्मों में से कई बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं हो पाईं। फिल्मों की तुलना में शिखा टीवी पर ज्यादा प्रभावशाली और लोकप्रिय साबित हुईं। 1996 में उन्होंने टीवी शो 'युग' में 1997 में 'शक्तिमान' में 2011 में 'कहानी चंद्रकांता की' में और 2012 में 'रामायण' में काम किया। टीवी पर उनकी मौजूदगी दर्शकों के बीच उनकी स्थायी पहचान बन गई। कहा जाता है कि उनके कई अच्छे फिल्म ऑफर्स उनके लंबाई के कारण उनसे चूक गए, लेकिन मॉडलिंग वर्ल्ड में उनका सिक्का जम गया। उन्होंने 400 से ज्यादा रैंप वॉक और फैशन शो किए, जिससे उनका नाम इंडस्ट्री में कायम हुआ।

अब क्या करती हैं शिखा

2012 के बाद शिखा स्वरूप ने एक्टिंग की दुनिया से दूरी बना ली और अब वे मोटिवेशनल स्पीकर के रूप में सक्रिय हैं। इतना ही नहीं वो दिल्ली में एक गार्मेंट फैक्ट्री भी चलाती हैं। वे विभिन्न सामाजिक और शिक्षा संबंधी मुद्दों पर लोगों को जागरूक करती हैं और उन्हें प्रेरित करने का काम करती हैं। शिखा ने अपने अनुभवों और जीवन की सीखों को साझा कर नई पीढ़ी को दिशा देने की कोशिश की है। शिखा स्वरूप का करियर बहुआयामी रहा, मॉडलिंग, एक्टिंग, खेल और शिक्षा और उन्होंने हर क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई। शिखा अब बेहद प्राइवेट लाइफ जीती हैं।

संसद में 'ड्रीम गर्ल संग कुछ सुकून के पल'

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत ने अभिनय के साथ-साथ राजनीति में भी अपनी अलग पहचान बनाई है. इन दिनों वह फिल्मों से ज्यादा अपने सियासी रोल को लेकर सुर्खियों में रहती हैं. बेबाक बयान और खुलकर अपनी बात रखने के चलते कंगना अक्सर चर्चा में बनी रहती हैं. हिमाचल प्रदेश के मंडी से बीजेपी सांसद कंगना रनौत हाल ही में संसद के शीतकालीन सत्र में भी नजर आईं.

ऐसे में उनकी मुलाकात बॉलीवुड की दिग्गज एक्ट्रेस हेमा मालिनी से हुई. कंगना ने अपने और हेमा संग हुई इस खास मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं. इन तस्वीरों को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं. इसके साथ ही कंगना ने खास कैप्शन भी लिखा, जिसमें उन्होंने अपने दिल की बात लिखी.

संसद में हेमा संग क्वालिटी टाइम बिताती नजर आई कंगना

कंगना रनौत ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर दिग्गज एक्ट्रेस हेमा मालिनी संग खास मुलाकात की तस्वीरें शेयर की हैं. इन तस्वीरों में दोनों एक सोफे पर आराम से बैठी हैं और कैमरे की तरफ मुस्कुराते हुए पोज देती नजर आ रही हैं. लुक की बात करें तो कंगना ने पर्पल कलर के फुल स्लीव्स वाले ब्लाउज के साथ पिंक कॉटन साड़ी कैरी की है. वहीं, हेमा ने येलो कलर की प्रिंटेड साड़ी पहली है. दोनों ही एक्ट्रेस बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं.

इन तस्वीरों के साथ कंगना ने कैप्शन में लिखा, 'संसद में सुकून के कुछ पल ड्रीम गर्ल के साथ.' बता दें कि हेमा मालिनी को उनके फैंस 'ड्रीम गर्ल' के नाम से भी जानते हैं. कंगना और हेमा की ये तस्वीरें इंटरनेट पर काफी पसंद की जा रही हैं.

कंगना रनौत का वर्कफ्रंट

कंगना रनौत के वर्कफ्रंट की बात करे तो आखिरी बार उन्हें फिल्म इमरजेंसी में देखा गया था. हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास सफलता हासिल नहीं कर पाई थी. वहीं, अब वो जलद ही अपनी अपकमिंग मूवी 'भारत भाग्य विधाता' में नजर आने वाली हैं. इस फिल्म का निर्माण कंगना के होम प्रोडक्शन मणिकर्णिका फिल्म्स के बैनर तले हो रहा है. कंगना के साथ इस मूवी में अभिषेक बच्चन और श्रेयस तलपडे जैसे कलाकार भी नजर आ सकते हैं.

राष्ट्रपति बोलीं- छत्तीसगढ़ हमेशा घर जैसा लगता है

द्रौपदी मुर्मू ने बस्तर पंडुम में कहा– यहां की संस्कृति प्राचीन और सबसे मीठी

जगदलपुर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रपति बोलीं द्रौपदी मुर्मू ने कहा छत्तीसगढ़ आना हमेशा मुझे घर जैसा लगता है। यहां की संस्कृति प्राचीन और सबसे मीठी है। बस्तर पडुंम को लोग उत्सव की तरह जीते हैं। यहां की सुंदरता और संस्कृति पर्यटकों को आकर्षित करती हैं।

पिछले 4 दशक से नक्सलवाद के कारण बस्तर के आदिवासियों को नुकसान हुआ। लेकिन अब बस्तर नक्सल मुक्त हो रहा है। बड़ी संख्या में नक्सली हथियार डाल रहे हैं। मुर्मू ने आगे कहा, हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में लौटे लोगों का स्वागत करती हूं, जो लोग बरगला रहे हैं उनकी बातों में न आएं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने ये बातें जगदलपुर के लालबाग मैदान में आयोजित बस्तर पंडुम में कही। इस दौरान सीएम ने उन्हें ढोकरा आर्ट से बने कर्मा वृक्ष, कोसा शिल्प से तैयार गमछा भेंट किया।

राष्ट्रपति का संबोधन सुनने बस्तर पंडुम कार्यक्रम में कई सरेंडर कर चुके नक्सली भी

पहुंचे। छत्तीसगढ़ में एक करोड़ से अधिक के इनामी रहे सरेंडर्ड नक्सली रूपेश ने कहा कि भविष्य को लेकर राष्ट्रपति के विचार सुनने आए थे।

दो दिवसीय बस्तर पंडुम में कई जनजातियों के पारंपरिक नृत्य, लोकगीत, वाद्ययंत्र, वेशभूषा और रीति-रिवाजों की आकर्षक प्रस्तुतियां दी जा रही हैं।

ढोकरा शिल्प ने बस्तर को विश्व पहचान दिलाई- राज्यपाल

इससे पहले राज्यपाल रमेन डेका ने कहा, बस्तर पंडुम 2026 के शुभारंभ मौके पर यहां मौजूद होना मेरे लिए गर्व की बात है। मैं इस भव्य आयोजन के लिए सभी को बधाई देता हूं। हमारे पारंपरिक व्यंजन, कल्चर सभी मिलकर बस्तर की पहचान विश्व स्तर पर दिखाते हैं।

यहां के लोग जल जंगल जमीन के बीच रहते हैं। गांव गांव से आए लोग अपनी कला और संस्कृति दिखा रहे हैं। मैं ढोकरा कला का उल्लेख करना चाहूंगा, बस्तर की ढोकरा कला देश विदेश में पसंद की जा रही है। यही हमारी पहचान है। यहां का जनजातीय और समाज हमें प्रकृति का संदेश देती है।

सीएम साय ने कहा कि बस्तर पंडुम केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि आदिवासी संस्कृति, परंपराओं और समृद्ध विरासत को समर्पित मंच है, जहां इस बार 12 विधाओं में 54 हजार से अधिक लोगों ने पंजीयन कराया।

उन्होंने कहा कि कभी नक्सल भय से पहचाने जाने वाले बस्तर में अब विकास का दौर है और 31 मार्च 2026 तक पूरे बस्तर को नक्सलमुक्त करने का लक्ष्य तय किया गया है, कई गांवों में पहली बार तिरंगा फहरा है।

सोने की कैंची से प्रधानमंत्री के बाल काटने की ख्वाहिश

4 राज्य में 40 करोड़ की चोरी, रायपुर में 7 लाख उड़ाए, जेल–ब्रेक कर चुका है

रायपुर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। रायपुर में 3 दुकानों से करीब 7 लाख कैश उड़ाने वाले शातिर चोर को आखिरकार पुलिस ने धर दबोचा है। आरोपी की पहचान लोकेश श्रीवास उर्फ गोलू के रूप में हुई है, जिसका आपराधिक इतिहास किसी फिल्मी किरदार से कम नहीं।

वारदात के बाद आरोपी नागपुर और दिल्ली फरार हो गया था, लेकिन रायपुर लौटते ही उसकी चालाकी धरी रह गई। एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और सिविल लाइन पुलिस की संयुक्त टीम ने सटीक सूचना के आधार पर घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस उपायुक्त स्मृतिक राजनाला ने गिरफ्तारी की पुष्टि की है।

पूछताछ के दौरान आरोपी ने एक ऐसा बयान दिया जिसने पुलिस को भी हैरान कर दिया। लोकेश ने कहा कि वह चाहता था कि "सोने की कैंची से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बाल काटे।" पुलिस के अनुसार, आरोपी दूसरे राज्यों

में भी कई बड़ी चोरी की घटनाओं में वांटेड है। आरोपी दिल्ली, यूपी और तेलंगाना में अब तक 40 करोड़ से ज्यादा की चोरी कर चुका है। शिव कुमार वर्मा ने सिविल लाइन थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उनकी 'लब-डब' कपड़े की दुकान, जो पंडरी के माता गैराज के पास है। 31 जनवरी और 1 फरवरी की रात अज्ञात चोरों ने तोड़फोड़ कर कैश लूट लिया। दुकान के गल्ले से लगभग 2.75 लाख रुपए चोरी हो गए। इसी रात पास की नोवा फर्नीचर दुकान से 1.40 लाख रुपए और डिजाइनर सेनिटेशन के साथ हार्डवेयर दुकान से 2.85 लाख रुपए कैश चोरी किए गए। इस तरह कुल चोरी की रकम 7 लाख रुपए पहुंच गई।

आरोपी के खिलाफ केस दर्ज करके पुलिस ने जांच शुरू की। घटनास्थलों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और तकनीकी विश्लेषण किया। इसके आधार पर आरोपी की पहचान लोकेश श्रीवास उर्फ गोलू के रूप में हुई।

पूछताछ में आरोपी ने चोरी की घटनाएं कबूल की। उसके कब्जे से 79,500 रुपए कैश और 2 मोबाइल फोन, कुल करीब 1 लाख रुपए का सामान जब्त किया गया। आरोपी ने मौदहापारा थाना क्षेत्र में भी चोरी की वारदात करना स्वीकार किया है।

लोकेश श्रीवास पर दिल्ली, तेलंगाना, यूपी, राजनांदगांव, दुर्ग समेत कई जगहों पर ज्वेलरी शॉप और शोरूम में करोड़ों की चोरी के आरोप हैं। पुलिस के मुताबिक, वह अब तक 2 दर्जन से ज्यादा चोरी की घटनाओं को अंजाम दे चुका है। आरोपी के खिलाफ आगे की कार्रवाई पुलिस कर रही है।

लोकेश श्रीवास कवर्धा का रहने वाला है। उसने पहली चोरी 2011 में भिलाई संगम डेयरी में की थी।

पिता पर दो माह के मासूम की हत्या का आरोप

झरिया में पत्नी ने दर्ज कराई शिकायत बोली–पति कहता था यह मेरा बच्चा नहीं है

धनबाद, 7 फरवरी (एजेंसियां)। धनबाद में एक पिता पर अपने दो माह के मासूम बेटे की हत्या का आरोप लगा है। आरोपी की पत्नी ने लोदना ओपी में शिकायत दर्ज कराई है, जिसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना झरिया के लोदना ओपी क्षेत्र के मधुबन की है।

पीड़ित महिला मुस्कान के अनुसार, उसकी शादी चंचल कुमार से पिछले साल फरवरी में हुई थी। शादी के बाद से आए दिन पति से घरेलू विवाद होता था और मारपीट भी होती थी। दिसंबर में बच्चे का जन्म हुआ था। इसके बाद विवाद और बढ़ गया।

शुक्रवार की रात भी दंपती के बीच हुआ था झगड़ा

मुस्कान ने बताया कि पति कहता था कि यह बच्चा मेरा नहीं है। ऑबोशन करवा लो पर मुस्कान ने बच्चे को जन्म दिया। महिला के अनुसार, शुक्रवार की रात भी दोनों के बीच झगड़ा हुआ था। इसके बाद उसने बच्चे को दूध पिलाकर सुला दिया।

कुछ समय बाद जब महिला नींद से उठी, तो उसने देखा कि बच्चे की तबीयत बिगड़ चुकी थी और उसकी नाक से खून बह रहा था।

बच्चे को तुरंत झरिया अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसे धनबाद रेफर कर दिया गया। धनबाद पहुंचने पर डॉक्टरों ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया।

महिला का आरोप है कि झगड़े के बाद जब सभी लोग सो गए थे, उसी दौरान उसके पति ने बच्चे का गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। इस आरोप के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया है। घटना की सूचना मिलते ही लोदना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। लोदना ओपी प्रभारी गौरव कुमार ने बताया कि महिला ने अपने पति पर दो माह के पुत्र की हत्या का आरोप लगाया है।

जमीन में छिपाए भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद बरामद

नक्सल विरोधी अभियान में मिली बड़ी सफलता, 20 राइफल, हैंड ग्रेनेड भी मिले

गिरिडीह, 7 फरवरी (एजेंसियां)। गिरिडीह पुलिस को नक्सल विरोधी अभियान में एक बार फिर बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस एवं केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की संयुक्त टीम ने नक्सलियों द्वारा जमीन में गाड़कर छिपाए गए भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक सामग्री बरामद की है।

इस संबंध में शनिवार को गिरिडीह एसपी डॉ. बिमल कुमार एवं सीआरपीएफ कमांडेंट सुनील दत्त त्रिपाठी ने बताया कि प्राप्त गुप्त सूचना पर नक्सलियों के विरुद्ध एक संयुक्त ऑपरेशन प्लान तैयार किया गया। इस योजना के तहत सीआरपीएफ एफ/154 बटालियन, बीडीडीएस टीम एवं जिला पुलिस गिरिडीह द्वारा संयुक्त अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान खुखरा थाना क्षेत्र से सटे पारसनाथ पहाड़ी के भालखी पहाड़, कनौडीह के पास नक्सलियों द्वारा गड्ढों में छिपाकर रखे गए हथियार, गोला-बारूद एवं अन्य प्रतिबंधित सामग्रियों को बरामद कर विधिसम्मत तरीके से जब्त किया गया। बरामद सामग्री में 303 बोर की 11 सिंगल शॉट राइफल, .22 बोर की 9 राइफल, 6 हैंड ग्रेनेड, एक एसएलआर ग्रेनेड प्रोजेक्टर, एक एम्युनिशन बॉक्स, 30 चार्जर क्लिप तथा दो बंडल इलेक्ट्रिक कॉपर वायर शामिल हैं।

एसपी डॉ. बिमल कुमार ने बताया कि बरामद प्रतिबंधित सामग्रियों के आधार पर आगे की विधिसम्मत कानूनी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई जिले में नक्सल गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और भविष्य में भी ऐसे अभियान लगातार जारी रहेंगे।

एमसीबी में चोरी के 6किलो चांदी के जेवर मिले

एक युवक और दो नाबालिग गिरफ्तार, सोने–चांदी के जेवर–सिक्के, लैपटॉप समेत कई सामान बरामद

मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। एमसीबी जिले के पौड़ी थाना क्षेत्र में हुई चोरी के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने करीब 18 लाख रुपए कीमत के 6 किलो चांदी के जेवरात समेत कई सामान जब्त किया है। इस मामले में एक युवक और दो नाबालिग को पकड़ा गया है।

दरअसल, 03 फरवरी को पीड़ित सौरभ सरकार ने शिकायत में बताया था कि, अज्ञात आरोपियों ने रात में उनके घर में घुसकर अलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवर, सिक्के, लैपटॉप और मोबाइल चोरी कर लिए थे। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद तत्काल जांच शुरू की गई।

इस दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि, केराडोल बस्ती क्षेत्र में राजिम बंसल (18) और दो नाबालिग संदिग्ध रूप से घूम रहे हैं। पुलिस टीम सादे कपड़ों में मौके पर पहुंची, जहां तीनों आरोपी झरिया देसमुख के घर के पास बैठे

मिले। पुलिस को देखकर आरोपी भागने लगे, लेकिन पुलिस टीम ने घेराबंदी कर तीनों को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपियों ने चोरी करना स्वीकार किया।

आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने चोरी का सामान बरामद किया। जिसमें दो सूटकेस, दो लैपटॉप, चार मोबाइल, तीन पीतल की थालियां और सोने-चांदी के जेवर व सिक्के शामिल हैं, जिनकी कीमत लगभग 5 लाख रुपए आंकी गई है।

इस प्रकरण में बरामदगी के दौरान केराडोल साजा पहाड़ मुख्य मार्ग से लगी छोटी टेकरी क्षेत्र में सर्चिंग के समय पुलिस टीम को पुरानी साड़ी में लिपटी एक वजनदार पोटली मिली। पोटली खोलने पर उसमें प्लास्टिक झोले में भारी मात्रा में नए चांदी के जेवर मिले। तौल कराने पर चांदी के जेवरों का कुल वजन 6 किलोग्राम पाया गया, जिसकी बाजार कीमत करीब 18 लाख रुपए आंकी गई है। बरामद जेवरों में करधन, पायल, सांठी, कंगन और चूड़ियां शामिल हैं। पुलिस ने वैधानिक कार्रवाई करते हुए धारा 106 बीएनएसएस (भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता) के तहत गवाहों के समक्ष चांदी के जेवर जब्त किए।

अवैध कोयला लदा ट्रक जब्त

फर्जी कागजात से 29 .100 मीट्रिक टन कोयले का हो रहा था परिवहन, चालक गिरफ्तार

जामताड़ा, 7 फरवरी (एजेंसियां)। जामताड़ा के नारायणपुर थाना क्षेत्र के देवलवाड़ी पुलिस पिकेट के पास 5 फरवरी को वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस ने अवैध कोयला परिवहन का खुलासा किया है। इस कार्रवाई में फर्जी कागजात के सहारे ले जाए जा रहे 29.100 मीट्रिक टन कोयले से लदे एक 14 चक्का ट्रक को जब्त किया गया है। पुलिस ने ट्रक चालक को भी गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार, 5 फरवरी की देर रात देवलवाड़ी पुलिस पिकेट पर नियमित वाहन चेकिंग चल रही थी। इसी दौरान धनबाद की ओर से आ रहे एक 14 चक्का ट्रक (पंजीकरण संख्या डब्ल्यू डी 57 सी 8693) को

पुलिस ने रुकने का इशारा किया। चालक ने पुलिस के संकेत को नजरअंदाज करते हुए वाहन की रफ्तार बढ़ा दी और मौके से भागने का प्रयास किया।

चालक की संदिग्ध हरकत देखकर चेकिंग में तैनात पुलिस बल ने तुरंत पीछा किया। कुछ दूरी पर जाकर चालक ने ट्रक को सड़क किनारे खड़ा कर दिया। इसके बाद पुलिस ने वाहन को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू की। इस कार्रवाई के दौरान ट्रक चालक कलीमुद्दीन अंसारी, उम्र करीब 30 वर्ष, पिता सहीद अंसारी, निवासी बरमसोली, थाना पालाजोरी को गिरफ्तार किया गया है। प्रारंभिक पूछताछ में यह भी सामने आई है कि ट्रक में लदा अवैध कोयला बनारस से जसीडीह भेजा जा रहा था। पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क की जांच में जुट गई है कि कोयले का स्रोत क्या था, फर्जी कागजात किसके द्वारा तैयार किए गए और इस अवैध कारोबार में और कौन-कौन लोग शामिल हैं।

जेवर दुकानदार से 25 लाख के गहनों की लूट

हजारीबाग, 7 फरवरी (एजेंसियां)। हजारीबाग में शनिवार को बाइक सवार तीन अपराधियों ने जेवर दुकानदार से लूट की घटना को अंजाम दिया। बड़कागांव स्थित डेली मार्केट के पास अपराधी जेवर दुकानदार प्रभु सोनी से 25 लाख के जेवरात लेकर फरार हो गए।

प्रभु सोनी गहनों से भरे थैला लेकर दुकान खोलने आ रहे थे। इसी बीच दुकान के पास ही उनके हाथ से गहनों से भरा थैला लेकर बदमाश भाग निकले। भागते वक्त बदमाशों ने 4-5 राउंड फायरिंग भी की। दुकान के पास मौजूद सुधीर सोनी के हाथ में गोली लग गई और वो जख्मी हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से घायल को अस्पताल में पहुंचाया गया।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पहुंचे मां छिन्नमस्तिका मंदिर

रामगढ़, 7 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपनी पत्नी कल्पना सोरेन के साथ शादी की सालगिरह पर शनिवार को रामगढ़ स्थित मां छिन्नमस्तिका रजरप्पा मंदिर पहुंचे। उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना की और परिवार व राज्यवासियों की सुख-शांति की कामना की।

मुख्यमंत्री और उनकी पत्नी ने मां को चुनरी ओढ़ाई और शिव स्थल पर नारियल चढ़ाकर आशीर्वाद लिया। यह मंदिर मुख्यमंत्री के गृह जिले रामगढ़ से जुड़ा है और उनके लिए विशेष आस्था का केंद्र है। इधर, इस अवसर पर प्रशासन की ओर से

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया। मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि यह कार्यक्रम पूरी तरह पारिवारिक और आस्था से जुड़ा है, न कि कोई राजनीतिक आयोजन।

वहीं, मंदिर परिसर में मुख्यमंत्री को देखने के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतार लग गई। लोगों ने मुख्यमंत्री हेमंत और कल्पना सोरेन को शादी की सालगिरह की शुभकामनाएं दीं।

आम भक्तों के बीच मुख्यमंत्री और उनकी पत्नी का यह सादा और श्रद्धा से भरा रूप चर्चा का विषय बना रहा। इस दौरान मंदिर परिसर में सुरक्षा व्यवस्था भी चाक-चौबंद रही।

एम्बुलेंस नहीं पहुंची, बीमार-महिला को खाट पर उठाकर ले गए ग्रामीण

बलरामपुर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। बलरामपुर जिले के कुसमी विकासखंड के बालापानी गांव से एक बार फिर बुनियादी सुविधाओं की कमी की तस्वीर सामने आई है।

सड़क न होने के कारण एक गंभीर रूप से बीमार महिला को चार ग्रामीणों ने खाट पर बैठाकर कई किलोमीटर पैदल लक्ष्मणपुर तक पहुंचाया। मुख्य सड़क पर पहुंचने के बाद ही 108 एम्बुलेंस सेवा से महिला को अस्पताल ले जाया जा सका।

यह घटना बालापानी गांव की है, जहां एक महिला के शरीर में सूजन थी और उसकी हालत लगातार बिगड़ रही थी। ग्रामीणों के अनुसार, समय पर इलाज न मिल पाने की आशंका बनी हुई थी, क्योंकि गांव तक एम्बुलेंस नहीं पहुंच पा रही थी।

ग्रामीणों ने बताया कि गांव में पक्की सड़क नहीं होने से बरसात के दिनों में हालात और भी खराब हो जाते हैं।

कीचड़ और दुर्गम रास्तों के कारण आपातकालीन सेवाएं गांव तक नहीं पहुंच पातीं। बालापानी गांव आदिवासी बृजिया समाज का है, जहां आज भी बुनियादी ढांचे का अभाव है। ग्रामीणों ने कई बार सड़क निर्माण की मांग की है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

इस मामले में जनपद पंचायत सीईओ अभिषेक पांडेय ने प्रशासन का पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि गांव तक जाने के लिए कच्चा मार्ग मौजूद है, जिससे ट्रैक्टर और अन्य चार पहिया वाहन आते-जाते हैं। हालांकि, घाटी और चढ़ाई के कारण एम्बुलेंस वहां तक नहीं पहुंच पाई।

सीईओ पांडेय ने आगे बताया कि गांव के लिए सड़क निर्माण का प्रस्ताव शासन को भेजा जा चुका है। स्वीकृति मिलने के बाद कार्य प्रारंभ कराया जाएगा। यह घटना ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य और सड़क जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी पर गंभीर सवाल उठाती है।

1.19 करोड़ के 51 इनामी नक्सली मुख्यधारा में लौटे

सुकमा, 7 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में शनिवार को 21 नक्सलियों ने सरेंडर किया है। इनमें 7 पुरुष और 14 महिलाएं शामिल हैं। सभी पर कुल 76 लाख का इनाम था। इसके अलावा बीजापुर में भी 30 माओवादियों ने सरेंडर किया है। इन पर कुल 85 लाख का इनाम घोषित था।

सुकमा में सरेंडर करने वालों में डीवीसी सदस्य सोढ़ी महेश, पोडियम राजू और कारम ममता भी शामिल हैं, जिन पर 8-8 लाख रुपए का इनाम घोषित है।

सरेंडर नक्सली बीजापुर, दंतेवाड़ा और सुकमा में सक्रिय थे, जोकि अपने साथ एके-47, इंसास जैसे ऑटोमैटिक वेपंस लेकर आए थे।

सभी 21 नक्सलियों पर 76 लाख रुपए का इनाम घोषित है। इनमें 3 पर 8 लाख रुपए, 5 अन्य पर 5 लाख रुपए, एक पर 3 लाख रुपए और 12 पर 2 लाख रुपए का इनाम था। सरेंडर नक्सलिों में 14 महिला नक्सली भी शामिल हैं।

सुकमा के एसपी किरण चव्हाण ने बताया कि दरभा डिवीजन, दक्षिण बस्तर डिवीजन, केकेबीएन डिवीजन (ओडिशा) और इंद्रावती एरिया कमेटी में सक्रिय कुल 21 माओवादी कैडरों ने आत्मसमर्पण किया है। इनमें 3 डीवीसीएम, 5 एसीएम और 13 पार्टी सदस्य शामिल हैं, जिनमें 14 महिलाएं भी हैं।

टार-फैक्ट्री में भीषण आग, 5 घंटे बाद बुझी

22किमी दूर से दिखा धुआं, ऑयल–केमिकल से फैली, मशक्कत के बाद पाया काबू

रायपुर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। राजधानी रायपुर के भनपुरी इंडस्ट्रियल एरिया स्थित टार प्रोडक्ट्स फैक्ट्री में शनिवार दोपहर अचानक भीषण आग लग गई थी। देखते ही देखते आग ने फैक्ट्री के एक हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया। 5 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया है।

आग इतनी भीषण थी कि 22 किलोमीटर दूर से धुएं का गुब्बार उठता दिखा। इलाके में काले बादल जैसा धुआं छाया गया था। घटना खमतराई थाना क्षेत्र की है। आग दोपहर 1 बजे लगी थी, जो शाम 6 बजे तक काबू में आई। बता दें कि फैक्ट्री में टार प्रोडक्शन का काम होता है, यहां बड़ी मात्रा में ऑयल-केमिकल का इस्तेमाल होता था जिससे आग फैली थी।

बताया जा रहा है घटना के बाद 2 फायर ब्रिगेड की गाड़ी पहुंची थी। 3 घंटे तक पानी की 4 टंकी खाली हो चुकी थी। लेकिन आग पर काबू नहीं पाया जा सका था।

इलाके में पानी का शॉर्टेज हुआ जिससे दूर के स्टेशन से फायर ब्रिगेड की व्यवस्था की जा रही थी। इसी बीच आग भड़क गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, फैक्ट्री परिसर से अचानक धुआं उठता दिखाई दिया। जिसके बाद कुछ ही मिनटों में आग की लपटें तेज हो गईं। फैक्ट्री में तार, ऑयल, केमिकल और कई ज्वलनशील पदार्थ होने के कारण आग तेजी से फैलने लगी। घटना स्थल पर मौजूद निरीक्षक राजेश सिंह ने बताया कि पुलिसकर्मी-फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर तत्परता दिखाते हुए तुरंत फैक्ट्री खाली कराई। जिससे किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। शॉर्ट सर्किट से घटना की आशंका जताई गई है। जिस कंपनी में आग लगी है, वो रायपुर निवासी धारीवाल परिवार की बताई जा रही है।

चीन की ओर मुड़ गए भारत आने वाले रूसी तेल के टैंकर

मॉस्को ने ड्रैगन को दे दिया बड़ा ऑफर

नई दिल्ली,7 फरवरी (एजेंसियां)। भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील ने रूसी तेल के आयात पर भी ब्रेक लगा दिए हैं। अमेरिका ने भारत पर लगाए 50 में से 25 फीसदी टैरिफ सिर्फ इसी शर्त पर हटाया है कि दिल्ली रूस से कच्चा तेल खरीदना बंद करे। साथ ही भारत को अब अमेरिका और वेनेजुएला से तेल खरीदना होगा। इसका असर दिखाई भी दिया। भारत ने अब रूस से तेल खरीदना काफी कम कर दिया है। वहीं रूस अब चीन को ज्यादा तेल बेच रहा है।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील के बाद रूस ने तेल की कीमत और घटा दी है। उसने चीन को सस्ता तेल खरीदने का ऑफर भी दिया है। रॉयटर्स के मुताबिक इस हफ्ते रूस से चीन को होने वाले तेल निर्यात पर छूट काफी बढ़ गई है। तेल बेचने वाले दुनिया के सबसे बड़े कच्चे तेल खरीदार, चीन से मांग बढ़ाने के लिए दाम कम कर रहे हैं। ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि भारत से होने वाली संभावित बिक्री में कमी की भरपाई की जा सके। अगर भारत ने रूस से तेल खरीदना बंद कर दिया, तो चीन ही सस्ते रूसी तेल का एकमात्र बड़ा खरीदार रह जाएगा। दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा तेल निर्यातक रूस पहले से ही पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के कारण भारत से घटती मांग से जूझ रहा है। इस वजह से रूस का तेल जहाजों में जमा हो रहा है।

स्वतंत्र रिफाइनर उठा रहे फायदा

जेपी मॉर्गन के विश्लेषकों (इनमें नताशा केनेवा भी शामिल हैं) ने 4 फरवरी के एक नोट में लिखा है कि चीन के स्वतंत्र रिफाइनर इस स्थिति का सबसे ज्यादा फायदा उठा रहे हैं। वे भारी छूट और घरेलू नीतियों के सहारे रूस से आने वाले ज्यादातर तेल को खरीद रहे हैं। इससे उनकी कमाई बढ़ रही है, उत्पादन बढ़ रहा है और रणनीतिक भंडार भी मजबूत हो रहा है।

क्या भारत बंद कर देगा आयात?

जेपी मॉर्गन के विश्लेषकों (इनमें नताशा केनेवा भी शामिल हैं) का मानना है कि अमेरिका के साथ ट्रेड डील के बाद भी भारत हर दिन 8 लाख से 10 लाख बैरल रूसी कच्चा तेल खरीदेगा। यह भारत के कुल कच्चे तेल आयात का 17 से 21% होगा।

पिछले साल जून में भारत रूस से हर दिन करीब 20 लाख बैरल तेल खरीद रहा था। केप्लर के आंकड़ों के मुताबिक जनवरी में भारत का रूसी तेल आयात घटकर 11 लाख बैरल प्रति दिन रह गया, जो नवंबर 2022 के बाद सबसे कम है। व्यापारिक सूत्रों के मुताबिक चीन को भेजे जाने वाले रूसी ईएसपीओ मिश्रण तेल पर छूट इस हफ्ते बढ़कर लगभग 9 डॉलर प्रति बैरल हो गई है। पिछले कुछ महीनों में यह छूट 7 से 8 डॉलर प्रति बैरल थी। वहीं बाल्टिक सागर से निर्यात होने वाले रूसी यूराल्स ग्रेड तेल पर छूट लगभग 12 डॉलर प्रति बैरल है। यही यूराल्स तेल आमतौर पर भारत को भेजा जाता है। सूत्रों का कहना है कि यह छूट और भी बढ़ सकती है। जानकारों के मुताबिक चीनी खरीदार हाल के महीनों में रूसी कच्चे तेल पर कई सालों की सबसे कम छूट का फायदा उठा रहे हैं। वे इतना ज्यादा रूसी तेल खरीद रहे हैं कि उन्होंने ईरान से तेल लेना भी कम कर दिया है। चूंकि भारत के पीछे हटने से छूट और भी ज्यादा होने की संभावना है, इसलिए आने वाले समय में भी ऐसा ही होता रहेगा।

रिलायंस की वेनेजुएला से डेढ़ साल बाद फिर दोस्ती

20 लाख बैरल तेल का बड़ा जहाज खरीदा

नई दिल्ली,7 फरवरी (एजेंसियां)। मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज ने वेनेजुएला से तेल खरीदना फिर से शुरू कर दिया है। यह लगभग डेढ़ साल बाद हुआ है। रिलायंस ने 20 लाख बैरल तेल का एक बड़ा जहाज खरीदा है। रूसी तेल पर अमेरिकी बैन के बाद भारत अपनी तेल की जरूरतें पूरी करने के लिए नए रास्ते तलाश रहा है। साथ ही अमेरिका के दखल के बाद वेनेजुएला का तेल फिर से बाजार में आ रहा है।

रिलायंस ने पिछले साल के मध्य से वेनेजुएला से तेल खरीदना बंद कर दिया था। अब उन्होंने फिर से यह खरीद शुरू की है। यह सौदा इसलिए भी खास है क्योंकि अमेरिका ने हाल ही में वेनेजुएला के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो पर कार्रवाई की है। इसके बाद अमेरिका ने वेनेजुएला के तेल उद्योग में भी कदम रखा है।हाल में भारत और अमेरिका के बीच एक ट्रेड डील हुई है। इस समझौते के तहत भारत के निर्यात पर लगने वाले टैक्स को कम किया गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस समझौते को रूस से तेल आयात बंद करने से जोड़ा था। हालांकि, भारत ने इस बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी है। भारत इससे पहले भी वेनेजुएला से तेल खरीदता

रहा है। रिलायंस भी अमेरिका की छूट के तहत पिछले साल तक वेनेजुएला से तेल आयात कर रहा था। साल 2019 में वेनेजुएला के कुल तेल निर्यात का लगभग 25% भारत को जाता था।यह वापसी भारत के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह तेल आपूर्ति में विविधता लाने की कोशिशों का हिस्सा है। अमेरिका की नई नीतियों ने वेनेजुएला के तेल को अंतरराष्ट्रीय बाजार में वापस लाने में मदद की है। रिलायंस का यह कदम भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में एक कदम माना जा रहा है। पिछले साल जून में भारत रूस से हर दिन करीब 20 लाख बैरल तेल खरीद रहा था। केप्लर के आंकड़ों के मुताबिक जनवरी में भारत का रूसी तेल आयात घटकर 11 लाख बैरल प्रति दिन रह गया, जो नवंबर 2022 के बाद सबसे कम है। जानकारों के मुताबिक भारत रूस से तेल खरीदना बंद नहीं करेगा। लेकिन इसमें कमी जरूर आएगी।

रेलवे स्टेशन अब 'सिटी सेंटर', 172 स्टेशनों का मेकओवर पूरा, क्या हुआ बदलाव?

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय रेलवे स्टेशनों के आधुनिकीकरण को लेकर लगातार काम कर रहा है। अब तक देश में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 172 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास का काम पूरा कर लिया गया है। रेल मंत्री ने लोकसभा में बताया कि,इन स्टेशनों को अब पहले से ज्यादा आधुनिक, सुविधाजनक और यात्रियों के लिए अधिक आरामदायक बनाया गया है।

योजना का उद्देश्य सिर्फ स्टेशन का सौंदर्यीकरण नहीं है, बल्कि इन्हें सिटी सेंटर के रूप में विकसित करना है। तैयार किए गए 172 स्टेशनों पर अब यात्रियों को एयरपोर्ट जैसी आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी। इन स्टेशनों पर यात्री संख्या के हिसाब से चौड़े फुटओवर ब्रिज, एस्केलेटर और लिफ्ट लगाए गए हैं। रेलवे ने स्टेशनों को इस तरह डिजाइन किया है कि वे शहर के दोनों हिस्सों को जोड़ने में मदद कर सकें। यहां रूफ प्लाजा, बेहतर वेटिंग हॉल और साफ-सुथरे शौचालय बनाए गए हैं। यात्रियों की सुविधा के लिए मल्टीमॉडल इंटीग्रेशन, कियोस्क, और हाईटेक पैसेंजर इन्फॉर्मेशन सिस्टम भी लगाया गया है। रेल मंत्री ने कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना की यह सिर्फ शुरुआत है। इस योजना के तहत देशभर में कुल 1,337 स्टेशनों को

पुनर्विकास के लिए चुना गया है। सभी स्टेशनों पर टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल सुविधाएं विकसित की जाएंगी। यात्रियों की संख्या को ध्यान में रखते हुए चौड़े फुटओवर ब्रिज, एस्केलेटर और लिफ्ट, बेहतर पार्किंग, पैसेंजर इंफॉर्मेशन सिस्टम जैसी सुविधाएं दी जा रही हैं। इसके साथ ही मल्टीमॉडल इंटीग्रेशन और यात्रियों के लिए कियोस्क जैसी व्यवस्था भी योजना का हिस्सा हैं। यात्री सुविधाओं के साथ साथ रेलवे ने सुरक्षा को भी प्राथमिकता दी है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि 2022 से दिसंबर 2025 के बीच 8,626 रेलवे पुलों की मरम्मत, मजबूती और पुनर्निर्माण का काम पूरा किया गया है। रेलवे के पुलों की जांच साल में दो बार अनिवार्य रूप से की जाती है। एक बार मानसून से पहले और दूसरी बार मानसून के बाद। जरूरत पड़ने पर चीफ ब्रिज इंजीनियर की सलाह पर कुछ पुलों की जांच अधिक बार भी कराई जाती है।

लोन-रिकवरी एजेंट अब ग्राहकों को परेशान नहीं कर सकेंगे

आरबीआई सख्त गाइडलाइंस लाएगा, मिस-सेलिंग भी रुकेगी; डिजिटल फ्रॉड पर 25,000 मुआवजा मिलेगा

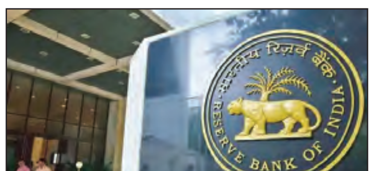

मुंबई,7 फरवरी (एजेंसियां)। बैंक से लोन लेने वाले और डिजिटल ट्रांजेक्शन करने वाले करोड़ों ग्राहकों के लिए राहत की खबर है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने लोन रिकवरी एजेंटों की मनमानी और बैंकों द्वारा की जा रही 'मिस-सेलिंग' पर लगाम लगाने के लिए सख्त गाइडलाइंस लाने का फैसला किया है।

मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की बैठक के बाद आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बताया कि केंद्रीय बैंक तीन नए ड्राफ्ट रेगुलेशन जारी करने जा रहा है। इनका मकसद ग्राहकों की सुरक्षा को मजबूत करना और बैंकों की जवाबदेही तय करना है। इन नियमों के लागू होने के बाद रिकवरी एजेंट ग्राहकों को डरा-धमका नहीं पाएंगे और न ही बैंक आपको ऐसा इंश्योरेंस या लोन दे पाएंगे, जिसकी आपको जरूरत नहीं है। आरबीआई गवर्नर ने साफ किया है कि लोन रिकवरी की प्रक्रिया में पारदर्शिता और नैतिकता लाने के लिए मौजूदा नियमों को और कड़ा किया जाएगा। अक्सर शिकायतें आती हैं कि रिकवरी एजेंट ग्राहकों को देर रात फोन करते हैं, उनके रिश्तेदारों को परेशान करते हैं या घर आकर बदतमीजी करते हैं। नए नियमों के तहत बैंक अब इन एजेंटों की हरकतों के लिए सीधे जिम्मेदार होंगे। अगर कोई एजेंट नियमों का उल्लंघन करता है, तो बैंक पर भारी जुर्माना लग सकता है।जब कोई ग्राहक बैंक में एफडी कराने या लोन लेने जाता है, तो बैंक कर्मचारी उसे लुभावने वादे करके कोई इंश्योरेंस पॉलिसी या इन्वेस्टमेंट प्लान बेच देते हैं। बाद में पता चलता है कि वह प्रोडक्ट ग्राहक के लिए फायदेमंद ही नहीं था। इसे ही 'मिस-सेलिंग' कहते हैं। आरबीआई अब इसके लिए सख्त गाइडलाइंस तय कर रहा है। बैंकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि वे ग्राहकों को वही प्रोडक्ट बेचें जो उनकी जरूरत और रिस्क लेने की क्षमता के अनुसार हो। डिजिटल पेमेंट करने वाले यूजर्स के लिए भी बड़ी घोषणा की गई है। आरबीआई ने प्रस्ताव दिया है कि छोटे वैल्यू के अनऑथराइज्ड डिजिटल ट्रांजेक्शन (धोखाधड़ी) होने पर ग्राहकों को 25,000 तक का मुआवजा दिया जा सकता है। इसके लिए एक नया फ्रेमवर्क तैयार किया जा रहा है।

भारत की 'आर्थिक ताकत' ने रचा इतिहास!

14 .36 अरब उछला फॉरेक्स रिजर्व, 723 अरब डॉलर के पार पहुंची भारतीय तिजोरी

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)।भारत के फॉरेक्स रिजर्व में लगातार चौथे हफ्ते इजाफा देखने को मिला है. खास बात तो ये है कि करीब एक महीने में भारत के फॉरेक्स में करीब 37 बिलियन डॉलर यानी 3.34 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का इजाफा देखने को मिला है. जिसकी वजह से देश की तिजोरी में फॉरेक्स रिकॉर्ड हाई पर पहुंच गया है.

खास बात ये है कि फॉरेक्स रिजर्व में इजाफे का प्रमुख कारण गोल्ड है. जिसमें 14.50 बिलियन डॉलर से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है. जबकि फॉरेन करेंसी असेट्स में मामूली गिरावट देखी गई है. जानकारों की मानें तो आरबीआई के खजाने में गोल्ड 137 अरब डॉलर को पार कर गया है. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर आरबीआई की ओर से फॉरेक्स रिजर्व के आंकड़े किस तरह के जारी किए गए हैं...

भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार देश का विदेशी मुद्रा भंडार 30 जनवरी को समाप्त सप्ताह के दौरान 14.36 अरब डॉलर बढ़कर 723.77 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया. इससे पिछले सप्ताह में कुल विदेशी मुद्रा भंडार 8.05 अरब डॉलर बढ़कर 709.41 अरब डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था. इससे भी पहले सितंबर, 2024 में विदेशी मुद्रा भंडार 704.89 अरब डॉलर की ऊंचाई पर पहुंचा था. खास बात तो ये है कि देश के फॉरेक्स रिजर्व में लगातार चौथे हफ्ते में तेजी देखने को मिली है. इन चार हफ्तों में देश के फॉरेक्स रिजर्व में 36.97 अरब डॉलर यानी 3.34 लाख करोड़ रुपए की बढ़ोतरी देखने को मिली है. जानकारों की मानें तो आने वाले दिनों में फॉरेक्स रिजर्व में और इजाफा देखने को मिल सकता है. केन्द्रीय बैंक द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, 30 जनवरी को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा माने जाने वाली फॉरेन करेंसी असेट्स में 49.3 करोड़ डॉलर घटकर 562.39 अरब डॉलर रह गईं. डॉलर के रूप में व्यक्त की जाने वाले फॉरेन करेंसी असेट्स में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर अमेरिकी मुद्राओं में मूल्य वृद्धि या मूल्यह्रास के प्रभाव शामिल होते हैं. रिजर्व बैंक ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 14.59 अरब डॉलर बढ़कर 137.68 अरब डॉलर हो गया. केंद्रीय बैंक ने बताया कि विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 21.6 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.95 अरब डॉलर हो गया आंकड़ों के अनुसार, समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत की आरक्षित स्थिति भी 4.4 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.74 अरब डॉलर हो गई.खास बात तो ये है कि फॉरेक्स रिजर्व के मामले में भारत दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा देश है. जिसके पास 723 अरब डॉलर से ज्यादा फॉरेक्स रिजर्व है. आंकड़ों को देखें फॉरेक्स रिजर्व के आंकड़ों के मामले में भारत रूस से सिर्फ 100 अरब डॉलर कम है. मौजूदा समय में रूस का फॉरेक्स रिजर्व 826.80 अरब डॉलर है. वहीं स्विट्जरलैंड का फॉरेक्स रिजर्व 1000 अरब डॉलर के पार पहुंच गया है.

चीन फॉरेक्स रिजर्व के मामले में दुनिया का सबसे बड़ा देश है. जिसके पास फॉरेक्स रिजर्व 3 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा है. उसके बाद जापान का नंबर है, जिसके फॉरेक्स 1.3 ट्रिलियन डॉलर है.

एसबीआई का मुनाफा 13% बढ़कर 21,317 करोड़

तीसरी तिमाही में टोटल इनकम 1.85 लाख करोड़ रही, एक साल में शेयर ने 45% रिटर्न दिया

मुंबई, 7 फरवरी (एजेंसियां)। देश के सबसे बड़े सरकारी लेंडर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया को वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में 21,317 करोड़ रुपए का कंसॉलिडेटेड मुनाफा हुआ। सालाना आधार पर यह 13% बढ़ा है। पिछले साल की समान तिमाही में एसबीआई को 18,853 करोड़ का मुनाफा हुआ था। अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में स्टेट बैंक की टोटल इनकम 1.85 लाख करोड़ रुपए रही। पिछले साल की समान तिमाही में यह 1.67 लाख करोड़ रुपए थी। सालाना आधार पर यह 11% बढ़ी है। वहीं तीसरी तिमाही में एसबीआई की इंटरेस्ट अर्निंग 1.30 लाख करोड़ रुपए रही। पिछले साल की समान तिमाही में यह 1.24 लाख करोड़ रुपए थी। सालाना आधार पर यह 5% बढ़ी है।तीसरी तिमाही के दौरान बैंक का स्टैंडअलोन नेट एनपीए यानी नॉन परफॉर्मिंग एसेट 16% कम होकर 18,012 करोड़ रुपए रह गया है। अक्टूबर-दिसंबर 2025 के दौरान यह 21,377 करोड़ रुपए था।कंपनियों के रिजल्ट दो भागों में आते हैं- स्टैंडअलोन और कंसॉलिडेटेड। स्टैंडअलोन में केवल एक सेगमेंट या यूनिट का वित्तीय प्रदर्शन दिखाया जाता है। जबकि, कंसॉलिडेटेड या समेकित फाइनेंशियल रिपोर्ट में पूरी कंपनी की रिपोर्ट दी जाती है एनपीए यानी नॉन-परफॉर्मिंग असेट एक ऐसा बैंक लोन या क्रेडिट होता है, जिसका भुगतान उधार लेने वाला व्यक्ति या संस्था समय पर नहीं कर पाता। आसान भाषा में, अगर कोई व्यक्ति या कंपनी बैंक से लिया गया कर्ज (लोन) की किस्त या ब्याज 90 दिन या उससे ज्यादा समय तक नहीं चुकाता, तो वह लोन एनपीए बन जाता है।इससे बैंक को नुकसान होता है, क्योंकि उस पैसे की वसूली मुश्किल हो जाती है। मान लीजिए, आपने बैंक से 10 लाख का लोन लिया और 3 महीने से ज्यादा समय तक उसकी ईएमआई नहीं भरी, तो वह लोन एनपीए माना जाएगा।शुक्रवार को एसबीआई का शेयर 0.70% गिरकर 1,066 रुपए पर बंद हुआ। एक महीने में यह 6% और एक साल में 45% चढ़ा है।

बीते 6 महीने में बैंक का शेयर 32% से ज्यादा चढ़ा है। एसबीआई का मार्केट कैप 9.84 लाख करोड़ रुपए है।एसबीआई देश का सबसे बड़ा सरकारी बैंक है। एसबीआई में सरकार की 55.5% हिस्सेदारी है।

कमाई का महा-मौका: सेबी से 8 नए आईपीओ को मिला ग्रीन सिग्नल, निवेशकों की लगेगी लॉटरी!

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी ने 8 आईपीओ को मंजूरी दे दी है, जिससे फाइनेंशियल सर्विसेज, इंफ्रा, इंजीनियरिंग, एजुकेशन और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर्स में नए प्रस्तावों का रास्ता खुल गया है. मंजूरियों में इनक्रेड होल्डिंग्स सबसे प्रमुख है. खास बात तो ये है कि मौजूदा साल में भी कई आईपीओ शेयर बाजार में आने वाले हैं. जिनमें सबसे प्रमुख आईपीओ जियो प्लेटफॉर्म और एनएसई का है. जिनका साइज 20 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का है.

जियो के आईपीओ का साइज इससे कहीं आगे की ओर जा सकता है. साथ ही मौजूदा साल में आईपीओ के लिहाज से पुराने सारे रिकॉर्ड भी टूट सकते हैं. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर सेबी की ओर से कौन कौन सी 8 कंपनियों को सेबी की ओर से आईपीओ लाने की मंजूरी मिल गई है. इनक्रेड होल्डिंग्स, इनक्रेड फाइनेंशियल सर्विसेज की 100 फीसदी होल्डिंग कंपनी है, जो भारत की सबसे तेजी से बढ़ती नेक्स्ट जेन की नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनियों (एनबीएफसी) में से एक है.इनक्रेड ग्रुप ने पर्सनल लोन, स्टूडेंट लोन, स्पेशल एमएसएमई लोन, सेफ कमर्शियल लोन और फाइनेंस इंस्टीट्यूशंस को ऋण देने सहित डायसर्विफाइड लोन डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क स्थापित किया है. स्थापना के बाद से, इस प्लेटफॉर्म ने 140 से अधिक शाखाओं और 2,600 से अधिक कर्मचारियों के नेटवर्क के माध्यम से 4 लाख से अधिक ग्राहकों को 25,000 करोड़ रुपए से अधिक के लोन डिस्ट्रीब्यूट किए हैं. वित्त वर्ष 2025 तक, इनक्रेड फाइनेंस ने 12,585 करोड़ रुपए की प्रबंधित संपत्ति दर्ज की, जो टेक बेस्ड अंडरराइटिंग और अनुशासित जोखिम प्रबंधन द्वारा समर्थित 39 फीसदी की सालाना ग्रोथ दर्शाती है. इंजीनियरिंग कंसल्टेंसी फर्म आरवी इंजीनियरिंग कंसल्टेंट्स को भी अपने आईपीओ के लिए मंजूरी मिल गई है. इसमें 202.5 करोड़ रुपए का फ्रेश इश्यू और प्रमोटर वेंकटचला चक्रपाणि रेडला द्वारा 67.5 लाख इक्विटी शेयरों की बिक्री शामिल होगी. कंपनी टांसपोर्ट, वॉटर और शहरी विकास क्षेत्रों में इंफ्रास्ट्रक्चर इंजीनियरिंग और प्रोजेक्ट मैनेज्मेंट

सर्विस प्रोवाइड करती है.आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर और सिस्टम इंटीग्रेटर एआरमी इन्फोटेक को सेबी से 300 करोड़ रुपए के प्योर फ्रेश इश्यू के लिए मंजूरी मिल गई है.

अहमदाबाद में मुख्यालय वाली यह कंपनी 14 स्थानों पर कार्यरत है और सरकार, बीएफएसआई, कॉर्पोरेट और शिक्षा क्षेत्र के ग्राहकों को आईटी हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर डिप्लॉयमेंट से लेकर मैनेज्ड सर्विसेज और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स तक की सर्विसेज प्रोवाइड प्रदान करती है. कोलकाता स्थित केबल और कंडक्टर मेकर लेजर पावर एंड इंफ्रा को अपने आईपीओ के माध्यम से 1,200 करोड़ रुपए जुटाने की मंजूरी मिल गई है. कंपनी 5,500 करोड़ रुपए से 6,500 करोड़ रुपए के वैल्यूएशन का लक्ष्य रख रही है. इस इश्यू का उद्देश्य अपनी बैलेंस शीट को मजबूत करना और विस्तार योजनाओं को समर्थन देना है. शिक्षा इंफ्रा प्लेटफॉर्म एलिवेट कैम्पस को अपने 2,550 करोड़ रुपए के आईपीओ के लिए मंजूरी मिल गई है, जो पूरी तरह से नया इश्यू होगा. कंपनी छात्र आवास और कैंपस इंफ्रा के विकास और संचालन पर ध्यान केंद्रित करती है और एनएसई और बीएसई दोनों पर सूचीबद्ध होने की योजना बना रही है. ज्वेलरी रिटेलर शंकरेश ज्वेलर्स को एक छोटे आकार के आईपीओ के लिए मंजूरी मिल गई है, जिसमें 3 करोड़ रुपए तक का नया इश्यू और 1 करोड़ रुपए तक का ऑफर फॉर सेल शामिल है. इसके शेयर एनएसई और बीएसई पर लिस्टेड होंगे. मेटल रीसाइकिल और रिकवर कंपनी कंपनी अर्डी इंडस्ट्रीज को एक आईपीओ के लिए मंजूरी मिल गई है, जिसमें 320 करोड़ रुपए तक का नया इश्यू और 3.77 करोड़ शेयरों तक का ऑफर फॉर सेल शामिल है. 1995 में स्थापित यह कंपनी सीसा रीसाइकिल, गलाने और शोधन के क्षेत्र में काम करती है.

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

कुंडली: बुध शुक्र राहु ११; शनि १२; सूर्य मंगल १०; ९; ८; १; चंद्र ७; २; ४; ६; ३ गुरु; ५ केतु

गृह स्थिति			लग्नारभ समय
सूर्य	मकर	मे	मकर...05-16 बजे
चंद्र	तुला	मे	कुंभ....07-06 बजे
मंगल	मकर	मे	मीन....08-45 बजे
बुध	कुंभ	मे	मेष.....10-21 बजे
गुरु	मिथुन	मे	वृष.... 12-05 बजे
शुक्र	कुंभ	मे	मिथुन..14-05 बजे
शनि	मीन	मे	कर्क... 16-18 बजे
राहु	कुंभ	मे	सिंह---18-30 बजे
केतु	सिंह	मे	कन्या--20-37 बजे
			तुला---22-42 बजे
			वृश्चिक.00-52 बजे
			धनु.....03-05 बजे

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे ,ऋतु- शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426874
कलियुग संवत् - 5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885126
सूर्योदय 06-49
सूर्यास्त. 18-11
दिशाशूल - पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
मास - फाल्गुन कृष्ण पक्ष रविवार 08 February 2026
तिथि - सप्तमी 05-00 रात तक उपरान्त अष्टमी
नक्षत्र - स्वाति 05-02 रात तक उपरान्त विशाखा
योग - गण्ड 00-08 रात तक उप. वृद्धि
करण - विष्टी (भद्रा) 15-54 तक बव

भद्रा काल 15-54 तक

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 16-48 से 18-14 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया	रात का चौघड़िया
उत्पात06-49 - 08-13 अशुभ	शुभ। 18-11 - 19-48 शुभ
चंचल 08-13 - 09-39 शुभ	अमृत 19-48 - 21-22 शुभ
लाभ 09-39 - 11-05 शुभ	चंचल 21-22 - 22-56 शुभ
अमृत 11-05 - 12-30 शुभ	रोग 22-56 - 00-30 अशुभ
काल 12-30 - 13-56 अशुभ	काल 00-30 - 02-04 अशुभ
शुभ 13-56 - 15-22 शुभ	लाभ 02-04 - 03-39 शुभ
रोग 15-22 - 16-48 अशुभ	उत्पात03-39 - 05-13 अशुभ
उत्पात16-48 - 18-11 अशुभ	शुभ 05-13 - 06-49- शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,) — कार्यालय के लंबित काम आज आपको तनाव दे सकते हैं। आज आपको देर तक कार्यालय में काम करना पड़ सकता है । ये मुश्किल समय भी थोड़े समय के लिए है । पिछले सप्ताह की आपकी बोरियत और आलस्य आप पर आज नकारात्मक प्रभाव डालेगा । आप आज दूसरों के साथ सौम्य और विनम्र रहे अन्यथा आप विवाद में फँस सकते हैं।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,) — भावनात्मक जागरूकता आपके करियर के विकास में सहायक होती है, जबकि विवरण पर गहन ध्यान आपके प्रदर्शन को निखारता है। चुनौतियों से निपटने और आंतरिक अवरोधों को दूर करने के लिए दृढ़ संकल्प आवश्यक है। परस्पर विरोधी जिम्मेदारियाँ आपके संकल्प की परीक्षा ले सकती हैं।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,) — आज आपको अपनी आय और व्यय का संतुलन करना मुश्किल होगा । आज अपनी आय की वृद्धि के लिए एक दूसरी नौकरी की तलाश शुरू करने के लिए भी ये सबसे अच्छा दिन है। आपको अपनी पसंद के हिसाब से कुछ कार्य मिल सकता है और यह अगले कुछ वर्षों में आपके प्राथमिक कार्य बनने की क्षमता रखता है ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,) — आप सक्रिय हैं और आज आपकी सक्रिय प्रकृति आपको शीर्ष पर रखेगी । आप सभी गतिविधियों के केंद्र पर हैं । आप बहुत अच्छा कर रहे हैं। बस अपनी गति को बनाए रखने और आगे बढ़ते रहे । अब भी लक्ष्य को हासिल करने के लिए बहुत कुछ है। आप अपने कार्य क्षेत्र को व्ययवस्थित रखें और समय-समय पर अपने दस्तावेजों को देखते रहे ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,) — कुछ दिनों से आपके कार्य क्षेत्र में चीज़े आपके अनुसार नहीं चल रही थी परन्तु अब कुछ सुधार आने की उम्मीद है । आपको ये याद रखना होगा की कार्य क्षेत्र के मित्रो के साथ मैत्रीपूर्ण व्ययहार रखने से आप शांति से काम में सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं । अगर आप थोड़ी सी नरमी दिखाए तो कार्य क्षेत्र के मित्रो के साथ आप शांत माहौल का मजा ले सकते है ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — आपका करियर दिग्गजों से प्रभावित होगा। आपमें कर्तव्य की भावना बढ़ सकती है। धैर्य रखना ज़रूरी होगा, संभवतः इससे आंतरिक तनाव पैदा हो सकता है। किसी भी बाधा से निपटने के लिए कूटनीति महत्वपूर्ण है। संकोच और बीमारी के प्रति सतर्क रहें, और अपने काम की ज़िम्मेदारियों पर ध्यान केंद्रित रखें।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,) — आज आपके कार्यालय में आपके और औरो के विचारो में भिन्नता रहेगी चाहे वह आपका सहकर्मी , उच्च अधिकारी या आपका मालिक हो चाहे वो कोई भी हो पर निष्चय ही ये आपके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगा इसलिए आपको शांत मस्तिष्क से काम लेना है ताकि आप वाद विवाद से बचे रहे ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,) — काम के प्रयोजन के लिए आप यात्रा कर सकते है । विदेश यात्रा का भी योग है। आपकी कंपनी आपको दूसरे देश में भेज सकती हैं , या कार्य प्रयोजनों के लिए आपके वीजा को मंज़ूरी आज मिल सकती है। हालांकि अगर आप पहले से ही अपने कैरियर के लिए एक विदेशी देश में तैनात हैं , तो निकट भविष्य में अपने गृहनगर या देश में लौटने की उम्मीद कम है।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे) — आपकी रचनात्मकता सबसे अलग है, जो आपको काम पर एक मजबूत छाप छोड़ने में मदद करती है। अपनी दिनचर्या में किसी भी व्यवधान को संतुलित करने के लिए अनुशासित और स्थिर रहें। आप आंतरिक तनाव या सख्त मानसिकता महसूस कर सकते हैं, इसलिए लचीला बने रहने पर ध्यान दें।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) — बड़े रोजगार के अवसर आप का इंतजार कर रहे हैं! ध्यान से इस बारे में सोचे और आपके पूर्ण संतुष्ट होने पर अपने करियर की दिशा परिवर्तित करे । आपका सहकर्मी नौकरी को त्याग सकता है और उसकी जगह आप किसी जरूरतमंद को अपने यहाँ काम पर लगवा सकते है ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,) — धन से संबंधित कुछ समस्याए आ सकती है । आपको ये समझना होगा की कौन सा खर्च जरुरी और गैर जरुरी है अन्यथा आपको वित्तीय संकट से गुजरना पड़ सकता है । अगर आप अपनी आय बढ़ाना चाहते है तो आपको कुछ नवीनतम प्रोद्योगिकी का समावेश करना होगा और वो आप पर निर्भर करेगा की आप उसका कितना फायदा उठा सकते है।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची) — आपका करिश्मा आत्मविश्वास बढ़ाता है और आपको पेशेवर रूप से अलग दिखने में मदद करता है। एक अनुशासित मानसिकता स्थिर प्रगति का समर्थन करती है, जबकि आशावाद की भावना विकास के द्वार खोलती है। रिश्तों में तनाव पैदा हो सकता है, इसलिए स्पष्ट और दिल से संवाद करना महत्वपूर्ण है।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

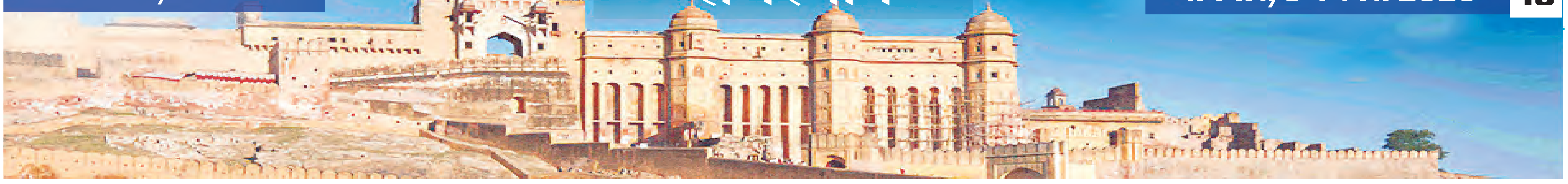

'राजनीति सेवा है, धंधा नहीं' : किरोड़ी लाल के हमले से बढ़ा सियासी तापमान, कांग्रेस पर लगाए गंभीर आरोप

दौसा, 7 फरवरी (एजेंसियां)। दौसा जिले की राजनीति में एक बार फिर बयानबाजी को लेकर गर्माहट बढ़ गई है। कैबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने कांग्रेस विधायक दीनदयाल बेरवा पर सार्वजनिक रूप से तीखा जुबानी हमला बोलते हुए कई गंभीर आरोप लगाए हैं। यह पूरा मामला सरकारी जमीन से अतिक्रमण हटाने की प्रशासनिक कार्रवाई के दौरान सामने आया, जिसके बाद जिले का राजनीतिक माहौल अचानक गरमा गया।

अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई पर उठा विवाद

मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि जब प्रशासन सरकारी जमीन से अवैध अतिक्रमण हटाने पहुंचा, तो वहां क्षेत्रीय विधायक की मौजूदगी पर सवाल खड़े होते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विधायक ने एक महिला पटवारी को धमकाया और कथित तौर पर यह कहा कि "मेरे लोगों ने कब्जा किया है।" मंत्री ने इस पूरे घटनाक्रम को राजनीति में गलत हस्तक्षेप बताते हुए कहा कि जनप्रतिनिधियों का काम प्रशासनिक कार्रवाई में बाधा डालना नहीं, बल्कि कानून व्यवस्था का समर्थन करना होना चाहिए।

"राजनीति सेवा है, धंधा नहीं"

अपने बयान में मंत्री ने कहा कि राजनीति सेवा का माध्यम होनी चाहिए, न कि व्यक्तिगत लाभ या "धंधे" का जरिया। उन्होंने विपक्षी नेताओं पर जमीन से जुड़े मामलों में संलिप्तता और दबाव की राजनीति करने के आरोप लगाए। मंत्री ने यह भी टिप्पणी की कि कुछ लोग विशेषाधिकार प्रस्ताव की बात करते हैं, जबकि उन्हें जमीन कब्जे के "विशेषाधिकार" की चिंता ज्यादा दिखाई देती है। उनके इस बयान से राजनीतिक हलकों में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है।

दबाव और जातिवाद पर हमला

मंत्री ने आगे कहा कि प्रशासन पर दबाव बनाना और जातिगत विद्वेष फैलाना लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए घातक है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जमीन से जुड़े कारोबार में कुछ लोग माफिया तत्वों के साथ जुड़े हुए हैं, जो क्षेत्र की जनता के लिए दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है। हालांकि, इन आरोपों पर संबंधित विधायक या कांग्रेस की ओर से अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

राष्ट्रीय राजनीति पर भी साधा निशाना

अपने वक्तव्य के दौरान मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने राष्ट्रीय राजनीति का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि आज की राजनीति भटकती नजर आ रही है। संसद के हालिया घटनाक्रमों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा बनाए रखना सभी जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है और किसी भी तरह का टकराव लोकतंत्र के लिए उचित संकेत नहीं देता।

जिले में सियासी हलचल तेज

इस पूरे घटनाक्रम के बाद दौसा जिले में राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गई हैं। भाजपा और कांग्रेस समर्थकों के बीच बयानबाजी का दौर जारी है। फिलहाल मामला राजनीतिक स्तर पर ही सीमित नजर आ रहा है, लेकिन आने वाले दिनों में इस पर आधिकारिक प्रतिक्रियाएं और स्पष्टीकरण सामने आने की संभावना है। स्थानीय स्तर पर प्रशासनिक कार्रवाई और राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप ने माहौल को गरमा दिया है, जिससे जिले की सियासत में हलचल बनी हुई है।

पैंथर और युवक आमने-सामने

दोनों में हुआ जबरदस्त संघर्ष, पैंथर की मौत हो गई, व्यक्ति बुरी तरह घायल हो गया

अलवर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। अलवर जिले के नारायणपुर उपखंड क्षेत्र में शनिवार सुबह एक व्यक्ति पर पैंथर ने हमला कर दिया। उस दौरान पैंथर और व्यक्ति के बीच आपस में संघर्ष हुआ। बचाव को लेकर एक दूसरे पर हुए हमले में पैंथर की मौत हो गई, जबकि व्यक्ति बुरी तरह घायल हो गया। घटना की सूचना पर घायल को नारायणपुर अस्पताल पहुंचाया। जहां से उसे अलवर रेफर कर दिया। जहां घायल श्रवण का उपचार किया जा रहा है। घटना नारायणपुर उपखंड क्षेत्र के खरकड़ी कलां की ढाणी नींबू वाली की है। जहां श्रवण गुर्जर (48) पुत्र भोमाराम सुबह जंगल के पास नदी में बकरियों के लिए चारा लेने गया था।

इस दौरान पैंथर वहां बैठा हुआ था, जिसने व्यक्ति पर हमला कर दिया। अपनी आत्मरक्षा के लिए व्यक्ति ने भी पैंथर पर हमला कर दिया। एक दूसरे पर हमले में पैंथर की मौत हो गई और श्रवण बुरी तरह घायल हो गया। घटना की सूचना पर वन विभाग की टीम और ग्रामीण मौके पर पहुंचे और घायल युवक को अस्पताल लेकर गए, जहां से उसे अलवर रेफर कर दिया।

वन विभाग के मनोज नागा ने बताया कि सुबह सूचना मिली कि पैंथर और एक व्यक्ति के हमले में पैंथर की मौत हो गई। घटना की सूचना पर विभाग की टीम मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली गई। ग्रामीणों ने वन विभाग से मौके पर ही मौका रिपोर्ट देने तथा घायल का मुआवजा देने की मांग पर घटना स्थल पर बैठ गए। बानसूर विधायक देवी सिंह शेखावत ने घटना की सूचना उपवन संरक्षक सरिस्का को दी, तथा ग्रामीणों की मांग मांगने को कहा गया। इस पर पंचनामा रिपोर्ट मौके पर ही दी गई। करीब साढ़े बारह बजे वन विभाग ने पंचनामा रिपोर्ट मौके पर देने और मुआवजा देने के आश्वासन के बाद ग्रामीण मौके से उठे। इस दौरान युवा नेता राकेश दायमा, पूर्व उप प्रधान मातादीन गुर्जर, सरपंच भागीरथ सैनी और झाबर मल गुर्जर सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

स्कूलों पर भी होगी 'एक्सपायरी डेट', भजनलाल सरकार के प्लान से बदल जाएगी स्कूलों की सूरत

जयपुर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने घोषणा की है कि प्रदेश के जर्जर स्कूलों का नया निर्माण होगा। खास बात यह है कि नई इमारतों पर 'निर्माण' के साथ 'एक्सपायरी डेट' भी लिखी जाएगी, ताकि समय पूरा होने पर उन्हें गिराकर बच्चों को हादसों से बचाया जा सके। इस प्रोजेक्ट पर केंद्र और राज्य मिलकर 1575 करोड़ रुपये खर्च करेंगे, जिससे स्कूलों में बेहतर संसाधन उपलब्ध होंगे।

जयपुरः राजस्थान के सरकारी स्कूलों की सूरत जल्द ही बदलने वाली है। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने प्रदेश के जर्जर स्कूल भवनों को लेकर एक ऐसी अनूठी योजना पेश की है, जो मुमकिन है देश में पहली बार देखने को मिले। अब स्कूलों की नई इमारतों पर उनके निर्माण की तारीख के साथ-साथ उनकी 'एक्सपायरी डेट' भी लिखी जाएगी।

शिक्षा मंत्री ने बताया कि अक्सर भवन पुराने और जर्जर होने के बावजूद सालों तक इस्तेमाल में लिए जाते हैं, जिससे बच्चों की जान का जोखिम बना रहता है। अब दीवारों पर एक्सपायरी डेट अंकित होने से प्रशासन को पता रहेगा कि कब बिल्डिंग का इस्तेमाल बंद कर उसे गिराना है। मंत्री दिलावर ने स्पष्ट किया कि हमारी सरकार बच्चों की सुरक्षा के प्रति बेहद संवेदनशील है और हम नहीं चाहते कि किसी भी जर्जर छत के नीचे भविष्य के निर्माण की नींव रखी जाए।

स्कूलों के इस कायाकल्प के लिए बजट का पूरा खाका तैयार कर लिया गया है। इस महाप्रोजेक्ट पर 1575 करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च किए जाएंगे। इसमें से 575 करोड़ रुपये राज्य सरकार खर्च कर रही है, जबकि 1000 करोड़ रुपये का बड़ा सहयोग केंद्र सरकार से मिलेगा। इस राशि से न केवल नई बिल्डिंग्स बनेंगी, बल्कि आधुनिक संसाधन भी जुटाए जाएंगे।

विधानसभा में जब कांग्रेस विधायक शांति धारीवाल ने जर्जर स्कूलों के मुद्दे पर सरकार को घेरा, तो दिलावर ने तीखा पलटवार किया। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकार के दौरान निर्माण कार्यों में हुए भ्रष्टाचार की वजह से स्कूल भवन इतने कम समय में जर्जर हो गए। उन्होंने कहा कि पुरानी खामियों को सुधारते हुए अब पूरी प्रतिबद्धता के साथ स्कूलों का कायाकल्प किया जा रहा है।

कब से शुरू होगी सरकारी 'भारत टैक्सी' सेवा?

जयपुर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। देश के टैक्सी सेक्टर में एक नए युग की शुरुआत हो चुकी है। केंद्र सरकार ने 'सहकार से समृद्धि' के मंत्र के साथ 'भारत टैक्सी' ऐप लॉन्च कर दिया है। यह कोई साधारण प्राइवेट कंपनी नहीं, बल्कि दुनिया का सबसे बड़ा कोऑपरेटिव (सहकारी) टैक्सी प्लेटफॉर्म है। राजस्थान, जो अपनी पर्यटन अर्थव्यवस्था के लिए पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है, वहां इस सेवा का आना न केवल यात्रियों के लिए जेब राहत की खबर होगा, बल्कि हजारों टैक्सी ड्राइवरों के लिए शोषण से आजादी का मार्ग भी है।

क्या है 'भारत टैक्सी'?

'भारत टैक्सी' एक सरकारी और सहकारी मॉडल पर आधारित ऐप है, जिसे ओला और उबर जैसी प्राइवेट कंपनियों के विकल्प के रूप में पेश किया गया है। इसका संचालन 'सहकार टैक्सी कोऑपरेटिव लिमिटेड' द्वारा किया जा रहा है।

- इस ऐप की सबसे बड़ी खूबी यह है कि इसमें टैक्सी चलाने वाला ड्राइवर (जिसे 'सारथी' कहा गया है) ही इस प्लेटफॉर्म का हिस्सेदार यानी मालिक है।
- जहाँ प्राइवेट कंपनियां हर राइड पर 20% से 30% तक कमीशन काटती हैं, वहीं भारत टैक्सी में ड्राइवर से कोई कमीशन नहीं लिया जाएगा।

राजस्थान में क्यों है ज्यादा जरूरत?

राजस्थान एक 'टूरिज्म हब' है। जयपुर, जोधपुर, उदयपुर और जैसलमेर जैसे शहरों में विदेशी और घरेलू पर्यटकों की भारी आवाजाही रहती है।

पर्यटकों का भरोसाः अक्सर पर्यटकों को प्राइवेट कैब में 'सर्ज प्राइसिंग' (पीक आवर्स में बढ़ा हुआ किराया) और अनिश्चितता का सामना करना पड़ता है। सरकारी भरोसे वाली 'भारत टैक्सी' आने से पर्यटकों के बीच 'ट्रस्ट फैक्टर' बढ़ेगा।

सस्ती राइडः राजस्थान के आम नागरिकों को अब प्राइवेट टैक्सी ऑपरेटर्स के मनमाने किराए से राहत मिलेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत टैक्सी का किराया अन्य ऐप्स के मुकाबले 20% से 30% तक कम हो सकता है।

राजस्थान में कब और कहाँ होगी शुरुआत?

वर्तमान में इस सेवा का दिल्ली-NCR और गुजरात में सफल पायलट ट्रायल पूरा हो चुका है और 5 फरवरी को इसे आधिकारिक तौर पर लॉन्च कर दिया गया है।

विस्तार योजनाः केंद्र सरकार का लक्ष्य अगले दो वर्षों के भीतर इसे देश के हर राज्य और शहर में पहुँचाना है।

राजस्थान के 'टॉप' शहरः उम्मीद है कि अगले चरण में राजस्थान के जयपुर, जोधपुर, उदयपुर और कोटा जैसे महानगरों में 'भारत टैक्सी' के सपोर्ट सेंटर स्थापित किए जाएंगे।

समग्र शिक्षा के दो कनिष्ठ अभियंता रिश्वत लेते पकड़े गए

भरतपुर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। भरतपुर में भ्रष्टाचार के खिलाफ एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए समग्र शिक्षा विभाग के अंतर्गत कार्यरत दो कनिष्ठ अभियंताओं को 23,400 की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई एसीबी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित सिंह के नेतृत्व में की गई। एक संवेदक ने एडीपीसी समग्र शिक्षा, भरतपुर के तहत भवन निर्माण कार्य पूरा किया था। कार्य पूर्ण होने के बाद उसकी सुरक्षा जमा राशि 3 लाख 70 हजार थी। आरोप है कि इस राशि की वापसी के एवज में कनिष्ठ अभियंताओं द्वारा 7.1 प्रतिशत के हिसाब से 23,400 की रिश्वत की मांग की जा रही थी। लगातार रिश्वत की मांग से परेशान होकर संवेदक ने एसीबी में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के सत्यापन के बाद आरोप सही पाए गए, जिसके बाद एसीबी ने योजनाबद्ध तरीके से ट्रैप कार्रवाई को अंजाम दिया।

पेड़ काटने के विवाद ने लिया हिंसक रूप

चचेरे भाई ने कुल्हाड़ी से की किसान की हत्या

अलवर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। अलवर जिले के बगड़ तिराया थाना क्षेत्र में पेड़ काटने को लेकर हुए आपसी विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। गांव बेरे में चचेरे भाई ने कुल्हाड़ी से हमला कर अपने ही भाई की हत्या कर दी। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई, वहीं गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है।

नीम के पेड़ को काटने को लेकर विवाद हुआ। इसी दौरान चचेरे भाई फकरू ने 65 वर्षीय बली पर कुल्हाड़ी से सिर पर वार कर दिया। हमले में बली गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे आनन-फानन में जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन सिर से अत्यधिक रक्तस्राव होने के कारण डॉक्टर उसे बचा नहीं सके। अस्पताल में डॉक्टरों ने बली को मृत घोषित कर दिया।

हमले में मृतक का बेटा अकबर हुसैन भी गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि तीन महिलाओं को मामूली चोटें आई हैं। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। बताया गया है कि मृतक बली खेती-किसानी करता था और उसके सात बच्चे हैं। जिस नीम के पेड़ को लेकर विवाद हुआ, वह बली के खेत और घर के पास उसकी जमीन में स्थित था। मृतक के भाई इमामुद्दीन ने बताया कि नीम का पेड़ बली के हिस्से में आता था। उसका चचेरा भाई फकरू जबरन पेड़ काटना चाहता था, जिसको लेकर पिछले कई दिनों से दोनों के बीच कहासुनी चल रही थी। फकरू टाचिये (कुल्हाड़ी) से पेड़ काट रहा था। जब बली ने उसे रोकने की कोशिश की, तो फकरू ने उसके सिर पर कुल्हाड़ी से वार कर दिया और कुल्हाड़ी को सिर में फंसाकर मौके से फरार हो गया।

33 बीघा जमीन, आलीशान मकान और महंगी कारें

शेखावाटी में गोल्ड लोन घोटाले का मास्टरमाइंड निकला करोड़पति

झुंझुनू, 7 फरवरी (एजेंसियां)। झुंझुनूं के नवलगढ़ स्थित पीएनबी बैंक शाखा में सामने आया घोटाला बैंकिंग सेक्टर के सबसे बड़े घोटालों में से एक बताया जा रहा है। 6.50 करोड़ रुपए के गोल्ड लोन घोटाले मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी बैंक के तत्कालीन मुख्य प्रबंधक अमित जांगिड़ और बीसी संतोष सैनी गिरफ्तार कर लिया है। हैरान करने वाली बात यह है कि मास्टरमाइंड करोड़ों की संपत्ति का मालिक निकला, जिसने घोटाले की रकम से आलीशान मकान, जमीन और महंगी कारें खरीदी।

गोल्ड लोन घोटाले के मास्टरमाइंड अमित जांगिड़ के पास अकूत संपत्ति के सबूत मिले हैं। अमित के पास सीकर के पॉश इलाके में 3 मंजिला निर्माणाधीन मकान, सीथल गांव में बड़ा डेयरी फार्म है। जिसमें 100 से अधिक देशी व विदेशी नस्ल की गाय पाल रखी हैं। उसके पास 2 महंगी कार, एक बुलेट मोटरसाइकिल और डेयरी में 2 पिकअप गाड़ी भी मिली। अमित जांगिड़ ने पत्नी के नाम गुढ़ा में जमीन खरीद रखी है।

पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अलावा अमित जांगिड़ के पास अन्य संपत्ति की जानकारी भी मिली। जिसमें उसने अपनी डेयरी वाली जमीन के पास 5 वर्ष पूर्व 15 बीघा जमीन खरीदी, गांव में ही एक दूसरी जगह 11 बीघा जमीन खरीदी और इस जमीन पर ट्यूबवैल भी बनवा रखा है। इसके अलावा सीथल में ही 2 साल पूर्व 7 बीघा जमीन और भी खरीदने की जानकारी मिली है। पुलिस इसकी भी जांच कर रही है।

झुंझुनूं पुलिस अधीक्षक बृजेश ज्योति उपाध्याय ने बताया कि मुख्य आरोपी अमित जांगिड़ ने बीसी संतोष सैनी के जरिए लोगों के नाम फर्जी गोल्ड लोन खाते खोले। इसके लिए संतोष सैनी को मोटी रकम व गोल्ड का लालच दिया। अमित जांगिड़ ने अपनी महिला मित्र को बैंक में जमा सोना देकर अन्य बैंकों से गोल्ड लोन भी दिलवा रखा था।

मुख्य आरोपी अमित पुलिस को मथुरा रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म पर पटरी के पास बैठा मिला। शक होने पर पूछताछ की तो उसने अपना नाम पवन जांगिड़ निवासी श्रीगंगानगर बताया। सख्ती से पूछताछ करने पर सही नाम पता बताया। उसने खुद का 4 करोड़ का बीमा करवा रखा था। वह रेल के आगे कूदकर आत्महत्या करने की योजना बना रहा था। गिरफ्तारी के समय अमित जांगिड़ के पास जहरीला पदार्थ भी मिला है। इससे पहले दिन वह वृंद्रावन में था।

बताया जा रहा है कि आरोपी अमित को 28 जनवरी को मंडल कार्यालय हनुमानगढ़ में पेश होना था लेकिन वह वहां पहुंचा नहीं और फरार हो गया। इसके बाद अमित की पत्नी ने 30 जनवरी को गुढ़ा थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

राजस्थान विज़िट पर थाईलैंड प्रिंसेज़ सिरिवन्नवरी

जयपुर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। थाईलैंड की राजकुमारी सिरिवन्नवरी नारिरतना 10 फरवरी तक राजस्थान के दौरे पर हैं। उनकी सुरक्षा के लिए जयपुर से लेकर जोधपुर तक कड़ा पहरा है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि जिस राजकुमारी को देखने के लिए जयपुर की सड़कों पर लक्जरी गाड़ियों का काफिला गुजर रहा है, वह खुद एक मशहूर फैशन डिजाइनर, गोल्ड मेडलिस्ट खिलाड़ी और सेना में मेजर भी हैं? राजकुमारी सिरिवन्नवरी जयपुर एयरपोर्ट से सीधे ऐतिहासिक रामबाग पैलेस पहुँचीं। उनकी यात्रा के दौरान सुरक्षा के इतने पुख्ता इंतजाम हैं कि एयरपोर्ट पर आम जनता के लिए फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। जयपुर में शनिवार को वे आमेर किला, हवा महल, सिटी पैलेस और त्रिपोलिया बाजार का भ्रमण करने निकलीं। यहाँ वे राजस्थान की हस्तशिल्प कला और पारंपरिक जीवनशैली को करीब से देख रहीं हैं।

जयपुर के बाद राजकुमारी का अगला पड़ाव 'ब्लू सिटी' जोधपुर होगा। यहाँ वे मेहरानगढ़ किला, उम्मेद भवन पैलेस और जसवंत थड़ा जाएंगी। प्रशासनिक सूत्रों के मुताबिक, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने इस दौरे के लिए हाई-लेवल मीटिंग कर प्रोटोकॉल सुनिश्चित किया है। यह दौरा भारत और थाईलैंड के बीच द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने वाला माना जा रहा है।

बारातियों से भरी बस पलटी, तीन की मौत; 35 घायल

बांसवाड़ा, 7 फरवरी (एजेंसियां)। बांसवाड़ा जिले के कलिंजरा थाना क्षेत्र के घोटिया आंबा इलाके में बारातियों से भरी एक निजी बस पलट गई। हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 से अधिक लोग घायल हो गए हैं। जानकारी के अनुसार, सज्जनगढ़ थाना क्षेत्र के संदलई गांव से चिमनलाल नामक युवक की बारात घोटिया आंबा के समीप गांव वडलीपाड़ा गई थी।

शादी समारोह के बाद दूल्हा-दुल्हन कार में तथा बाराती को रवाना हुए। बारात की बस वापसी में घोटिया आंबा होते हुए संदलई जाने के लिए दाहोद मुख्य मार्ग की ओर जा रही थी। इसी दौरान घोटिया आंबा की घाटी उतरते समय बस अनियंत्रित हो गई और कुछ दूरी पर जाकर तीन बार पलट गई। बस पलटते ही मौके पर चीख-मच गई। इस बीच तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं, 35 लोग घायल हैं। घायलों की संख्या और भी बढ़ सकती है।

बस पलटने की जानकारी मिलने पर आसपास के गांवों से लोग मौके पर पहुंचे और घायलों की सार-संभाल की। लोगों की सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची। एंबुलेंस बुलवाकर घायलों को जिला मुख्यालय स्थित महात्मा गांधी चिकित्सालय के लिए भिजवाया गया।

अफरा-तफरी का हुआ माहौल

अलग-अलग एंबुलेंस से जैसे ही घायलों को लाना शुरू किया गया, वैसे ही घायलों के परिजन भी अस्पताल पहुंचने लगे, जिससे यहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया। ट्रॉमा सेंटर में घायलों को भर्ती किया गया। चोटों के कारण मरीज दर्द से कराहते रहे। उनके साथ आए परिजन उन्हें दिलासा देते रहे।

हादसे की सूचना मिलने के बाद बांसवाड़ा विधायक एवं कांग्रेस जिला अध्यक्ष अर्जुन सिंह बामनिया, बागीदौरा विधायक जयकृष्ण पटेल, जिला कलेक्टर डॉ. इंद्रजीत यादव, पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नरपत सिंह, राजतालाब थानाधिकारी देवीलाल और शहर कोतवाल बुधराम बिश्नोई भी अस्पताल पहुंचे। उन्होंने हादसे की जानकारी ली और घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिए। बाद में जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक घटनास्थल के लिए भी रवाना हुए।

बिना पूर्व सूचना के धार्मिक प्रचार करते गोधरा से आए तब्लीगी जमात के 12 लोग गिरफ्तार

बांसवाड़ा, 7 फरवरी (एजेंसियां)। बांसवाड़ा जिले के बागीदौरा कस्बे में बिना पूर्व सूचना अन्य राज्य से आकर धार्मिक प्रचार करने और पुलिस की समझाइश के दौरान उग्र व्यवहार करने के मामले में पुलिस ने तब्लीगी जमात से जुड़े 12 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, सूचना मिली थी कि कुछ लोग दूसरे राज्य से आकर कस्बे में धार्मिक प्रचार कर रहे हैं। यह टीम बागीदौरा में अलग-अलग स्थानों पर लोगों से संपर्क कर रही थी और उनके व्यवहार से शांति भंग होने की आशंका जताई जा रही थी। सूचना मिलने पर कलिंजरा थाने से एसआई रमेशचंद्र पुलिस दल के साथ मौके पर पहुंचे। मस्जिद के पीछे गली में मिले इन लोगों ने खुद को गोधरा (गुजरात) की तब्लीगी जमात से जुड़ा बताया और कहा कि वे रमजान माह से पहले धार्मिक प्रचार के उद्देश्य से यहां आए हैं।

जब पुलिस ने उनसे बिना पूर्व सूचना के आने और प्रचार करने के बारे में सवाल किया तो वे बहस पर उतारू हो गए। पुलिस ने उन्हें समझाइश देने का प्रयास किया, लेकिन वे उग्र हो गए। स्थिति को देखते हुए पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 126 से 170 के तहत कार्रवाई की। इसके बाद पुलिस दल ने उनके सामान की तलाशी ली और सभी को बागीदौरा पुलिस चौकी लाया गया। पुलिस ने इस संबंध में उक्त जमात में शामिल लोगों के परिजनों को भी सूचना दे दी है।

नकली घी-दूध के बाद फर्जी डॉक्टरों पर सवाल

राजस्थान में 75 की जांच, 2 गिरफ्तार

जयपुर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में आए दिन नकली घी के कारखाने के बाद दो दिन पहले ही टोंक में नकली दूध की विशाल फैक्ट्री का फंडाफोड़ हुआ है। नकली और मिलावटी चीजों से स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ा की आए दिन मिलने वाली खबरों के बीच अब बिगड़े स्वास्थ्य को ठीक करने वाले डॉक्टरों से जुड़ी फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ है। विदेश से एमबीबीएस की डिग्री लेकर फर्जी प्रमाण पत्र के सहारे डॉक्टर बनने के मामले में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने बड़ी कार्रवाई की है। एसओजी ने दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि इस रैकेट से जुड़े 73 अन्य कैंडिडेट्स की भूमिका की जांच जारी है। मुख्य आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए पांच देशों में फरारी काट चुका था, जिसे आखिरकार दिल्ली एयरपोर्ट से पकड़ा गया। आरोपियों ने फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्जामिनेशन की स्क्रीनिंग परीक्षा पास किए बिना ही फर्जी प्रमाण पत्र तैयार कराए। इन सर्टिफिकेट के आधार पर राजस्थान मेडिकल काउंसिल में इंटर्नशिप के लिए आवेदन किया गया और मेडिकल प्रैक्टिस की राह आसान बनाई गई।

एडीजी एसओजी विशाल बंसल ने बताया कि इस मामले में भानाराम माली उर्फ भानू (30) निवासी बर, ब्यावर और वर्तमान में जनकपुरी-द्वितीय, ज्योति नगर तथा इंद्रराज सिंह गुर्जर (27) निवासी दौसा कोतवाली को गिरफ्तार किया गया है। भानाराम माली इस पूरे नेटवर्क का मुख्य आरोपी है। उसे 2 फरवरी को दिल्ली एयरपोर्ट से पकड़ा गया। गिरफ्तारी से बचने के लिए वह पहले पांच देशों में छिपता फिर रहा था। एसओजी ने इससे पहले इसी मामले में तीन डॉक्टरों को गिरफ्तार किया था। इनमें पीयूष कुमार त्रिवेदी, देवेंद्र सिंह गुर्जर और शुभम गुर्जर शामिल हैं। इनकी गिरफ्तारी के बाद ही मुख्य आरोपी भानाराम माली फरार हो गया था। मामले में 4 फरवरी को नया प्रकरण दर्ज किया गया है। जांच में सामने आया है कि भानाराम माली खुद भी विदेश से एमबीबीएस डिग्री प्राप्त कर डॉक्टर बना हुआ है। उसने पहले गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपियों से रुपये लेकर उन्हें फर्जी एफएमजीई स्क्रीनिंग टेस्ट पास सर्टिफिकेट उपलब्ध कराए थे।

क्रेडाई हैदराबाद प्रॉपर्टी शो में भीड़ उमड़ी

हैदराबाद, 7 फरवरी 2026ः हाइटेक्स एग्जीबिशन सेंटर में क्रेडाई हैदराबाद प्रॉपर्टी शो 2026 का दूसरा दिन एक ज़बरदस्त रोलिंग सक्सेस के रूप में सामने आया, जिसने शहर के रियल एस्टेट विकास के बारे में एक मज़बूत संदेश दिया है। दिलचस्पी में यह अभूतपूर्व उछाल हैदराबाद के निवासियों का स्थानीय प्रॉपर्टी बाज़ार में अटूट विश्वास दिखाता है। 'परमानेंट हो जाओ' थीम पर आधारित यह तीन-दिवसीय शो घर खरीदारों के लिए अपने सपनों का घर पाने और शहर के विकास में स्थायी हिस्सेदार बनने के लिए एक व्यापक मंच के रूप में काम करता है।

पूरे दिन इवेंट का माहौल जोश से भरा रहा, क्योंकि बिल्डरों और खरीदारों ने विस्तार से बातचीत की। दिन की गतिविधियों को खत्म करने के लिए, क्रेडाई ने एक 'जैम रूम' सेशन आयोजित किया, जिससे आगंतुक सुकून देने वाले लाइव संगीत के साथ आराम कर सकें, जो हैदराबाद की जीवंत जीवनशैली और सामुदायिक भावना को दर्शाता है।

सख्त वेरिफिकेशन : यह प्रदर्शनी विशेष रूप से 300 से ज़्यादा रेरा-अप्रूव्ड प्रोजेक्ट्स को दिखाती है, यह सुनिश्चित करते हुए कि सभी आगंतुक वेरिफाइड, नियमों का पालन करने वाले डेवलपमेंट्स के साथ जुड़ें।

विविध विकल्प : घर खरीदार स्थापित और उभरते हुए इलाकों में अपार्टमेंट, विला, प्लॉटेड डेवलपमेंट और ऑफिस स्पेस

सहित आवासीय और कमर्शियल विकल्पों की एक विस्तृत श्रृंखला देख सकते हैं।

एंड-टू-एंड समाधान : प्रमुख वित्तीय संस्थान, जिसमें विशेष प्रस्तुतकर्ता पार्टनर बैंक ऑफ बड़ौदा शामिल है, मौके पर ही तुरंत इन-प्रिंसिपल होम लोन मंज़ूरी और व्यक्तिगत परामर्श प्रदान कर रहे हैं। विशेषज्ञ पैनल चर्चा और बाज़ार की जानकारी दूसरे दिन का एक मुख्य आकर्षण उद्योग जगत के नेताओं और सरकारी अधिकारियों की पैनल चर्चाओं की एक श्रृंखला थीः

अवैध प्री-लॉन्च : टीजीरेरा के चेयरमैन, एन. सत्यनारायण ने घर खरीदारों को बिना मंज़ूरी वाली प्रॉपर्टी खरीदने और अवैध प्री-लॉन्च बिक्री के दौरान दिए जाने वाले भारी छूट के झांसे में आने के जोखिमों के प्रति आगाह किया।

स्थायी भविष्य : ग्रीन माइल्स, क्लीन सिटी शीर्षक वाले एक सत्र में हैदराबाद के विकास को पर्यावरणीय रूप से स्थायी बनाए रखने में डेवलपर्स और नागरिकों की सामूहिक ज़िम्मेदारी पर चर्चा की गई। • *किफायती समाधान*: स्काईस्क्रेपर्स बनाम शेल्टर्सः पैनल ने मिडिल-इनकम ग्रुप (शहर की 70% आबादी) के सामने आने वाले किफायती आवास के संकट पर बात की, और बढ़ते मटीरियल और ज़मीन की कीमतों के बावजूद आम आदमी के लिए घर को किफायती बनाए रखने के तरीकों पर चर्चा की।

इस मौके पर बोलते हुए, क्रेडाई हैदराबाद के प्रेसिडेंट, एन. जयदीप रेड्डी ने कहा, "हैदराबाद अपने विकास के अगले चरण की शुरुआत में है। पहले चरण में प्रॉपर्टी की कीमतों में पाँच से छह गुना बढ़ोतरी हुई, और मौजूदा गति और भी तेज़ हो रही है।

क्रेडाई हैदराबाद के प्रेसिडेंट-इलेक्ट, बी. जगन्नाथ राव ने कहा , "हैदराबाद एक ग्लोबल शहर के रूप में उभर रहा है क्योंकि इसने अपनी 'सांस्कृतिक पहचान' खोए बिना तेज़ी से विकास किया है, जिससे यह परिवारों के लिए जीवन भर बसने के लिए एक आदर्श जगह बन गया है।"

इसमें जोड़ते हुए, क्रेडाई हैदराबाद के जनरल सेक्रेटरी, क्रांति किरण रेड्डी ने कहा, "उन्होंने इंफ्रास्ट्रक्चर की चुनौतियों से निपटने और व्यवस्थित, सक्रिय शहरी शासन सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार के साथ क्रेडाई के करीबी तालमेल पर ज़ोर दिया।"

दक्षिण मध्य रेलवे

फॉलो करें @SCRailwayIndia पर
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को स्वारी वेबसाइट: www.scr.indianrailways.gov.in

ई-निविदा सं. डीवाय.सीई-जीएस-बीजेडए-13, 14, 15, 16 & 17-2025-26 दि.-05-02-2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य अभियंता, गति शक्ति, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, विजयवाड़ा द्वारा निम्न कार्यों हेतु खुली निविदा/एकल पैकेट/ निविदा की दो पैकेट प्रणाली में ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.-01 निविदा सं.-डीवाय.सीइ-जीएस बीजेडए-13-2025-26, दि.5-2-2026 कार्य विवरणः कार्य का नामः बीजेडए डिवीजन एबीएसएस—गुडीवाडा (जीडीवी) स्टेशन का प्रस्तावित निर्माण कार्य, केबुल ट्रेंच का शेष बचा हुवा कार्य, सिंचाई व्यवस्थाएं तथा पीएफ सरफेस, सीओपी शेल्टर, परिसंचरण क्षेत्र का विकास, जीआरपीएफ आफिस बिल्डिंग, पार्सल आफिस, पी.वे-आफिस बिल्डिंग का निर्माण कार्य, टाईप-IV स्टाफ क्वार्टर (जी+1) का निर्माण कार्य, मौजूदा बिल्डिंग्स को ध्वस्त करना या हटाना, पीएफ-1, पीएफ 2&3, मोडुलर टायलेट्स या शौचालयों पर प्लाटफार्म्स के विस्तार हेतु प्रस्ताव। आईआरपीएसएम आय.डी. नं.-11.06,53.24.3.47.023 निविदा मूल्य रु.156329153.29, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.931700.00

कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने, निविदा प्रपत्र मूल्य रु. शून्य, बंद करने की तिथि व समयः 27-02-2026 के 15.00 बजे

क्रम सं.-02 निविदा सं.-डीवाय.सीइ-जीएस-बीजेडए-14-2025-26, दि.5-2-2026 कार्य विवरणः कार्य का नामः बीजेडए डिवीजन एबीएसएस-गुनाडाला (जीएएलए) स्टेशन का प्रस्तावित निर्माण कार्य, केबुल ट्रेन्च का शेष बचा हुवा कार्य, सिंचाई व्यवस्थाएं तथा पीएफ सरफेस, सीओपी शेल्टर, परिसंचरण क्षेत्र का विकास, फैकेड, कम्पाउण्ड वाल्स सहित मौजूदा स्टेशन बिल्डिंग का विस्तार कार्य एवं आर्नामेंटल वाल्स, जीएलआर, वाटर टैंक व पम्प हाउस, मोडुलर टायलेट्स का संबंधित कार्य। आईआरपीएसएम आय.डी.नं.11.06,53.24.3.47.057 निविदा मूल्य रु.185974397.96, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.1079900.00 कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने, निविदा प्रपत्र मूल्य रु. शून्य, बंद करने की तिथि व समयः 27-02-2026 के 15.00 बजे

क्रम सं.-03 निविदा सं.-डीवाय.सीइ-जीएस-बीजेडए-15-2025-26, दि.5-2-2026 कार्य विवरणः कार्य का नामः बीजेडए डिवीजन एबीएसएस-ताडेपल्लीगुडेम (टीडीडी)

स्टेशन का प्रस्तावित निर्माण कार्य, केबुल ट्रेन्च का शेष बचा हुवा कार्य, सिंचाई व्यवस्थाएं तथा पीएफ सरफेस, सीओपी शेल्टर, परिसंचरण क्षेत्र का विकास, फैकेड, कम्पाउण्ड वाल्स सहित मौजूदा स्टेशन बिल्डिंग का विस्तार कार्य एवं आर्नामेंटल वाल्स, मौजूदा बिल्डिंग्स को हटाना, जीएलआर, वाटर टैंक व पम्प हाउस, मोडुलर टायलेट्स का संबंधित कार्य। आईआरपीएसएम आय.डी.नं.11.06,53.24.3.47.020 निविदा मूल्य रु.161245958.73, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.956200.00, कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने, निविदा प्रपत्र मूल्य रु. शून्य, बंद करने की तिथि व समयः 27-02-2026 के 15.00 बजे

क्रम सं.-04 निविदा सं.-डीवाय.सीइ-जीएस-बीजेडए-16-2025-26, दि.5-2-2026 कार्य विवरणः कार्य का नामः बीजेडए डिवीजन एबीएसएस-मछलीपट्नम (एमटीएम)

स्टेशन का प्रस्तावित निर्माण कार्य, केबुल ट्रेन्च का शेष बचा हुवा कार्य, सिंचाई व्यवस्थाएं तथा पीएफ सरफेस, सीओपी शेल्टर, परिसंचरण क्षेत्र का विकास, टीटीइ रेस्ट हाउस बिल्डिंग (जी+1), मोडूलर टायलेट्स का संबंधित कार्य। आईआरपीएसएम आय.डी.नं.11.06,53.24.3.47.015 निविदा मूल्य रु.99172881.91, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.645900.00, कार्य पूरा करने की अवधिः 09 महिने, निविदा प्रपत्र मूल्य रु. शून्य, बंद करने की तिथि व समयः 27-02-2026 के 15.00 बजे

क्रम सं.-05 निविदा सं.-डीवाय.सीइ-जीएस-बीजेडए-17-2025-26, दि.5-2-2026 कार्य विवरणः विजयवाडा डिवीजन- विजयवाडा (बीजेडए)- रायनापाडु तथा कोंडापल्ली स्टेशनों के बीच रेलवे किमी 569/31-33 पर एलसी नं.140 के स्थान पर रोड अंडर ब्रिज (आरओबी) का प्रस्तावित निर्माण कार्य। आरयुबी सहित आरसीसी बाक्स साइज 1x6.0एमx4.80एम (बाक्स एयर-पुशिंग पध्दति) तथा रिटेनिंग वाल (कोंडापल्ली तथा एलाप्रोलु साइड) का संबंधित कार्य। आईआरपीएसएम आय.डी.नं.11.06,30.20.1.55.003, वर्ष 2020—21, निविदा मूल्य रु.109577967.55, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.697900.00, कार्य पूरा करने की अवधिः 09 महिने, निविदा प्रपत्र मूल्य रु. शून्य, बंद करने की तिथि व समयः 27-02-2026 के 15.00 बजे

बोली दस्तावेज तथा अन्य विवरण हेतु कृपया **वेबसाइटः https://ireps.gov.in** पर लागिन करें।

निविदाकार किसी भी शुध्दिपत्रों (केवल आनलाइन पर जारी) को निविदा प्रस्तुति अवधि/बोली लगाने या बिड्डिंग अवधि की प्रारंभिक तिथि तक ही अवलोकन कर सकते हैं।

उप मुख्य अभियंता, गति शक्ति, विजयवाडा

टीजी स्पेशल प्रोटेक्शन फोर्स और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में समझौता ज्ञापन

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विशेष सुरक्षा बल और राज्य बैंक ऑफ इंडिया के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जिसके तहत पुलिस कर्मियों और कर्मचारियों के लिए व्यक्तिगत और व्यापक वेतन पैकेज तैयार किया गया है। यह कार्यक्रम एसपीएफ मुख्यालय, बुद्ध भवन, रानीगंज, सिकंदराबाद में आयोजित किया गया। इस वेतन पैकेज में व्यक्तिगत आकस्मिक बीमा, दुर्घटना

में मृत्यु होने पर एक करोड़ रुपये तक सुरक्षा, वायु दुर्घटना बीमा 1.6 करोड़ रुपये तक सुरक्षा, स्थायी आंशिक अक्षमता बीमा, अधिकतम 80 लाख रुपये तक, समूह जीवन बीमा 10 लाख रुपये तक, बच्चों की शिक्षा लाभ, व्यक्तिगत आकस्मिक बीमा के तहत, उच्च शिक्षा (स्नातक स्तर) के लिए एक पुत्र के लिए 28 लाख रुपये तक, एक पुत्री के लिए 10 लाख रुपये तक, कन्या बाल विवाह लाभ, व्यक्तिगत आकस्मिक बीमा के तहत, एक लड़की के लिए 5 लाख रुपये और दो लड़कियों के लिए 10 लाख रुपये तक शामिल है। इसके साथ ही कई अन्य अतिरिक्त लाभ है। इसके अतिरिक्त, ऋण सुविधा, लॉकर किराए में छूट और विशेष डेबिट कार्ड जैसी सुविधाएँ भी शामिल हैं। समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के दौरान डीजी, विशेष सुरक्षा बल, स्वाति लाकड़ा, ने खुशी व्यक्त की और बैंक का धन्यवाद किया। इस अवसर पर नीलाक्षी सिंह, उपमहानिर्देशक (आरसीडब्ल्यूएम विभाग) और अन्य बैंक अधिकारी भी उपस्थित थे। इस पहल से एसपीएफ के कर्मचारियों और उनके परिवारों को सुरक्षा, वित्तीय लाभ और आकस्मिक परिस्थितियों में विशेष सुरक्षा प्रदान की जाएगी।

निविदा सूचना संख्याः 58/2026, दि.06-02-2026
भण्डारण मदों की आपूर्ति
ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

निम्न निविदाओं को आनलाइन पर दर्शाया गया है। निविदाकारों से अनुरोध है कि, वेबसाइटः www.ireps.gov.in देखें तथा अपने आफर्स को आनलाइन पर प्रस्तुत करें। निविदा कार्य विवरण, मात्रा, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा, एसडी को उक्त वेबसाइट पर देखा जा सकता है। मैन्युएल रुप से प्रस्तुत आफर्स अस्वीकार्य हैं। डाक द्वारा प्रेषित आफर्स पर विचार नही किया जायेगा। निविदा की तय तिथि को बंद करने का समय 14.30 बजे है। "सभी स्वदेशी प्रस्तावों, पूर्व धरोहर राशि को, केवल आनलाइन सिस्टम पर उपलब्ध वेबसाइटः www.ireps.gov.in के माध्यम से ही स्वीकार किए जायेंगे।"

निविदा सं.	संक्षिप्त विवरण
एलवाय 265072	विनिर्दिशनानुसार ड्रोन कैमेरा
एससीआर26-सीएपी-एजीबीएस-पीएल	आयआर हेतु एक्सल, गेयर की आरसी आपूर्ति
एलएन 257082ए	मोबाइल चार्जिंग साकेट
79261119	फायर रिटार्डेंट कर्टेन फैब्रिक (ब्राउन एण्ड ब्लू शेड्स)
25265001	इलेक्ट्रिक लोकोज हेतु एन-32 टैप चेंजर कम्पलीट
29265001ए	3डी एडजेस्टबुल 360 डिग्री रोटेशनल मोडिफाइड
एससीआर-25-सीएपी-सीओएल	आयआर हेतु एक्सल, गेयर की आरसी आपूर्ति
16265002	क्रोबार मोड्यूल सीबीडी-2600एच टू साइमेन्स इंडिया
38255021	कैसनब-22 एचएस कास्ट स्टील बोगी
73261001	एक्सल एन्ड कैप स्क्रू
एससीआर-26-सीएपी-एचडीएस1	आईआर हेतु हैड्रालिक स्पेयर्स की आरसी आपूर्ति
16265003	आयजीबीटी- फेज मोडूल टू सिमेन्स इंडिया
66259308	ट्रैक मशीन हेतु कन्वेयर का प्रापण
एससीआर-26-सीएपी-एचडीएस2	आईआर हेतु हैड्रालिक स्पेयर्स की आरसी आपूर्ति
16265001	जी019, जी027-एसआयपी शार्क6एफएच9543-3बीवाय60
66259796	ट्रैक मशीनों हेतु स्पेयर्स का प्रापण
एससीआर-26-सीएपी-एमइसीएचएस	आयआर हेतु मेकानिकल स्पेयर्स की आरसी आपूर्ति

टिप्पणीः निविदा खोलने की निर्धारित तिथियां—

क्रम सं.01 दि.23-02-2026, क्रम सं.02 & 03 दि.25-02-2026,

क्रम सं.04 दि.26-02-2026, क्रम सं.05 & 06 दि.27-02-2026,

क्रम सं.07 से 09 दि.02-03-2026, क्रम सं.10 दि.04-03-2026, क्रम सं.11 से 13 दि.03-03-2026, क्रम सं.14 दि.04-03-2026, क्रम सं.15 दि.06-03-2026, क्रम सं.16 दि.09-03-2026, क्रम सं.17 दि.16-03-2026

उपरोक्त निविदाओं के अलावा रु.50 लाख से अधिक मूल्य की अन्य निविदाएं भी उपलब्ध।

विस्तृत विवरण हेतु कृपया उपरोक्त रेलवे वेबसाइट देखिए।

प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक/सिकंदराबाद

A2399

निविदा नियम शर्ते /अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

मेडचल स्थित श्री उमिया माता मंदिर मे आगामी 15 फरवरी को रामचंद्र डोंग्रेजी महाराज गौशाला द्वारा आयोजित जन्म शताब्दी महोत्सव मे भाग लेने श्री जगन्नाथ मठ के महंत अच्युत रामानुजाचार्य, कथा वाचाक देवी स्वीकृति, राजयोगी मेवाड मठ के रोहित गोपाल सूतजी महाराज, श्याम, कुसुमबेन सुरेश गोसर, वैशाली योगेश गोसर, उमा महेन्द्र सिंगनोडीया, समाजसेवी नरेन्द्र गोयल व प्रमोद गोयेन्का, जय प्रभु डायमंड ग्रुप के भाविन पटेल, काचीगुडा जैन संघ के चंद्रकांत शाह व सुभाष खंडोर, मधुबाला उपाध्याय, नंदुभाई खंडेलवाल, आलोक तिवारी, दुर्गाप्रसाद दुबे आदि गणमान्यो को निमंत्रीत करते हुए जसमत पटेल, अशोक पटेल, रिद्धीश जागीरदार, हसमुख पटेल, जयसुख पटेल एवं अन्य।

पूर्व केबिनेट मंत्री सुरेन्द्र गोयल का सम्मान

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बालाजी नगर स्थित कुमावत समाज एसोसिएशन व सर्व प्रवासी समाज बन्धुओं द्वारा वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में पूजा अर्चना व आरती के बाद कुमावत समाज द्वारा नवनिर्मित मंदिर प्रांगण में सम्मान समारोह कार्यक्रम रखा गया। जिसमें मुख्य अतिथि राजस्थान के पूर्व कैबिनेट मंत्री व वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुरेन्द्र गोयल व गोवींद राम अडाणींया का सम्मान किया गया।

अध्यक्ष पूनमचन्द डैया, सचिव चेतन पटेल नाराणीया ने बताया कि मुख्य अतिथि का मंच पर राजस्थानी साफा व माला शाल द्वारा सम्मान किया गया । इसके अलावा विभिन्न समाजों के पदाधिकारियों का शाल द्वारा सम्मान किया गया। इस अवसर पर कुमावत समाज अध्यक्ष पूनमचन्द डैया, उपाध्यक्ष कालुराम चान्दोरा,सचिव चेतन पटेल नाराणीया, महामंत्री रामस्वरूप चान्दोरा ,सह कोषाध्यक्ष नारायणलाल मालीया, जगदीश, सुरेश मालीवाड , श्रवण मालीवाड, चम्पालाल खेडावत,मंगाराम बाकेरचा, अर्जुन बावलेचा , बाबूलाल लारना ,मंगला राम रेणवाल ,राजूराम चांदोरा,शिव लाल मांगर,ओमप्रकाश , जगदीश नाराणीया, रामपाल भोपा, समस्त कार्यकारणी व सदस्यगण उपस्थित थे। कुमावत समाज अलवाल अध्यक्ष सोहनलाल माननीया एवं समस्त कार्यकारणी व सदस्यगण, भंवर लाला मेरोता सादनगर मारवाड़ी मार्केट एसोसिएशन के अध्यक्ष लादुराम तिलायचा, सीरवी समाज बालाजी नगर बडेर अध्यक्ष जयराम पंवार, नरेश सोलंकी, सोनाराम बर्फा, नारायणलाल बर्फा, चोलाराम, महेन्द्र सानपुरा, देवासी समाज के पुजारी भुण्डाराम देवासी, राजपूत समाज हिरसिंह , जगदीश सीरवी के समाज बंधु उपस्थित रहे।

जामबाग के पार्षद एवं वरिष्ठ नेता राकेश जयसवाल ने प्रमुख विकास कार्यों का उद्घाटन किया। श्रीनिवास यादव, काजल, कृष्णा, तलवार सीनू, रघु, प्रवीण, विशाल, संतोष यादव, वेंकट, राजिथा, शंकर, बब्लू, महेश, राजू, नरसिंह, साईराम रेड्डी,कुल शेखर, एवं स्थानीय छात्र मौजूद थे।

ई-निविदा सूचना संख्यकः सी/ई.29/इलेक/एम/एससी/ 40/टीएफ/ओटी/2025-2, दि.5-2-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु दि.27-02-2026 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.-01, ई-निविदा सं.-ईटेंडर नं.सी/ई.29/इलेक/ एम/एससी/ 40/टीएफ/ओटी/2025-26 ईटेंडर नं. इ-एम-एससी-40-ओटी-2025-26 कार्य विवरणः सिकंदराबाद डिवीजन-बिजली रखरखाव विभाग-(।) काजीपेट—बल्लारशाह सेक्शन के सिरपुर टाउन पर रेल लेवल प्लाटफार्म सहित गूड्स लोडिंग लाइन का प्रावधान। (।।) हैदराबाद पर पाइण्ट नं. 41 की स्लूइंग, रोड नं. 5 तथा 6 सीएसआर बढोतरी या एनहान्समेंट कार्य। (।।।) काजीपेट—बल्लारशाह सेक्शन में राघवपुरम शन्टिंग नेक का विस्तार कार्य—बिजली व्यवस्थाएं। निविदा मूल्य रु.3,29,21,623.00, पूर्व धरोहर राशि रु.3,14,600.00, सीटीएफ रु. शून्य, कार्य पूरा करने की अवधिः 6 महिने

आईआरइपीएस वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजों में निविदा शर्ते/अन्य विवरण उपलब्ध है, जिसे डाउनलोड कर सकते है, जिसमें भाग ले सकते है तथा यदि कोई परिवर्तन हो तो उसे देख सकते हैं।

इस निविदा सूचना को, सीनि.डीईई (रखरखाव), सिकंदराबाद डिवीजन का कार्यालय, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, सिकंदराबाद पर स्थित नोटिस बोर्ड पर भी दर्शाया गया है, जिसे सभी कार्यालयीन दिनों में देखा जा सकता है।

रेल प्रशासन के पास कोई भी कारण न देते हुए निविदा को निरस्त करने का पूरा अधिकार सुरक्षित है।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता (एम)/सिकंदराबाद

टी-20 वर्ल्ड कप में भारत की जीत से शुरुआत

यूएसए को 29 रन से हराया; कप्तान सूर्या की फिफ्टी, सिराज को 3 विकेट

मुंबई, 7 फरवरी (एजेंसियां)। भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप में जीत से शुरुआत की है। टीम ने शनिवार के आखिरी मैच में यूएसए को 29 रन से हराया। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में भारत ने टॉस हारकर बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट पर 162 रन बनाए। टीम इंडिया के शुरुआती 4 विकेट महज 46 रन पर गिर गए थे। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 49 बॉल पर 84 रन बनाकर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया।

162 रन का टारगेट चेज करते हुए यूएसए की टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर 132 रन ही बना सकी। शुभम रंजने और संजय कृष्णमूर्ति ने 37-37 रन बनाए। जबकि मिलिंद कुमार ने 34 रन स्कोर किए। भारत से मोहम्मद सिराज ने 3 विकेट झटके। अर्शदीप सिंह और अक्षर पटेल ने 2-2 विकेट लिए।

साइबर जाल में फंसकर जीवन बर्बाद न करें : वी.सी. सज्जनार

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस कमिश्नर वी.सी. सज्जनार ने साइबर अपराधों में हो रही बढ़ोतरी पर गहरी चिंता व्यक्त की।

उन्होंने कहा कि साइबर अपराधी केवल बैंक खातों को खाली नहीं कर रहे, बल्कि पीड़ितों का भविष्य, पारिवारिक सुख और मानसिक शांति भी प्रभावित कर रहे हैं। इन हमलों का प्रभाव इतना विनाशकारी होता है कि पीड़ितों को आर्थिक और मानसिक नुकसान से उबरने में अक्सर जीवन भर लग जाता है। कमिश्नर सज्जनार यह बातें 'जागृत हैदराबाद – सुरक्षित हैदराबाद' पहल के तहत शनिवार को एक कन्वेंशन में आयोजित साइबर अपराध जागरूकता सेमिनार में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए कह रहे थे। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधों की बढ़ती लहर को रोकने के लिए जनजागरूकता अब सबसे जरूरी है। उन्होंने बताया कि धोखेबाज अब शिक्षित व्यक्तियों को नकली एसईबीआई प्रमाणपत्र दिखाकर और स्टॉक मार्केट/ट्रेडिंग में उच्च लाभ का लालच देकर फंसाते हैं। गंभीर स्थिति को उजागर करते हुए उन्होंने कहा कि शहर में प्रतिदिन लगभग 1 करोड़ लोग ऐसे साइबर स्कैम में खो रहे हैं। उन्होंने लोगों को सोना और चांदी की कीमतों में बदलाव के बहाने व्यापारिक धोखाधड़ी से सावधान रहने की चेतावनी दी।

सज्जनार ने सोशल मीडिया पर निजी फोटो और जानकारी साझा करते समय अत्यंत सतर्क रहने को कहा। उन्होंने अनजाने लोगों द्वारा भेजे गए हानिकारक एपीके फाइल डाउनलोड करने और ओटीपी किसी के साथ साझा करने से मना किया।

उन्होंने हाल ही में बढ़ रहे 'डिजिटल अरेस्ट' स्कैम का भी उल्लेख किया, जिसमें अपराधी पुलिसकर्मी बनकर वीडियो कॉल के माध्यम से पीड़ितों को डराते और उनसे पैसे वसूलते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि कोई भी सरकारी एजेंसी या पुलिस विभाग फोन या वीडियो कॉल के माध्यम से गिरफ्तारी नहीं करता। इसके अलावा उन्होंने लोन ऐप के खतरे के बारे में भी आगाह किया, जो

कम ब्याज दर पर लोन का वादा कर लोन लेने वालों को बाद में परेशान करते हैं। साइबर अपराध का शिकार होने पर सज्जनार ने कहा कि पीड़ित तुरंत 'गोल्डन ऑवर' में हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करें। इस अवसर पर अतिरक्त सीपी (कानून-व्यवस्था)दक्षिण क्षेत्र तफ़सीर इक़बाल, शमशाबाद डीसीपी बी. राजेश, साइबर क्राइम डीसीपी वी. अरविंद बाबू, शमशाबाद एसीपी श्रीकांत गौड़, आदिबटला एसीपी प्रदीप कुमार रेड्डी सहित अन्य पुलिस अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

चेर्लापल्ली में परिवारिक आत्महत्या: पुलिस जांच में सामने आया 'गंभीर अवसाद'

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। चेर्लापल्ली रेलवे स्टेशन पर ट्रेन के आगे कूदकर विजयशांति रेड्डी ने अपने साथ अपने बच्चों की भी जान ले ली थी। इस दुखद घटना की पुलिस जांच लगभग समाप्ति की ओर है और प्रारंभिक निष्कर्ष बताते हैं कि इस कदम के पीछे गंभीर मानसिक अवसाद का कारण था।

पुलिस ने घटना के पीछे की प्रेरणाओं का पता लगाने के लिए कई पहलुओं की जांच की। जांच के अनुसार, विजयशांति लंबे समय से मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रही थीं, जिसकी पुष्टि उनके परिवार और सहकर्मियों ने भी की।

पुलिस ने अनुमान लगाया कि उन्होंने आत्महत्या का विकल्प अपनाया और उनके प्रभाव में रहे उनके बच्चे भी उनके साथ मर गए। आवश्यकता पड़ने पर बच्चों को होस्टल में रखना और पति से अलगाव जैसी परिस्थितियाँ उनके मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती हैं।

पुलिस इस संबंध में विजयशांति के मोबाइल कॉल लॉग का भी विश्लेषण कर रही है। घटना 31 जनवरी को हुई थी, जिसमें विजया (35), विशाल (17) और चैतन्य (18) की मृत्यु हुई। पोस्टमॉर्टम के बाद शव उनके परिजनों को सौंपे गए और पति के दुबई से आने पर उनका अंतिम संस्कार बीबीनगर में किया गया। साक्ष्यों में विजयशांति की गाड़ी से एक आत्महत्या नोट भी मिला, जिससे जांच और तीव्र हो गई।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

'30 ट्रिलियन डॉलर ...

रत्न और आभूषणों के साथ-साथ औषधीय उत्पादों को भी अब शुल्क-मुक्त पहुंच प्राप्त होगी, जिससे भारत की निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी और 'मेक इन इंडिया' पहल को समर्थन मिलेगा।

फार्मा, कॉफी और आम का बिना किसी टैरिफ के हो सकेगा निर्यात गोयल का कहना है कि रत्न, फार्मा, कॉफी, आम और अन्य कई वस्तुएं अमेरिका को शुल्क-मुक्त निर्यात की जाएंगी। कृषि क्षेत्र में, कई भारतीय उत्पाद अब बिना किसी शुल्क के संयुक्त राज्य अमेरिका को निर्यात किए जा सकेंगे। इनमें चाय, मसाले, नारियल तेल, वनस्पति मोम, सुपारी, ब्राजील नट्स, शाहबलूत और विभिन्न प्रकार के फल और सब्जियां शामिल हैं। पीयूष गोयल के अनुसार, सब्जी की जड़ें, अनाज, जौ, बेकरी उत्पाद, कोको उत्पाद, तिल के बीज, खसखस और खट्टे फलों के रस पर भी कोई पारस्परिक शुल्क नहीं लगेगा और अब वे अमेरिकी बाजार में शुल्क-मुक्त प्रवेश करेंगे।

कई ऐसी वस्तुएं जिन पर पहले 50% टैरिफ लगता था, अब शून्य शुल्क के साथ अमेरिकी बाजार में प्रवेश करेंगी, पीयूष गोयल ने नए भारत-अमेरिका व्यापार ढांचे के तहत भारतीय निर्यातकों के लिए एक बड़ी जीत पर प्रकाश डालते हुए कहा। गोयल ने कहा, चीन पर 35% टैरिफ लगाया गया है, जबकि बांग्लादेश और वियतनाम पर 25% टैरिफ लगाया गया है।

ये उनका भारतीयों ...

पीएम मोदी ने मलेशिया में भारतीय सांस्कृतिक केंद्र का नाम नेताजी सुभाष चंद्र बोस के नाम पर रखा। उन्होंने ऐलान किया कि कुआलालंपुर में मौजूद इंडियन कल्चरल सेंटर को अब नेताजी सुभाष चंद्र बोष इंडियन कल्चरल सेंटर (एनएससीबीआईसीसी) कहा जाएगा। मोदी ने कहा कि दुनिया भारत को सिर्फ एक बड़ा बाजार मानती थी, लेकिन अब भारत निवेश और व्यापार का एक बड़ा केंद्र बन चुका है। आज भारत को विकास के लिए एक भरोसेमंद साझेदार के रूप में देखा जाता है। चाहे ब्रिटेन हो, यूएई, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, ओमान, यूरोपीय संघ (ईयू) या अमेरिका, कई देशों ने भारत के साथ व्यापार समझौते किए हैं।

भारत आपके दिलों में एक खास जगह रखता है। 2001 में गुजरात में भूकंप आया था। उस समय आप सभी (भारतीय समुदाय) ने मिलकर भारत की मदद की थी। इसके लिए सभी को धन्यवाद। भारत को आजाद कराने के लिए आपके पूर्वजों ने बड़े बलिदान दिए थे। उनमें से कई के भारत में रिश्तेदार और पड़ोसी थे, फिर भी वे सबसे पहले नेताजी सुभाष चंद्र बोस की आजाद हिंद फौज में शामिल होने वालों में थे। भारत हमेशा आप सभी को खुले दिल से अपनाएगा। उन्होंने बताया कि कुछ महीने पहले एक ऐतिहासिक फैसला लिया गया, जिसके तहत मलेशिया में भारतीय मूल के लोगों को छठी पीढ़ी तक ओआईसी कार्ड की सुविधा दी गई है।

पूर्व तट रेलवे

(1) निविदा सूचना सं.: eT-HQ-WAT-05-2026, दिनांक 30.01.2026

कार्य का नाम: सहायक मंडल अभियंता (ADEN)/ ESTATE/वाल्टियर (WAT) के अधिकार क्षेत्र के अधीन वरिष्ठ अनुभाग अभियंता (SSE)/W/वाडलापुडी (VDPD)/वाल्टियर (WAT) सेक्शन में RMUY/विशाखापट्टणम में सामग्री भंडारण सुविधाओं का सुधार।

कार्य की अनुमानित लागत: रु. 1,84,25,921.10, EMD: रु. 2,42,100.00.

(2) निविदा सूचना सं.: eT-HQ-WAT-06-2026, दिनांक 30.01.2026

कार्य का नाम: सहायक मंडल अभियंता (ADEN)/ ESTATE/वाल्टियर (WAT) के अधिकार क्षेत्र के अधीन वरिष्ठ अनुभाग अभियंता (SSE)/W/इलेक्ट्रिक लोको शेड (ELS) एवं डीजल लोको शेड (DLS)/वाल्टियर (WAT) सेक्शन में इलेक्ट्रिक लोको शेड (ELS)/विशाखापट्टणम (VSKP) में लोको शेड एवं भंडार में बुनियादी सुविधाओं का नवीनीकरण/उन्नयन।

कार्य की अनुमानित लागत: रु. 1,68,80,843.65, EMD: रु. 2,34,400.00.

कार्य समापन की अवधिः 08 (आठ) महीने (दोनों क्रम संख्या के लिए)।

निविदा बंद होने की तारीख एवं समय: 26.02.2026 को 1500 बजे (दोनों क्रम संख्या के लिए)।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही ये सभी फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव बिना किसी विचार के तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित सम्पूर्ण जानकारी वेबसाइट: www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

द्रष्टव्यः प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/ शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने के 15 (पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें।

मंडल रेल प्रबंधक (Engg.), वाल्टियर

PR-1089/Q/25-26

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com

Epaper :
epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement :
swadds1@gmail.com

रोमारियो शेफर्ड की हैट्रिक से जीता वेस्टइंडीज

स्कॉटलैंड को 35 रन से हराया, शिमरोन हेटमायर ने 64 रनों की पारी खेली

कोलकाता, 7 जनवरी (एजेंसियां)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज रोमारियो शेफर्ड ने इतिहास रचते हुए टूर्नामेंट की पहली हैट्रिक अपने नाम कर ली है। स्कॉटलैंड के खिलाफ खेले गए मुकाबले में शेफर्ड ने अपनी धारदार गेंदबाजी से विपक्षी बल्लेबाजी क्रम की कमर तोड़ दी। 17वें ओवर की दूसरी, तीसरी और चौथी गेंद पर लगातार तीन विकेट झटककर उन्होंने न केवल अपनी टीम की जीत पक्की की, बल्कि वर्ल्ड कप के इतिहास में अपना नाम सुनहरे अक्षरों में दर्ज करा लिया।

रोमारियो शेफर्ड की हैट्रिक

शेफर्ड के इस ऐतिहासिक स्पेल की शुरुआत 17वें ओवर की दूसरी गेंद पर हुई, जब उन्होंने मैथ्यू क्रॉस को पवेलियन का रास्ता दिखाया। क्रॉस ने बाहर जाती गेंद को बैकवर्ड पॉइंट की तरफ खेलने की कोशिश की, जहां तैनात रदरफोर्ड ने कोई गलती नहीं की। अगली ही गेंद पर शेफर्ड ने खतरनाक माइकल लीस्क को कप्तान रोवमैन पॉवेल के हाथों लॉन्ग-ऑन पर कैच आउट कराया।

टी20 वर्ल्ड कप की पहली हैट्रिक

इसके बाद ओवर की तीसरी गेंद पर माइकल लीस्क को भी आउट कर दिया। लीस्क को शेफर्ड ने पॉवेल के हाथों कैच आउट कराया। हैट्रिक बॉल पर शेफर्ड ने अपनी चतुराई का बेहतरीन नमूना पेश किया। नए बल्लेबाज ओलिवर डेविडसन के लिए उन्होंने 'सीम-अप' गेंद डाली, जो टप्पा खाने के बाद तेजी से अंदर की तरफ आई। डेविडसन ड्राइव मारने के चक्कर में पूरी तरह बीट हुए और गेंद सीधे उनके ऑफ-स्टंप से जा टकराई। क्लीन बोल्ड होते ही शेफर्ड मैदान पर दौड़ पड़े और अपनी इस उपलब्धि का जश्न अपने साथी खिलाड़ियों के साथ मनाया।

टी-20 वर्ल्ड कप के पहले मैच में हारते-हारते जीता पाकिस्तान

कोलंबो, 7 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 की शुरुआत जीत के साथ की है. कोलंबो में खेले गए टूर्नामेंट के पहले ही मैच में पाकिस्तान ने नीदरलैंड को रोमांचक अंदाज में 3 विकेट से हरा दिया. नीदरलैंड ने इस मैच में 147 रन बनाए थे लेकिन पाकिस्तान को ये लक्ष्य हासिल करने में भी पसीने छूट गए. 18वें ओवर तक पाकिस्तानी टीम हार की कगार पर पहुंच गई थी लेकिन 19वें ओवर में फहीम अशरफ ने 3 छक्के और 1 चौका जमाकर टीम की वापसी करा दी. आखिरकार 20वें ओवर में पाकिस्तान ने लक्ष्य हासिल करते हुए जीत के साथ टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत की.

आर प्रेमदासा स्टेडियम में शनिवार 7 फरवरी को ग्रुप-ए के मैच में पाकिस्तानी टीम ने नीदरलैंड को तेज शुरुआत के बाद बड़े स्कोर तक पहुंचने से रोक दिया, जो उसके लिए अंत में निर्णायक साबित हुआ. हालांकि, पहले बैटिंग करते हुए नीदरलैंड के ओवनर माइकल लेविट ने शाहीन अफरीदी पर बाउंड्री बरसाते हुए तेज शुरुआत दिलाई. मगर पाकिस्तानी टीम बीच-बीच में विकेट झटकती रही, जिसके चलते नीदरलैंड की रफ्तार पर ब्रेक लगता रहा.

नीदरलैंड को असली झटका 16वें ओवर की आखिरी गेंद से 17वें ओवर के बीच लगा. डच टीम ने यहां पर कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स समेत 3 विकेट गंवा दिए, जबकि 7 रन ही उसके खाते में आए. इसमें से 2 विकेट एक ही ओवर में साइम अयूब ने लिए. तब नीदरलैंड का स्कोर 127 रन था. मगर फिर 20वें ओवर में टीम सिर्फ 147 पर ही ढेर हो गई. पाकिस्तानी पेसर सलमान मिर्जा ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए, जबकि अयूब, मोहम्मद नवाज और अबरार अहमद को 2-2 विकेट मिले.

बॉलिंग के बाद अयूब ने बैटिंग में टीम को तूफानी शुरुआत दिलाई और सिर्फ 13 गेंदों में 24 रन कूट दिए. वहीं दूसरी ओर से साहिबजादा फरहान ने भी स्कोरिंग रेट को रफ्तार दी. इसके दम पर 11वें ओवर तक ही पाकिस्तान ने 2 विकेट खोकर 98 रन बना लिए थे. मगर यहां से उसका पतझड़ शुरू हुआ और रन आने भी रुक गए. पाकिस्तान ने सिर्फ 2 रन पर 3 विकेट गंवा दिए, जिसमें बाबर आजम की धीमी बैटिंग भी जिम्मेदार रही.

यहां से नीदरलैंड के गेंदबाजों ने मैच पर शिकंजा कस लिया और 114 के स्कोर तक उसके 7 विकेट गिरा दिए. हालात ये थे कि पाकिस्तान को आखिरी 2 ओवर में 29 रन की जरूरत थी और हार तय दिख रही थी. फिर 19वें ओवर की पहली गेंद पर फहीम अशरफ ने छक्का जमा दिया. मगर मैच पलटा अगली गेंद पर जब नीदरलैंड के मैक्स ओ'डाउड ने अशरफ का कैच छोड़ दिया. इसके बाद फहीम ने उसी ओवर में 2 छक्के और 1 चौका भी जड़ते हुए 24 रन बटोर लिए. आखिरी ओवर में 5 रन की जरूरत थी और तीसरी गेंद पर फहीम ने चौका जमाकर पाकिस्तानी टीम की इज्जत बचा ली.

'मैं चाहता हूं कि पाकिस्तान मैच खेलने श्रीलंका आए'

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत-पाक मैच को लेकर सुनील शेट्टी ने किया रिएक्ट

मुंबई, 7 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान द्वारा भारत के खिलाफ मैच नहीं खेलने के फैसले पर बॉलीवुड एक्टर सुनील शेट्टी का रिएक्शन सामने आया है। मुंबई में मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि भारत-पाकिस्तान का मैच होना चाहिए।

दरअसल, पाकिस्तान सरकार ने आधिकारिक तौर पर घोषणा की है कि उनकी टीम आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 में हिस्सा लेगी, लेकिन 15 फरवरी को भारत के खिलाफ होने वाले मुकाबले का बायकॉट करेगी।

इस मुद्दे पर इंडियन क्रिकेटर केएल राहुल के ससुर और एक्टर सुनील शेट्टी से जब सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा, "मैं चाहूंगा कि पाकिस्तान श्रीलंका में आकर खेले। न खेलने से क्या होगा? भारत और पाकिस्तान के बीच बहुत जबरदस्त राइवलरी है, जैसे एशेज में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच।"

पाकिस्तान ने 1 फरवरी को मैच का बॉयकॉट किया

1 फरवरी को पाकिस्तान सरकार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर एक पोस्ट के जरिए भारत के खिलाफ मैच के बॉयकॉट करने का ऐलान किया था। पाकिस्तान ने यह फैसला बांग्लादेश के सपोर्ट में लिया था, क्योंकि आईसीसी ने बांग्लादेश को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया था।

बांग्लादेश ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए भारत की बजाय अपने मैच श्रीलंका में कराने की मांग की थी। यह पूरा विवाद मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल से हटाए जाने के बाद शुरू हुआ। बीसीसीआई ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रही हिंसा के विरोध में मुस्तफिजुर रहमान को भारतीय लीग से बाहर करने का फैसला किया था।

बीसीसीआई अंडर-19 वर्ल्डकप चैंपियन टीम को 7.5 करोड़ इनाम देगा

सूर्यवंशी ने अवॉर्ड सपोर्ट स्टाफ को डेडिकेट किया

हरारे, 7 जनवरी (एजेंसियां)। बीसीसीआई अंडर-19 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम को 7.5 करोड़ की प्राइज मनी देगा। बीसीसीआई के सेक्रेटरी देवजीत सैकिया ने शनिवार को इनामी राशि का ऐलान किया। उन्होंने कहा, 'जीत के बाद पूरा देश खुश है। भारतीय टीम पूरे टूर्नामेंट में अजेय रही, यह सराहनीय है। हमने वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम के लिए 7.5 करोड़ रुपए के इनाम की घोषणा की है।'

भारत ने एक दिन पहले फाइनल में इंग्लैंड को 100 रन से हराकर छठी बार खिताब जीता। 175 रन की पारी खेलने वाले वैभव सूर्यवंशी प्लेयर ऑफ द मैच रहे। उन्होंने जीत के बाद भोजपुरी गाने पर जमकर डांस किया। राजस्थान रॉयल्स ने इसका वीडियो सोशल मीडिया में पोस्ट किया। फैंस इसे खूब पसंद कर रहे हैं।

टीम के सेलिब्रेशन के एक वीडियो क्लिप में वैभव कहते हैं कि पंजाबी गाना समझ नहीं आ रहा गाइज, अब भोजपुरी लगेगा। इसके बाद वैभव ने पवन सिंह का गाना सॉरी-सॉरी प्ले किया। इसके बाद सभी खिलाड़ी इस भोजपुरी गाने पर डांस करने लगे। वीडियो के आखिरी में वैभव कहते हैं कि अब मेरी तरफ से आज के लिए इतना ही काफी है। IPL की राजस्थान रॉयल्स ने डांस की वीडियो क्लिप पर कमेंट भी किया और लिखा कि 'एक बिहारी सब पर भारी'।

अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 में वैभव सूर्यवंशी जीत के हीरो रहे। फाइनल में 175 रन की पारी के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। पूरे टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन और सबसे ज्यादा छक्के लगाने के चलते वे प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी बने। उन्होंने 7 मुकाबलों में 62.71 की औसत से 439 रन बनाए, जिनमें 41 चौके और 30 छक्के शामिल थे। प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द सीरीज बनने के बाद वैभव ने कहा, बहुत अच्छा लग रहा। मैं ये अवॉर्ड पूरे सपोर्ट स्टाफ को डेडिकेट करना चाहता हूं।

वैभव सूर्यवंशी के पिता संजीव सूर्यवंशी ने टीम इंडिया के विश्व कप जीतने पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि वैभव समेत सभी खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया है।

उनके मुताबिक, वैभव की यह पारी ऐतिहासिक रही है। उन्होंने कहा, आज हम वर्ल्ड कप जीते हैं, इसके लिए हमें बहुत गर्व है। पूरा देश खुश है। बिहार और देशवासियों का आशीर्वाद हमेशा उसके साथ रहा है।

वहीं, वैभव के चाचा राजीव सूर्यवंशी ने भी खुशी जताते हुए कहा- हम और पूरे क्षेत्र के लोग बहुत गर्व महसूस कर रहे हैं। वैभव ने जिस तरह का खेल दिखाया है, वह काबिले-तारीफ है। हमें पूरा विश्वास है कि वह जल्द ही भारतीय टीम के लिए खेलेगा। वैभव सूर्यवंशी के दादा उपेंद्र प्रसाद सिंह ने कहा कि यह उनके परिवार के लिए बेहद खुशी का पल है। उन्होंने बताया कि वैभव ने शानदार बल्लेबाजी की। हालांकि वह दोहरा शतक बनाने से चूक गए। हम शुरू से ही कह रहे थे कि वह फाइनल में बेहतरीन प्रदर्शन करेगा।

उन्होंने आगे कहा कि 15 साल से कम उम्र का खिलाड़ी इस तरह का खेल दिखा रहा है, यह अपने आप में बड़ी बात है। भले ही वह दोहरा शतक नहीं बना पाए, लेकिन सिर्फ 80 गेंदों में 175 रन बनाना अपने आप में ऐतिहासिक है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर दूसरे खिलाड़ियों का थोड़ा और साथ मिलता, तो वैभव और भी बड़ा स्कोर खड़ा कर सकते थे।

ऑस्ट्रेलिया पर टूटी सबसे बड़ी आफत

टूर्नामेंट से बाहर हेजलवुड, 15 साल में पहली बार ऐसा हाल

मेलबर्न, 7 जनवरी (एजेंसियां)। फिर से टी20 चैंपियन बनने का सपना देख रही ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम को सबसे बड़ा झटका लगा है. शनिवार 7 फरवरी से शुरू हो रहे आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 से एक दिन पहले ही ऑस्ट्रेलियाई टीम को बुरी खबर मिली है. टीम के सीनियर दिग्गज तेज गेंदबाज जॉश हेजलवुड टी20 वर्ल्ड कप से पूरी तरह बाहर हो गए हैं.पहले ही मिचेल स्टार्क और पैट कमिंस की गैरहाजिरी के साथ टूर्नामेंट में उतर रही ऑस्ट्रेलियाई टीम की पूरी अनुभवी पेस बैटरी ही टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले पाएगी. स्टार्क तो पिछले साल ही संन्यास का ऐलान कर चुके थे, जबकि कमिंस कुछ दिन पहले ही चोट के कारण बाहर हो गए थे.

सुपर-8 तक भी फिट नहीं होंगे हेजलवुड

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (CA) ने एक बयान में बताया कि हेजलवुड टी20 वर्ल्ड कप के लिए समय पर फिट नहीं हो पाएंगे, जिसके चलते वो इस वर्ल्ड कप में हिस्सा नहीं ले सकेंगे. पिछले 3 महीनों से हैमस्ट्रिंग की चोट से जूझ रहे हेजलवुड को ऑस्ट्रेलिया के स्क्वॉड में शामिल किया गया था. मगर उनकी रिकवरी में देरी के कारण पहले उन्हें ग्रुप स्टेज से बाहर किया गया. तब ऑस्ट्रेलियाई खेमे को उम्मीद थी कि वो सुपर-8 राउंड तक फिट हो जाएंगे लेकिन अब ये उम्मीद भी खत्म हो गई है. ऑस्ट्रेलिया का पहला मैच 11 फरवरी को आयरलैंड से है.

CA के सेलेक्टर टोनी डॉडमेड ने एक बयान में बताया कि उन्हें सुपर-8 मुकाबलों से हेजलवुड की वापसी की उम्मीद थी लेकिन ताजा संकेतों से ये साफ हो गया कि उनके पूरी तरह से फिट होने में और भी ज्यादा वक्त लगेगा. उन्होंने बताया कि 35 साल के इस पेसर के रिहैबिलिटेशन प्रोसेस को रफ्तार देना खतरनाक साबित हो सकता था, इसलिए उन्हें टूर्नामेंट से बाहर करने का ही फैसला किया गया. ऑस्ट्रेलियाई सेलेक्टर ने ये भी साफ किया कि फिलहाल उनके रिप्लेसमेंट का ऐलान नहीं किया जाएगा और इससे जुड़ा कोई भी फैसला आने वाले वक्त में जरूरत के आधार पर किया जाएगा.

15 साल में पहली बार होगा ऐसा

हेजलवुड के टूर्नामेंट से बाहर होने के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई टीम को एक खास स्थिति का सामना करना पड़ रहा है. असल में 15 साल में पहली बार ऑस्ट्रेलियाई टीम किसी आईसीसी टूर्नामेंट में अपने तीनों दिग्गज तेज गेंदबाजों के बिना उतरेगी. जहां स्टार्क ने पिछले साल ही टी20 इंटरनेशनल से संन्यास का ऐलान कर दिया था, वहीं पैट कमिंस पीठ की चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए. उन्हें भी स्क्वॉड में शामिल किया गया था लेकिन वो भी फिट नहीं हो सके. इससे पहले 2011 वर्ल्ड कप आखिरी ऐसा टूर्नामेंट था, जिसमें ये तीनों तेज गेंदबाज ऑस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा नहीं थे क्योंकि उस वक्त तीनों में से किसी का भी डेब्यू नहीं हुआ था.

टी-20 वर्ल्डकप में भारत-पाकिस्तान मैच की उम्मीद जगी

श्रीलंका क्रिकेट ने कहा- हमें रेवेन्यू में नुकसान होगा, पीसीबी ने भरोसा दिलाया- सरकार से बात करेंगे

कोलंबो, 7 जनवरी (एजेंसियां)। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत-पाकिस्तान मुकाबले को लेकर उम्मीद जगी है। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड से इस मैच पर दोबारा विचार करने की अपील की है। पीसीबी 15 फरवरी को होने वाले इस हाई-वोल्टेज मुकाबले के बहिष्कार के फैसले पर सरकार से बातचीत करेगा।

न्यूज एजेंसी PTI के मुताबिक श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने पीसीबी से कहा ने कहा, 'हम भारत के साथ मिलकर इस टूर्नामेंट को होस्ट कर रहे हैं। अगर भारत-पाकिस्तान मैच नहीं होता है तो हमें रेवेन्यू में भारी नुकसान होगा।"

दरअसल पाकिस्तान सरकार ने एक फरवरी को पीसीबी को टूर्नामेंट में टीम भेजने की मंजूरी तो दे दी थी, लेकिन भारत के खिलाफ खेलने से इनकार कर दिया था। भारत-पीएके मैच आईसीसी और ब्रॉडकास्टर्स के लिए सबसे बड़ा कमर्शियल मुकाबला माना जाता है, ऐसे में अब इस पर दोबारा बातचीत की संभावना बन गई है।

इस मुद्दे को लेकर श्रीलंका क्रिकेट ने पीसीबी को मेल लिखा है। इसमें कहा गया है कि भारत-पाक मैच नहीं होने से श्रीलंका क्रिकेट को आर्थिक नुकसान होगा और टूर्नामेंट की इमेज को भी नुकसान होगा। श्रीलंका इस टूर्नामेंट की मेजबानी भारत के साथ मिलकर कर रहा है।

पाकिस्तान-श्रीलंका के बीच सरकार और क्रिकेट स्तर पर हमेशा अच्छे रिश्ते रहे हैं, इसलिए पीसीबी इस अपील को नजरअंदाज नहीं कर सकता। पीसीबी चीफ मोहसिन नकवी से श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष शमी सिल्वा ने संपर्क किया। उन्होंने कहा- भारत-पाक मैच नहीं होने पर टिकट बिक्री और हॉस्पिटैलिटी से होने वाली अतिरिक्त कमाई भी खत्म हो जाएगी।

न्यूज एजेंसी के मुताबिक, मोहसिन नकवी ने भरोसा दिलाया है कि वह इस मुद्दे पर सरकार से बात करेंगे। मीडिया में आई यह खबर भी गलत बताई गई है कि पाकिस्तान ने श्रीलंका की अपील खारिज कर दी है। मोहसिन नकवी फिलहाल देश से बाहर हैं और आज लौट रहे हैं। इस मामले पर सोमवार तक फैसला हो सकता है।

पिछले साल नवंबर में सुरक्षा चिंताओं के बावजूद श्रीलंकाई सरकार ने अपने खिलाड़ियों को पाकिस्तान दौरा पूरा करने का निर्देश दिया था और उस वक्त श्रीलंका ने पाकिस्तान का मजबूती से साथ दिया था। इस वनडे सीरीज को पाकिस्तान ने 3-0 से जीता था।

पाकिस्तान सरकार ने कहा था- वर्ल्डकप खेलेंगे, लेकिन भारत से नहीं

पाकिस्तान ने 1 फरवरी को घोषणा की कि वह टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में हिस्सा लेगा, लेकिन भारत के खिलाफ मैच का बॉयकॉट करेगा। पाकिस्तान सरकार ने यह फैसला इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल के बांग्लादेश को टूर्नामेंट से हटाने के बाद लिया। बांग्लादेश सरकार ने भारत में खेलने को लेकर सुरक्षा चिंता जताई थी।

सरकार ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ पाकिस्तान की सरकार, पाकिस्तान क्रिकेट टीम को आईसीसी वर्ल्ड टी20 2026 में हिस्सा लेने की मंजूरी देती है। हालांकि, पाकिस्तान क्रिकेट टीम 15 फरवरी 2026 को भारत के खिलाफ होने वाले मैच में मैदान पर नहीं उतरेगी।

आईसीसी ने एक फरवरी को ही देर रात 11 बजे मीडिया रिलीज में कहा, हम पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के ऑफिशियल कन्फर्मेशन का इंतजार कर रहे हैं। आईसीसी सरकार के फैसलों का समर्थन करता है, लेकिन पाकिस्तान का फैसला दुनियाभर में क्रिकेट के इकोसिस्टम को प्रभावित करने वाला है।

टी20 वर्ल्डकप 2026 : एशियाई मूल के 69 खिलाड़ी 11 टीमों में

कनाडा में 11, अमेरिका में 9 भारतीय, ओमान में सबसे ज्यादा 14 एशियाई प्लेयर

खेल डेस्क, 7 जनवरी (एजेंसियां)। टी-20 वर्ल्ड कप में भारतीय मूल के 40 खिलाड़ी अलग-अलग देशों की जर्सी में खेलते नजर आएंगे। वहीं भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका और अफगानिस्तान जैसी एशिया की टॉप क्रिकेट खेलने वाली टीमों से जुड़े कुल 69 खिलाड़ी 11 अन्य देशों का प्रतिनिधित्व करते दिखाई देंगे।

कनाडा और यूएसए की टीम में सबसे ज्यादा

कनाडा और यूएसए की टीमों में एशियाई मूल के खिलाड़ियों की सबसे ज्यादा मौजूदगी है। नॉर्थ अमेरिका की इन टीमों में कुल मिलाकर 26 एशियाई और 19 भारतीय प्लेयर्स हैं। कनाडा की टीम में कुल 13 खिलाड़ी एशियाई मूल के हैं, जिनमें से 11 अकेले भारतीय मूल के हैं। खास बात यह है कि टीम की कप्तानी भी दिलप्रीत बाजवा संभाल रहे हैं।

वहीं यूएसए की टीम में भी 13 खिलाड़ी एशियाई मूल के शामिल हैं। इसमें श्रीलंका के शेहान जयसूर्या के अलावा सौरभ नेत्रावलकर और हरमीत सिंह जैसे 9 भारतीय और 3 पाकिस्तानी मूल के खिलाड़ी टीम का हिस्सा हैं।

यूएई और ओमान की टीम में भारत-पाकिस्तान का दबदबा

यूएई और ओमान की टीमों में भारत-पाकिस्तान मूल के खिलाड़ियों का दबदबा साफ नजर आता है। यूएई की टीम में कुल 12 खिलाड़ी एशियाई मूल के हैं, जिनमें 7 भारतीय और 5 पाकिस्तानी खिलाड़ी शामिल हैं।

वहीं ओमान की टीम में भारत और पाकिस्तान के कुल 14 खिलाड़ी हैं, जिनमें दोनों देशों के 7-7 खिलाड़ी शामिल हैं। ओमान के लिए जतिंद्र सिंह, आशीष ओडेदरा और करन सोनवाले जैसे खिलाड़ी खेल रहे हैं, जो मूल रूप से क्रमशः पंजाब, गुजरात और मुंबई के रहने वाले हैं।

न्यूजीलैंड से इंग्लैंड तक भारतीय और पाकिस्तानी मूल के खिलाड़ी

न्यूजीलैंड में रचिन रवींद्र और ईश सोढ़ी दोनों भारतीय मूल के हैं। ईश सोढ़ी का जन्म लुधियाना में हुआ था, जबकि रचिन रवींद्र के पिता बेंगलुरु से ताल्लुक रखते हैं। साउथ अफ्रीका टीम के स्टार स्पिनर केशव महाराज भी भारतीय मूल के हैं। उनके परदादा 1874 में उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर से गिरमिटिया मजदूर के रूप में डरबन पहुंचे थे। इंग्लैंड से रेहान अहमद, आदिल राशिद और साकिब महमूद तीनों पाकिस्तानी मूल के खिलाड़ी हैं। रेहान अहमद के पिता 2001 में पाकिस्तान से इंग्लैंड शिफ्ट हुए थे और वहां टैक्सी ड्राइवर के रूप में काम करते थे। नीदरलैंड टीम में आर्यन दत्त (भारतीय मूल) और साकिब जुल्फिकार (पाकिस्तानी मूल) शामिल हैं।

इटली और स्कॉटलैंड में भी एशियाई पहचान

इटली की टीम में कुल 6 खिलाड़ी एशियाई मूल के हैं, जिनमें जसप्रीत सिंह भारतीय मूल के हैं। इसके अलावा टीम में 3 खिलाड़ी पाकिस्तान और 2 खिलाड़ी श्रीलंका से ताल्लुक रखते हैं। वहीं स्कॉटलैंड की टीम में अफगानिस्तान मूल के जैनुल्लाह एहसान और पाकिस्तान मूल के सफयान शरीफ खेल रहे हैं। जिम्बाब्वे की टीम में भी पाकिस्तान में जन्मे सिकंदर रजा सबसे बड़े खिलाड़ी के तौर पर मौजूद हैं, जो लंबे समय से टीम के अहम ऑलराउंडर की भूमिका निभा रहे हैं।

एशियाई प्लेयर्स 6 प्लेइंग इलेवन बना सकते हैं

अगर वर्ल्ड कप खेल रही भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका और अफगानिस्तान की मुख्य टीमों को अलग कर दें, तो बाकी देशों की ओर से खेल रहे इन 69 खिलाड़ियों से 6 अलग-अलग प्लेइंग इलेवन तैयार की जा सकती हैं।

यानी 20 देशों के इस वर्ल्ड कप में हालात ऐसे हैं कि करीब 10 देशों की प्लेइंग इलेवन सिर्फ एशियाई मूल के खिलाड़ियों से ही बनाई जा सकती है।

आदर्श राम ज्योति शंकर का शानदार प्रदर्शन

एशियाई इंडोर चैंपियनशिप में ऊंची कूद में कांस्य पदक जीता

नई दिल्ली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय एथलीट ने 14 प्रतियोगियों के बीच धीरे-धीरे पदक के अपने लक्ष्य की ओर कदम बढ़ाए। प्रतियोगिता के आगे बढ़ने के साथ स्वर्ण पदक की दौड़ शंकर और जापान के दो एथलीटों के बीच सिमट गई। शंकर ने 2.15 मीटर की ऊंचाई दूसरे प्रयास में और 2.19 मीटर की ऊंचाई तीसरे प्रयास में पार की। उन्होंने अपने पदक का रंग बेहतर करने की कोशिश की लेकिन 2.23 मीटर पर तीनों प्रयास असफल रहे। जापान के सेको यूटो ने 2.23 मीटर की ऊंचाई के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि उनके हमवतन शिन्नो तोमोहीरो ने 2.19 मीटर के साथ रजत पदक अपने नाम किया। आउटडोर में राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक पुरुषों की त्रिकूद में भारत के प्रवीण चित्रावल पदक से चूक गए। चित्रावल ने अपने छठे और अंतिम प्रयास में 16.22 मीटर की छलांग के साथ चौथा स्थान हासिल किया। पुरुषों की त्रिकूद स्पर्धा में चीनी एथलीटों का दबदबा रहा। सु वेन ने 16.55 मीटर के साथ स्वर्ण, जबकि जियाओ शिनपिंग (16.47 मीटर) और मा यिंगलॉन्ग (16.45 मीटर) ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीते।

पर्यावरण संरक्षण और जागरूकता बढ़ाने में ईपीटीआरआई की भूमिका महत्वपूर्ण: मुख्य सचिव

ईपीटीआरआई बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की बैठक आयोजित

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार के मुख्य सचिव के. रामकृष्णाराव ने कहा है कि राज्य में पर्यावरण संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण और जलवायु परिवर्तन पर जागरूकता बढ़ाने में पर्यावरण संरक्षण प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (ईपीटीआरआई) की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। डा. बी.आर. अंबेडकर राज्य सचिवालय में आयोजित ईपीटीआरआई बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की बैठक की अध्यक्षता मुख्य सचिव ने की। बैठक में उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ईपीटीआरआई द्वारा संचालित शोध, प्रशिक्षण, क्षमता विकास और जागरूकता कार्यक्रमों को और मजबूत किया जाए। उन्होंने जेएनटीयू और ओस्मानिया विश्वविद्यालयों में विद्यार्थियों के साथ पर्यावरण जागरूकता गतिविधियों, इंटर्नशिप प्रोग्राम और पब्लिकेशन कार्यों को बढ़ाने पर विशेष जोर दिया। मुख्य सचिव ने बैठक में ईपीटीआरआई के वर्तमान कार्यक्रमों, भविष्य की कार्ययोजना, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, शोध परियोजनाओं, मानव संसाधन विकास और वित्तीय मामलों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने सुझाव दिया कि राज्य सरकार की योजनाओं के अनुरूप पर्यावरण अनुकूल कार्यक्रमों को तेजी से लागू किया जाए और विभिन्न विभागों के साथ समन्वय बढ़ाया जाए। बैठक में उद्योग, शहरी विकास, ठोस कचरा प्रबंधन, जल और वायु प्रदूषण नियंत्रण, हरित विकास जैसे क्षेत्रों में ईपीटीआरआई की सक्रिय भूमिका पर भी चर्चा हुई। मुख्य सचिव ने कहा कि नवीनतम तकनीकी उपकरणों और समाधानों का उपयोग करके पर्यावरण संरक्षण उपायों को प्रभावी ढंग से लागू किया जाना चाहिए। बैठक में वन विभाग के मुख्य सचिव अहमद नदीम, वित्त विभाग के मुख्य सचिव संदीप कुमार सुलतानिया, जल संसाधन विभाग के मुख्य सचिव राहुल बोज्जा, नगरीय प्रशासन एवं शहरी विकास विभाग की सचिव टी.के. श्रीदेवी, बोर्ड के सदस्य और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

नक्सल विरोधी अभियान में 7 माओवादी ढेर, एक कमांडो शहीद

कोत्तागुडेम, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। महाराष्ट्र के गढ़चिरोली और छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिलों की सीमा पर चार दिनों तक चले नक्सल विरोधी अभियान में मारे गए माओवादियों की संख्या बढ़कर 7 हो गई है। सुरक्षा बलों ने शुक्रवार रात अभियान समाप्त होने तक सात शव बरामद किए, जिनमें 4 पुरुष और 3 महिला माओवादी शामिल हैं। मारे गए माओवादियों में सीपीआई (माओवादी) गढ़चिरोली डिवीजन कमेटी और कंपनी नंबर-10 के प्रभारी लोकेति चंद्र राव उर्फ प्रभाकर (53) भी शामिल हैं। वे तेलंगाना के कामारेड्डी जिले के रहने वाले थे और उन पर 25 लाख रुपये का इनाम घोषित था। वे 1995 से भूमिगत थे।

मुठभेड़ स्थल से सुरक्षा बलों ने तीन एके-47 राइफलें, एक एसएलआर और एक .303 कैलिबर का हथियार बरामद किया है। बाकी मारे गए माओवादियों की पहचान की जा रही है। यह अभियान महाराष्ट्र के भामरागड पुलिस उपमंडल के अंतर्गत अभूझमाड़ क्षेत्र में माओवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद मंगलवार को शुरू किया गया था। इस अभियान में घायल हुए सी-60 कमांडो दीपक चिन्ना मदावी (38) की इलाज के दौरान शुक्रवार को मौत हो गई। उनका अंतिम संस्कार शनिवार को गढ़चिरोली जिले के अहेरी तालुका स्थित उनके पैतृक गांव मंदरा में पूरे सम्मान के साथ किया जाएगा। वहीं, एक अन्य कमांडो जोगा मदावी गोली लगने से घायल हुए थे, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार उनकी हालत अब खतरे से बाहर है।

नगर निगम चुनावों में दलबदलू विधायकों को जिम्मेदारी

कांग्रेस में बढ़ी अंदरूनी खींचतान

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। विधायकों के दलबदल को लेकर सबूत न होने के स्पीकर के दावे और दलबदलू विधायकों के खुद को अब भी बीआरएस से जुड़ा बताने के बीच कांग्रेस ने तीन दलबदलू विधायकों को नगर निगम चुनावों के लिए पार्टी का समन्वयक नियुक्त कर दिया है। इस फैसले से प्रदेश की राजनीति में नई बहस छिड़ गई है। टीपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने गुरुवार को इस संबंध में आदेश जारी किए। इसके तहत सेरिलिंगमपल्ली से बीआरएस के दलबदलू विधायक अरेकापुडी गांधी को निजामाबाद नगर निगम, राजेंद्रनगर के विधायक टी. प्रकाश गौड़ को शादनगर और भद्राचलम के विधायक तेल्लम वेंकट राव को येल्लंडू नगर निगम का समन्वयक नियुक्त किया गया है।

यह नियुक्तियां स्पीकर जी. प्रसाद कुमार द्वारा दलबदल के आरोपों पर दायर अयोग्यता याचिकाओं में आठ बीआरएस दलबदलू विधायकों को क्लीन चिट दिए जाने के बाद हुई हैं। स्पीकर ने कहा था कि इन विधायकों के खिलाफ दलबदल के आरोप साबित करने के लिए कोई ठोस सबूत नहीं है। दलबदल करने वाले कुल दस विधायकों में से आठ को क्लीन चिट मिल चुकी है, जबकि स्टेशन घनपुर के विधायक कडियाम श्रीहरि और खैराबाद के विधायक दानम नागेंद्र की सुनवाई अभी जारी है।

नगरपालिका चुनावों के लिए प्रचार तेज होने के बीच दलबदलू विधायकों को समन्वयक बनाए जाने से कांग्रेस के भीतर असंतोष उभर आया है। स्थानीय कांग्रेस नेता इस फैसले से असहज हैं और उनका मानना है कि दलबदलू नेताओं को दी जा रही प्राथमिकता पार्टी के लिए नुकसानदेह साबित हो सकती है। पूर्व मंत्री टी. जीवन रेड्डी ने जगतियाल में बीआरएस से कांग्रेस में आए विधायक डॉ. संजय को मिल रही प्रमुखता पर खुलकर आपत्ति जताई है। पार्टी के दलबदलू विधायकों के समर्थकों को चुनाव मैदान में उतारने के फैसले से नाराज जीवन रेड्डी अब कांग्रेस के बागी उम्मीदवारों के समर्थन में प्रचार कर रहे हैं, जिनमें कई निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं। जगतियाल नगर निगम चुनाव प्रचार के दौरान टी. जीवन रेड्डी ने जनता को याद दिलाया कि वर्ष 2021 में तत्कालीन टीपीसीसी अध्यक्ष रेवंत रेड्डी ने कांग्रेस छोड़कर टीआरएस में गए विधायकों के खिलाफ तीखा बयान दिया था। उन्होंने कहा कि अब जनता को वोट के जरिए जवाब देना चाहिए। पूर्व मंत्री के इस रुख पर कांग्रेस नेतृत्व ने कड़ी आपत्ति जताई है और पार्टी सूत्रों के अनुसार उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। पार्टी ने उनके कथित दल-विरोधी गतिविधियों को गंभीरता से लिया है।

ओआरआर के सभी टोल प्लाजा 1 अप्रैल से पूरी तरह कैशलेस होंगे

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आउटर रिंग रोड (ओआरआर) के सभी टोल प्लाजा 1 अप्रैल से पूरी तरह कैशलेस लेनदेन के लिए तैयार हैं। इसके तहत टोल प्लाजा पर नकद भुगतान की सुविधा समाप्त कर दी जाएगी और केवल फास्टैग तथा यूपीआई आधारित क्यूआर कोड के माध्यम से ही शुल्क लिया जाएगा। फिलहाल जिन वाहन चालकों के पास फास्टैग नहीं है, वे नकद भुगतान कर रहे हैं, लेकिन 1 अप्रैल से यूपीआई आधारित भुगतान प्रणाली लागू होने के बाद नकद लेनदेन पूरी तरह बंद हो जाएगा। यह निर्णय केंद्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय राजमार्गों पर कैशलेस टोल व्यवस्था लागू करने के निर्देशों के तहत लिया गया है।

फास्टैग सुविधा वाले वाहनों को आरएफआईडी तकनीक के जरिए स्वचालित रूप से स्कैन किया जाएगा, जबकि फास्टैग नहीं रखने वाले वाहन चालक फोनपे, पेटीएम और गूगल पे जैसे यूपीआई ऐप के माध्यम से क्यूआर कोड स्कैन कर टोल शुल्क का भुगतान कर सकेंगे। हैदराबाद ग्रोथ कॉरिडोर लिमिटेड (एचजीसीएल) ओआरआर के अंतर्गत पेद्दा अंबरपेट, मेडचल, कोकापेट, राजेंद्रनगर, शमशाबाद, एडुलनागुलापल्ली, पाटनचेरु, शमीरपेट, घाटकेसर, कीसरा, टीजीपीए, नानकरामगुडा, पेद्दा गोलकोंडा, रविरायल, तुक्कुगुडा, तारामाटिपेटा, सुल्तानपुर, सारागुडेम और बोंगुलुरु सहित कुल 19 इंटरचेंज टोल प्लाजा का संचालन करता है।

एचजीसीएल के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, नकद लेनदेन में नकदी को संभालने, परिवहन और भंडारण से जुड़ी कई समस्याएं सामने आती थीं। सही छुट्टे के अभाव में अक्सर वाहन चालकों और टोल कर्मचारियों के बीच विवाद की स्थिति भी बन जाती थी। इसके अलावा नकदी के भंडारण और परिवहन के दौरान चोरी और डकैती जैसे सुरक्षा जोखिम भी बने रहते थे। इस बीच, 1 अप्रैल 2026 से ओआरआर टोल दरों में संशोधन की भी संभावना जताई जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, वर्तमान में अप्रैल 2024 में संशोधित दरें लागू हैं और विभिन्न कारणों से 1 अप्रैल 2025 को दरों में बदलाव नहीं किया गया था। अब दो वर्ष के अंतराल के बाद 1 अप्रैल 2026 से संशोधित टोल दरें लागू किए जाने पर विचार किया जा रहा है।

ऐप-आधारित परिवहन कर्मियों का देशव्यापी अवकाश

ओला-उबर सेवाएं रहीं प्रभावित

नई दिल्ली, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना समेत देशभर में ओला, उबर, रैपिडो, पोर्टर सहित अन्य ऐप-आधारित राइड-हेलिंग प्लेटफॉर्म से जुड़े परिवहन कर्मचारियों ने गिरती आय और बढ़ते शोषण के विरोध में शनिवार को देशव्यापी 'अवकाश' रखा। इस अवकाश के चलते कई शहरों में ऑटो, कैब और माल ढुलाई सेवाएं आंशिक रूप से प्रभावित रहीं। यह अवकाश तेलंगाना गिग एंड प्लेटफॉर्म वर्कर्स यूनियन (टीजीपीडब्ल्यूयू) और इंडियन फेडरेशन ऑफ ऐप बेस्ड ट्रांसपोर्ट वर्कर्स (आईएफएटी) के आह्वान पर आयोजित किया गया। यूनियनों ने आरोप लगाया कि मोटर वाहन एग्रीगेटर दिशानिर्देश, 2025 लागू होने के बावजूद न्यूनतम आधार किराए की अधिसूचना जारी नहीं की गई, जिससे श्रमिकों की आय लगातार घटती जा रही है और उनका शोषण बढ़ रहा है। यूनियनों का कहना है कि एग्रीगेटर कंपनियां मनमाने ढंग से किराए तय कर रही हैं।

टीजीपीडब्ल्यूयू के संस्थापक अध्यक्ष एवं आईएफएटी के राष्ट्रीय महासचिव शेख सलाहुद्दीन ने कहा कि श्रमिकों को असहनीय कार्य परिस्थितियों में काम करने के लिए मजबूर किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अवकाश के दौरान ऑटो और कैब चालकों ने या तो राइड रिक्वेस्ट रद्द कीं या अपने ऐप पूरी तरह बंद रखे। यूनियनों की प्रमुख मांग है कि मान्यता प्राप्त श्रमिक संगठनों से परामर्श कर न्यूनतम आधार किराए की तत्काल अधिसूचना जारी की जाए। इसके साथ ही निजी वाहनों के वाणिज्यिक यात्री एवं माल परिवहन में उपयोग पर रोक लगाने या उन्हें मोटर वाहन अधिनियम एवं एग्रीगेटर दिशानिर्देश, 2025 के तहत वाणिज्यिक श्रेणी में लाने की मांग भी उठाई गई। सलाहुद्दीन ने बताया कि अकेले तेलंगाना में लगभग 2.5 लाख ऑटो चालक, 1.5 लाख कैब चालक और करीब 50 हजार पोर्टर चालक ऐप-आधारित परिवहन सेवाओं से जुड़े हैं। यूनियनों ने केंद्र और राज्य सरकारों से श्रमिक प्रतिनिधियों के साथ शीघ्र बातचीत शुरू कर ऐप-आधारित परिवहन सेवाओं के लिए निष्पक्ष, कानूनी और टिकाऊ व्यवस्था लागू करने की मांग दोहराई।

बासी भोजन खाने से एससी छात्रावास के 20 छात्र बीमार

मंचेरियल, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के बेल्लमपल्ली स्थित एक सरकारी अनुसूचित जाति छात्रावास में शुक्रवार रात बासी और कीड़े लगे भोजन का सेवन करने से लगभग 20 छात्र बीमार पड़ गए। भोजन करने के बाद छात्रों की तबीयत अचानक बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। अधिकारियों के अनुसार, रात करीब 9 बजे छात्रावास में भोजन करने के बाद 15 से 25 छात्रों को अस्पताल ले जाया गया। बताया गया कि भोजन में कीड़े पाए गए थे, जिसके सेवन से कुछ छात्र बेहोश हो गए। सभी प्रभावित छात्रों को शहर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। इनमें से दो छात्रों की हालत गंभीर बताई जा रही है। स्थानीय पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने अस्पताल पहुंचकर छात्रों का हालचाल जाना।

घटना की सूचना मिलने पर बेल्लमपल्ली के पूर्व विधायक दुर्गम चिन्नैया ने भी अस्पताल का दौरा किया और अधिकारियों से छात्रों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि छात्रावासों में स्वच्छ वातावरण में गुणवत्तापूर्ण भोजन तैयार किया जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारी छात्रावासों में भोजन में मिलावट की घटनाएं आम होती जा रही हैं, जो संबंधित अधिकारियों की लापरवाही को दर्शाती हैं। इस बीच, अभिभावकों ने बार-बार सामने आ रही खाद्य संदूषण की घटनाओं पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने आरोप लगाया कि छात्रावासों में छात्रों को अक्सर बासी और कीड़े लगे भोजन परोसा जा रहा है और अधिकारियों की उदासीनता के कारण छात्रों का जीवन खतरे में पड़ रहा है। अभिभावकों ने भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए कड़े एहतियाती कदम उठाने की मांग की है। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष 30 अक्टूबर को कुमराम भीम आसिफाबाद जिले के वांकिडी मंडल मुख्यालय स्थित एक छात्रावास में भी इसी तरह की घटना सामने आई थी। वहां रात का खाना खाने के बाद 60 से अधिक छात्राएं बीमार पड़ गई थीं। इस घटना में पीड़ित छात्रा चौधरी शैलजा की 25 नवंबर को हैदराबाद के एनआईएमएस अस्पताल में इलाज के दौरान मृत्यु हो गई थी। उस खाद्य विषाक्तता मामले में लापरवाही के आरोप में वांकिडी मंडल के बालिका आश्रम स्कूल की प्रधानाध्यापिका समेत पांच कर्मचारियों का तबादला कर दिया गया था।

कार्डिनल पूला एंथोनी बने कैथोलिक बिशप्स कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडिया के नए अध्यक्ष

बेंगलुरु, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार को आयोजित कैथोलिक बिशप्स कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडिया (सीबीसीआई) की 37वीं आम सभा की बैठक के दौरान हैदराबाद के मेट्रोपॉलिटन आर्कबिशप कार्डिनल पूला एंथोनी को कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडिया का नया अध्यक्ष चुना गया।

कैथोलिक बिशप्स कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडिया द्वारा जारी बयान के अनुसार, पोप फ्रांसिस ने 19 नवंबर 2020 को कार्डिनल पूला एंथोनी को हैदराबाद का मेट्रोपॉलिटन आर्कबिशप नियुक्त किया था।

फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी में भीषण आग

कई अहम उपकरण व दस्तावेज जले

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार सुबह नामपल्ली स्थित तेलंगाना फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी में भीषण आग लग गई। अग्निशमन विभाग को सुबह करीब 10:21 बजे आग लगने की सूचना मिली, जिसके बाद तत्काल दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। सूचना मिलते ही विधानसभा अग्निशमन केंद्र सहित विभिन्न दमकल केंद्रों से कई दमकल गाड़ियां और कर्मचारी घटनास्थल पर पहुंचे। भारी धुएं के कारण शुरुआत में दमकलकर्मियों को इमारत की पहली मंजिल में प्रवेश करने में दिक्कत हुई। बाद में आत्मनियंत्रित श्वास यंत्र का उपयोग कर वे इमारत में दाखिल हुए और बचाव कार्य शुरू किया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, प्रयोगशाला के कर्मचारियों ने पहले इमारत में मौजूद अग्निशामक यंत्रों से आग बुझाने का प्रयास करने का सुझाव दिया, क्योंकि कमरों में कंप्यूटर और संवेदनशील उपकरण रखे थे। जब यह प्रयास विफल रहा, तो दमकलकर्मियों ने पानी का प्रयोग किया। इसी दौरान आग पहली मंजिल के तीन से चार कमरों में फैल गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आग की चपेट में आकर कई कंप्यूटर, हार्ड डिस्क, विभिन्न मामलों से जुड़े दस्तावेज और अन्य सामान जलकर नष्ट हो गए।

डीसीपी (खैराबाद) के. शिल्पावल्ली ने आशंका जताई कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी हो सकती है। दमकल विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। धुएं को बाहर निकालने के लिए स्मोक एक्सट्रैक्टर का इस्तेमाल किया गया, जिससे स्थिति को नियंत्रित करने में मदद मिली। फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला के अधिकारी फिलहाल आग से हुए नुकसान के बारे में कोई स्पष्ट जानकारी देने से बच रहे हैं। आशंका जताई जा रही है कि आग में हाई-प्रोफाइल मामलों से जुड़े महत्वपूर्ण साक्ष्य और उपकरण भी प्रभावित हो सकते हैं।

पति ने कुल्हाड़ी से पत्नी की हत्या की

पारिवारिक विवाद हत्या का कारण बना

करीमनगर, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जगतियाल ग्रामीण मंडल के लक्ष्मीपुर गांव में शनिवार तड़के एक महिला की उसके पति द्वारा बेरहमी से हत्या किए जाने की सनसनीखेज घटना सामने आई है। मृतका की पहचान अदारवेनी सत्तव्वा के रूप में हुई है, जबकि आरोपी पति का नाम मल्लैया बताया गया है।

ग्रामीणों के अनुसार, मल्लैया ने सोते समय सत्तव्वा पर पहले चाकू से गला काटकर हमला किया और इसके बाद कुल्हाड़ी से वार किया। गंभीर चोटों और अत्यधिक रक्तस्राव के कारण सत्तव्वा की मौके पर ही मौत हो गई।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, पारिवारिक विवाद इस हत्या का कारण बताया जा रहा है। मृतक दंपत्ति के दो बच्चे हैं। बेटा हैदराबाद की एक निजी कंपनी में कार्यरत है, जबकि बेटी अपने माता-पिता के साथ गांव में ही रहती थी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद से आरोपी मल्लैया फरार है, जिसकी तलाश में पुलिस की टीमें जुटी हुई हैं।

केसीआर की कृषि नीतियों से तेलंगाना बना प्रवासी श्रमिकों का रोजगार केंद्र : केटीआर

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के. टी. रामाराव ने शनिवार को कहा कि तेलंगाना, जो कभी आजीविका की तलाश में पलायन करने के लिए जाना जाता था, आज कृषि क्षेत्र में आए बदलाव के बाद दूसरे राज्यों से आने वाले प्रवासी मजदूरों को रोजगार उपलब्ध करा रहा है। उन्होंने इसका श्रेय पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की दूरदर्शी नीतियों और कृषि क्रांति को दिया। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपनी बात रखते हुए केटीआर ने कहा कि पहले पानी की कमी के कारण कुएं सूख जाते थे और लोग खेती को घाटे का सौदा मानते थे। लेकिन केसीआर ने सिंचाई जल की उपलब्धता के महत्व को समझते हुए ऐतिहासिक कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना शुरू की, जिससे राज्य में खेती के लिए पर्याप्त पानी सुनिश्चित हुआ।

उन्होंने बताया कि सिंचाई सुविधाओं के विस्तार के बाद राज्य में खेती का रकबा बढ़ा और किसान एक या दो के बजाय तीन फसलें उगाने लगे। इससे कृषि श्रमिकों की मांग में भारी इजाफा हुआ। केटीआर ने कहा कि आज बिहार, ओडिशा, महाराष्ट्र सहित कई राज्यों से प्रवासी श्रमिक तेलंगाना आकर कृषि क्षेत्रों में काम कर रहे हैं। तेलंगाना देश के प्रमुख कृषि केंद्र के रूप में उभरा है, जहां बड़ी संख्या में श्रमिकों को रोजगार मिल रहा है। उन्होंने रायथु बंधु जैसी इनपुट सब्सिडी योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि इन योजनाओं के माध्यम से किसानों को अग्रिम वित्तीय सहायता दी गई, जिससे खेती को स्थिरता मिली और कृषि श्रमिकों को नियमित रोजगार प्राप्त हुआ। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली। केटीआर ने कहा कि यह कोई राजनीतिक दावा नहीं बल्कि एक वास्तविकता है, जो अखबारों और खेतों में काम कर रहे प्रवासी श्रमिकों से साफ नजर आती है। उन्होंने कहा कि केसीआर ने यह साबित कर दिया कि कृषि के विकास से गांव मजबूत होते हैं और गांवों के सशक्त होने से पूरा राज्य प्रगति करता है।

जनगांव जिले में भटकते बाघ का आतंक

दो भेड़ों को बनाया शिकार

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार तड़के जनगांव जिले के नर्मेट्टा मंडल के अम्मापुर गांव में एक भटकते हुए बाघ ने कथित तौर पर दो भेड़ों पर हमला कर उन्हें मार डाला। इस घटना से गांव में दहशत का माहौल है। जानकारी के अनुसार किसान वल्लापल्ला सुबह अपने खेत पहुंचे तो उन्होंने गौशाला में रखी दो भेड़ों को मृत पाया। यह दृश्य देखकर वे घबरा गए और तुरंत गांव लौटकर ग्रामीणों को सूचना दी। इसके बाद गांव के सरपंच बी. बापुराजू को मामले की जानकारी दी गई।

सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और वन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे। जांच के दौरान घटनास्थल पर बाघ के पदचिह्न पाए गए, जिससे बाघ के हमले की पुष्टि हुई। वन विभाग के अधिकारियों ने ग्रामीणों को सतर्क रहने और अकेले खेतों में न जाने की सलाह दी है।

भद्राचलम में स्थापित होगा 'गिरि मार्ट'

आदिवासियों को मिलेगा आजीविका का नया मंच

कोत्तागुडेम, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एकीकृत जनजातीय विकास एजेंसी (आईटीडीए), भद्राचलम के अधिकारियों ने जिले के भद्राचलम शहर में 'गिरि मार्ट' स्थापित करने की योजना बनाई है। इस पहल का उद्देश्य जिले के आदिवासियों के लिए आजीविका के अवसर बढ़ाना और उनके द्वारा एकत्रित गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थों, आवश्यक वस्तुओं तथा वन उत्पादों को आम जनता तक पहुंचाना है। आईटीडीए के परियोजना अधिकारी बी. राहुल ने बताया कि इस मार्ट में महिला स्वयं सहायता समूहों और छोटे पैमाने के उद्योग संचालित करने वाले आदिवासी परिवारों को अपने उत्पादों की बिक्री का अवसर मिलेगा। यह उनके व्यवसाय के लिए एक केंद्रीकृत विपणन मंच के रूप में कार्य करेगा।

उन्होंने बताया कि जिले में श्रीरामा जॉइंट लायबिलिटी ग्रुप जैसी कई महिला स्वयं सहायता समूह पौष्टिक बाजरे से बने स्नैक्स तैयार कर रही हैं। इसके अलावा कुछ महिलाएं सुगंधित फिनाइल, जेल मोमबत्तियां और वाशिंग पाउडर का निर्माण कर रही हैं, जबकि कुछ समूह कोल्ड प्रेस्ड कुकिंग ऑयल का उत्पादन कर रहे हैं। गिरि मार्ट से इन सभी उत्पादकों को सीधा लाभ मिलेगा। भद्राचलम में गिरिजन सहकारी निगम (जीसीसी) के गिरि बाजार का जीर्णोद्धार और संशोधन कार्य जारी है, ताकि खम्मम में स्थापित 'महिला मार्ट' की तर्ज पर यहां गिरि मार्ट विकसित किया जा सके। अधिकारियों के अनुसार, मार्च में आयोजित होने वाले श्री राम नवमी उत्सव तक इस मार्ट को खोलने की योजना है। जिले के सभी मंडलों में उपलब्ध उत्पादों का डेटा एकत्र करने और सूची तैयार करने के लिए जीसीसी कर्मियों को लगाया गया है। साथ ही, गिरि मार्ट में बिक्री से पहले उत्पादों की गुणवत्ता जांच के लिए उनके नमूने भी एकत्र किए जा रहे हैं। अधिकारियों को उम्मीद है कि भद्राचलम एक प्रमुख तीर्थस्थल होने के कारण, जहां प्रतिदिन राज्य भर से श्रद्धालु श्री सीता रामचंद्र स्वामी देवस्थानम आते हैं, वहां स्थानीय ग्राहकों के साथ-साथ श्रद्धालुओं के बीच भी गिरि मार्ट को अच्छा प्रतिसाद मिलेगा।

कोटी बैंक स्ट्रीट लूटकांड में शामिल लुटेरों की तलाश

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पिछले सप्ताह कोटी स्थित बैंक स्ट्रीट में हुई लूट की घटना में शामिल आरोपियों को पकड़ने के लिए हैदराबाद कमिश्नर टास्क फोर्स की टीमों ने स्थानीय पुलिस के सहयोग से उत्तर प्रदेश के कई स्थानों पर छापेमारी की है। पुलिस के अनुसार, लुटेरों में से एक की पहचान उत्तर प्रदेश के कुख्यात अपराधी के रूप में हुई है। आरोप है कि इस लुटेरे ने कोटी स्थित एक एटीएम केंद्र में नकदी जमा कराने आए एक व्यवसायी पर गोली चला दी, जिससे वह घायल हो गया। इसके बाद आरोपी करीब छह लाख रुपये से भरा बैग लेकर फरार हो गए। जांच में सामने आया है कि वारदात के बाद लुटेरे दिनभर शहर में अलग-अलग ऑटो रिक्शा बदलते रहे और बाद में शहर से बाहर निकल गए।

रिश्वत मामले में टीजीएफडीसी मंडल प्रबंधक हिरासत में

कोत्तागुडेम, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना वन विकास निगम (टीजीएफडीसी) के कोत्तागुडेम मंडल प्रबंधक थाती श्रावणी को शनिवार को एसीबी खम्मम रेंज के डीएसपी वाई. रमेश के नेतृत्व में एसीबी टीम ने विशाखापत्तनम से हिरासत में ले लिया। श्रावणी उस रिश्वत मामले में मुख्य आरोपी हैं, जिसे एसीबी ने 3 जनवरी को कोत्तागुडेम जिले में दर्ज किया था। आरोप है कि उन्होंने एक वृक्षारोपण में लगभग 3,900 टन यूकेलिप्टस पेड़ों की कटाई से संबंधित शिकायतकर्ताओं के बिलों को मंजूरी देने के बदले 3.51 लाख रुपये की रिश्वत की मांग की थी।

इस मामले में निगम के बागान प्रबंधक थाडी राजेंद्र कुमार (कोत्तागुडेम वन उपमंडल) और एक निजी व्यक्ति चेन्नम गोपाल कृष्ण को गोपाल कृष्ण के आवास पर श्रावणी की ओर से रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया था। इसके बाद से ही श्रावणी फरार हो गई थीं। एसीबी अधिकारियों ने उनकी गतिविधियों पर लगातार नजर रखते हुए आखिरकार उन्हें विशाखापत्तनम में खोज निकाला और हिरासत में ले लिया। बताया गया है कि आरोपी अधिकारी ने गिरफ्तारी से बचने के लिए अग्रिम जमानत लेने का प्रयास किया था, लेकिन उसे राहत नहीं मिली। एसीबी अधिकारियों के अनुसार, थाती श्रावणी को शनिवार को एसीबी अदालत में पेश किया जाएगा।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence [illegible], Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.